ॐ नमः ।

॥ अथ तेरे (१३) ढालकीबड़ीसाधुवंदनालिख्यते ॥

(दूहा ॥ अरिहन्तसिधसाधुनमो ॥ नमताकोडक्ल्यांण ॥ साधुतणांगुणगायसो ॥ मनमेंआणंदआण ॥ १ गुणगाउगोरूआंतणा ॥ मनमोटेमंडाण ॥गिरुवासहजेगुण करे ॥ सोमेत्रछितकाज ॥ २ ॥ दूणहोजअढ़ीद्वोपमें ॥ जयवंताजगदीस ॥ भावकरोवंदनकरु ॥ उछकमनअतिलीन ३ ॥ भावप्रधानकह्योतिसे ॥ सवमें भावमजाय ॥तिभावेस वक्तुंनमू ॥ अनंतचोमीसीनांम ॥४ ॥ उठप्रभातिसमरोसदा साधुमंदणांसार ॥ गुणगावोमोटातणां ॥ पापरोगसवजात ५ ॥ ढाल० १ ली० (चोपईनोचालमेंएदेशी०) पांचभरत पांचइरवजाय ॥ पा चमाहाविदेहवपांण ॥जेहअनतउवा अरिहंत ॥ करजोडीप्रणमं तिसन्त ॥ १ ॥ जेहिवडाविचरें जिणचंद ॥ पेच विदेहसदासुपकंद ॥ करजोडीप्रणमूतसु पाय ॥ आरत वेघनसकटलजाय ॥ २ ॥ सिधअनतापनरेंभेद ॥ तेप्रणमु मनधरीयउभेद ॥ आचारजप्रणमु गणधार ॥ ओउभायसदासुपकार ॥ साधुसदाप्रणमूकेवली ॥ काल

अनादअनंतेवली ॥ केवलीविचरे गुणवंत ॥ साधुसाधवी सहु भगवंत ॥ ४ ॥ तिसहु प्रणमुं मन हुलास ॥ अरिहंतसिधने साधप्रकास ॥ साधवंदनाकरुं हितकार ॥ तिसांभलज्यो सहु नरनार ॥ ५ ॥ दूहा ॥ इणजोजंबूदीपमे ॥ भरतमना सेपेच ॥ जिनवरवचनसुहंकरी ॥ निरजलकीधानेच ॥ १ तिहांचोवोसेजिणहुंवा ॥ रिपभादिकमहावीर ॥ पूर्वभव वर्णोप्रणमीये ॥ मोलीजेभवतीर ॥ २ ॥ पूर्वभवचक्रवर्त्तथया ॥ रिपभदेवनरभोप ॥ अजतादिकतेवीसजिण ॥ राजासहुमंडलीक ॥३॥ इतलेदूपूर्वचवदे ॥ रिपभभणयासनरग पूर्वभवतेवीसजिण ॥ भणयाइग्यारेअंग ॥ ४ ॥ वीसस्थानकतिहसिंवीया ॥ वीजेभवसुरराय ॥ तिहांथीचविचोवीसजिण ॥ इयाप्रणमुंपाय ॥५॥ ढाल॰२जी॰) नमणीषमणी॰ (एहनीएदेशी) चोवक्रवर्त्तपूर्वभवनांम ॥वैरनाभतिहांनांअवधांण ॥ रिपभदेवप्रणमुंजगभांण॥ गुणगावतांहुवेजन्मप्रमांण ॥ १ ॥ विमराईपूर्वभवनांम ॥ अजतजिणेसरकरुं प्रणांम ॥ विमलवाहनपूर्वभवराय ॥ संभवप्रणमुंचितलाय ॥ २ ॥ पूर्वभवधर्मसीराजान ॥ अभिनंदनप्रणमुंसुभध्यान ॥ पूर्वभवधयासुमतप्रसिध ॥ सुमतजिणेसरप्रणमुंसिध ॥ ३ ॥ पूर्वभवराजादमजित ॥ पद्मप्रभुजीनेवांदुनित्य ॥ पूर्वभवनंदरवाल ॥ तिहसुपासप्रणमुंजगनाल ॥ ४ ॥ पूर्वभवझगबाहुमुनीस ॥ चंद्राप्रभप्रणमुंनिशदीस ॥ जगबाहुपूर्वभवजोव ॥ प्रणमुंसुवधजिनदसदीव ॥ ५ ॥ लटबाहुपूर्वभवजास ॥ सीतलप्रणमुंहुलास ॥ दीनराईकुलतिलकसजान ॥ श्रेयसंयोमेधांसप्रधान ॥ ६ ॥ इद्रदत्तमुनिवरगुणवंत ॥ वासपूज्यतिह

भगवंत ॥ पूर्वभवसुंदरवडभाग ॥ वांदूविमलधरीमनरा
ग ॥ ७ ॥ पूर्वभवजेरायमहिंद्र ॥ तेहथनंतजिणप्रणमुंसु
खकर ॥ साधसीरोसणसिंहरथराव ॥ धर्मनाथयादूचितला
य ॥ ८ ॥ पूर्वभयजेमेघरथगुणगारुं ॥ सांतिनाथजिणवरचित
लाउं ॥ पूर्वभवरूपिमुनिकहीये ॥ कुंथनाथप्रणम्यांसुपल
हिये ॥ ९ ॥ रायसुदर्शणमुनिविख्यात । वांदुअजिनत्रिभुवन
तात ॥ पूर्वभवनंदनमुनीचंद ॥ तेप्रणमुंश्रीमल्लिजिणंद
॥ १० ॥ सोहगिरोपूर्वभवसार ॥ मुनिसुव्रतजिणजगआधा
र ॥ अदीनसत्रुमुनिवरसिवसाथ ॥ करजोडीप्रणमुंनमिना
थ ॥ ११ ॥ संपनरेसरसाधुसुजाण ॥ रहनेमीप्रणमुंगुणखा
ण ॥ रायसुदरसणजेहमुनिस ॥ पार्श्वनाथप्रणमुंनिसदी
स ॥ १२ ॥ छट्टेभवपेटिलमुनिजाण ॥ कोडिवरसचारीत्रप्र
माण ॥ चोथेभवनंदनराजान ॥ करजोडीप्रणमुंवर्द्धमान
॥ १३ ॥ चोवीसीजिणवरभगवंत ॥ ज्ञानदर्शणचारित्रअ
नंत ॥ वारुंवारकरूंप्रणाम ॥ षट्कर्मखेकरियाकाम
॥ १४ ॥ दूहा ॥ मेरुथकीउत्तरदिसे ॥ एहीजजंबूद्वीप ॥
इरवत्रिक्षेत्रसुहामणो ॥ जिणत्रिभुवनतीदीप ॥ १ ॥ जिहांचो
वीसीजिणहूया ॥ चंद्राननवारिषेण ॥ एहीचोवीसीस
हो ॥ तेप्रणमुंमनसेण ॥ २ ॥ ढाल० ३ जी०) रागवेलावली
एदेशीछे०) चंद्राननजिणप्रथमजिणेसरू ॥ दूजाश्रीसुचं
दभगवंतक ॥ अगियसेणतीज्यातथंकर ॥ चोथाश्रीनंदषे
णअरिहंतक ॥ त्रिकर्णासुदसद्राजिणप्रणाम ॥ १ ॥ इरव
येक्षेत्रणरिचोवीसक ॥ ऋषभादिकसाजीश्रुतमहूया ॥
एकसमैगम्यपावगदीसके ॥ चि० २ ॥ पांचमानित्तीदिनथुणीजे
वत्सधारीछठाजिणरायक ॥ सोमचंदसातमाजिणसमरुं ॥ यु

त्तिसेवयाठमांसुपसायक॥३॥ नवमीभणीयसेणजिणपन्मु दसमांश्रीसिवसेणउदारक ॥ देवसमांइम्यारमांध्याउं ॥ बारमां निपतसहतसुखकारक ॥ ४ ॥ चि० ॥ तेरमाभसंभव जिणतारक ॥ चवदमांश्रीजिणनाथअनंतक ॥ पनरमांउप संतनमीजे ॥ सोलमांश्रीगुप्तसेणमहंतक ॥ ५ ॥ चि० ॥ सतरमांअतिपारुसुणीजे ॥ पुणसुअठारमांश्रीगुपासक ॥ उगणीसमांमरुदेवमनोहर ॥ बीसमाश्रीहरपुणसंक्राासक ६ ॥ चि० ॥ इकवीसमांसमकोठसुहंकर ॥ बावीसमा पुणसंभगोसेणक ॥ तेवीसमांभगोपुबभनोपम ॥ चो वीसमांपुणसंवारीखेणक ॥ ७ ॥ चि० ॥ चोवीसथ थकीएभाख्या ॥ अडताळीसजिणेसरनांमक ॥ कठेपण कठ्ठासनिसुमत ॥ सुपविपाकजगदाइसामक ॥ ८ ॥ चि० ॥ जिणमचासएपुसचनवचने ॥ एमअनंतकुपाअरिहं तक । महरमांनवकोजिणवरविचरे ॥ वीसकोसाखसुभगव न्ताक ॥ ९ चि० ॥ सिधयणवसेसंपुतिविचरे ॥ करजोडी पुणाम तसुपायक ॥ त्रिवजेभागमनाक्सुणिजे ॥ तेमुनिवर कहिस्युचितलायक ॥ १०॥ पुथमजिणवरगणधरसमवो चक्रमत्तहलधरवसितिहक ॥ पूर्वभवतसुनांमजणुरुगाय स्यु ॥ चोयाअक्षयकीतिहक ॥ ११ चि० ॥ चोवीसेजिनती र्थअतर ॥ कोडअस कहवामुनी सइक ॥ कइलीलोपुणमु तिपोसल ॥ नांमकहुंह्वियणेपरसिवक ॥ १२ ॥ चि० ॥ ढाल ४थी० (रागधन्यासरी) एदेशी० ॥ पोसमपुणमुंरूपभजि णेसरु ॥ श्रीमरुदेवासिधसुहंकरु ॥ चोरासीगणधारसिरो मणी ॥ उसभसेणमुनियरपुणामूसुउमणी ॥१॥ वधालो० सुरुभणीपुणाम भाउअपगनुनी ॥ सहसचोरासीमुनि ॥दी

समवसरणमां केवलीवले॥ सिद्धथया बहुमुनवथी॥ तीन
लाखसमणीवृन्दन नितनांनिर्मलीसुंदरी॥ सहसबालीसे
केवलीवले॥ नमुमसणा चितमगो॥ १ ढाल०॥ आदीसेव
रभरतनरेसर॥ ध्यानवलेकरकेवलहमर॥ दसहसदसीसं
घातोनरपती॥ विषरप्राजगतै मनलसुमसती॥७०॥ सुभ
मतोजंबूद्दीपपन्नतीवर्णायोये॥ भरतनीवलेपरकेवलं
पेनदूरवणायोये॥ वंदीयेचऋोदूरनीजनि॥ भावस
नितमनरखी॥ हियैभरधपाटैआठसनूमान॥ वंदोर
सूपकेवली॥ २॥ ढाल०॥ श्रीआदूजसमहाजसकेव
ली॥ अदूवलमहिवलतेजविरियेवली॥ कोरतविरीयेदंड
वोरीयेध्यादूये॥ जलविरियामुनिनिवगुणगादूये ७० गाई
यैतांणंअंगमुनिवरएहभाप्यासंमती॥ श्रीरुपभतेअजि
जितअंतर॥ हिवैसुणोकाइसुभमती॥ पचासलाखकोडसा
गर॥ तिहांअसंख्यातीवली॥ जिथयामुनिवरतीहप्रमाणु॥ अ
सुभदुरमतिनिरदली॥ ३ ढा०॥ अजितजनेसरनेजगणध
रू॥ ध्रुवप्रणानुसीहसेणसुहंकर॥ प्रणामुपोसभफागुसाह
णो॥ इएवंसु बंदूसगळाहानुनि॥७०॥महानीसगळती
सलापैकोडअंतरजेथया॥ केवलीमुनीवरसीहअगामु॥ दोय
करजोडोसया॥ श्रीसंभवनारूंमुनिवर॥ चितरखानतीगुण
रमु॥ लापदसीहोकोडसागर॥ अंतरेसिधसहुनमुं॥४
ढा०) श्रीअभिनंदनप्रणमु गुणपती॥ वैरनामपुनिमणी
यामती॥ सागरलाषेनवकोडअंतर॥ केवलीथेयथावंदीये-
सुभपरै॥ ५ ७०॥ सुभपरेसुमतजिणेसरगणधर॥ चम
रकासविअजया॥ नेउसहसकोडसागर॥ मिथनमुंजेसिद्ध
थया श्रीपद्मप्रमसोसनांमोसुक्रियेस्तवंदये साठुणीतेरूनां

त्तिसेवघाठमं।सुपसायक॥७॥ नयमींप्रमोयसेकजिणपग्मु दसमांयोसिवसेणउदारक ॥ देवममांमुत्यारमाघ्यार्थ ॥ बारमां।नियतसहतसुरखकारक ॥ ४ ॥ जि० ॥ तेरमांमस जम जिणतारक ॥ चयदमांथीजिणनाथअनंतक ॥ पनरमांत्रम संतनमीजे ॥ सोलमांथीशुभसेवमहंतक ॥ ५ ॥ जि० ॥ ध तरमांग्रतिपासुखीजे ॥ प्रयमसुअठारमाथीगुपासक ॥ प गणीसमांजरुदेवमनोहर ॥ वीसमांथीहरप्रणमुं कुलासक ६ ॥ त्रि० ॥ इकवीसमांसमकोठसुखकर ॥ वायीसमां प्रथसुअगोसेणक ॥ तेवीसमांअगोपचमनोपम ॥ चो वीसमं।प्रणमुंवारीखेणक ॥ ७ ॥ जि० ॥ चोथैख यकीएभाख्या ॥ अडतालीसजिणेसरनांमक ॥ छठैअंग कह्यासुनिसुव्रत ॥ सुपविपाकजगदाहू स्वामक ॥ ८ ॥ जि० ॥ जिणप्रवासएप्रवचनवचने॥ एमग्रनंतउवारिरि तक। महरमांनमजोजिणवरविचरै॥ केवलीसाधसतुभगव गणक ॥ ६ जि० ॥ सिद्धययावर्तेस प्रतिविचरै॥ करजोडी प्रणाम तसुपायक ॥ त्रिसजेआगमनामसुणीजे॥ तेमुनिवर कहिस्युचितलायक ॥ १०॥ प्रथमजिणवरगणधरसमणी चक्रवर्त्त हलधरवखितिहक ॥ पूर्वभवतसुमांमजगुणगाय स्यूं ॥ चौथाअंगथकीतिहक ॥ ११ जि० ॥ चौवीसिजिनती र्थंकर ॥ कोडअस छलखामुनी सहक ॥ कहजोडीप्रणमुं तिपोसम ॥ नामकाउंकिमजेपरहितक ॥ १२ ॥ जि० ॥ ढाल ४थी० (रागधन्यासरी) एदेशी० ॥ पोसमप्रणमुं रूपमजि णेसरू ॥ श्रीमरुदेवासिवसुहकर ॥ चौरासीगणधारसिरो मणी ॥ उसभसेणमुनिवरप्रणमूंसुखभणी ॥१॥ उचाखो० सुखभणीप्रणमूंबाह्मचरमुनी ॥ सहसचौरासीमुनि ॥बी

रैकेवली ॥ जेययातेसङ्घवंदीयेवरिवली । ८॥ सामीश्रंन
तजिणप्रणमीयैजसुगणो ॥ समणोपोम नम सुगुरुश्रे श्रंस
मुनि ॥ सोसश्रसोकसुप्रणम प्रभयती ॥ श्रातपुरुपोतमकी
सवम्पती ॥ ८॥ सागरच्यारनोश्रंतरोभापोयै ॥ कीवलियं
दनेसिवसुपचापोयै ॥जिणवरधर्म श्रेरठगणधरकङं॥ सती
समणासेवावादिम्रिवसुपलङं ॥ १० ॥ पूर्वभवकष्णगुरुलख
ततथुसोसए ॥ रामप्रणम सुद्रसणनिसदोसए॥बंधवपुरस
सोङ्केसवभयो ॥ श्राय्यवर्णचसुमरपुढवोगयो ॥ ११ ॥ सा
गरतोनयिचश्रातरोभापोये ॥पूण्यपल्योपमउणोकरिदापी
ये॥ तिहांकणरायरिसी ॥ मघवमु निवरभयो ॥ जेवनछो
ङिनैसुधसंयसथयो ॥ १२ ॥ चोथोचक्रिसरसनतकु
मारए॥ वंदियैश्रं तकिरियाश्रधिकारए ॥ दूणश्रन्तरसनि
सुक्तिगयाजिके ॥ सेवलिवंदियेभावमगतेतिके ॥ १३ ॥
ढाल० ॥ ६ ॥ विरजिणेसरचरणकमल ॥ कपलाक
रवासो० (एहनि० देशो०) सोलसमश्रोसांतिनम चक्रि
जिनराया ॥ चक्रायुधगणिसश्रणिसुप्रणम्यांद्हपपाया ।
पूर्व भवगंगदत्तगुरुतसुसिधशाराह ॥ बंधयपरसमु
घरिकरांम ॥ श्राणदच्छाह ॥ १ ॥ श्रर्द्ध पल्योपमश्रंतरैए
सिधावङ्गभेद ॥ तीहमुनिश्रुरअंदतांनहितिर्थछेद ॥ चक्रि
थोश्रोकुंथनमु संभवगणधार ॥श्रजुकश्रजाश्रंदताङवेजैजे
कार ॥ २ ॥ सागरगुरुधर्म सैनसिसनंदनहलधार॥ बंधवकी
सवदत्तनाकसातमोविचार ॥ कोडहजारवरसउणोपलि
येसोभाग ॥ दूणश्रवसरङसिधवजुश्रंदूष रराग ॥ ३ ॥ श्र
सुनचक्रोसातमोए ॥कुंभगणधरगाई ॥श्ररदियासमणिदंट्र
ताए ॥ सिवसंपतपाई ॥ कोडसहसवर्षश्रंतरैए ॥ सिधास

मे ॥ प्रणम्यादुपदूरनिकंदीये ॥५ दा० ॥ कोडसहसनवमा
गरविचषली ॥ प्रणमुं मुनिवरजेययाकेवली ॥ थ्योसुपासवि
याविधुगुणोदधि ॥ प्रणमुं सोआसमणोगुणनिधी ॥ ७० ॥ ए
पानोधीनवसेकोडसागर ॥ श्रंतरेजेकेवली ॥ तेहप्रणमुं भा
वसुंए ॥ दुपभावैसङ्कटली ॥ थ्योचंद्राप्रभुदोनगणधर ॥ स
तोसमणाध्यादूयै ॥ नेउसागरकोडश्रंतरे ॥ केवलीगुणगा
दूयै ॥ ६ ॥ दाल० ५ मो०) सफलसंसारश्रवतारएऊंगिमुं
एदेशी०) सुवधजिणेसमुनिवाराए ॥ यावगोमंदीयेचित्त
उछाहए ॥ श्रंतरोकोडनवसागरसहुजिहा ॥ २ ॥ कालिक
सुधनोमोहभाय्योतिहां ॥१॥ स्वांमी सतलजिनसाधश्राणंद
ए ॥ सतोसुलसानमुं चित्तआनदए ॥ एकसागरकोडतणो
श्रन्तरोकह्यो ॥ एकसोसागरउणोकरसंग्रह्यो ॥ २ ॥ सह
सछावीसछासठलापउपरे ॥ कालिकसूधनोछेदहूनश्रतरे
श्रोश्रेयांसमुनिगोथूवधादूयै ॥ धारवोसाङणोमलेचणोचित
णादूयै ॥ ३ ॥ पूर्वभवगुरुकऊसाघसभूतए ॥ विसनंदिमले
सुगुणसंयुतए ॥ श्रचसमुनिवरनमूं पढमहलधारए ॥ वध
वन्तपट्टकेसयसिरधारए॥४॥चोपनसागरविचथयाकेवली॥वं
दीयेसुचनोमोहभाग्योवली दूमविछेदविचसातजिणश्रन्तरै
वं।वियैघातिजिणवरसर्वेदूणपरै।५॥स्वांमीवासपूज्यजिणसा
धुसोधर्म धर ॥ साङणोमलेजिणधर्मिउपद्रवहर ॥सुगुरसु
भद्रसुबंधवसषपाणीयै ॥ विणैमुनिवश्रश्रिपट्टहरिमाणीयै
६ ॥ तीससागरविचश्रन्तरैजेथया ॥ केवलीवंदीयैभावभग
तैरुया ॥ विमलजिनवंदीयै ॥ साधमिमंधरवली ॥ समणो
धरणीधराश्रागमसांभली ॥ ७ ॥ गुरुसुद्रसणमुनिसागरद
त्तए ॥ संभवहरिसंश्रभद्रसिवपत्तए ॥ नवसागरविचश्रत

रीमाई ॥ कर्मखपीनेकीयलपाम्या ॥ पहुंतासिवपुरठाम
रीमाई ॥ थो०२ ॥ नवनिधचवदेरेणजिणत्यागी ॥चक्री
श्रीहरिसेणरीमाई ॥ श्राग्रमकडीसंवरमगडी ॥ वेगवरी
सिवजेणरीमाई ॥ थो०३ ॥ वरसमलेहूर्णापंचसयश्रंतर
तिहाचक्रीजयरायरीमाई ॥ वलेअनेरासुक्तपहुंता ॥ तेव
न्दुमनलायरीमाई ॥ ४ ॥ गोतमससुद्रसागरगाउं ॥ गंभी
रथंभीरहटाररीमाई ॥अचलकंपिलअपोभप्रसेण॥टयमो
तिष्णुकुमाररीमाई ॥ ५॥थो०॥ पोसमप्रणमूथीनेजोखर
समणतिसहसअठाररीमाई ॥ वरदतश्रादमुनिपनरैसो॥
हांदृकेवलधाररीमाई ॥ ६ ॥ थो० ॥ अत्तोभसागरसमुद्र
वदु ॥ हैमवन्तअचलसुचंगरीमाई ॥ धरिणपुरिणअभिच
टमाठमो ॥ भण्याइग्यारेअङ्गरीमाई ॥७॥थो०॥ अन्धक
विष्णुसुतधारणीअङ्गज ॥ मुनिवरएहअठाररीमाई ॥ ८
वसुदेवदेयकीअगजरूर्ड ॥ श्राणीसेणश्रणंतसेणरीमाई
अजीसेणनैअणिहयरिपु ॥ देवसेणसत्रुसेणरीमाई ॥ ९ ॥
थो० ॥ सुलसानापरेसुरजोगै ॥ वधीरमणभत्तोसरीमाई
छंडीछठतपचवदपुवी ॥ संयमवरलेवोसरीमाई ॥१०
थो० ॥ वसुदेवदेवकीअङ्गजआठमो ॥ मुनिवरगजसुकमा
लरीमाई ॥ महिपरिसोसु लपहुंतो ॥ तेवंदूत्रिकालरीमा
ई ॥ ११॥ सारणदारुणकुमरअणाढी ॥ चवदैपूर्वधाररी
माई ॥ वीसवरससंयमआराधो ॥ कीधोकर्मसंहाररीमा
ई ॥ १२ ॥ थो० ॥ जालीमयालीनैउवयाली ॥ पुरिस
सेणवारीसेणरीमाई ॥ वारैअंगेसोलावरस ॥ पाल्योसं
यमतेणरीमाई ॥ १३॥ थो० ॥ वसुदेवधारणीअङ्गजआठै
रमणीतजीपचासरीमाई ॥ सुमतामायैसिवपुरपहुंता ॥

निहंद ॥ सातानरकसंघुनपविनामकंठीलतमंद ॥ ४॥मणि जिनेसरदंन्दियै ॥ अभिनंदन जिनंद ॥ गणनिंहुयणकरस गण्हुउयनंद ॥ सनसपचार साधवी । साघद्दसमालि स ॥ तिसस्सोकी किजिमगणुनिसदिस ॥ ५ ॥ जमिजि नेसरपूज्यदर्पसमत्थनगार ॥ तातमतेसुनन्दियै वलेनु निवारवार ॥ अजजिनयरोपडीयवघणचंद्रछाया ॥ पूगा जिनतेशंजदरुपयद्दाया ॥ ६ ॥ येरुननतीदिनकलुष भिवद्वनितरलु॥लनियौनलनुह्गया पूर्वभवलित्तु॥जुनिवर नन्दणनदानदानिदपाण॥ वालनिदनलेभापमिदयज रानतघाण ॥ ७॥ अनरसेयनद रीगचाठेनायलुनार ॥ जि लिसंघागिसाघघयाअंगउह्ठेनिचार ॥ अत्तरोद्दावलेजाणी येवारुरपिम्मवास ॥ कीलोतिरांतहुडदीयेघरीदर्पदरुणा स ॥ ८॥ वद्दूनिगोसरवीरूताकनिसुमतसाजी ॥ गणधर हृद्रकुंभपरुवलीमसुंसिरताजी ॥ सुरयरसातजैकप्पथ योसुनिवरगंगदसो ॥ कित्तीयसोहजरद्रूपणैसुरयीयसंप त्तो ॥ ९ ॥ दाईयीमहापोमचलीशंद्रूकरजोडी ॥ रुनुद्रगु रूयपराणीयोए ॥ गाउनलोडी ॥ रासरिपेसरमेदीयैए ॥ नाजपीनमोर्ह ॥ सेसघनारायणतणोए ॥ मघवकहतिह ॥ १०॥ सहिसेतनसुद्गेगया ॥ धाठमसदेव ॥ नयजोसुरसुप प्रसुभय ॥ साहसिसिवलेस ॥ सनिसुमतनमोयम्सरोए ॥ व संसारवरुद्धोई ॥ सिवसीसोघातिह ॥ प्रणस सुमजोई ॥ ११ ढाल०७मी ॥ अथोनवकारलीजनरंगे० (एहनोदेशी) द्वमी सजांथीनेजजिनमांह ॥ गणधरसुभपरधानरीजाई ॥ सम यी अजितागुणगामता ॥ सफजजयैनिणमानरीजाई ॥ १ थी अनसासणसुनियरमंदू ॥ए० यां० ॥ भर्ता निजसिरनाम

पणो ॥ तु मनोनासरारणोक्षीयोए ॥ स्वायंसिधम्रवत
री ॥ तट्टनरमवकरी ॥ च्वेचविदेहमैसिवगयोए ॥ तेमुनि
वंदता ॥ कर्मवलिनदतां ॥ जन्मजीवतसफलोथयोए
२ ॥ समणीगुणालीया ॥ तिणसुपमालीयां ॥ टिप्पीया
तासङ्गुणअणुंए ॥ तिजयलीसुव्रता ॥ द्रोपदीसंयता ॥
नेअसासणगुणथुणुंए ॥ मिमल्लजिणअनत ॥ स्रंतरैराय
मह्नि ॥यलदेवपद्मावतीए ॥ तासतेम्र गर ॥कुमरविरक्त
ए ॥ तरुणीवत्तीसतरुणीपतीए ॥३॥ ताजसिद्धत्यगुरु ॥
पासस यमधरु ॥ ब्रह्मलोकैसुरचपनोए ॥ चविमलदेवघरे
रेवतीउपद्रजर ॥ निपढनामसुतसंपनोए ॥ नेमपाईम्रन
सरो ॥ थयिरधनपरहरी ॥ रमणिपचासतजनतम्रह्योए
करीवह्नसमदमवरसनवसंयमे ॥ पालीनैसर्वार्थसिधलह्यो
ए ॥ ४ ॥ च्वेवविदेहमै ॥ केवलस यम ॥ सिवह्नोसीलेतेमू
नीए॥ दूणपरेचनिवह ॥ दोएगनोस ॥ सङ्गयुनोकङ्गगु
णयुणीए ॥ दसरहहडरहे ॥ अह्नावनुतेह ॥ सतधनु
णअभमनवस्याए ॥ नयधनुदसधनु ॥ सह्निधनुमुनिएह
भापोयोसूष्वनह्नोटम्राए ॥ ५॥ पूरवभवहरगुरु ॥ नाम
द्रुमसेण ॥ लल्लनतीनांसपूरवभवैए ॥रांमनन्दिवले ॥नव
गाहलधार ॥ मह्नलोकैसुरम्रसुभवैए ॥ चविजिणसेरमो
नामनिकसाय ॥ थायमोसह्नीसुरतनसमोए ॥ सघवकैसव
एकामवतार ॥ अजसह्नोसोजिम्रवारमोए ॥ ६ ॥ सह्नमव
सेत्थांमीयां ॥ सातसोभासीया ॥ वरसपचासद्दह्नांम्रन्त
रोए ॥ तिह्नांमलेचित्तमुनि ॥ सिद्धसंपत्तस्ं ॥ नामनेर्इंनै
कोरतकरुंए ॥ पूर्वभवधव ॥ चक्रीग्रह्मदत्त ॥ सातमी
नर्कगयोमरीए ॥ दूणअन्तरैचलीनजु ॥ मह्नकेवलीवेग

प्रणमुंतैहउलासरीमाई ॥ १४ ॥ थी० ॥ मनुवदु
मपनैकुमरएवट ॥ बलदेवधारणीपूतरीमाई ॥ योमव
रससंयमधरसोम्हा ॥ चवदैपूरवसूतरीमाई ॥ १५ थी०
रुपमणीरूप्याकर्कुमरपरजन ॥ जमवतीसुतसवरीमाई
परजनसुतअनरुधअनोपम॥सामवेदरथीअंबरीमाई ॥१६
थी०॥समुद्रविजैसैमादेवीरानंदण॥सवनेमीदृढनेमरीमा
ई ॥वारैअंगेसोलावरस॥रमणिपचासैतेमरीमाई ॥१७
थी॥समुद्रविजैसुतसुनिरहनेमी॥एमछराजकुमाररीमाई
कर्महणीनैसुक्तपहुता ॥ तेप्रणमुंवारूंवाररीमाई ॥ १८
थी० ॥ आरज्यांजखणीयादवदेसिखणी ॥ समणीसहस
चालीसरीमाई ॥ साधव्यांसीधीतोनसहसती ॥ चींदुकुम
तिटालरीमाई ॥ १ थी० ॥ सोमांगोरीनैगधारी ॥ लपम
णासुसमांनांमरीमाई ॥ जमुवतीसतभांमारूपमण ॥ हरर
मणीअभिरांमरीमाई ॥ २० थी०॥ सुलसरीसुलदसावीद
सवकुमररीनाररीमाई ॥ घ तगढम गेएसडुभाषी ॥ पां
मीभवनोपाररीमाई ॥ २१ थी० ॥ उतराध्येनराजेमती
सती ॥सयमसौलरीधाररीमाई॥प्रतिबोध्योरहनेमीपांम्यो
सासतासुपनिरवांणरीमाई ॥ २२ थी० (ढाल० ८मी०)
गोतमसमुद्रकुमारसागरगंभीर० (एदेसी०) थायच्चा
सुतसुयसेलगयादव ॥ पंथकप्रमुषमुनीपांचसोए ॥ मास
सलेषणांकरीतपअतिषणों ॥ पुंडरीकगिरसिवपुरलह्यो
ए ॥ राईजुल्योयसो ॥ भीमअतिवली ॥ अर्जुननकुलसह
देवजीए ॥ रायथीअहरी ॥ सुधमयर्मधरी ॥ साधुजीसि
यपदवीतजीए ॥ १॥ चवदैपूर्वधरी ॥ थिवरधर्मघोषजी। ध
र्मरुचीसीसगुणभर्योए ॥ नागश्रीनाअणी ॥विसटीयोपा

री (एदेशी) माहणकुंडनयरीनोअधपती ॥ माहण-
कुलनाभन्न दोजी ॥ वीरजिणेसरतातजगुणनीलो ॥ भटप
भट्टत्तमुणिंदोजी ॥ १ ॥ नितनितवांदूमुनिवरएसड़ं॰)
विकरणसुधत्रिकालोजी ॥ विधस्यु देईतीनप्रदन्नणा ॥
करअंजलीनिजभालोजी ॥ २ नि॰ ॥ राईउदाइसिंहदस
वीरनो ॥ निर्मलसंजमधारयोजी ॥ सेठसुदर्शणमुनिमुक्ते
गयो ॥ सुरामऋावलअधिकारोजी ॥ ३ नि॰ ॥ कालस
वेसीगंगयोगणी ॥ पिंगलनेंधिवराजोजी ॥ कालउदाइ
अवंतोसुनि ॥ वंदतासीभैकाजोजी ॥ ४ नि॰ ॥ मकाई
मुनिकिंकमवंदीये ॥ अर्जुनमालीछुंलासोजी ॥ कासवम
घघरजाणीये ॥ केवलरूपकैलासोजी ॥ ५ ॥ नि॰ ॥ मु
निहरचंदवार तयेवली ॥ सुदरसणपूरणभदोजी ॥ साधु
समणभद्रसमताआदरे ॥ सुपईठसमयमदोजी ॥ ६ नि॰
मेहमुनीसरअैवन्तोमुनि ॥ रायभटपिथलन्नोजी ॥ मोणि
णसीसएसड़मुक्तेगया ॥ सेवैसुरनरसक्षोजी ॥ ७नि॰ ॥
सहसऋतीसेसमणीवंदणां ॥ भादेसवदेसैसिघोजी ॥
देवानंदाजणनीमीरनो ॥ केवलग्यानसमिंदोजी ॥ ८ ॥
(नितनितवंदूसमणोएसड़॰) समणीजेंवतीपढलसिम्रात
री ॥ सीधीकैवलपामोजी ॥ नंदानंदवतीनंदोतरा ॥ भले
नंदसेणीयानामोजी ॥ ९ ॥ नि॰ ॥ मरुतसमरुताभाहा
मरुतानसु ॥ मरुदेयावसेजाणोजी ॥ भद्रासुभद्रासुजया
जिणतणी ॥ पालीनिर्मलआणोजी ॥ १० ॥ नि॰ ॥ सम
णासमणीभुद्दीनानमू ॥ राणीयंणकरायोजी ॥ मासस
लेषणतीरेसिदथई ॥ मणम्यामातिकजायोजी ॥ ११ नि॰
कालीसुकालीमाहाकालीनमू ॥ कन्यासुकन्यातिमोजी ॥

सिवसुन्दरीज्यवरीए ॥ ७ ॥ ढाल० ८ मो०) वांमचंद
कैयागचम्योमोरीरम्हारी० (एहनीएदेशी०) तेवीससमा
जिनतारक ॥ पुरसादाणीयपास ॥ मुनिवरसोलसहस ॥
गणधरआठउल्लास ॥ आजदिनेसुभसुभघोक ॥ वांदुवास
ठनामे ॥ यलेमब्रह्मचारीसोलज ॥ श्रीधरफरुंप्रणाम ॥ १
वीरभद्रजसआददे ॥ सीधासहुसप्रजंगा ॥ तेहमुनिवरवं
दता ॥ हुश्रेपरजकल्याण ॥ सा त्रीस प्यासहुग्रडतीस ॥
सहसयपांगु ॥ पुष्पचुलादिकसहुसटी ॥ सोधीतेगनत्राण
२ ॥ सनणीसुपासीयासीकसी ॥ भासीधर्मचीजांग ॥ ऐ
अधिकारकहीं ॥ श्रीठाणांगसूठाम ॥ कीन्यापुवीय
ले ॥ चौनांगी केसीकुमार ॥ परदेशीमतवोधीयो ॥ की
धीबहुउपगार ॥ ३ ॥ वरसअढाईसोअतरे ॥ सिधासाधु
अनेक ॥ तीसहुयदुसविनयसु ॥ आणीचित्तविवेक ॥ मु
निवरचउदैसहस ॥ गुरुप्रथमश्रीरूद्धावीर ॥ सातसोके
वलीवंदीये ॥ गणधरएकादशधीर ॥४॥ इन्द्रभुतीअग्नि
भूत ॥ तीजावांदुवायुभुई॥विगतसुधर्मावंदतां सुभमतगि
यात्रहोइ ॥ अडीपूतमोरीपूत ॥ अकंपितनितसिवदामे
अचलभयाजे तार्य ॥ प्रणमुंसोप्रभास ॥५॥ वीरगणेधीर
जसाम्प ॥ सजइणीगणीय । सितनसवचदायण ॥ नरप
तसवकहाय ॥ वीरजिणेसरघाठेई ॥ दिव्यागुरुणाय ॥
मुनिवरपोटिसवांद्यो ॥ गोचतीर्थ परठांण ॥ ६ ॥ पास
कल्याणकपुरती ॥ वादुसमुद्रपास ॥ पुन्यनैपापेंटीयेकरी
सीधासाधुउयास ॥नयरीसारथीदोउजिस्या ॥केसीगौतम
स्वाजी ॥ सीखागीस काकाढने ॥ पंचमहव्वयसीयासिरना
मी ॥ ७॥ ढाल १०मी०) भरणकमुनिवरचाल्यागोच

री (एदेशी) माहणकुंडनयरीनोअधपती ॥ माहण-
कुलनाभचंदोजी ॥ वीरजिणेसरतातजगुणनोजी ॥ भटप
भद्रत्तसुणिंदोजी ॥ १ ॥ नितनितवादूमुनिवरएसडु०)
भिकरणसुधम्भिकालोजी ॥ विषस्यु देईतीनमदचणा ॥
करअंजलीनिजभालोजी ॥ २ नि० ॥ राईउदाइसिंहदस
वीरनो ॥ निर्मलसंजमधारीजी ॥ सेठसुदर्शणसुनिमुक्तो
गयो ॥ सुणमश्रावलअधिकारीजी ॥ ३ नि० ॥ कालस
वेसीगयोगणी ॥ पिंगलनेंशिवरासीजी ॥ कालउदाइ
श्रेवंतोमुनि ॥ वंदतासीभोकाजोजी ॥ ४ नि० ॥ मकाई
मुनिकिंकमवंदीयै ॥ अर्जुनमालीउलासीजी ॥ कासवम
घघरमांगीये ॥ केवलरूपकैलासीजी ॥ ५ ॥ नि० ॥ मु
निहरचंदणार तयेवली ॥ सुदरसणपुरणमदीजी ॥ साधु
समणभद्रसमताआदरै ॥ सुपईहसमयमदोजी ॥ ६ नि०
मेहसुनीसरअेवन्तोमुनि ॥ रायश्टपिअलचोजी ॥ श्रीणि
णसीसएसडुमुक्तगया ॥ सेवेसुरनरसकोजी ॥ ७नि० ॥
सहसछतीसेसमणीवंदणां ॥ आदरेअवदेसेसिधोजी ॥
देवानदाजगनीवीरनो ॥ केवलग्यांनसमिंदोजी ॥ ८ ॥
(नितनितवंदूसमणीएसडु०) समणीजेवंतीपढनसिभआत
री ॥ सीधीकेवलपामीजी ॥ नंदानंदवतीनंदोतरा ॥ मलो
नंदसेणीयानामोजी ॥ ९ ॥ नि० ॥ मरुतसमरुतामाहा
मरुतानसुं ॥ मरुदेयावलेजाणोजी ॥ भद्रासुभद्रासुजया
जिणतणी ॥ पालीनिर्मलआणोजी ॥ १० ॥ नि० ॥ सम
णासमणीभुदरीनानमूं ॥ राणीश्रेणकरायोजी ॥ मासस
लेषणतेरैसिद्धथई ॥ प्रणम्यांपातिकजायोजी ॥ ११ नि०
कालीसुकालीमाहाकालीनमूं ॥ कन्यासुकन्यातीमोजी ॥

महाकन्याबीरकन्यांसारूणी ॥ रामकन्यासुभनेभोगी ॥ १२ ॥ नि० ॥ मीयसेणकन्यामाहासेणकन्यका ॥ श्रेंटम्भ स्रेणकनारोजी ॥ निजनिजनंदनकारतसुणीकरी ॥ लीधो सयमभारोजी ॥ १३ ॥ नि० ॥ श्रेंटगसमणोतपरेणावली आददेटगप्रकारोजी ॥ लहिकेवलएसङ्मुक्तेगई ॥ तेभंदू बहुवारोजी ॥ १४ ॥ नी० ॥ टाल०) ११मी०) सुपकार गाभधीयणसमरोनितनवकार०) ऐहनी०) एदेशीछे० ॥ श्रीधर्मघोकमुनिस्सर ॥ महिमसगुरुसुतधार ॥ जिमपू छ्योगेहे ॥ लोकालोकविचार ॥ वेसालीसावए ॥ पिंगल नामनिर्हंत ॥ पर्वायकपूछ्या ॥ पंधकसमयपहुत ॥ २ ॥ कालीपुत्रमेहल ॥ श्रानंदरक्षापयाग्यान ॥ वलकासपूछ्यो ॥ थिवरोंपाससंतान ॥ ३ ॥ मुनितोसक्कुरदत्त ॥ वल नियंतीपूत ॥ धननारदपुत्रमुनि ॥ सामहतीसयुत्त ॥ ४ सुनिधवसर्मणाभूई ॥ चिपरकछोआणद ॥जिनश्रोसोल्या यो ॥ घनधनसिंहो मुणिंद ॥ ५ ॥ वलेपूछ्याजिणनें ॥ सो खादिकवहुभेद ॥ गुणगाउंमहामनि ॥ माकंडीपुत्रछमे द ॥ ६ ॥ हियेसेणकसुतकङ ॥ भाखी कुमरमयाली ॥ उ ययालीपुरससेण ॥ वारिसेणआपदाटाल ॥ देहदत्तनैल ठदन्त ॥ धारणीनंदणहोय ॥ वेहलनैवेयास ॥ चेसणाश्च गणहोय ॥ ८ ॥ ईकमदानदण ॥ मुनिवरअभयमहंत देहसेणनेमहासेण ॥ साठदतनैगुढदंत ॥ सुधदंतकु मरपुक्ष ॥ द्रूमनैद्रूमसेण ॥ गुणगाउमहाद्रूमसेण ॥ सोहनैसीहसेण ॥ १० ॥ मुनिवरमहासेण ॥ मुन्य सेणपरधान ॥ एधारणीअंगज ॥ तेतेंतरणरमान ॥ ११ ॥ ऋषभोणिकनंदन ॥ ईयदसतेरेकुमार ॥ श्राठ

आठरमणितजी ॥ अणुतरसुरअवतार ॥ १२ ॥ तिणअव
सरनयरी ॥ काकंदीअभिराम॥ तिणपुरअदेसैभद्रा॥ सार
थवाहीनाम ॥ १३ ॥ तसुनंदणधन्नो ॥ सुंदररूपनिधान
तिणपरणीतरुणी ॥ बत्तीसरंभसमान॥ १४ ॥ जिणवैण
सुणीनै ॥ लीधोसंयमजोग ॥ मुनितरुणपणैमे ॥ छंड्यारस
नाभोग ॥ १५ ॥ नितछठतपपारणो ॥ आंबलउज्झतभात
नससमणअणीअग ॥ काढूनमंकैतिलमात ॥ १६ ॥ अति
दुक्करतपस्या ॥ आराधीनवमास ॥ एकमाससंथारै ॥ स
र्वार्थसिधवास ॥ १७ ॥ काकंदीसुनिपत्त ॥ राजगृहीसरी
दास॥ पेलकएवेउं ॥ एकअनगरहुलास॥ १८ ॥ रांमपुत्रनै
चंद्रमा ॥ साकेतपुरवरठोम ॥ पुठीआपेढालै॥ पुमवांणी
यांग्राम ॥ १९ ॥ हथणापुरपोटिल ॥ सहुएवनीसेसान
तरुणीतपजिणनी ॥ संयमवरसोमांन ॥ २० ॥ छिवैनह
लकुमरकज्जं॥ रामेंगृहीआवास॥ सर्वार्थसिधपहुतो॥ घर
संयमछैमास ॥ २१ ॥ इकभवसिवगामी ॥ एथीजिणव
रसीस ॥ सहुनवमैअंगै ॥ माख्यासुनितेतीस ॥ २२ ॥ छि
सपीसमझापीस ॥ भद्दगुभद्रवयाण ॥ पीमभद्रनैपीमसेण
पीमगुप्तमनआंण॥ २३ ॥ निलणीगुलमआषाढ ॥ नटनए
कमुनिजाण ॥ कालादिकनासुत ॥ कप्पवडंसीयाठांण।
२४ ॥ सनिछदगपूछ्या ॥ गोतमनैपचयांण ॥ चौजालय
कोसीयो ॥ पंचतणोपरीमांण ॥ २५ ॥ जिणजिणमतनं
डी ॥ छंडीकुमतअनेक ॥ तेआर्द्रकुमरसुनि ॥ धनरवुद्ध
विवेक ॥ २६ ॥ गर्दभालीबोध्यो ॥ संजयेन्टपअणगार ॥
मुनीव्रचिभाख्या ॥ बहुविधअर्थप्रकार । २७॥ सहिम
रहलविचरै ॥ विगतमोहअनाथ ॥ गुणगावंताअहनिस

संपणेसिवपुरसाथ॥ २८ ॥ मृपमें गिकनटन॥ मुनिव रजेषसुणांण॥ तनआठअनंतर ॥ उपनोविमवविमा ण॥ २९॥ अपमाणीरंणीं॥ आटरग्रोसंयमतेज॥ विच पासकमुनिवर ॥ सोहमसुरथयोतेह ॥ ३०॥ वरी चोरचिलायती॥ सुसमाताततीधरओ॥ आराधीस यमवो हमसुरउपन्नो ॥ ३१॥ योधीरनिर्गंसर ॥ सामकम, निवरनांम॥ निजभक्ति गाउं॥ तेहतणांगुणग्राम॥ ३२॥ दाल॰१२मी ॥ वैयालीयापिंगल (एदेशी॰) घर्मघोष गुरसीसदत्त ॥ मासनैपारणैतेहसुमत्त ॥ प्रतिलाभ्यो सुभचित्त॥ सुमुपथयोभवचियसुमाङ॥ सुरथयोसंभमए फीसाङ॥ गुणतसुर्गाउंनित्त॥ १॥ थोणुगमाहजिम्य घरआवे॥ विनैकुमरप्रतिलाभ्योभावैं॥ बीजैभवमहनंदी भोगतणोथयोसाधमणींद॥ करिसलेषणांलहासुखट्द गुणतसुगातधारणद॥ जपभदत्तपडिलेभवसत॥ तिण प्रतिलाभ्योसुनिपुष्पदंत॥ तिहांथीथयोसुजात॥ तिणांस म णांथीसङरिधवात॥ आदरीआठेप्रवचनमात॥ भवियण तसुगुणगात॥ पूर्वभवनपतिधनपाल॥ विसमनभद्रमे दानरसाल॥ देइघिराघियथाय॥ सयमलोईतीमनिराय लहिकीवलनैसिवपुरजाय॥ तैवटूमनसाय॥ ४॥ पूर्वभव मेघरथराजान॥ सुधर्ममुनिनैदैदान॥ बीजैभवजिन दास॥ सवरपालीजेथयासिद्ध॥ केवलदरसणज्ञानसमिध सांदुतीहुलास॥ ५॥ मित्राईपूर्वभवजांन॥ सम्भूतवि जैनैदोघ वपांण॥ कुमरतेधनपतहोई॥ वीरसमीपेसय मलीधो॥ ततचियाकर्मखपोमैसीघो॥ दिनप्रतिवद्दूसो ई॥ ६॥ पूर्वभवनागदत्तधनेसर॥ प्रतिलाभ्योइन्द्रपुर

मुनिसर ॥ महिबलनामकुमार ॥ संयमलेईकारजसारय़ा भवसायरथोचेतनतारय़ा ॥ तेवंदूभद्रकुमार ॥७॥ गृहपति हुंतोधर्मघोष ॥ तिणप्रतिलाभ्योअतिसंतोष ॥ नाममुनि धर्मसोह ॥ बीजेभवथयोभद्रनंदी ॥ मुक्तिगयोभवबंधन छंदी ॥ तेवंदुमुनीईह ॥८॥ पूर्वभवजितसत्रुनरेसर ॥ प्रतिलाभ्योधर्मेष्टतमुनेसर॥महिचंदनामकुमार ॥तिणछं डीवरुदाईकुमार ॥ पाचसैअपछरनैछणीहार ॥ वंदूकीच लधार ॥ ९ ॥ त्रिमलवाहणनामैराजान ॥ धर्मरुचीनेदेई दान ॥ वरदत्तहुवोभवबीजै ॥ संयमलेईसुरथ्योपामो ॥ महाविदेहजेसिवपुरगामी ॥ कीर्त्तीतेहनीकीजै ॥१०॥ पूर्वभवदेईदानउदार ॥ बीजेभवथयारायकुमार ॥ त्यांत जोपाचसैनार ॥ सत्रुथयावीरजिणेसरसीस ॥ सुखविपाकै एहमुनीस ॥ पंचमहाव्रतधारी ॥ ११ ॥ नांमेमातंगनै सोमलगार्छ ॥ रांमगुतीसुदर्शणध्याछं॥नसुंजमालोभीगा सि॥किंकमपेलककालेयेतोमो॥घंतगढमंगेवाहिणयोजो ठाणांगसंभाली ॥१२॥ पूर्वभवमाहापौमतेबीजे ॥ तेत लीपुत्र मुनिप्रणमीजे ॥ महापौमपुंडरीकतात ॥ वंसेवंदू जितसत्रुसुबुद्धी॥कर्महणीतिणकरीविशुद्धी॥ तेवंदुविख्यात १३ ॥ मुनिजयघोषविजैघोषभाद्रु ॥ धन्नस्रीनांमन्नगापुत्रवा द्रु ॥ कमलावतीइखुकार ॥ पुत्रपुरोहितवलेतसुनार ॥ नांमजसासमेगेंचारो ॥ मदतानितनयकारी ॥१४ ढाल० १३ ॥ मी० ॥ चतुरविचारीयेरे (एदेशी० ॥ मुनिदास नैधन्नोभवलेश्रपांगोयेरे॥ मुनिखत्तकित्तीयसंयुक्त ॥ संठांग सालभद्रआणदतेतलीरे ॥ दशार्णभद्रघदंत ॥ १ ॥ मुनिगुणगाईयेरे०)गावतापरमाणंद॥ सिवसुषसाधणेकरी

षठनिसमगजेरे॥ भाजेभयगंद्र॥ २ मु०॥ अग्युत्तरअंग नोएड्गोणवीषीवाचनारे॥ अंद्रसमुनिवरनाम॥ नटीष चमीसाधसुभद्रपणीकह्यारे॥ नंदीसेगणअभीगांज॥ २ सु० विपमनदीफलअधिकारधन्नोमुनिरे॥ धन्नोदेश्त्रिनतात॥ सुमतासमगीगुरुणसिन्मणोगोटल्लारे॥ पुंडरीककुंडरी जनम्यात॥ ४ मु०॥ गुरगीसुभद्राकीरीसमगीसुमतारे पूर्णभद्रसुचग॥ मांगभद्रनैदत्तशिवबजमुनोरे॥ अणा दोपुप्फीयाउपंग॥ ५ स०॥ धनतीकपिलज़तीअतिन्सिल सतोरे॥ तिणतव्णलोभम्ताप॥ इंद्रपरिचात्रवसरउप समआदरोरे॥ नमोनमाकेछाप॥ ६ मु०॥ सुव्वरसेवत थीअरकेसीवलमुनीरे॥ संवरघारसुसेस॥ सज्ञानप्रेडीम तिसंयमआदरोरे॥ दशार्णभद्रनरेस॥ ७ मु०॥ मुनि फरकडुराजादिकलीगनोरे॥ दमुहीदंचम्‌पाल॥ वले विदेहोन्ट्रतिनजोनामीहतोरे॥ निगधाईगंधाररसाल॥ ८ सु०॥सेनवेजैनैजइवलसकुराजयोरे॥ हतलेईययाध अ गार॥ काकघायनिवारीसीतलथातमारे॥ थिवरतीअक गयघार। ९मु०॥ हिवैश्रीवीरजिणेसरसीससुहमगणीरे तासपरपरएह॥ जमुप्रभवयत्तिसय्यंभवजाणीयेरे॥ म नगपीयामुनितेह॥ १०मु०॥ श्रीजसोभद्रनैमुनिसंभूतवि जैसलीरे॥ भद्रबाहुथूलभद्रएम॥ घनेराजिणवरआगम ध्योहुवारे॥ तेमुनिगाउदरुद्र॥ ११मु०॥ कालधनतेमु निवरपहतीगयारे॥स प्रतिनिवरतैतेह॥ नांणदर्शणनैचर्य धर्णाधुरधुरारे॥ श्रोदिवसदेतेह॥ १२ मु०॥ कलसहूल) श्रीमीसजिणयर॥ प्रथमगणधरअझ्‌ हजवरजेकया॥ स सारतारण॥ कीरतीमजिसकरणसमणीस थुवा॥ संवेगसु

तघरसादशुखकार ॥ श्रागनरयणेजेसुणस्यां ॥ श्यांनचंदगु रुउपसायै ॥ श्रादेरचंदेसंथुणया ॥१७९॥ ईति श्रीवडी साधुवंदणा १३ तेरै ढालकीचोपई ॥ संपूर्णम् जाता ॥

॥ श्रथसीलरीनववाडलिख्यते ॥

(दूहा) श्रीनेमिसरचरणनमुं ॥ प्रणमुं उठप्रभात वावीसमं जिणजगतगुरु ॥ ब्रह्माचारजविष्यात ॥१॥ सुं दररूपकंदर्पसारखो॥ रतिसमराजकुमार ॥ सरजोवनमेजु गतसुं ॥ छोडीराजुलनार ॥२॥ ब्रह्मचर्यजिणपालो यो॥ धरतोदुध्वरजेह ॥ तिहतणांगुणवरणवुं॥ पामैभवज लछेह ॥३॥ कोडकेअखोगुणाकरै ॥ रसनासहसवनाय तोईब्रह्मचर्यसेगुणघणा ॥ तिमेंराकह्यानजाय॥ ४ ॥ गलि तपलिनकायायई ॥ तोईनपुगीश्रास ॥ तरुणपणेजेहनध रै ॥ कुंवलिहारीतास ॥ ५ ॥ जोवन मासोजीयसुं ॥ धि यमैराचेगिमार ॥ थोडासुखानैकारणै ॥ मतिनजारोहा र ॥ दसदृष्टांत्तेदोहिलो ॥ लाधोनरभवसार ॥ सीलप ल्योनवयाडसुंज्युं सफलकह्यवैअवतार ॥ ७ ॥ सीलसोहिगु णअतिघणां ॥ तिपुराकह्यानजाय॥ थोडासापरगटकरू ॥ तेसुणज्योचितलाय ॥ ८ ॥ ढाल० १ली) जतकरीकाया मायाकारजोजो० (एहनो०) सीलसुरतरूवरसींजीये॥ ति वरतालैगरवोलैएहरे ॥ सीलरूपिवरसुखपाजीये ॥ त्यांसु खारीकदेनश्रावैछेहरे ॥ सीलसुरतरूवरसैजीयै०) १ ॥ सीलमोटोसवयत्तमै ॥ भाप्योछैश्रीभगवंतरे ॥ ज्यासर्वा तसहिततीनपालीयो ॥ त्यांकीधोसंसारनोअंतरे ॥ २ ॥

सो०॥ जिणसासणवनअतिभलो॥ तेनंदणवनअणुसाररे॥
जिनवरमालकतीहना ॥ करुनारसभंडाररे ॥ ३ सो०॥
इणतिणवनमेंसीलरूपीयो॥ तिणरैमूलद्रिढसमकितमानरे
साखाछैअणुव्रततणी ॥ महाव्रतसुवगतजथाणरे॥
४ सो ॥ साधुसाधवीश्रावकश्राविका॥त्यांरागुणरूपपत्र
नेकरे॥ मउड़करकर्मसुभअंधनो ॥ परजलगुणांदिसिखरे॥
५॥ सो०॥ उत्तमसुरसुखरूपफूलरो॥ शिवसुखतेफलजां
नरे॥ तिणसीलरूखनजतनकरो॥ ज्यूंवेगीदांखोनिरवा
णरे॥ ६ सो०॥ स सारसीलघणोउघरे॥ जेपालैनवको
टीअभंगरे॥ खयउपसमजिनछोतिरो॥ सेपरकोनदीग
गरे॥ ७सो ॥ उत्तराधेनरैसोलमै॥ नवसमाईवाठाय
रे॥ कीधीतणइठनैरापया॥ नववाडदसमोकोटजाणरे
८सो० (दूहा) शिवसुखरूकूरा॥ सीलतणीनववाड॥दसमो
कोटतोपिणकहदिसा॥ आछिमअल्पविस्तार॥१॥पितगायनै
गोरवै नरकेजीघांवाड॥रहसीतोपिणदूणविधि॥दोलोकीधी
वाड॥२॥ ब्रह्मचारीविचरैजठै॥ठांमठांमछैनार॥ तिणका
रणईणसीघरी॥ सीरकानीनववाड॥३॥ वाड़नलीपैसे
हनी॥ रहैवरतअभंग॥ वयरागीविरक्ततथया॥ दिनदि
नचढतैरंग॥४॥ पहलीवाडमैंइमकह्यो॥ नारिरहैतिहांरात॥ तिणठांमैरहणोनहीं॥ रह्यांवरततणोहुवैघा
त॥५॥ अथवानारीएकली॥ भलीनसंगततास॥ धर
मकथाकहैणीनहीं॥ वैसीतिणरैपास॥६॥ तिणथीअ
सगुणऊपजै॥ लागीमैलोक॥ थावैभूठोघासलिर॥
वलेहोवैवरतनोफोक॥ तिणसुंब्रह्मचारीभणी॥ रैहणो
छेएकास॥ शिवैक्षणजायगांवरजीया॥ तेसुणज्योमतवत

८ (ढाल) २जि) नणटलहेनणदलचुडलेहेजोवनभिल रथी० (एदेशी०) भावधरीनितपालीये ॥ गोरवोछेब्रह्म चर्यसारहो ॥ब्रह्मचारी०॥ तिणसुं शिवसुखपामीये ॥ तुं षाडसपंडलिगारहो ॥ब्रह्मचारी० ॥१॥ यापहलीवाडब्रह्म चर्यनी॥एअां०॥ जोमंजारीसंगतरमै ॥ कुकडमूसमोरहो टू० ॥ कुषलकिहायीतेहनो॥ मारैकंठमरोडहो ॥ टू० २ घ्रा०(एहणी०)स्त्रीपसुनीपोसगतिहायसे ॥ ज्यांनहीर हैवोमासहो ॥ टू० ॥ तेहनीसंगतिनिवारीये॥ ब्रतरोकरै विणासहो ॥ टू० पै ॥ ३ ॥ हायपावछेदनकीया ॥ का ननाकछेद्योछैतासहो ॥ टू० ॥ तोपिणसोवरसांरी डोकरी ॥ तोहीरहैवोनहीतिणपासहो ॥ टू० ॥ ४पै० ॥ सभ्रसिणगारदेवंगणां ॥ आवैचलावणतासहो ॥टू०॥ ति णआगैतोचलीयोनही ॥ तोहीरहवोएकंतवासहो॥ टू० ५पै० ॥ स्त्रीछुवैविहमावासरहै ॥ कदेचलजावैप्रणांमहो टू० ॥ जमटुढरहणोदोहिलो ॥ भ्रष्टहुवैतिणठामहो टू० ६ पै० ॥ सीहगुफावसीयोजती ॥ रह्योवेस्याचित्रसा लहो ॥टू०॥ तोतुरतपड्योवसतेहनै ॥ गयोदेशनेपालहो टू०॥७॥पै०॥ कुलवालसीसाधयो ॥ तिणभाग्योवरतरसा लहो ॥टू०॥ कोणकरीवेस्यावसपड्यो ॥ रूलसभ्रनतोका लहो ॥टू०॥८॥पै० ॥ मुंसोमंजारीमेलहै ॥ तोघातपांमि ततकालहो ॥टू०॥ नारीऊभैतिहांब्रह्मचारीरहै ॥ तोभा गैसीलरसालहो॥ टू०९पै० ॥ वाडसहितसीलपालीया ॥ पूरैमनरीखतहो ॥वृ०॥यासीखदीधीछैतोभणी ॥ तूरही ज्योजायगायेकतहो॥ वृ०१०पै०(दूहा:) कथानकहणीना रनो॥ तेजिणकहीदूजीवाड ॥ नारीकयाकहैतेहसु ॥ वर

सो०॥ जिणसासणवनअतिभलो॥ तीनंदणवनअणुसाररे॥ जिनवरपालकतेहना ॥ करुनारसभंडाररे ॥ ३ सो०॥ इचतिणवनमेंसीलरूपीयो॥ तिणरैमूलद्रिढसमकितमांनरे साखाछैअछानरतांतणी ॥ मतणापायनुवगतअग्याणरे॥ ४ सो०॥ मायुसाववीयात्रकयाविका॥त्यांगगुणरूपपतअनेकारे॥ अङ्करकर्म सुभबंधनो ॥ परमलगुणांविसेखरे ॥ ५॥ सो०॥ उत्तमसुरसुखरूपफूलरो॥ शिवसुखतिफलनानरे ॥ तिणसोलरूखन जतनकरो ॥ ज्य वेगींमिलोनिरवांणरे ॥ ६ सो० ॥ संसारसोलघडोउधरे ॥ नेपालैनवकोटीअभगरे ॥ खयमुरमणजितलोतिरयी ॥ सेपरहोनदीगगरे ॥ ७सी ॥ उत्तराधेनरेसोलमे ॥ वभसजाईचाठागरे ॥ कीधी तमरुघनैरापवा ॥ नववाडदसओकोटलांणरे ८सो० दूहा॥ हिमकशुछर्ज्ञस॥सीलतणीनववाड ॥दसमोकोटतोपिङ्‌दिसा ॥ भाखिअध्यर्थविस्तार ॥१॥पेतगांयनैगीरवे मरलैकीधावाड॥रूसीतोतीसदणविधी॥दोजोकीधांवाड॥२॥ ब्रह्मचारीविचरैजठै ॥ठांमठांमछैनार॥ तिणकारणईयासीलरी ॥ वीरकहीनववाड ॥ ३ ॥ वाडनलोपैसिरनी ॥ रतेखरतब्रभंग ॥ वयरागीविरधतथया ॥ दिनदिनचढतैरंग ॥ ४ ॥ पहलीवाडमैंईमकह्यो ॥ नारिरहैतिहांरात ॥ तिणठांमैरहणोनही ॥ रह्या वरततणोउपघात ॥ ५ ॥ अथवानारीएकली ॥ भलोनसंगततास ॥ घरमकथाकहेणीनही ॥ वैसोतिणरैपास ॥ ६ ॥ तिणथीभ्रमगुणउपजै ॥ सकापामैलोक ॥ आवैमूठोआलसिर ॥ नलेहोवैवरतनोफोया॥ तिणसुं ब्रह्मचारीभणी ॥ ईहणीछेएकत ॥ हियेंकुणनायगांवरलीया ॥ तीहुणत्योमतयत

१० ॥ भ० ना ॥ नारिकथासुणविगड़ोंयणारे ॥ तिणा रोकहतानाविपार ॥ वलेस्टछडावावरतभंगनेरे ॥ तेगया जमारोहारेरे ॥ ११ भ० ना० ॥ नेविफलनीवारतासु ख्यांरे ॥ सुखपांणोमेलेछैतेताय ॥ ज्यूनारीकथासुणीयां यकांरे ॥ प्रणांमथोडामैचलजायरे ॥ १२ भा ना० ॥ स काकंखांवितकंछामनउपजेरे ॥ सीलवरतपालंकीनाही तोयसुनारीकथाकहणीनहीरे ॥ दुजीवाडरैमाहिरे १३ भ० ना० ॥ वारवारयसवीतणोरे ॥ कथानकहणी ताम ॥ दुजीवाडसुधपालसोरे ॥ तेपांमसीप्रविचलठाम रे ॥ भ० १४ ना० (दूहा) तीजीवाडमेंद्रमकह्यो ॥ ब्र ह्मचारीनारिसहित ॥ एकणसिज्यानहीवेसणो ॥ याजि णमारगरीरीत ॥ १ ॥ अगनकुंडपासेरहै ॥ तोप्रगलेघृ तनोकुंभ ॥ ज्यूनारीसंगतपुरुषनो ॥ रहैकिसोपरब्रभ २ ॥ इन्द्रयारीजोगीजती ॥ मतकरनारीप्रसङ्ग ॥ एकण सिज्यावेसतां ॥ होवेवरतनोभंग ॥ ३ ॥ पावकगालेलोह नै ॥ जोरहैपावकसंग ॥ ज्यूएकणसिज्यावेसतां ॥ नरकै सरतसुरग ॥ ४ ॥ ढाल) ४ थी० अमीयारांणीकहैभाय णे० (एहनोएदेशी) तीजीवाडहिवेचित्तविचारो ॥ नारीसहितएकासणनिवारोहोलाल ॥ एकआसणवेठ ठांमांमदीपैछै ॥ ब्रह्मचारीनैआछीनहीछैहोलाल ॥ ती जीवाडहिवेचित्तविचारो० १ ॥ एकणआसणवेठाआस णोथावे ॥ आसङ्गोकायाफरसावेहोलाल ॥ कायाफरसा याविषेरसजागे ॥ ईमकरतांजावयव्रतभागेहोलाल ॥ २ तीजी० ॥ पाटबाजोटादिकसज्यासंथारो ॥ एयाआमण अनेकविचारोहोलाल॥ नारीसघातेवैसोमतकोई॥ जिणव

तरोङ्कवैविगाड ॥ १ ॥ जेश्रीलग्च्यावृह्मसरतमै ॥ तिणरे विषैनहीमनमांण्हि ॥ तेविध्याचारीनैनारीकथा ॥ करवी सोभैनांण्हि ॥ २ (ढाल)३जी० ॥कपूरहीवेश्रतिउजलोरे मिरचांकिरैसंग० (एहनीएदेशी०) जातरूपकुलदेश नीरे ॥ नारीकथाकहैजेह ॥ वारवारकहैनागनीरे ॥ तोकिमरहैमतस नेहरे ॥ भवियण० ॥ नारीकथानिवा र ॥ १ ॥ श्रा० ॥ चन्द्रमुखीस्टगलोयणीरे ॥ वेणीनागथैमु यंग ॥ दीपसिखाशाणैनासकारे ॥ होठपरवालीरंगरे भ०२ना० ॥ वाणीकोयलजेहवीरे ॥ हायपावराकरैमरला स ॥ हंसागतीकहडसि षणीरे ॥ नाभतेकमलसमाणरे म०३ना० ॥ कुचकहैजेहणीघतिभलीरे ॥ वलेश्चवद्धचपङ्ग श्चनेक ॥ त्यानैवारुनसरावणीरे ॥ वाणीमनमैविवेकरे ॥ भ ४ना ॥ कथातेहकहतांथकारे ॥ दीपनहोछैलिगार विषकारयकहवीनहीरे ॥ नारीरूपसीणगाररे ॥ भ ५ ॥ ना ॥ नारीरूपसरावतांरे ॥ वांधैविषयविका र ॥ परिणामचलविचलेहुवैरे ॥ बरतरोङ्कवैविगाडरे ॥ भ०६ना० ॥ मणीकुमरीनोरूपसांभलीरे ॥ कछराजारा चलीयाप्रणांम ॥ त्यांसगाईकरवादूतमोकल्यारे ॥ विग ड्योमाहीमांण्हितांमरे ॥ ७ भ०ना० ॥ स्मगावतीरोरूपसां भलीरे ॥ चडप्रद्योतराजान ॥ कोस बीनगरीघेरोदीयो रे ॥ मीयोमिनखारोघमसाणरे ॥ ८म०ना ॥ तिणरैहा सनषासोम्रगावतीरे ॥ उयोदुकुदुखराय ॥ फिटफिटहुवो षणोखोकमैरे ॥ षणीपड़ाईघावरे ॥ ९ भ ना ॥ पदमो त्तरनारदकनैरे ॥ द्रोपदीरारूपरोसुणीयात ॥ देव मगाईतिणद्रोपदीरे ॥ सोहुन्नतपडाईसाख्यातरे ॥

मनांणो ॥ एकआसणमतीबेसाणोहोलाल ॥ एक आसणबेंठतांभांगाघनत ॥ ईमभाख्योश्रीभगवंतहोला ल ॥ १२ तो० ॥ ईमजांणीवम्हतिमलोपो ॥ व्रम्हचर्यथि रकररोपोहोलाल ॥ ज्युं सिवरमणीवेगावरसो ॥ श्रावा गमणनहीकरस्योहोलाल ॥ १४ सतो० (दूहा) नारी रुपनहीनिरखणो ॥ याजिणकहीचोथीवाड ॥ सुधेमनजो पालसीत्य ासभलकीयोअवतार ॥१ ॥ चित्रलिखितजेपूत ली॥तेपिणजोयवीनांहि॥केवलग्यानीईमकह्यो॥दसवीका लकमांहि ॥२ (ढाल०) ५मी०) ॥ नारीसगतनहीकीजी यें०एहनी (एदेशी०) मनोहरइंद्रीनारनोरे॥ तिणटी ठांहोवधेविकार ॥ म्रगजालज्युंनरभणीरे ॥ पासैरच्यो ससार (सुगणनरनारीरुपनहीजीय) नारीरूपेदीवलो रे ॥ भोगीपुरुषपतग ॥ कुवेसुखनेकारणेरे ॥ दाभैकोम लअग ॥ सु० ॥ २ ना० ॥ कामणगारीकांमणीरे ॥ तिमै वसीकीयोसर्वससार॥ आखोआंणीकेइकरणोरे॥ सुरनर गयासवहार ॥ सु० ॥ ३ ना० ॥ रुपैरभासारखीरे ॥ व लेमीठावोलीहुवैनार॥ तेनीजरभरीनिरखियांरे ॥ ब्रम्हचा रीरोहुवेविगाड॥ सु० ॥ ४ ना० ॥ रूपमैरूडोदेखनेरे ॥ मातेपडेकामअध ॥ सुपमांणैपिणजांणनहीरे ॥ तेपाडैदु रगतनोबध ॥ सु० ॥ ५ ना० ॥ रुपसैवणीरलीयांमणी रे ॥ अपछरनेंउणिहार॥ तेदेपीनेंरीझ्योकिस्युंरे॥ आमलपुषनोभडार ॥ सु० ॥ ६ ना० ॥ असुचअपवीच नोकोथलोरे॥ वलेकलेकाणलरोठांम ॥ वारेसुरतवहेस दारे ॥ चरमदीवडीनांम ॥ सु० ॥ ७ ना० ॥ देहिचदा रिफकारमीरे ॥ छिणमाहिभिगुरथाय ॥ सप्तधातरीको

रवचनसांहमीजोयहोलाल ॥ ४ ॥ तो• ॥ कोसहित वैहसैएकग्रासण ॥ तोलोकमडैहैविमासहोलाल॥ ग्राछतोहोग्रालदेकरफितुर ॥ वसीयोलिग्रनेकविधि कूडहोलाल ॥ ४ ॥ तो॰ ॥ तिणठांमैमैहठीऊवैना गे॥ तिणठामैनवैसैटम्रचारीहोलाल ॥ जीवहसैतोएक मोहोरतटालो ॥ वेदमभावैसमालीहोलाल ॥ तो• ५॥ नारीवेदरापुरगमतिणयो ॥ नारिविकारवेटजिणयो होलाल॥ दूमहोजैनारिनैपुरुपजाणो ॥ साहोमांहिवेट विकारमिछाणोहोलाल ॥ ६ तो॰ ॥ नारीफरसवेघ्याछ वैभोगरोरगी॥ जबजामैवरतसुंभागीहोलाल ॥ दूण कारणएकग्रासणमैसणोनही ॥ नारीफरससुंडरणोमन माहिहोलाल ॥ ७॥तो॰॥ योरंणीसंभूतधाग्रामनसगो करपदस्मुनितनसागीहोलाल ॥ तिणचारित्रखोयनीया णोकीधो ॥ दुरगतिनोपथलीधोहोलाल ॥ ८ तो॰ ॥ देव थईनैचक्रवर्त्तथयो ॥ भोगमांहिगिरधीयकोमुवोहोलाल सातमीनरकमांहैजायपडीयो ॥ पापसूपुरणभरीयोहो लाल ॥ ९ तो॰ ॥ नारीफरसवेध्यांसूभोगणग्रनेक ॥ तो मसुंग्रासणवैहसणोएकहोलाल ॥संकाकखावीतकंछा उपणेमनमांहि ॥ सीलभरतमासूनीनाहिहोलाल ॥ १० तो॰ ॥ ईयवातलोपीतिणभरतविगोयो ॥ तिणदीयोत्रम्र भरतखोयोहोलाल ॥ तीनरकनिगोदमैजायपडीया ॥ स सारमैरडवडीयाहोलाल ॥ ११ तो॰ ॥ कामरनोह लोफाडीफरकाटो ॥ तिणसुमाफतुटसुमैपाटोहो लाल ॥ तिणकारणएकग्रासणबैठातामं ॥ ब्रह्मचारी राचनैपरणामहोलाल ॥ १२ तो॰ ॥ मांविहनबैटोह

मजांणो ॥ एकआसणमतीवेसाणोश्होलाल ॥ एक आसणवेंठतांभांगाअनंत ॥ ईमभाष्योयीभगवंतश्होला ल ॥ १३ तो० ॥ ईमजांणीब्रह्मतिमलोपो ॥ ब्रह्मचर्यथि रकररोपोश्होलाल ॥ ज्यु सिवरमणीवेगावरसो ॥ आवा गमणनहीकरस्योश्होलाल ॥ १४ सतो० (दूहा) नारी रूपनहीनिरखणो ॥ याजिणकहीचोथीवाड ॥ सुधेमनजो पालसोत्य ासभलकीयोअवतार ॥१ ॥ चित्रलिखितजेपूत ली॥तेपिणजोयवीनांहि॥केवलग्यानीईमकह्यो॥दसमीका लकमांहि ॥२ (ढाल०) ५मी०) ॥ नारीसगतनहीकीजो ये०एहनी (एदेशी०) मनोहरईंद्रीनारनोरे ॥ तिणठी ठाहीवधेविकार ॥ म्रगजालज्यु नरमणीरे ॥ पासैरघ्यो संसार (सुगणनरनारीरूपनहीजोय) नारीरूपेदीवलो रे ॥ भोगीपुरूपपतग ॥ ऊंवैसुखनैकारणैरे ॥ दाझैकोम लअग ॥ सु० ॥ २ ना० ॥ कामणगारीकामणीरे ॥ तिमै वसीकीयोसर्वससार॥ आखीआणीकेईकरघोरे॥ सुरनर गयासवहार ॥ सु० ॥ ३ ना० ॥ रुपैरभासारखीरे ॥ व लेमीठावोलीहुवैनार॥ तेनीजरभरीनिरखियारे ॥ ब्रह्मचा रीरोह्वैविगाड॥ सु० ॥ ४ ना० ॥ रूपमैरूडोदेखनैरे ॥ मांहेपडैकामअंध ॥ सुधमार्गेपिणजांणनहीरे ॥ तेपाडैदु रगतनोवध ॥ सु० ॥ ५ ना० ॥ रुपमैषणीरलीयामणी रे ॥ अपछरनेंउणिहार ॥ तेदेषीनेंरीझ्योकिस्यु रे ॥ आमलपुमनोभडार ॥ सु० ॥ ६ ना० ॥ असुधअपवीच नोकोथलोरे ॥ मलेकसैकामलरीठाम ॥ वारैसुरतवहैस दारे ॥ चरमदीवडीनाम ॥ सु० ॥ ७ ना० ॥ देखिचदा विककारमीरे ॥ त्रिणमांहिमिगुरथाय ॥ सम्रघातरीको

यत्तोरे ॥ जतनकरंतागाय ॥ सु० ॥८ ना० ॥ नारीविटन रपतियोरे ॥ वलेचच्कुसीलीयोधाय ॥ याडभागर्ला खाभवांरे ॥ रूलीयोरूपीगाय ॥ सु० ॥ ९ ना० ॥ सेठघर ग्रामदीयोरे ॥ नांमदूलापुत्रजाग ॥ नटणीदेखीमोहीयोरे वसीयोनटयारैघरैत्राग ॥ सु० ॥ ना० १० ॥ वासउपर चढ्योखेलवारे ॥ मनमांहिहरपनमाय ॥ येवांछैधनराय नोरे ॥ रायवांछैदूणगोघात ॥ सु० ॥ ११ ना० ॥ मणारथवंधवमारीयोरे ॥मेणरेहागेदेखीरूप॥मरणपाम्यो तिणजोगस्रूरे ॥ जायपड्योअंधकूप ॥ सु० ॥ १२ ना० ॥ चरणसंयमआदरयोरे ॥ तिणदीधोसंसार नैपूठ ॥ तेनारीरूपैमोहीयोरे ॥ नारीलीधीतिनैलूट ॥ सु० ॥ १३ ना० ॥ एकचचोआणसेजाचतोरे ॥ तिणनै मारगमैमिलीयोचोर ॥ चणीमांणवाह्यावगांरे ॥ चोरफ रसीसु माव्यातोर ॥ सु० ॥ १५ ना० ॥ एकमाणाकीर ह्योरे ॥ जवक्षोत्रियोनीजरूपदोखाय ॥ रूपदेखीचोरमो हीयोरे ॥ चणीवाणसु दीयोतिणनैढाय ॥ सु० ॥ १६ ॥ ना०॥ चोरपड्योदेखनेरे ॥ चणीकरवालागीमांग ॥ चोर कहैगमैं किसुंरे ॥ म्हारैनारीनैणारालागावांच ॥ सु० १७ ना० ॥ इत्यादिकमक्रुमानवीरे ॥ तेकहितांनआवैपा र ॥ जेनारीरुपैमोहियारे ॥ तेगयाजजारेहार ॥ सु ॥ १८ ॥ ना० ॥ नारीरूपकानिंसुग्यारे ॥ मूढकुवाछैघने क ॥ तेदीठागुणकुवेकिसु रे ॥ येसम्भोनरआणविवेक ॥ सु० ॥ १८ ना० ॥ काचोकारोआखनीरे ॥ सुरजसाहमो जोयाचन्धहोय॥ ज्युरुपनारीनिरखतारे ॥रह्याटभ्रष्टतरे वोखोय ॥ सु० ॥ २० नापे ॥ मद्यमारीनिरयोमतीरे ॥

नारीरूपसिणगार॥ यासीचटीवीकैतीभणीरे॥ नहिचूकै लाचोथीवाड॥ सु०॥ २१। ना०॥ (दूहा) भीतरपरि घटाटीआतरे॥ तिहारहताऊवैनरनार॥ तिहावब्रचारीनैरहवीनही॥ एजिणकहीपाचमीवाड॥ १॥ स जोगीपासैरहै॥ ब्रह्मचारीदिनरात॥ तेतणासवदसांभल्या॥ ऊवैवरतनीवात॥ २॥ जेहरनेउरखलकणी॥ सबदपडैआयकान॥ जबचलजायब्रह्मवरतथी॥ लागैविषैसुंध्यान॥ ३॥ ढाल० ६ठी०॥ आणंदसमकितउचरे रेलाल०) एहनीएदेशी) वाडसुणोछिवैपाञ्चमीरेलाल सोलतणांसुउधाय॥ ब्रह्मचारीरे०॥ ज्यूवरतकुसलैरहै सहीरेलाल॥ मलेनावेआछतोआल॥ १ ब्र०॥ वाडसुणोछिवैपाचमीरेला०) भीतपरैजेताटीआन्तरैरेलाल॥ अस्त्रीपुरुषरहताहुवैरात॥ ब्र०॥ तिहांलुणकुणदोषउपजैरेलाल॥ तीसाभलज्योविख्यात॥ ब्र०२ वा०॥ कीलकरै निजकतसुरेलाल॥ बोलतीमगावैकैकाम॥ ब्र०॥ वि कुद्रसबदकरैतिहारेलाल॥ रोदनसबदकरैतिणठाम ब्र०३वा०॥ कोयलज्यूबोलैकतसुरेलाल॥ गावैमधुरस्वाद॥ ब्र०॥ कामवसैहडहसैरेलाल॥ बोलतीकरैचटमाट॥ ब्र ४ वा॥ खिणक्ष्मदसबदकरैतिहांरेलाल॥ वलेपतिसबदहोवैताम॥ ब्र०॥ तिहारहैतोएयासबदसुणयारेलाल॥ चलजावैसुरतपरिणाम॥ ब्र०५ वा०॥ गाजतणोसबदसाभल्यारेलाल॥ विसपामैपपिईयानैसोर ब्र०॥ ज्योभोगसजैरासबदसाभल्यारेलाल॥ लागैवरततनेखोड॥ ब्र०६॥ इमसंभलनैरहयोनहीरेलाल॥ सबदपडैतिहाकान॥ ब्र०॥तिहावारदाररहवोनहीरेलाल॥

तिकह्योजिनराज ॥ छ०७गा० ॥ दृहा) छठीवाडमेंइमक ह्यो ॥ चचखनसतिडिगाय ॥ ध्याधोपीयोयिलसीयो ॥ तिमतियाद्प्रागाय ॥ १ ॥ अनगजताभोगभोगव्या ॥ ते याद्कियागुणनांहि ॥ वाडभाग्यांइतपेयऊवे ॥ यलेश्रण सहवैलोकांमांहि ॥ २ ॥ ढाल०७ मी० ॥ सीवसोकथ्याग कपानथ्याणरे) एहनी० (एदेशी०) श्रावभावसवदना रीतणां ॥ सुणीयांवधेविपयविकाररे ॥ एहवासबदश्या गैसुणीयाऊवे ॥ त्यांनैयादनकरणालिगाररे ॥ छठीवाड हिवैसुणोविरनधरजनी० ॥ १ ॥ वरणगोरादिकसरीर ना ॥ सपसोभायमान ॥ ध्यनंतरेएहवीस्त्रीसुं भोगभोगव्या तेचितारेनहीष्ट्रयाष्टरे ॥ २ छ ॥ गधघोवादिकनैच द णां ॥ रसमऊरादिकध्यनेयारे ॥ तिस्त्रीस मातेंभोगव्या तेपिणयादनकरणाएकरे॥३छ०॥ श्रायपांवसुखआसनारी तणां॥सुखमालसरीरसुखदायरे॥एहवीमारीसं मातेंकेली करी॥तिचितारेंनहीमनमांहिरे॥४छ०॥ सवदरूपगंधरस फरस ॥पांचप्रकारनांकामभोगरे ॥तिपिणस्त्रीसमातेंभोग व्यात्यानेयादनकरणाजोगरे ॥छ ५ ॥ रम्वासारपासासुग टादिक ॥ जुवटादिकरामतध्यनेकरे ॥ तोपिणस्त्रीस छातेंरामतकरी ॥ त्यांनैयादनकरणीएकरे ॥६ छ०॥ स वदसुणाभागेवाइपाचमी ॥ रूपसु चोथीवाडरे ॥ एक एकसिज्यावेठातीसरी ॥ स्त्रीकर्यासुं दुजीवाडरे ॥ ७ ॥ छ० ॥ एकयादकरेंयामाहिलो ॥ तिणसु भागेछठीवाड रे ॥ तिसगलीयादकीयांथकां ॥ श्रभ्रमृतनोऊवेविगाडरे ॥ ८ ॥ छ० ॥ मनगमताभोगभोगव्या ॥ देपैसुरतस भासरे तिणवाडसहितमृत्तणडीयो ॥ पाणीकिमरहैफूटापासरे

६ छ० ॥ पुरवखाकामभोगचितारनें ॥ रांणीदेवीसुंकी
धीप्रीतरे ॥ अवगिणाच्छघनेंजच्चनांखीयो ॥ रांणीदेवीमा
रांणीपरीतरे ॥ १० छ० ॥ अफरसञ्जितछाछपीयचाखी
या ॥ त्यांतोत्राकोनङवीमालरे ॥ त्यांनेंघणामरसांपाछेक
च्यो ॥ तिणसुंमरणपाम्योततकालरे ॥ ११ छ० ॥ भाई
नेंपवनमुच्योदेखनें ॥ भाईनेंनजणाव्योताहिरे ॥ जांण्यो
तिणदिनघसकोपसत्रो ॥ ततकालकीडीतिणकायरे ॥ १२
छ० ॥ एसुवानेंहरयादअणावीयां ॥ पांमीअणचितमीच्च
समादरे ॥ जय् भागेंद्रम्हचारीसोलसुं ॥ कामभोगानें
फरत्रांयादरे ॥ १३ छ० ॥ कामभोगानेंयादकीयांथकां ॥
सद्दाक्रखाचपजेंमनमांहिरे ॥ सोलग्रालकेंपालनको ॥वसे
जामकम्पटक्वेतांहीरे ॥ १४ ॥ छ० ॥ ईमसांभलनेंनर
नारीयां ॥ जतलीपोकठोवाडरे ॥ तोसोलघरतसुवनीपजें
तिणसुंकवेखेत्रोपाररे ॥ १५ छ० (दूहा) नितनितघ
तिसरसआहारनें ॥ मरज्योसातभीवाड ॥ तेहम्हचारीनि
तभोगवें ॥ तोबिरतरोहुवेविगाड ॥ १ ॥ घ्रतादिकासुंपू
रणभरयो ॥ एहवोभारीआहार ॥ तोधातुदीपावेंअतिघ
णो ॥ तिणसुंवधेंविकार ॥ २॥ खाटोखारोचरचरो ॥ मी
ठोभोजनजेह ॥ विविधपणेंरसनीपजें ॥ तेरसनासरघरस
लेह ॥ जेहनीरसनायसनही ॥ तेखावेंसरसआहार ॥ घ
रतमांगभागजङवें ॥ खोवेंमम्हचतसार ॥ ४ (ढाल०)
८ मी०) नितकरसाधुजीनेंवन्दणा०) एदेशी०) कायसो
करेंआहारउपाडतां ॥ घ्रतबिंदुघरतोआहारभाररीए ॥
एहवोसरसआहारघापधापनें ॥ नितनितनकरेंमम्ह
चारी (वाडमखोपोसातमी० १) वयतरुणीरोगरहित

छे ॥ तीकरैसरसआहारोए ॥ तीआहारकडीगेतपरगमै तिणसुंवधेंअत्यंतविकारोए ॥ २ घाह ॥ विकारवध्यांमन भरतनै ॥ दोपणाअनेकविधजागेंए ॥ वलेअद्भुकुचेष्टा उपजे ॥ जावकष्टत्ततिहांभागोए ॥ ३ वा० ॥ सरसआहा रनितचांपरकीयां ॥ छतभागेविगडेयक्कुलोगोए ॥ संसा रमेंदुखीहुवै ॥ मधताजावैरोगनेंसोगोए ॥४॥ वा० ॥ व यतरूणीकायाजीरणपडे ॥ नेकरैसरसआहारोए ॥ पेट फाटैमचीतलफलै ॥ वलेआवैअजीरणडकारोए ॥ ५ वा० विविधमणीरोगउपजे ॥ नितसरसआहारकीयाभारोए ॥ भक्षाखेअरेवरसखोयनै ॥ वलेहोयजावैअनतसंसारी ए ॥ ६ वा० ॥ वयतरूणपणोभणीर्ईणविधमरै ॥ नित कीधांसरसआहारोए ॥ तोवुढारोकहैवोकिसुं ॥ तिण रैपेटसुरतणाखभारीए ॥ ७ वा० ॥ दुधदहीपकवानने ॥ सरसआहारभावेरहैसुतोए ॥ पापसमणीकह्यौउताध्येय नमें॥ तोसाधपणांथीविगुतोए ॥ ८ वा० ॥ चक्रवर्त्तनी रसवती ॥ भोगवैभुतदेआम्बनछोडीनखाणोए ॥ कांमसि हमसातिणवाशे ॥ वेहनवेटीसुमीधोअकाजोए ॥ ९ वा० ॥ सरसआहारतणोलपटीषणो ॥ मगुआचार समायोए ॥ तीमरनेंगयोअन्तरीकमें ॥सजमसारंवहार्ईखे होए ॥ १० वा० ॥ सेलगरायघटखेसरू ॥ सरसआहारत णोहुवोगिरधीए ॥ तेजिह्वावसपडीयोयको ॥ मीयाअख गोघन्दीधिए ॥११वा०॥कुडरीकरसलपटीययो ॥ पाछो घरमेंआयोए ॥ भारीआहारसुरोगउपणैसवो ॥ पडीयो सातमीनरकमेंजायोए ॥१२वा०॥ ईत्यादिकबहुसाधसाध वी ॥ लोपनसातमीवाडोए ॥इमचारमष्टतरुोयनै ॥ गया

जआगेहारए॥ १३ वा० ॥ सनीमातियोदुघमोम्घोपोवै॥ तिणसणोघातवघतोदेखोए ॥ ज्यूटम्हचारोसरसत्राहा रसु॥ विकारघवैविसेपोए॥ १४वा०॥ दूमसाभलनेनर नारीया॥ नितभारीमकरज्योत्र्याहारोए॥ सीलटतसुघ पालनै॥ आवागमणनियारोए ॥ १५ वा० ॥ सरसत्रा हारतोज्याईरह्यो॥ लुखोईपियाआहारोए॥ चामरनित करणोनहो ॥ छिवैकहस्यू आठमोवाडोए ॥ १६वा०॥ दूहा.) आठमोवाडमेंदूमकह्यो ॥ चंपनकारणोत्र्याहार प्रमाणलोपदूषकोकरै॥ तोवरतरोहुवैविगाड ॥ १ ॥ अ तीत्र्याहारथीदुखहुवै॥ गलरुपवलगाय ॥ परमादरोग निद्रात्र्यालसहुवै॥वलेअनेकरोगहोयजाय॥अतीत्र्याहार घीविपैवधे॥घणोदूजफाटैपेट॥धांनश्रमाचअरता॥हांडीफ टैनेठ॥ २॥ कोईवाडलोपैविकलयका॥करसोघघोकोत्र्या हार॥ त्यारेंकुणारअवगु णनीपजे ॥ तेसांभलज्योविस्ता र॥ ४॥ (ढाल०) (६मो०) थिअथकीयलीएकरैषपानग री० (एदेशो०)भरजोवनरेंमांहिरे॥देखिनीरोगोहोवै॥ मांहितेजसरोजोहोघणोए॥ चापैकोघाय्राहाररे॥पछैम तावसु॥ तोविषेवधेतिणरेघणो॥ १॥ जवगअतालागै भोगरे॥ ध्यानमैमाठोरहै ॥ वलेगमतोलागैघसघोए॥ २॥ सोलपासु कोनाहिरे॥ संकाउपमैवल्लेभोग॥ नारी ववछाउपजेए॥ ३॥ मोनेकामहोसीकेनाही॥ सोलमर तपालीया॥ पिणसांसोउपजेए॥ ४ ॥ जमभ्रटहुवैवरत भागरे॥ भेपमांहियका॥ कोईभेपछोडहुवेगिरसतोरे॥ ५॥ चांपैकोघात्र्याहाररे॥ पछैश्रकोतरे॥ तोईसडोअन रथनिपजेए॥ ६॥ कैईकारेहुवैरोगरे॥ तेत्र्याहारदूधको

छे॥ तेकरैसरसआहारोए॥ तेआहारकंडोरोतपरगमे तिणसुवधेंअत्यतविकारोए॥ २ वाड॥ विकारवध्याब्रम्ह भरतनै॥ दोषणअनेकविधनागेए॥ वलेंअहकुचेष्टा उपजे॥ जावरुटत्ततिहांभागोए॥ ३वा०॥ सरसआहा रनितआपरकीया॥ व्रतभांगविगडेयशलोगोए॥ सभा रमैदुखीहुवै॥ वधताजावैरोगनैसोगोए ॥४॥ वा०॥ व यतरूणीकायार्जीरणपडै॥ केकरैसरसआहारोए॥ पेट फाटैपड्योतलफलै॥ वलेंआवैअजीरणाडकारोए॥ ५वा० विविधपणैरोगउपजे॥ नितसरसआहारकीयाभारोए॥ अकालेजरैघरअखोयनै॥ वलेहोयजावैअनतसंसारी ए॥ ६ वा०॥ वयतरूणपणोअणीइंणविधभरै॥ नित कीधांसरसआहारोए॥ तोवुढारोकहैवोकिसुं॥ तिण रैपेटतुरतआखभारोए॥ ७ वा०॥ दुधदहीपकवाननै॥ सरसआहारभावैरहेसुतोए॥ पापसमणीकह्योउत्ताध्येय नमें॥ तोसाधपणांथीविगुतोए॥ ८ वा०॥ चक्रवर्त्तनी रसवती॥ भोगवैभुतदेआम्हनछोडीनलाओए॥ कामवि टम्बथातिणसहो॥ येहनवेटोसुकीधोअकाजोए॥ ९ वा०॥ सरसआहारतणोलपटीपणो॥ मगुआचार जायायोए॥ तेमरनेंगयोअन्तरीकमे॥ सजमसारैंचढाईखे होए॥ १० वा०॥ सैलगरायरुटखेसरू॥ सरसआहारत णोलवोगिरधोए॥ तेजिम्हांवसपडीयोयधको॥ कीयाधन्न गोधरदौघिए॥ ११ वा०॥ कु डरीकरसलपटीपयो॥ पाछो घरसैआयोए॥ आरोआहारसुं रोगउपणैसवो॥ पडीयो सातमीनरकमैजायोए॥ १२वा०॥ इत्यादिकवहुसाधसाध वी॥ लोपनसातमीवाडोए॥ इम्मचारणष्टतहोयनै॥ गया

गोदीहिलोए ॥ २६ ॥ कोइसाधुकवैरामरे ॥ योआहारे अधीकोकरें ॥ तोभणोकुडैतियउपरैए ॥ २७ ॥ गोमिल नकहेंअनेकरे ॥ तुंआहारइधकोकरें ॥ तोहोकछोनमा नोएकनोए॥२८॥पुरणभरेंनितपेटरे॥इधकोचांपनें ॥ जव पांयोपूरोमानैनहीए॥ २९ ॥ तिरखालागेअनंतरे ॥ पेट दूखेघणो ॥ टलमलाटकरेंघणोए ॥ ३० ॥ खावेंआवसो याडीलरे ॥ जकनहीतेहनें ॥ अजकघणोवेिजेहनेंए ॥ ३१॥ असडोपडेंविपक्तरे ॥ तोहीगिरघीमेटरो ॥ निगअ वगुणछोडैनहीए ॥ ३२ ॥ जवरोगपोडलैघांणरे ॥ मारै माठीरीतरे ॥ श्रीजिनधर्मगमायनेंऐ ॥ ३३ ॥ थ्यारुंगत रेमांहि ॥ भमणकरैघणो ॥ अनंतकालदुकभोगवेऐ ॥ ३४ ॥ कुंडरीकरेंचपनोरागरे ॥ आहारइधकोकीयां ॥ मरनेगयोनरकसातमोए ॥३५॥ हांडीफाटेंनेठरे ॥ इध कोकरीयां ॥ तोपिठनैफाटेकिणविधैए ॥ ३६ ॥ ब्रह्मचारि इमणांयरे ॥ इधकोनहोजिमीए ॥ घणोदरीमैंगुणघणां ए ॥ ३७ ॥ उत्तमघणोदरीतपैरे ॥ करतांदोहीलो ॥ ब्र यरागवीनांकुवैनहीए ॥ ३८ ॥ एकहीआठमीवाड़रे ॥ ब्रम्हचारीभणी॥ चोखेचित्तआराधणोए॥ ४० ॥ (दूहा) नवमीवाडविरमचर्यनी ॥ विभुषानकरणीअंग ॥ विभुषा कीघांथकां ॥ थायैवरतनोभंग ॥ १ ॥ सरीरविभुषाजेक रै ॥ करेंतनसिणगार ॥ रहेंघठारीयामठारीया ॥ त्यां छोपीटश्रष्टतवाड ॥ २ ॥ सरीरविभुषाणेकरें ॥ तिसंजो गीहोय ॥ ब्रम्हचारीतननसोभवै ॥ तिकजपैनहीकोय॥३॥ वाडभाग्यांकिणविधरहै ॥अमोलकसीलरतन्न ॥तिणसुंब्र म्हचारीब्रम्हचरतना ॥ किणविधकरेजतन्न ॥ ४ ॥

करें ॥ वलेसासग्रायेंग्रवधोयकोए ॥ ७ ॥ फाटेपेठग्रनंत
रे ॥ वधझवैनाडीया ॥ वधेंग्रसातावेंटनीऐ ॥ ८ ॥ होवे
ग्रजीरणरोगरे ॥ मुखवासेमुरो ॥ वलेपेटभालग्राफरोए
९ ॥ तेउठेउफालापेटरे ॥ चालेंकलमती ॥ वलेकुरेकुस
युकणोए ॥ १० ॥ डोलफिरेचकडोसरे ॥ पित्तघुमेघणा
चालेसखुहेसखकणोए ॥ ११ ॥ ग्रावैमाठीघणोडकाररे
वलेग्रावैगुचलका ॥ जमग्राहारभागलटोपडैए ॥ १२
चालैमरोडापीडरे ॥ पेटदूखेघणो ॥ वलेसोहीठाणपरोड
वेंए ॥ १३ ॥ नाद्यांमेंउपजेंरोगरे ॥ तिग्राहारभखेंनही
ज्यूखावेज्यूनीकलेए ॥ १४ ॥ वलेतावचढेततकालरे ॥
वंधझवेंमातरो ॥ ग्रधकोग्राहारकीयाए ॥ १५ ॥ घणोदे
होपडेकुधाररे ॥ ग्राहारभावेंनही ॥ सवमांसलोहीटि
नदिनघटेंए ॥ १६ ॥ खीणपडैसवदेहरे ॥ निघलाईपडै
वलेदाधपगांसोजोचढैए ॥ १७ ॥ थमैनहीग्रतिसाररे ॥
ग्रोपधकरेंघणां ॥ दिनदिनफेरोईधकोऊवैए ॥ १८ ॥
पडैनाकफुटेचम्परे ॥ चुकेधर्मध्यामथी ॥ वलेग्रोसेंघणो
दयामणोए ॥ १९ ॥ वलेऊवेंसासनखासरे ॥ जलोधरवधे
सुन्यधुन्यदेहीपडैए ॥ २० ॥ वधेंग्रपचोरोगरे ॥ ग्राहार
पचेंनहीए ॥ उपधफोलागेंनहीए ॥ २१ ॥ वलेउपजेंदाह
सरोरे ॥ घसघसागीरहैरे ॥ पेटसूसचाकेंघणोऐ ॥ २२
वैदमाऊवैग्राध्याकानरे ॥ खाणऊमेघणोए ॥ वलेरोग
पीतसरउपजैऐ ॥ २३ ॥ ईत्यादिकावऊरोगरे ॥ उपजैग्रा
हारथी ॥ ऊकहिरनेकितरोकऊए ॥ २४ ॥ एऊवैग्राहा
रथीरोगरे ॥ नावलेंग्रवरनो ॥ त्यारेकुखवधेंघणोए ॥ २५
तिग्रांपकरेंग्राहारोरे ॥ गिरधीपेटरो ॥ तिणमेंसाधयोस

नचालैसोट ॥ १ ॥ कोटभार्यांओखसक्कैमाडने ॥ याड़भा र्यावरतनैजांण ॥ तिणसुं कोटक्तिगयोदेयैनहीं ॥ तैडावो चतुरसुजांण ॥ २ ॥ कोटभांगवारापछआयकां ॥वाड़भांग ताकितीयकवार ॥ तिणसुं विसेषकोटरी ॥ करवोज तनविचार ॥ ३ ॥ सहरकोटसैठोड़वै ॥ तरेंचिंता नपांमैलोक ॥ ज्युअडगकोटब्रह्मचर्यनो ॥ तोसीलनपामै दोष ॥ ४ ॥ तीकोटआरयोक्तिणविधकह्यो ॥ जिणवि धकरयोजतन्न ॥ तिणसुं ब्रह्मचारीमिवरासुध ॥ सां भलज्योधरमन्न ॥ ५ ॥ (ढाल०) (११ मी०) मिमा रानावसुणरगुणीयण० (एदेशी०) मनगमतोसबदरसाल ॥ अणगमतोसबदविकराल ॥ गमतोसबदसुणांनहोरो क्कै ॥ अणगमतोसुं धयानहीखीजै ॥ १ ॥ कालानीलारा तागोराअेला ॥ पांचप्रकारनांरूपवोहोला ॥ रागनांणै भलारूपदेख ॥ जाठादेखनेंअांणेद्वेष ॥२॥ गंधसुंगधदुर गधदोय ॥ गमताअणगमतासोय ॥ गमतासुरतगहोहो य ॥ अणगमतांसुं अरतनहोदोय ॥ ३ ॥ रसपांचप्रकार नाजांणो ॥ त्यारासबदादिकअनेक पछांणो ॥ गमतोस्सु रागनहोरहणुं ॥ अणगमतांसुं धेकनधरणो ॥ ४ ॥ फर सआठप्रकारनातांज ॥ त्यारामुदारछ्रेनाज ॥रागागमता अणगमतांरोद्वेप ॥ यादोयांसुं रहणोनिरापेख ॥५॥ स पदपगधरसफरस ॥ गमाम डाहलकाभारीलरस ॥ त्यां सु रागद्वेपकरणोनहि ॥ सोलरहसीएहमाकोटमांहि ॥ ६ ॥ सीलरतनछेमाछैभारी ॥ तिणरादृष्यविधकरणजत न ॥ चवलाइतांजाण्डितमोटो ॥ तिणरीरखावाभाकह्यो कोटो ॥ ७ ॥ जेसबदादिकसुखबैरागो ॥ तोकोटगावेछै

(ढाल०) (१ औ०) धीजकरैसीतासतीरेलाल०) एक
नी (एदेशी०) सोभाकरणी देहनीरे॥ नहीकरणीतन
सिणगाररे॥ टुलचाने०॥ पीठीउगटणीकरणीनहिरे
लाल॥ मरदनकरणीतिगार॥ टु०॥ १ (नवमीवाहष्टम
पर्यनोरेलाल०) छंनाठंडापाणीधपोरे॥ सरा करणी
ऋंगोल॥ टु०॥ कीसरचंदननहीचरचरणीरेलाल॥ टा
तरंगनकरणीचोल॥ टु० २ न०॥ दछ्रीलाने ढलारे
लाल॥ घलपहरणीनाहि॥ टु०॥ टीकातिलककरणी
नहीरेलाल॥ नदमीवादरेमांहि॥ टु०३न०॥ कांकण
कुण्डलसुंदहीरेलाल॥ लाखलीनीनीणा ॥ टु०॥ म
णधारीपहरे नहीरे लाल॥ गन्रा धिसिवरमार ॥ म०
४ न०॥ नहीरखणीधगरानी ठाग चोरे॥ सिसानिकानसि
णगार॥ म०॥ बखाादिकनियरखनेरे लाल॥ सुकन
करणीसिणगार॥ म० ५ न०॥ विमुराखगकैकुलोलनो
रेलाल॥ तिणसु चिकणाकर्मवधाय॥ म०॥ पसु सु सार
सागरमांहिरे लाल॥ तिकरे भारविगोनहीधाय॥ म०
६ न०॥ सिणगारकियारकेनेहनेरेलाल॥ चलीदेच
लाय॥ म०॥ भूष्टकरेदैवैहनेरेलाल॥ ठालीकरदे
ताहि॥ म०७॥ न०॥ रतनधायेहसंगकनेरेलाल॥ ति
हेलिजोमलेसे ाज॥ म०॥ ज्य नन्द मारी वसुघाकीधारे
लाल॥ लीसीघरतनहोसघेताय॥ म०८न०॥ मधाप
वीहजसारलीरे लाल॥ सिन्धामतिकरल्लेसिणगार। म
जूसीलरतनकुपसैरनैरे लाल॥ तिणसु उतरोभवपार
म०९ न) (ढा०) नवमीवाहिकहीमम्ह नवमी ॥ अहि
वदलसीमसुंकीट॥ तिगाहदीसीवीटोरली॥ तिणमेंसस

ॐ नमः

॥ अथढीकिजिरीचोपईलिख्यती ॥

॥ दूहा ॥ भद्दिलपुरनं मैनगर ॥ भरियाअठ्ठभंडार ॥ तिहांवसेनागगाथापति ॥ सुलसाछैतसुनार ॥ १ ॥ सुलसाछटपणामांडो ॥ थयोपुत्रकोवाह ॥ हरिणगमेषीदेवरी ॥ सेवकरेचितलाय ॥ २ ॥ अगुभंपाआणीदेवता ॥ सुलसाविलखोजांण ॥ ध्ययटीदेवकीतणां ॥जेल्याप्युत्वा धरयांण ॥ ३ ॥ अत्रुआमेमोठाहुआ ॥ कसावगोप्तवजाण ॥ नवअगछुताजागीया॥ डाहाचतुरसुजांण॥ ४ ॥ एकणकुलरीउपनी ॥ कन्यारानकुमार ॥ परणाईछेसुई सुई ॥ वत्तोसरनार ॥ ५ ॥ दोघोजायतायगायजो ॥ सुगज्योछेविस्तार॥चढतणोवरणनकरु ॥चरज्योचित्तरभारा॥६॥(ढाल०)(१लो०) थोनवकारजपोजनर गे०(एदेशी) वत्तोसितोक्रोडसोनईया ॥ वत्तोसरूपारोक्राडराताई॥१॥ वत्तोसवाजुबंधिया ॥ वत्तोसकांकणरीजोडरीमाई ॥ पुन्यतणाफलनोठाईजाणो०) वत्तीसितोहारटकावली॥ वत्तोसनयसराजाणगोजाई ॥ नम्म सैनोअठोतरोयादीना ॥ वत्तोसतिसरीयाजाणगोजाई ॥ २ ॥ पु० ॥ यत्तोसतोया

भाजी ॥ कोटभ्याज्याराडचकचूरो ॥ भजरतपिणपडिजा यपूरो ॥ ८ ॥ तिणसु कोटराकरयाणतन ॥ तोकुशलरहै सीलरतन ॥ टलजावैसगिलाईदोष ॥ तिणसुं पांमैअविच रामोख ॥ ६ ॥ इमसांभलनेंद्दम्हचारीत् ॥ कोटमराखो जिणारोज्य ॥ दिनरइधकोधाणट ॥ ईमभाष्योछैस्वामीरजिणंद ॥१०॥एकोटसहितकहीनववाड॥इमसांभलनेन रनारि ॥ इणरीतसुं द्दम्हव्रतपालो ॥ ज्यूमीटैसमश्रास जंजालो ॥ ११ ॥ उत्तराध्येनसोलमैमझारो ॥ तिणवोलै इनेंअनुसारो ॥ तोकोटसहितकहीनववाडो ॥ तिणरोसं क्षेपकह्योविसतारो ॥ १२ ॥ फागुणवदछठगुरुवारो ॥ इ गचालीससमतअठारो ॥ लोडवींपीसहरमादुमझारो ॥ तेतोसमझावणनरनारो ॥ १३ ॥ नववाड०९ ॥ इतिश्री सीलरीनववाडरी (ढालां)

॥ संपूर्णम् ॥

भावसुंरेलाल ॥ वरतैसदाईसभाधरे ॥ भ० ॥ ४ श्री० ॥
सहसअठारैमुनियरुरे ॥ आरज्यासहसचालोसरे ॥ भ०
ज्यांरीआगमनावतारेलाल॥ उतारैभवपाररे ॥ भ० ॥ ६
श्री० ॥ केईकहाथीकेईपालखीरे ॥ केईकपालाजायरे ॥
भ० ॥ होडाहोडीनीसरयारेलाल ॥ सुणवाजिनजीनीवा
णरे॥ भ० ॥ ७श्री० ॥ एकरनैवोलावतारे ॥ मनमेंहरपि
तथायरे॥भ०॥आपआपरासमभावतारेलाल॥भेलाहोयने
जायरे॥ भ० ॥ ८ श्री ॥ केईकपरसनपछारे॥ केईत्रां
टणनेकाजरे ॥ भ० ॥ केईकाअरथअवधारतारेलाल ॥
केईकटरसणकाजरे ॥ भ० ॥ ९ श्री० ॥ केईकालुहलजोय
वारे ॥ केईककुलआचाररे ॥ भवि ॥ केईकसासोभांजवा
रेलाल ॥ केईकलोकविवहाररे ॥ भ० ॥ १० श्री० ॥ जि
णदिनपिणजुताथणारे ॥ भारीकर्मामूढरे ॥ भ० ॥ अव
गुणअणहुताकाढनैरेलाल ॥ झालीमिथ्यातनोरुढरे ॥
भ ॥ ११ श्री ॥ अंतरगतिनीपारखारे ॥ केईकविरला
जांणरे ॥ भ ॥ मोक्षतणीज्यानैआसतारेलाल ॥ पालै
जिणवरआंणरे॥ भ० ॥ १२ श्री० ॥ भणांनैणातादेखनैरे
नीसरीयाछदंभायरे ॥ भ० ॥ भवस्थितपाकीतिहनीरेलाल
श्रीनेमवांदणनैजायरे ॥ भ० ॥ १३ श्री० ॥ (दूहा)
वदणांकोधीभावसुं ॥ बैठासनसुखआय ॥ भगवंतदीधीदे
शना ॥ सगलांनैहितलाय ॥ १ ॥ जीवादीकनवतत्वना ॥
भाख्याभिनरभेद ॥ मोक्षतणासुखसास्वता ॥ सरधोअंग
उमेद॥ २ ॥ वाणीसुणनैपरखदा ॥ आयाजिणदिशजाय
छठभाईवैरागीयां॥ बोलैकिणविधवाय ॥ ३ ॥ हाथजोड
नैइमकहै॥ सरध्यातुमरावैण ॥ थैतारणभवजीवरा ॥ मो

लासोनैरा ॥ वत्तीसरूपैरायरडागरीमाई॥ वत्तीसितोमाल सोनेरा ॥ वत्तीसरूपैरामरगागरीमाई ॥ ३ ॥ पु० ॥ व त्तीसितोपिलंगसोनैरा ॥ पोगारतनजडावरीमाई ॥ वत्ती सेतोवाणोटसोनैरा ॥ वत्तीसरूपैरासरावरीमाई ॥ ४ ॥ पु० ॥ दूणरातैतोछत्रकुमरांने ॥ सरसम्पातांरीजोडरी माई ॥ पगेल गणरासारुटीना ॥ एकसोवाणवैमोलरीमा ई ॥ ५ ॥ पं० ॥ (दूहा) श्रागैदनछोग्रतिघणो ॥ श्रा योदायजोदांन ॥ पुरयकमाईभोगवै ॥ पन्यतणैपरमां ण ॥ १ ॥ मातसुताजैग्रतिघणां ॥ घरचिंतानरोकाय ॥ वम्नीसविधनाटिकपडै ॥ रातरख्यातिणमांहि ॥ २ ॥ ए हवासुखग्रावीमिल्या ॥ पन्दतणैसंजोग ॥ घरसकरमन छिटलखै ॥ विलसणलागाभोग ॥ ३ ॥ जालीगोखाबिरा जीया॥गोखारतनजडाय॥ कालनटीसैजावतो॥मनगमता सुखथाय॥ ४ ॥भवस्थितिपाकीतेहनी ॥ सिष्याग्रपूरवग्रां य ॥ किणविधसमभ्रैधरममें ॥ तेसुणज्योचितप्यांण ॥ ५ (ढाल०) २जी० (श्रीजकरैसीतासतीरेलाल०) एह नी० (एदेशी०) तिणकालनैंतिणसमैरे ॥ बावीसमाजि नराजरे (भविकजिन०) गांमनगरपुरविचरतारेलाल ॥ तारणतरणजिहाजरे ॥ भ १ ॥ श्रीनेमजिणंदसमो सरयारेलाल० ॥ श्रायउतरीयावागमेंरे ॥ भयजोवारैभा गरे ॥ भ० ॥ मारगमतावैमोक्षमोरेलाल ॥ उपणावैवय रागरे ॥ भ० ॥ २ श्री० ॥ एकरसनिघरएहवारे ॥ तपक रसोरूीकायरे ॥भ०॥ सोलैरोगापरतेहमारेलाल॥ ग्रखा रलगायाछयणायरे ॥ भ ॥ ३ श्री ॥ एहवीछपतणांध णीरे ॥ श्रीनेमजिणंदणीरासाथरे ॥ भ० ॥ ज्यांनेतोवांदो

वेभिद्या॥ विनयवंतपालेगुरुसिद्या॥ ३ (दूहा) छउं सहोदरसारसा॥ नलकुबेरअणुहार॥ नयणानधापैनिरख तां॥ हीयडैहर्षअपार॥ तीनसोभाडाजुवजुवा॥ वहिरै माताहाथ॥ परगटहोवैकिणविधै॥ तेसुणज्योविख्यात (ढाल०) ५मी (वीरवखाणोराणीचेलणांजी०) एहनी० (एदेशी०)वसुदेवजीकेघरआवीयाजी॥देवकीहरपितथाय सातआठपगसाहमोआयनैजी॥ लुलिलुलिलागैपाय साधुजीभलेपधारयाआज०)॥ आजछतोरथरूंथईजी॥ मु निवरआयावार॥ ज्यांपुरपांरीचाहिनाजी॥ ज्यांरीमैंदी ठोदीदार॥ साधु०२॥ आजभलीजागिदिसाजि॥ दिठि मुंनीतणोजोडि॥ आजभलेदिनऊगोयोजी॥ पुगीमां रामनडागेकोडी॥ ३ सा०॥ मोदकथालभरीकरीजी॥ देवकीमांहिसुंल्याय॥ कृष्णजीरैंजीमणतणांजी॥ वहि रायाउलटभाय॥ ४ सा०॥ मुनिवरवहिरपाछावल्याजी लागीयोडोसीवार॥ बीजोसिंघाडोवलेआवीयोजी॥ दे वकीरैघरसार॥ सा० ५॥ मोदकवहिरीयैमिलेभावसुं जी॥ वहिरचाल्यामुनिराय॥ देवकीपोहोंचायपाछोव लोजी॥॥ वैठोसिंघासणआय॥ सा० ६॥ तीजोसोघा डोवलेआवीयोजी॥ देवकीरैघरमांहि॥ मोदकवहरा यावलेभावसुंजी॥ मनमेरलियायतथाय॥ सा० ७॥ वा रवारघरआयामाहरैजी॥ योनहीसाधुआचार॥ सासो पड्योमनमांहरैजी॥ पुछकरुंनिरधार॥ ८ सा०॥ सा नकरोपूछनहीजी॥ संकारहिमनमांहि॥ पुछ्यांओप आवैसहीजी॥ दोसैमोटामुनिराय॥ ९ सा०॥ दूहा० पसुरपिचजणजेहुवै॥ काढैसुरतनिकाल॥ साचाऊवैते

सीयास चाते गा ॥ ४ ॥ जानतानैगछने ॥ जिम्यांसंयम भार ॥ ससारजा धार ॥ जी जातम मृतसार ॥ ५ ॥ वनतादृसडी तन्कै निरा जिनमैभाय ॥ जिदानडी जावैमनवि ॥ तेनिराछ आय ॥ ६ ॥ नानविना नेपृछनै ॥ जीधे सयमगार ॥ तिगरा उधासाजर ॥ जंगलो वरनार ॥ ७ ॥ द ॥ ३ गो ॥ तपरगा पोजगानको० एवर्णा० मई ॥ ायजीहाकम गा ती ॥ नीने कौसनायक स्वामी ॥ तेजेरावणो ॥ दोनि जीभिखमा स्वामी ॥ गुजीनतो० १ ॥ प हिलेपेरनिरिगयना॥ गोघ्य नरध्यायनीस्वामी ॥ तो सोपारसीगो ॥ भिद्वकगजैरवांमो ॥ २ ॥ भ्र ॥ जिनभिदृसडाक्नै ॥ जियानैसृछ्थायनीसा जी ॥ दूजेपवमग्म क्षाटने ॥ पा सवणरजायनीस्वा जी ॥ भ्र० ३ ॥ नेम नजि य ॥ न्कैदयपभपा रजी० खमी ॥ भावरजिनपसनो ॥ चौथेचिसलव सायकोस्वां ॥ भ्र० ४ ॥ गारजान गपगगीया ॥ सावी समी जिनराजके स्वामी ॥ भायतवायवागपै ॥ एपिष आयासायहो ॥ भ्र० ५ ॥ दूहा लाकवाय छैमतिघणी सुणधापीसरपाग ॥ छपसाधानैपारणी ॥ पाचपडिलवैं भाय ॥ ढाल ४थी रागयत्तर्ना०) पक्षि गोदोहरसीक रीयेंदिखाग॥ सोजीपोरसाध्यानअध्याय॥ तोजीपोरसोगो चरीकाल ॥ भागासेउखाततकाल ॥१॥ नेमजिणदरीसो भादेस ॥ हाणिकाजा छीघोपरवेस ॥ छपसाथरातीन सिघाडा ॥ उछागोचरीचयगारा ॥ २ ॥ ग्रहपगोटासेश्र यविसिय ॥ उचनीचकुलमध्यदिसेन ॥ भमरतणीपरल्या

२रंभातजीवाई॥वम्मीसेरदात॥कुटंवछोडग्रासहुरोवतावा ई॥ विलरकरतीमाय ॥ १२ ॥ दे० ॥ नेमतणीवांणीसु णीवाई ॥ जांणोग्रथिरसंसार ॥ प्रतिवोध्याछ्वंजणारवा ई॥ लीधोसंयमभार ॥ १३ ॥ दे० ॥ सुवसाधांरावचनमें वाई ॥ संकामूजनग्रांण ॥ थांरैवह्विरनैगयावाई ॥ सेतो वीजाजांण ॥ १४ ॥ दे० ॥ (दूहा०) वचनसुण्यांमुनिव रतणा ॥ मनमैहरषितथाय ॥मोहिजिलुधीदेवकी ॥ जोय रहोचितलाय ॥ १ ॥ (ढाल०) ७ मो०) पंडितपांचसे पूजितपरषदारे० ॥ एहनी० (एदेशी) नेंयांनीहालै होरांणीदेवकीरे॥ एछेवेग्रणगार ॥ रूपतणीयारैछैसं पदारे ॥ नलकुवरग्रणुहार ॥ नैं० ॥१ ॥ सुरतमैंदीसैंग्र तिसोभतारे ॥ घणाजोग्रारैहेत ॥ जिणधरमैंसुंएछडनीस र्‍यारे ॥ सांरैरहीयाचीत ॥ नैं० ॥२॥ दूणचणोग्रारैमांह रैराजमैरे ॥ ग्रवरनदीसैंकोय ॥कैतोऊवैजांणीरैकानजीरे एमोनैग्रचरिजहोय ॥ ३ ॥ नैं० ॥ सगपणकोईनिजरग्रा वैनहीरे ॥ छिवणासगपणएह ॥ मोनैंसुवछवरनकोपडो रे ॥ यूमकिमजाग्योनेह ॥ ४ ॥ नैं० ॥ ग्रावकरोचारिचो याउपरैरे ॥ ऊवेवर्मसनेह ॥ मोज्युंपरनसकोजनांपडैरे दूमकिमजाग्योनेह ॥ नैं ५ ॥ दूहा ॥ करयविसांसणदेव की ॥ ऊवविहारीतास ॥ एहवामुनियरदेखनें ॥ पामीत्र हुतउल्लास ॥ १ ॥ (ढाल) ८ मो० ॥ चदगुपतराजा सुणो० (एदेशो०) वालपणैमोनैकह्योऊंतो॥ ग्रयवंतो ग्रणगारोरे ॥ ग्राठजणेसोदेवकी॥ नहीकोईभरतमझारो रे ॥ १ (करयजिमांसणदेवकी०) भरतक्षेत्रमैसांसठा ॥ किणमातारागायारे ॥ तोनसि माडाग्रावीया ॥ मेंहार्थां

सरदहै ॥ खोटादेवैटाल ॥ १ ॥ साचोसमकिततेहमी ॥ थापोकाढैकेम ॥ कुगुरुछोडैपलकमे ॥ करैसुगुरुसुंप्रेम २ ॥ (ढाल०) ६ ठी० ॥ (जगतगुरुत्रिसलानंदनवीर जी०) (एदेशी०) भगवंतनगरीद्वारकाजी ॥ बारेजोजन परमाण ॥ कृष्णनरेसरराजीयोजी ॥ ज्यारेतीनखंडमे आंण ॥ १॥ (मुनिसरएककरुंअरदास० ॥ देवलोकसरि खीद्वारिकाजी ॥दिस्याइंदरपितथाय ॥ घरघरमंगाईसामठा जी ॥ पेख्याचितउल्लास ॥ २मु०॥ बहुत्तरकोडघरवासि रेजी ॥ नगरीमैसाठकिरोड ॥ लोकसहुसुखीयावसैजी राजकृष्णरीजोड ॥ ३ मु० ॥ साढीकिरोडांराघणीजी नगरीमांहेलोक ॥ खायोपीयोखरचणोजी ॥ पुन्यसुंमिली यायोक ॥ ४मु०॥ राणीघणाजिनधर्मनाजी ॥ सेठसेनापति राजान ॥ साधुरादरसणविनाजी ॥ सुखमैनथासैधान ॥ ५ मु० ॥ बातअचरिजकारणीजी ॥ माहरैमनमेसमाय कमाजेलाखचकोनहोजि॥यिमकछारहथोनथाय॥मु ६॥कुं पूर्ढूपणकारणीजी ॥ साधांनैनव्याधोआहार ॥माहरैभाग राखोयोयाजी ॥ आयातीजीवार ॥ ७ ॥ मेंतोसाधमैसा भल्योजी॥ नहीआवैवारवार॥ एसासोसुभनैपड्योजी॥ पु छकरुनिरधार॥ मु ८ ॥ पछितामुनिवरइसडोकहैजी ॥ नगरीमैवहोतदातार ॥ तीनसिघाडाआवीयाजी ॥ मेंछां छतअणगार॥ ९ ॥ देवकीसंकामूमनथाय०) ॥ त्रिनन गरीरावासीयाजी॥ भ्रारिवहुतीजीताह ॥ पितामाता राजनमीयाजी॥ कांईपोतारोनाम ॥ दे० ॥ १० ॥ नाग सीरीरादीकरावाई ॥ सुलसामाहरीमाय ॥ भद्दलपुररा वासीयावाई॥ घरछोडयाछहभाय॥ दे० ॥ ११ ॥ बत्तीस

उभाक्ष्यणमाङ्गाराय ॥ १ ॥ बलितृाकदैश्रीकृष्णजी ॥ क
होचिंतायईश्राज ॥ सोश्वफिकरराखोमती ॥ सारं सुमा
गुकाज ॥ २ ॥ थेदूजोचिंताकरो ॥ श्रीरनगुखीयोकोय ॥
मांहरेंदूणसं सारमे ॥ मातसमोंनहोकोय ॥ ३ ॥ श्राप्स्या
खोपीकिणश्रापरी ॥ माहराश्रंतेवरमाहि ॥ तिणरोनाम
मतायह्यो ॥ काढ्ङायसमाय ॥ ४ ॥ बङ्कवार्थाहराकथनमे
सुखिलुखिलागु पाय ॥सगलानेंपगेलगावता ॥ कालकिती
एकजाय ॥ ५ ढाल०१०मो०) टढणक्टपजीनैवादनाङ्कंवा
री० (एइनीएदेशीछै०) कुंतुभश्रागलसीकङ कांनई
या ॥ मीतकदुखनीबातरे ॥ गिरधारीलाल०) जगमेसुख
णोछैघणो ॥ का० ॥ घणोदुखीयांरोथांरीमातरे ॥ गि०१
कुं तुभश्रागलसी०) एकनहीकुलरामीयो ॥ कां० ॥ गो
दनलियोखिणमातरे ॥ गि०२कुं० ॥ छकुंबधीयासुखसा
घरे ॥ कां० ॥ घाईपरतिखदेखरे ॥ गि० ॥ वातकहीयो
नेसजो ॥ कां० ॥ तिनमेंमीननमेखरे ॥ गि०३ ॥ क्षमतो
दूमसोटाकुवा ॥ का० ॥ एकरह्योतुं पासरे॥ गि ॥
तोखमायारारास्तता ॥ का० ॥ घायेछठैछमासरे ॥ गि०
४ कुं० ॥ वालपणेरामोलहा ॥ का० ॥ एकनपुरीघास
रे ॥ गि० ॥ घास्याघलुघीङ्करही ॥ का० ॥ भारसुईदस
मासरे ॥गि०५कु ॥ हरमनदीघोहासरो ॥ का ॥ पाल
णीयेंनेपोढायरे ॥ गि० ॥ हालरीयोदेयातणो ॥का ॥ कुं
सरहीमनमांहिरे ॥ गि०६ ॥ घागयानकरारुथड ॥ का०
श्रोङ्गलोयाविचलगायरे ॥ गि० ॥ सङ्गमायातोनामिल्या
का० ॥ नांमणकेमकहायरे ॥ गि ७कुं० ॥ सोलनरसह्या
नोबध्यो ॥ का० ॥ तु पिणजमूनातीररे ॥ गि ॥ नन्दज

सुंघहरायारे॥ क०॥ २॥ जोतिकभाष्योविविचारनें॥ व धनपडतोरहेठोरे॥पुनदेखोपारका॥मासोपडीयोमोटोरी॥ क०॥ आज्ञादेतांमातरी॥ जीवडाछीकेमोरे॥ थांरी टारेडपरे॥ केमडतारओप्रेमोरे॥ ४॥क०॥ संसारखोडो नीसरया॥ लागोधर्मसुप्रेमोरे॥ यविंटांविनांमायडी॥ दिनकाढेछकेमोरे॥ क०॥ ५॥ सुंदरकृपसुहामणो॥ जांणेदेवकुमारोरे॥ जोतिकांतिकरदीपता॥ एछडंभ्र गणारोरे॥ क०॥ ६॥ एहवासुतजन्मयाविनां॥ कोंकर होयथाणटोरे॥ योमोनैसासोपद्यो॥ भाजैनेमजिणदोरे ॥७ क०॥ पूछनचालीदेवकी॥ एथांहरैघरआयारे॥ थांगुचभाष्योस्रीनेमणी॥ एतोथाहराजायारे॥ क०॥ ८

(दूहा) वचनसुण्याजिनवरतणां॥ मनमेंहरषअपार॥ एहवासुतमैंजनमीया॥ धनमाहिरोअवतार॥ १॥

(ढाल०) ९ मी॥ वेवेमुनिवरवहिरणपांगुरयाजी०॥ (एदेशी) देवकीतोआईनंदनवादवारे॥ उभीरहीछै साहमीनावरे॥ मसतुटीकचुतणीरे॥ कुटीछैदूधांकेरी धाररे॥ देवकीतोआईमदनवाखवारे)१॥ थां०॥ तनमन हीयडोउलस्योरे॥ फलनैफूलीछैतिणरीदेहरे॥ मलियां मैंवांहमायैनहीरे॥ देखतांजोपमदृपतनयायरे॥२॥दे सांसितोभाव्योस्रीनेमणीरे॥ एछैछडंथाहराबालरे॥ याम्यामाहिमासुपडेरे॥ जांणेतुटीछैमोत्यांरीमालरे॥ ३॥ दे०॥ देवकीतोमूनीसरयामैवांदनैरे॥ पाछीआईम हिलांमांहिरे॥ सोचफिकरमैंबैठीदेवकीरे॥ आरतध्यांन रहीछैध्यायरे॥ ४॥ देवकीतो० (दूहा०) दूणचय सरखीकृष्णणो॥ मांताघदणआय॥ वतलाभावोमैंमको॥

फवोवहुत्तरकलारोजांणरे ॥ ५ पु० ॥ एकदिननेमपधारी या ॥ द्वारीकानगरीमझाररे ॥कृष्णजिसुणीवधावणी॥ मनमेहरपञ्चपाररे ॥ ६ पु० ॥ स्नानमजनकीयाकृष्णजी चन्दनलेपलगायरे ॥ चहुरंगीसैन्यासझी ॥ सीनेमवान्दणनेंजायरे ॥ ७ पु० ॥ गजमुकमालसायेलीयो ॥ पाछेंऊ वाकृष्णयदुरायरे ॥ हस्तीस्कंधेवेसीनिसरीया ॥ दालेचांनरसिंमायरे ॥८ पु०॥ राजमारगमातांथकां ॥दीठीकन्या अनुपरे ॥ लावनताकरसोभतो ॥ कृष्णजीमोह्यातिणरैरुपरे॥ ९ पु ॥ गजमुकमालपरणायवा ॥ छपनीकृष्णजीरेंमनमाह्यिरे ॥ चाकरपुरसतेडीकहें ॥ पुत्रीमांगीसोमलपासेजायरे ॥ १० पु०॥ चाकरसुणहरपितथयो ॥ पुत्रीमांगीसोमलपासेंजायरे ॥ सोमलकहैमोटोकीयो ॥ पुत्रीपरणैकृष्णजीरोभायरे॥ ११ पु० ॥ सोमलरीलेंइ आगन्यां ॥ कुमरीकिधीअह्मिलांमांह्यिरे ॥कुमरीअन्तेवर सेंरहै ॥ जायवसांणीताह्यिरे ॥ १२ पु० ॥ एसगपणाकर णीसरया ॥ आयाचाल्यायदुरायरे॥ अतिसयदीठाभगवंतरा॥ हेठाउतरीयादौडमायरे॥ १३ पु० ॥ पंचअभिगमसाचवी ॥ लुलिलुलिलागुंपायरे ॥ परदक्षणादीधी मेमरु ॥ टोनूसनसुखबैठाआयरे ॥ १४ पु ॥ भगवतदीधोदेसना॥ सुणिहरपितथायरे ॥ लोकालोकतत्वतणा ॥ भिनभिनदिनामतायरे ॥ १५ पु० ॥ दूहा ॥ वाणीसुणनैकृष्णजी ॥ आयाजिणदिसजाय ॥ गजमुकमालयेंगरीयो ॥ बोलैकिणविधवाय ॥ १ ॥ हाथजोडिणेंइमकहै ॥ सरध्याहुमारावैण ॥ येतारकमयजीवरा ॥ मिलीयासाचासैण॥ २ ॥ मातमितानेपूछनै ॥ लेशु स यमभार ॥

सोदानेंघरे ॥ का० ॥ नामदियोछैग्रहोरंरे ॥ गि०८ॐ० वालपणेछानोमध्यो ॥ का० ॥ ग्रनउघडीयाबांकराभाग रे ॥ गि० ॥ जमुनाजलमैनायनै ॥ का० ॥ नामरोकालो नागरे ॥ गि०८ॐ० ॥ जगमेंमोटोमोहनी ॥ का० ॥ उद यथईमाहरैग्राजरे ॥ गि० ॥ कैजीवजाणैमाहरो ॥ का० कैजांणैजिनराजरे ॥ गि०१०ॐ० (दूहा) क्रष्णकहैरी मातजी ॥ ग्रारतध्यांननिवार ॥ लघुबंधवहोसीमांहरै ॥ मतकरोफिकरलिगार ॥ १ ॥ धणासन्तोपीमातनै ॥ ग्राया पोपदसाल ॥ मिहदेवग्राराधीयो ॥ तेलोकोधोतिणकाल २ ॥ तोनटियसपूराहवा ॥ उभोदेवताग्राय ॥ किणकार णग्राराधीयो ॥ कारणनांमवताय ॥ क्रष्णकहैसुणमाह रै ॥ बन्धवरीछैचाह ॥ इणकारणग्राराधीयो ॥ विलखी थांणीमाय ॥ ४ ॥ बन्धवहोसीताहरै ॥ देवलोकथीग्राय वालपणैदीचालेसी ॥ इमगयोदेवजनाय ॥ ५ ढाल० ११ मी ॥ जंबुसुगतस्ंप्रभवनैउपदिसै (एहनी० एदेशी०) वचनसुणीदेवतातणो ॥ क्रष्णग्रायामातापासरे ॥ घणी सन्तोपीमातनै ॥ हियडैग्रनन्तउलास ॥ हि ॥ १(पुणय सुदेवरागजसुकमालमोलगांमोरे (एग्रांक०) कालकि तोयकगयापछै ॥ चवीयोदेवलोकथु ग्रायरे ॥ वसुराजा रोयोदेवकी ॥ उपनोकुखमैग्रायरे ॥ २पु० ॥ सवानवमा सैजनमीया ॥ सुखमालसरीरसरूपरे ॥ कीधोमहोछव क्रष्णजी ॥ मनहरखधरोनेभूपरे ॥ ३पु० ॥ तीसैदीमचन्द्र सुरजनो ॥ दरसणदेखाग्रीतामरे ॥ सुतकनिकालीदिन वारमै ॥ गजसुकमालदीयोनामरे ॥ ४पु० ॥ मातपितावल क्रष्णजी ॥ वालोथणोजीवनप्रांणरे ॥ ग्रटवर्षमितापछै

छोडलेगीरेमछयाछलो ॥ रेमाई ॥ जावजीवलगवाटन जोयणीपाछली ॥ रेमाई ॥ अरसनिरसरीआहारकरणो वछपातरे ॥ एसुखसैभ्याछोकसुवणोसाथरे ॥ ७ ॥ नावे धोमेंनाहिसं इटैराखेमुहपती ॥रेमाई॥ परणजैइलावेस जिकिजैनराजती ॥ नरणजीवणरीवातमाताजोथाकही रेमाई ॥ द्योअनुमतआदेयसं यमलेस्युंसही ॥ ८ ॥ काय रनैछेदुरलभमाताजीथाकही ॥ रेमाई ॥ सूरानैछेसहन कमरईसडोकहो ॥ सोमलनामैनारधरणाउंपदमणी ॥ रेमाई ॥ सोमलगेविटोपरधानकलाचतुराईघणी ॥ ९ ॥ परणोपुनवतानारणायाकुणछेजती ॥ रेमाई ॥ छप्पासरी साबीर ॥ रहणोद्वारामती ॥ लीनापरणामनघेरविषैमा हापापणी ॥ रेमाई ॥ जगमैसगलीनारमाताकरथापणी १० ॥ लीनापरणांअनघेरविपैलहातिवडी ॥ रेमाई ॥ अ शुच रहोभरद्वारजामणनारीकही ॥ स्वारथीरीसगाईजा मणकैजिनवरकही ॥ रेमाई ॥ मलसुचरोभरद्वारमांणपर णनहो ॥ ११ ॥ करणोचवविहारसहियोसीतावडो ॥ रेजाया ॥ मांहरोकहोयोमानहु नानडियावडो ॥नहीपल करोआस ॥ सांणुंकालभंपीयो ॥ रेमाई ॥ आजगलरतो देखजामणडकपीयो ॥ १२ ॥ द्वारानतीरोराजदिराचंवछ तोभणी ॥ रेजाया ॥ हाथीमोडारथपायकप्पोटलघणी ॥ पलटेरगपतगफिरैतिणरीईसो ॥ रेमाई ॥ तिणउपरवि सासजामणअवरणोकिसो ॥ १३ ॥ सहसमउत्तरमायपुच यलदेवरा ॥ रेमाई ॥ जीवरोप्राणआधारछप्पायलदेवरा मोनायासहसवत्तीसतणोरमेकलो ॥रेजाया ॥ तुमथसम तिदेवाकुणमरसोएकलो ॥१४॥ यजलामालकमाईतीगया

संसारजाएयोकारमो ॥ मोहतणोसुखसार ॥ ३ ॥ थवि ताजिनदुसडीकरूँ ॥ जोटिषाआईटाय ॥ जिकावडीका वेतिफा ॥ फिरपाछीनहीआय ॥ ४॥ वन्दनाकरीयोनेम सुं ॥ आयामातापास ॥ आग्यामांगेकिवाविधे ॥ तेसुव ज्योउल्लास ॥ ५ मी ॥ ढाल० ॥ १२ मी०) धन्नावनी कीचालमैं० ॥ (एहनीएदेगी०) वांणीश्रीजिन रायतणीकांनेसुणीरेमाई ॥ अन्तर हीयागेआखआण माहरीउपडी ॥ वसतीबोलेमायकुंयारीथाहरीरेआवा सुणीयजिणदरीवांणरुडीगतताहरी ॥ पुचकहैमेंयातसां भोमेंसरदहिरीमाय ॥ मीठोलागेंमोहिसाकरदुधां जिसीरेमाई ॥ दीजेअनुमतिमोय ॥ स नरूखेस् सषी ॥ रेमाई ॥ नकरोअगन्यारीजिन ॥ कुमरइसडोक ही ॥ २ ॥ वचनअपूरव मायकुंभररासांभल्या ॥ रेमा ई ॥ वणीसुरकागतिआय ॥धूसकधरणीढलीरो ॥खसमी हायारीचूस ॥ कीसरवेणीवीपरा ॥रेमाई ॥ओढणोगयो दूरधसकसोकलमरा ॥ ३ ॥ मोहतणेसमाय ॥ सुरत वलतीरही ॥ रेमाई ॥ ठढासीतलवायसावचेतवैठीव री ॥ पुचणसाहमोजोयरहीमाणीवती ॥ रेमाई ॥ मोह तणैमसवैमवोलेमायरोवती ॥ ४ ॥ माघपणोनहीसहल आयाआमपकवे ॥ रेमाई ॥ तूनानडीयोयाल ॥ परिसा किमसहे ॥निविधरकरपचमहामतपालवा ॥ रेमाई ॥गा न्हामोटादोषअणेनिसटालवा ॥ ५ ॥ दोपवयालीसटाल करमीरेपकगोचरी ॥ रेमाई ॥ भमरीभमेंवेमषितामने लोचरी ॥ रहणीसाधारेपास ॥ विनेसु भायणो ॥ रेमाई रातपडयांपिछेसीतमवासीगाखणो ॥ ६ ॥ रतनकचोला

छोडलैयोरेमछयाछलो ॥ रेमाई ॥ जावजीवलगपाटन
जोयणीपाछलो ॥ रेमाई ॥ अरसनिरसरोआहारकरयो
वछपातरे ॥ एसुखसैभयांछोकसुवणोसायरे ॥ ७ ॥ नावे
धोवनाहिसं हठैराखेसुहपती ॥रेमाई॥ परणमैहलावेस
जिवीजैनरामती ॥ जरणजीवणरीबातमाताजोयांकही
रेमाई ॥ द्योअसुजतआदेशसंयमलेस्यूंसही ॥ ८ ॥ काय
रनैछैदुरलभमाताजीयांकही ॥ रेमाई ॥ सूरांनैछैसहज
कवरईसडोकही ॥ सोमलनांमैनारपरणाउंपटमणी ॥
रेमाई ॥ सोमलनैवेटोपरधांनकलाचतुराईघणी ॥ ९ ॥
परणोपुनवंतानारजायाकुणाछेजती ॥ रेमाई ॥ कष्णसरी
सावीर ॥ रहयोइारामतो ॥ लीनापरणामअनघेरविपैमा
हापापणो ॥ रेमाई ॥ जगमैसगलीनारमाताकरथापणो
१० ॥ लीनापरणांअनघेरविपैजहातिवहो ॥ रेमाई ॥ अ
शुच २रोभरडारआअणनारीकहो ॥ स्यारथीरीसगाईजां
भणकैजिनवरकही ॥ रेमाई ॥ सतसुचरोभगडारमांणपर
णूमही ॥ ११ ॥ करणोउग्रविहारसहियोसीतावडो ॥
रेजाया ॥ मांहरोकहीयोमानतुंनानडियावडो ॥नहीपत्त
करीआस ॥ सांधुंकालक्रपोयो ॥ रेमाई ॥ चौजगमरतो
देखजामणउंकपीयो ॥ १२ ॥ हारानतोरोगानदिराउमछ
तोभणी ॥ रेजाया ॥ हाथीघोडारथपायकप्पोटलघणी ॥
पलटेरंगपतगफिरैतिणरोईसो ॥ रेमाई ॥ तिणउपरवि
सासजामणकरणोकिसो ॥ १३ ॥ सहसनऊसरमायपुन
वसुदेवरा ॥ रेमाई ॥ जीवरीप्रांणआधारछप्पणवडदेवरा
भोजायांसहसबत्तीसतणोरमेकलो ॥रेजाया॥ तुमअनुम
तिदेवाकुणधारसोएकलो ॥१४॥ वजउतामालकमाईतेगया

रेजाया ॥ परवादृज्य अनन्तज्ञानीदेवंकथा ॥ सोनेमप्र
भुपासमाहाव्रतआदरी ॥ रेमा० ॥ जावजीवलगव्रतन
कर परमादरी ॥ १५ ॥ हाथजोडीनेअरजकरेमाछुंबरी
माई ॥ द्योस्वरुमतिआदेशमनोरथसुभेंफले ॥ ओतुमहोवे
सुपवालुहातिमकरी ॥ रेजाया ॥ आटवकुलउजयालसुग
तियेगीवरो ॥ १६ ॥ चढीयाअनवैरागमोहकर्मतोडोया
रेजा० ॥नेंससमी मेंजायदोमुहाथजोडीया ॥फडामोतीहा
रगहयासडखोलने॥रेजा०॥टिचाद्योयोनेमभखीपुलमो
यने१७॥ जावजीवलगैसेवाकरु तुमआकरी ॥रेजा॥मूलय
कीजडकाटूकर्मविपाकरी ॥ मांहरेखिमागढफोजमाहे
घाउचली ॥ रेजा ॥ वारेभेदेतपयुवचोकीचढू ॥ १८
वारेभावनारीनालचढावंकांगरे रेजा० ॥ तोडूआठेकर्म
विराणूमोचमे॥काउसगकीनोआयकायाअनकरी ॥रेजा०
जीतापरिसाघोरपुंउताघिवपूरी ॥ १९ ॥दूहा ॥ क्रष्ण
जीसुणआयादहों ॥ बोलैयाणीएम ॥ कीयहोकाठोभीड
ने ॥ तु चारित्रलेवैकेम ॥ १ ॥ सुखभोगावोससारना ॥
ऐमतकाढोषात ॥ माहरैएकणवंधवो ॥ विरहोखस्योम
जात ॥ २ ॥ (ढाल०) रेजायातोविनघडीरेछमास
(एदेशी०) क्रष्णजीसुणतांदेवकीरे ॥ बोलैएहवी
वाय ॥ राजवैठतु नानडारे ॥ माहरैदेखवारोमन
मांहिरे ॥ वंधवकाहीहमारोमान १ ॥ हमसामसमोल्यो
नहीरे ॥ देवकीहरपितथाय ॥ भलीउहमरमैरहोरे ॥
देखांराजवैठायरेजाया (तोविनघडीरेछमास०२) वि
नयवतथोक्रष्णजीरे ॥ मातानेदुखधोजाय ॥ वलेभोह
भाईतणोरे ॥ राजवैसाणैसाहिरेजाया ॥ तो०३ ॥ करय

मोटेंमगहानसुंरे ॥ मेल्यासगलासाण ॥ सहायगजसुक मालनेंरे ॥ कृष्णरेसांणैराजरे ॥ वंधवसुखैपालज्योराज० ४॥ हारामतोनोराजवीरे ॥ तुंसगलांरोनाथ ॥ हाजरूक मसमतांहरारे ॥ थाहरीकोयनलोपैकाररे ॥ वं० ५ सु० राणक्टबसङ्गतांहरारे ॥ सगलांनैथांहरीआंण ॥ कृष्ण कहैमनहरपसुंजी ॥ हभाराणोराणरे ॥ वं०६सु० ॥ कुं वरकहैसुणबघवारे ॥ सोनैकीयोसगलांरोनाथ ॥लाइंभो घोनैपातरारे ॥ माहरीआनमलोपोवातरे ॥ वं०७ (ढोम सुमतिआदेश०) कांमनहीकोईराजसुंरे ॥ लेणोसंजम भार ॥ घरमेंरतिपांमूनहीरे ॥ जांणयोअथिरसंसाररे ॥ वं०८ढो० ॥ वचनसुणीनैकृष्णसीरे ॥ हवामणांटिलगी र ॥ बलेविलखोथईदेवकीरे ॥ नयणांढलक्योनीररे ॥ मा याइमकिमदीणै० ॥ ९ ॥ समरथनहीकोईरापशरे ॥ ग जसुखमालकुमार ॥ कीयोमहोछवकृष्णाजीरे ॥ सुमसैष णोविस्ताररे ॥ जायाम्भटकनदीणैछेह० ॥ १० ॥ मातपि तावलेकृष्णजीरे ॥ गजसुकमाललेसाथ ॥ नेमजिणंदनै आगलेजी ॥ सोलेंजोडीहाथरे ॥ जिणेसर० ११ (सुम विनतडीअवधार०) सीद्दयाहारवहिरावैसुभतोरे ॥ व सचपात्रनैसाण ॥ कुंवरहुवोवैरागीयोरे ॥ थापसमीपै श्राण ॥ जिणेसर ॥ १२ मु० ॥ देभोलावणदेवकीरे ॥ दु साणकुणमैजाय ॥ गहिणांवकाउतारनैंणी ॥ जोवसहि रीयाजायरे ॥ जायाइमकिमदीणैछेह० ॥ १३ ॥ दूहा० मातापलगटमाडोयो ॥ गहणालैतिणवार ॥ यांसुछुटा किणविधे ॥ जांणैमेघाधार ॥ १ ॥ ढोलैडोरैहारपोवीयो माद्रणखस्यातिणवार ॥ तुटैहारमोतीपडै ॥ जांणेआसुं

रेजाया॥ परयादृज्य अनन्तज्ञानीदेवांकह्या ॥ थीनेमप्र
भुपासमाहामतआदरी ॥ रेजा०॥ जावजीवलगआतम
करुंपरमादरी ॥ १५ ॥ हायजोड़ीनेअरजकरेमांहुंकरी
माई ॥ द्योअनुमतिआदेगमनोरथसुभेंफले ॥मोतुमजेवे
सुपवालुहातिमकरी ॥ रेजाया ॥ आटवकुलउजयालमुग
तिवेगीवरो ॥ १६ ॥ चढीयासनवैरागमोक्षकर्मतोडीया
रेजा० ॥नेंससमीपेंजायदोनुंहायजोडीया ॥कडामोतीक्षा
रग हणासङखोलनें॥रेजा०॥दिक्षाद्योथीनेमभलीपुलणो
यनें१७॥ जावजीवलगसेवाकरुं हुमआकरी ॥रेजा॥मूलय
कीजडकाटूकर्मविपाकरी ॥ मंहरेंखिमागढ़फोजमांहे
आउचणी ॥ रेजा ॥ बारेभेदेतपयुवचोकीचढ़ू ॥ १८
बारेंभावनांरीनालचढ़ावंकांगरेंरेजा० ॥ तोढूआठेकर्म
विराजूमोक्षमें॥काउसगकीनोजायकायामनकरी ॥रेजा०
जीतामरिसायोरमुंछतांशिवपूरी ॥ १९ ॥दूहा ॥ क्रष्ण
जीसुणआयाइहां ॥ बोलेंयांणीएम ॥ कीयडोआठोभीउ
मे ॥ तुंचारिचलेवेकेम ॥ १ ॥ सुखभोगायोससारनां ॥
ऐमतकाढ़ोबात ॥ माहरैएकजवंबवो ॥ विरहोखम्योम
जात ॥ २ ॥ (ढाल०) रेजायातोविनघडीरेछमास
(एदेशी०) क्रष्णजीसुणतांदेवकीरे ॥ बोलेएहवी
वाय ॥ राजवैठहु नामडारे ॥ माहरेदेखवारीमन
मांहिरे ॥ बवमकजीकहमारोमान १ ॥ इमसाभलमोह्यो
नहीरे ॥ देवकीहरपितथाय ॥ भलीऊइघरमेंरहीरे ॥
देखांराजवैठायरेजाया (तोविनघडीरेछमास०२) वि
नयवंतमोक्रष्णजीरे ॥ मातानेंदुखनीजाय ॥ बलेमोह
भाईतणोरे ॥ राजवैसाणेंसाहिरेजाया ॥ तो०२ ॥ करय

सोमलउपररोसनआंण्यो ॥ आपगेसंच्योपातिकजाण्यो ॥ ॥ ९ ॥ ध्यायोनिरमलसुकलध्यानो ॥ उपजायोकेवलज्ञानो घडनुटेनैकर्मसोखे॥मुनिजायविराज्यामोखे ॥१०॥ (दुहा दुजेदिनश्रीकृष्णजी ॥ करमोटेमंडाण ॥ नेमवांदणनेंनी सरया ॥ हरपवणोंमंडाण ॥ २ ॥ मारगमेंइकमानवी ॥ ईट लेजावेंदुपटेप ॥ अणुकंपाआणीकृष्णजी ॥ ईटउपाडीए क ॥ ५ ॥ साथेसेन्याअतिघणी ॥ इक२ईटउठाय ॥ फेरा टाल्यातिनपुरुषरा ॥ आंणीनूकीघरमाय ॥ ३ ॥ जायनें ध्यायोनेमनें ॥ बैठासनसुखआय॥ गजसुकमालदीसेंनही पुछेंकृष्णमहाराज ॥ ४ ॥ (ढाल) ॥ २५ मी ॥ (वींछी यारीदेशी) हारेलालाफूलआगोछीफूटरो ॥किणनैलाधो होयतोवतायहो॥हारेलालाहाथजोडीकरं वीनती ॥तलो नीचोसीसनमायहोस्वामी ॥ गजसुकमालदीसैणहो ॥ वा दणरीमनमांहिहोस्वामीअरजकरूंथांसूवीनती ॥ १ ॥ बं धवगजसुकमालनैं ॥ नेमकहैसुणोकृष्णजी ॥ सागजसुक मालहोकान्हा॥जिणकारणदीक्षालीया साराआतमकाज होकांन्हा ॥ कर्मखपायसुगतेगया ॥ ५ ॥ श्रीमरणसमाधी पामीयो ॥ किमसाराआतमकाजहोस्वामी ॥ मारगमेंई कमानवी ॥ आयनेंदीधोसाजहोकान्हा॥ २ हा ॥ वाणीसु णीनैश्रीकृष्णजी ॥ आयीक्रोधअपारहोस्वामी ॥ वधव गजसुकमालनै॥ कुंणछैमारणहारहोकां ॥ ४हा ॥ वंांट णरीमनमेंरहो ॥ काळोअमावसरोजन्मीयो ॥ होणचव दसरोरातहोस्वांमी ॥ काणनरायेभाहरो ॥ अकालेकी धोधवघातहोस्वा० ॥ ५ हा ॥ नेमकहेंसुणोकृष्णजी ॥ थायाआदणकाजहोकान्हा ॥ मारगमेंइकपुरुपरा ॥ फेरा

धार ॥ २ ॥ हीयडोफाठैमातनो ॥ साहमोजोयतिवार ॥
मांहतांरोजीवछै ॥ वीछवानीछेवार ॥ ३॥ सीखदेवैमाता
हिवै ॥ म्हांनैछोडैआज ॥ यद्ध तजतनकरगारज्यो ॥ सा
रोआतमकाज ॥ ४ ॥ पंचप्रमादजीपरहरे ॥ आलस
अगमआण ॥ आराधेजिनआगन्या ॥ पोहचेंज्योनिरवां
ण ॥ ५ ॥ आगन्यादीधीथीनेमजी ॥ आयाजिणदिसजा
य ॥ गजसुखमालसंयमलीयो ॥ वोलैकिणयिधवाय ॥ ६
ढाल० १४ मी० (डाभमूलादिकनोडीरडो) एहनीछै०
पदेशी०) जन्ममरणरीलायो ॥ जीवभिलरह्योचिऊगत
मायो ॥ एहवीलायमारेंकाढीजै ॥ सामायकचारित्रदीजै
१ ॥ नेमदियोसंयमभारो ॥ सिखायोसरवआचारो ॥ वि
नयकरीमोलैजोडोहाथो ॥ जोनैआगन्यादोजगनाथो ॥२
जोळमसाणभूमिकाजाउं ॥ बारमीपडिमाठाउं ॥ नेमबो
ल्याअछतवाणी ॥ मुनिजोथानैसुखखाणी ॥ ३॥ आगन्या
लईगजसुकमालो ॥ गयामसाणमुसमाइकालो ॥ मठै
कायरोपाटैहोयो ॥ तिणठामैकाउसगलीयो ॥ ४ ॥ सो
मलआयोतिणकालो ॥ कोप्योदेखीगजसुकमालो ॥ का
सीहोयअणावसरोजायो ॥ मारीबेटीनैदुखलगायो ॥ ५
माहरीकन्याअकनकुमारी ॥ परमाजिकेमायमैसारी ॥
तोभारोनैकादु मैरो ॥ जोईयाजीनखनदोसैनेहो ॥ ६ ॥
भोनिमाटील्यायोतिणकालो ॥ बांधीमस्तकउपरपालो
खेरानाखराखाखअंगारो ॥ घाल्यामस्तकतिणवारो ॥ ७
पीचाहोज्युंपदपदसीजें ॥ लोहीमांसउकलतोछीजै ॥ त
सतडाखातेसुटंती ॥ सबदशोलैकपालफुटती ॥ ८ ॥ मु
नीधीसमुण्योगहीकोइ ॥ खिमाकीधोसमतादिलघार्ई ॥

॥ अथअंजणासतीरोरासलिख्यते ॥



दूहा) अंजणासोटीसती ॥ पाल्योसीलरसाल ॥ अ
शुभकर्मउदैहुवा ॥ आयोअणहुंतोआल ॥ सीलपाल्यो
तिणकिणविधै ॥ किणविधआयोआल ॥ छिवैधुरसुं उत्प
तिकहुं ॥ सुणज्योसुरतसंभाल ॥ २ ॥ ढाल०) १ लो०
कहखानीचालमैं० (एहनीएदेशी०) माहिंदपुरीशुभजा
णियै ॥ राजाछैमहिंदवरसैतिणठांमक ॥ तसुपटरांणीछै
रूयडो ॥सानवेगारांणीतिहनोनामक ॥ सोपुचराणीतिण
जनमीया ॥ तेरूपमैंरूयडोछैअभिरामक ॥ त्यारैकेडैंणाई
एकबालका ॥ अञ्जणांकुमरीतिहनोनामक ॥ सतीरेसीरो
मणिअंजणा० ॥ आ० ॥ मातपितानैवालीघणी ॥ वधयस
गलानैगमतीअत्यन्तक ॥ रूपमैंछैरलियामणी ॥ नैणदी
ठांघणोहरषधरतक ॥ सजनसगानैसुहामणी ॥ सखीस
हेल्यांमैरहेनितपेलक ॥ विद्याभणीसुखअतिघणी ॥ दि
नदिनवाधैजिमचपकवेलक ॥ २सतीरेसीरोमणी० ॥ अं
जणाकुमरीमोटीहुई ॥ चितवीनैरायचित्तमझारक ॥
पछैवेनप्रधानतेडावीयो ॥ कहैअजणावरतणोकरोरेवि

टालदीय तेंदेसालग्होकाना॥समतायोसुपपामोये॥५॥
गजसुकमालग्रणगाररो॥ फेराटाल्याग्रनंतग्रांग्होकां
ना॥क्रोधकरी किपकारणै॥ जायपोहतांनिरवाणहोकां
न्हा॥६ स॥नामग्रतावोतीहनो॥ नेमवोल्यातिणवारहो
कांना॥घसकीपडसीतुमदेपनै॥ जुदांहोयसीजीवनैग्रां
यहोकांना॥ स॥वंदणाकरग्यीनैमनै॥ ग्रायानगरीमां
हिहोकांना॥ग्रारतध्यानध्यातायका॥ मोहतणेवसथा
यहो॥काना॥स॥ सोमलडरप्योघतिघणो॥पुछाकरसीय
दुरायहो॥ नेमसयातक्षंनीनहो॥ देसीमोहिवता
यहो॥ कांसोनेंकुमोतग्रारसी॥ १॥ जाणूछष्णग्रावो
माटेनही॥ छुंजावमूडोलेयहो॥ इमचिंतवी
घरसु नीसरगो॥ सांहमांमिलीयाकृष्णमाहाराजहो॥
सोमलडरप्योग्रतिघणो॥१०॥ घडहडलागोधूजवा॥
घसकोपडीयोसामोलालहो॥ मरणोढसोतिणग्रवसरै॥
सोमसकरगयोकालहो॥ मरीनेंमाठीगतिगयो॰॥११।
दूहा॰) कृष्णावेद्द्यासोमलै॥ मारीगजसुकमाल॥प
गांघषायोजेवहा॥द्वारकामाहियोटाल)॥१॥ ती
नष्यारमारगमिलै॥मांमोसांमीतांण॥ सुखनैदुकीएक
नें॥कीयमराखोकाण॥इमकहैधाकरएकमनै॥ ग्राया
ग्रांपणाठांम॥ मोहतणैवसणांणज्यो॥ घर्मतणोनहोकां
म॥३॥ग्राठपुत्रजायादेवकी॥सातपडतामोख॥ग्रा
ठमांमोकृष्णजी॥करसीकरमांरोसोक॥४॥ गजसुख
मालतणोचरित्र॥सांभलनैनरनार॥ साधुग्रावकमतग्रा
दरें॥जेकरैषेवोपार॥५॥ इति श्रीगजसुकमालराज
ऋटपिमातादेवकीजीरी चोपई॥

यरनहो ॥ वरसग्राठारमैचारिचलेइक ॥ पाचुदूंद्रीमैणी
षतो ॥ वरसछवीसमैपांमसीमोपक ॥ तिहाकारणउरव
रसयो ॥ कन्यानैवरतणीजाणीयोदूपक ॥ ९ सतीरे० ॥
छिनेश्रमणास्युर्णाईमरचरै ॥ देदूधन॰तेनरनोग्रवतारक
करसकरणीकरएकारनै ॥ वेगोह्लोजासीमुगतमझारक ॥
गुणगाइतिणपुरपना ॥ पवनजोस्युणीनैधारीग्रतिहिपक
ग्रातोरेनारकुलपणी ॥ उपनोरेक्रोधमैक्रोधविसेपक ॥१०
सतो० ॥ छिवेपवनजीमनमाहेचिंतवै ॥ग्रापमैरूत्रडीग्र
तंतनपाणक ॥ मनमाहिमैलीरेपापणी ॥ चितघोपोनही
एकाठिकाणक ॥ पुरखपरायास्युंमनकरें ॥ तोछिवेकारणी
कवणउपायक ॥ जोछोडूतोएहनेंवरषगा ॥ परणनेंपरह
रुंमूदुखयायक ॥ ११ सतो० (दूहा ॥ इमचितवतिछाप
वनजी ॥ पाछाचाल्यातास ॥ ग्रायानगरीग्रापरी ॥ भोग
वैसुखग्रभिराम ॥ ११ ॥ ढाल) तेहिजह्लै० ॥ छिवेमात
पिताग्रजणातणो ॥ लगनलीपावोयोमोटैमडाणक ॥ पो
वाहकरवाग्रंजणातणो ॥ रतनपुरीवेगमेलीयोजाणक ॥
मह्लोछवमाडीयोग्रतिघणो ॥ वाजरह्यातिहाढोलनिसाण
क ॥ मङ्गलगावैह्लैगोरडी ॥ उच्छवकररह्याकोडकल्याण
क ॥ १३ सतीरे० ॥ छिवैरायपैलादतेडावीया ॥ जानमें
सायोवडवडाराजानक ॥ हयगयरथसझोयापणा ॥ नै
हतग्रासजननेंटीयोषणोसनमानक ॥ धनसाथेटीयोपरच
वा ॥ मोटैमडाणचाल्यासेईजानक ॥ सामतसाथेटीयाघ
णा ॥ जोधाभुभटसैन्यासावधानक ॥ १४ ॥ सतो छिवे
योटवणावकीयोघणो ॥ गेहणांग्राभुपणपहरियाताछिक
सपियागावैरेसोह्ला ॥ देवैग्रासोसकतुसतीमातक ॥ लू

चारक ॥ जनएककहेरायगनेदोणीये ॥ एककहेदोजीवै मेघकुमारक ॥ तेपुच्छेराजागवणतणो ॥ तिणगेजोबन रूपयणोय्योकारक ॥ ३सतीरेसिरोमणि० ॥ जनएककहै दूमसांभलो ॥ वरसअठारमेंमेघकुमारक ॥ चारिमलेमो वैरागस्युं ॥ वरसछोवीसमेजासीमोखमभारक ॥ तोक न्यानैसुखफिंडांयसी ॥ सहजाईकरदेखोसनमेंयिचारक सेघकुमारनेद्योमती ॥ घोरविचारोकोईराजकुमारक ॥ ४ सती० ॥ रतनपुरीतणोराजवी ॥ रायपेल्हादविद्याधर नामक ॥ तेहनोपुत्रअतिदीपतो ॥ पवनकुमारछेतेहनोन मक ॥ अनर्थानेवरजोगछे ॥ एराअकीयोवचनप्रमाणक ॥ या छेदुतमेंव्योतिणनगरीयें ॥ सगपणकीधोछेमोटेमरहाणक ॥ सती० ॥ रूपनेंगुणअंजणातणो ॥ परगटहुवोछेलोकमेंता मक ॥ तेपवनकुमारपिसांभल्यो ॥ जयप्रहस्तमचीनेकहै छेयांजक ॥ कहेंआपिजावारूपफेरनें ॥ जोयांनेंअंजणांनो रूपतिणवारक ॥ पछेंमतोकरीदोउनीकल्या ॥ तेआय उभामेंहलतलेतिणवारक ॥ ५ सतीरे० ॥ हियेंपवनजो नीरखेछेअंजणा ॥ प्रहस्तनोंचीपाखीरथ्योदिष्टक ॥ रूप मेंआपेदेवगणां ॥ वांणीबोलेंजाणेंकोयलवायाक ॥ रूपक वरयाचतुरपणी ॥ आप्याजानेंमगनेंनसमानक ॥ सती० ७ ॥ अंजणांबैठीसिंहासणें ॥ दोउपासैअनेकसखीयांत णैदक ॥ वसंतामुखअगेधरया ॥ सोभरकोजाणेंपू नमचंदक ॥ हियेंवसतमालाइमउचरै ॥ साईनेंजोगणो होमोल्योग्योकारक ॥ जेहयोपवनजोजांणीयै ॥ तेहवीपा मोछेअंजणानारक ॥ सती ८ ॥ हियेवीजीसखीइमउच रै ॥ मैंहलातोवरमनचिंतव्योजेहक ॥ तेहवोपवनजो

वरनही ॥ वरसम्राठाग्मैचारिचलेइक ॥ पाचुइंद्रीमैजी
यतो ॥ वरसछावीसमैपांमसीमोपक ॥ तिहाकारणवरत्र
रसयो ॥ कन्यानैवरतणीजांणीयोदूपक ॥ ६ सतीरि० ॥
हिमैत्रंजणांसुणईजठचरै ॥ देइघनरतिनरनोत्रवतारक
करमकरणीकरएकारनै ॥ वेगोछोजासीमुगतमभ्कारक ॥
गुणगाईतिणपुरपना ॥ पवनजीसुणीनैधारयोत्रतिहपक
श्रातोरीनारकुलघणी ॥ उपनोरेक्रोधमैक्रोधविसेपक ॥१०
सतो० ॥ हिवेपवनणीमनसांहेंचिंतवै ॥ग्रारुपमैरूवडीत्र
ततवपायक ॥ मनम्राहिमैसोरीपापणी ॥ चितघोपोनही
एवाठिकायक ॥ पुरखपणयांसुमनकरे ॥ तोहिवेकरणो
कवणउपायक ॥ जोछोडूतोएहनेवरघणा ॥ परणनैपरह
रु जूदुखयायक ॥ ११ सतो० (दूहा ॥ इमचितयतिहाप
वनजो ॥ पाछाचाल्यातास ॥ श्रायानगरीश्रापरी ॥ भोग
वेसुखश्रभिराम ॥ ११ ॥ ढाल) तेहिजछै० ॥ हिवेंमात
पिताश्रजणांतणो ॥ लगनलीपावीयोमोटैमडाणक ॥ सो
याहकरवासंजम्रातणो ॥ रतनपुरीवेगमेलीयोजांणक ॥
सहोछवमाडीयोश्रतिघणो ॥ वाजरह्यातिहाढोलनिसाण
क ॥ मङ्गलगावैछैगोरडी ॥ उछवकररह्याकोडकिल्याण
क ॥ १३ सतीरि० ॥ हिवैरायपैलादतेडावीया ॥ जांनमें
म्रावोवडमडाररराजानक ॥ हयगयरथसभ्रोयाघणा ॥ नै
छतरत्रांसजननैदीयोवणोसनमानक ॥ घनसाथेटीयोपरघ
वा ॥ मोटैमडाणचाल्यालेईजानक ॥ सामतसाथेदीयाघ
णा ॥ जोधासुभटसैन्यासावघानक ॥ १४ ॥ सतो हिवे
घोदवणावकीयोघणो ॥ गैहणांघाभुपणापहरियाताहिक
सपिर्यागावैरेसोहला ॥ देवैश्रासोसकनुमतीमातक ॥ सु

चारक ॥ जवएकदिरावणनैदोगीयै ॥ एककंईटोमीयै
मेघकुमारक ॥ तेपुन्हछैराजागवणतणो ॥ तिणरोजोवन
रूपघणोस्योकारक ॥ ३सतीरेसिरोमणि० ॥ जवएककडै
दूमसांभलो ॥ यरसअठारमैमेघकुमारक ॥ चारिचलेसी
वैरागसुं ॥ वरसछवीसमैजासीमोखमझारक ॥ तोक
न्यानैसुखकिहांथकी ॥ सघणाईकरदेखोमनमैविचारक
सेवक्कुमारनैदोमती ॥ घोरविचारोकोईराजकुमारक ॥
४ सती० ॥ रतनपुरीतणोराजवी ॥ रायछैलादविद्याधर
नामक॥ तेहनोपुत्रअतिदीपतो॥ पवनकुमारछैतेहनोन
मक॥अंजणांनैवरजोगछै॥ एराजकीयोवचनप्रमाणक॥पा
छैदुतमेल्योतिणनगरीयै॥सगपणकीधोछैमोटैमंडाणक॥
सती० ॥ रूपनैगुणअंजणांतणो ॥ परगटहुवोछैलोकमैता
मक ॥ तेपवनकुमारपिसांभल्यो ॥ जवप्रहस्तमंत्रीनैकहैं
छैआंमक ॥ कहेंचापिजावारूपफेरनै ॥ जोवांनैअंजणानो
रूपतिणवारक ॥ पछैंमतोकरीदोयुनीकल्या ॥ तेआय
उभामैहलतलैतिणवारक ॥ ६ सतीरे० ॥ छिवैपवनजी
नीरखेछैअंजणा ॥ मंत्रहस्तनीघोवालीरह्योदिष्टक ॥ रूप
मेजांणैदेखणणा ॥ सांणीवोलेआयेकोयसवांणक ॥ चपक
वरणघतुरघणी ॥ आप्याजानैजगनैनसमानक ॥ सती०
७॥ अंजणांवैठीसिंहासणै ॥ दोयपासैअनेकसखीयांत
णैछदक ॥ वस्त्रआभुखणअगैंघरया ॥ सोभरहीजाणैपू
नमचंदक ॥ छिवैवसतमालाइमउचरै ॥ थाईनेंजोगजो
डोमोल्योयोकारक ॥ जेवयोपवनजीजांणीयै ॥ तेहवीमां
मीरछैअंजणानारक ॥ सती ८ ॥ छिवैमोजीसखीइमउच
चरै ॥ मैंहलातोवरमनचिंतव्योजेहक ॥ तेहवोपवनजी

वरनहो ॥ वरसश्राठारमैचारिमलेहक ॥ पाचुहंद्रोमैनो वतो ॥ वरसछावीसमैपांमसीमोपक ॥ तिहांकारणाउरव रसयो ॥ कन्यानैवरतणोनाणीयोदूपक ॥ ६ सतीरि० ॥ हिवैश्रजणांसुणाईजउचरै ॥ देहधन०तीनरनोश्रवतारक ककरमकरणोकरएकारनै ॥ वेगोहोनासीमुगतमभारक ॥ गुणगाईतिणपुरपना ॥ पवनजोसुणीनैधारजोश्रतिद्वेपक श्रातोरेनारकुलषणो ॥ उपनोरेक्रोधमैक्रोधविसेपक ॥१० सतो० ॥ हिवैपवनजीमनसांहेचिंतवै ॥श्रातपमैरुवडोश्र ततवपाणक ॥ मनमाहिमेलीरैपापणी ॥ चितघोपोनहो एकठिकाणक ॥ पुरखपरायासुंमनकरैं ॥ तोहिसेकरणो कवणाउपायक ॥ सोछोडतोएहनेंवरषणां ॥ परणानेंपरह रुजूदुखयावक ॥ ११ सतो० (दूहा ॥ इमचितवतिहाप वनजी ॥ पाछाचाल्यातास ॥ श्रावानगरोश्रापरी ॥ भोग वेसुखश्रभिराम ॥ ११ ॥ ढाल) तेहिजछै० ॥ हिवैमात पिताश्रजणातणो ॥ लगनलीपावोयोसोटैमडाणक ॥ वो वाहकरवाश्रजणातणो ॥ रतनपुरीवेगमेलीयोजाणक ॥ महोछरमाडीयोश्रतिघणो ॥ वाजरघातिहाढोलनिसाण क ॥ मङ्गलगावैछेगोरडो ॥ उछवकररह्याकोडकिल्याण क ॥ १३ सतीरि० ॥ हिवैरायपैलादतेडावीया ॥ सानमें जाजोवडवडा२राजानक ॥ हयगयरथसभीयावणा ॥ नै हतरश्रोसजननेंदोयोवणोसनमानक ॥ घनसाथेदोयोपरच या ॥ कोटिमडाणचाल्यालेईजानक ॥ सामतसाथेदीयाघ णा ॥ जोघासुभटसैन्यासावधानक ॥ १४ ॥ सतो हिवे वोदवणावकोयोघणो ॥ गैहणांश्राभुपणपहरियाताहिक सपिवागानेरैसोहला ॥ देवैश्रासीसकवुमतोमातक ॥ लु

गाउतारेरेमैनडी॥ रूपदेपमनहरपितथायक॥ जाबकवो लेनिरुदासली॥रूपविधपवनजोपरशनआयाक॥सतोरे० १५॥ सैन्यासिणगारीचतुरंगणी॥ गाजेजोध वरवाजे वीतूरक॥ सजनसगामिळीयाभणा॥ जांनचालेजांणेर्ग गानोपूरक॥ वरविद्यावरदीपतो॥ सोभरज्योतिणरोवट नसनूरक॥ चिहुंदिससाथेसेवकभणा॥ छायजोडीरम्या उमाहजूरक॥ १६ सतो०॥ मछिंदपूरीनेहाआवीया॥ घाईवधाईराजोछवोरायक॥ दीधीवधामणीतेहने॥ ह रपितहुईम जणांतणीमातक॥ आरतीनोमछोछवकरे मछिंदराजामनहरखनमायक॥ सजनसगामिळीयावणा सैन्याकेईराजासांहमोजीजायक॥ १७स०॥ मछिंदराजा साहामोआवीयो॥ ढोलदामाआनेंधुरेनिसांयक॥ राजा होरांपसछमिल्या॥ व्यापीयोतिमरनेआयन्योभांणक॥ सुसरोसांमिलेआवीयो॥पवनजीदेखनेआणदथायक॥घवल मङ्गलगावेगोरडी॥लोकम जणानोवरजोयवाजायक॥१८ स०॥मछिंदराणामोटाराणाभणी॥अतिघणीदीयोआदरस नमांनक॥ उछरगमनमांहेअतिघणो॥ भावभगतीसुं मिलीयोराजानक॥ जांनउतारीरेआणने॥आपीयोभोज नविवधपकवानक॥ उपरसिघरणसावधे॥ पादिमखा दिमआप्याघणांमिष्टानक॥ १९सती॥ हिवैतोरणपव नजीआवीया॥ तोड्या जणांउपरेघणोप्रमायक॥ ना मगुण्याहीरामीनडी॥ मूलनछोमनतेहनीचावक॥ घ वलमङ्गलभावेगोरडी॥ मूरणसासुकरैवऊभातक॥ पिन मनमैनभावैपवननै॥ योतोपरणेरेम जणानैवासवादाह क॥ २०सती०॥ रूपातसोरेमणहपरख्यो॥ सोवगातणी

तिहांविहक ॥ सोवनपाटमोत्याजड्यो ॥ अंजणांनेपवन जोबैठाछैतेहक ॥ हयलेवैहाथमेल्योतिहां ॥ नयनमिहा लैछैअंजणांनारक ॥ पिणपवननेंमूलगमैनही ॥ वेखणा गेंपैहलीवातविचारक ॥ २१सतो० ॥ हिवैपवनजोपरण नेउतरया ॥ कीधीपहरावणीअंजणांनेतातक ॥ गयवर आपीयाअतिघणा ॥ ताजातुरंगदीधाविख्यातक ॥ कनक रतनवड्डआपीया॥आपीछैरुपातणीवडकोडक॥वस्तमाला दासीआठदै ॥ पांचसैंदासीयासरीपीजोडक ॥ २२सतो हिवैपरणीनैरतनपूरीसंचरया ॥ साहमीआयोतिहांपैह लादरायक ॥ अंजणांमनहरपतथइ ॥ सासूसुसरानांपू जीयापायक ॥ पांचसोगांवराआटीया ॥ आप्याछैआभ रणरतनवडमोलक ॥ आयाछैमीदवीदणी ॥ आया छैतिहावाजतेढोलक ॥ २३स० ॥ (दूहा) हिवै कालकितोयकगयापछै ॥ आयोभेटणोराय ॥ तिहां पवनरोहुंपपरगटहुवै ॥ तेशुणज्योचितलाय ॥ १ ढाल० तेहिज० ॥ पोहरथोआवीरेसुंपडो ॥ वस्तआभरणआ पीयातासक ॥ वस्तमालानेंदेईकरी ॥ अंजणामेलीयाप वनरेंपासक ॥ सुंकडोपवनपाधोनहो ॥ वस्तगहणानेंप हरियाअङ्गक ॥ अंजणासु घेपआणनें ॥ वस्तगहणा आप्यासातगक ॥ २४सतो० ॥ वस्तमालाविजपीथई ॥ आयकहोअंजणाकिनेंवानक ॥ स्वामीआपांउपरें ॥ हेत नदीसेंकोईतिलमातक ॥ अंजणाआख्याआसुधरें ॥ मे सुंपडोभगतकीधोरेअनेकक ॥ योतोनरदीसेछैनिरमलो आपणेंदोसेछैंकर्मविसेपक ॥ २५ सतो० ॥ हिवैंअंजणां येठोरेमाखोयै ॥ पवनओतुरीयपैलावपजायक ॥ घावता

जावतांनिरपती॥तिमरमनमैहरपितथायक॥पवनजीको
पैरेपरजतै निजरदीठांमृलनसुहायक॥नागीनिहालैमैमो
भणो गोपैग्राडीदे.नीभितचिगायक॥२६सती॥पाचसोगां
वपोतेंकीया॥ मातपिताक्हैसाभक्तिपूतक॥ चनणास
तोरेसुलपणी॥ वडुनैसूपीयैनिजयरसतक॥ मोटेरैकुल
तणीं छपनी॥ गजाछोमछिटतणीवहैलाभक॥ अभणा
सु ग्रादरकीजीयै॥ इमकहैकेतुमतीसहाराजक॥२७स॥
वापराग्रागापावामेलीया॥ ग्रागोग्रायोवखेवडोयीरक॥
घनणाल्हैनसीग्रावीयै॥ मेल्यापायाग्राभरणग्रदभुतची
रक॥ स्वानीरेंसनमान्यानणी॥ पीहरेंग्रापनेसीकारवा
तक॥ इमकहोवंधवमोकल्यो॥ दुपधरेपणोमायनतातक
२८ सती॥ इमवारेवरसवोचमेगया॥ एकथाजमरेंएतो
सवघक॥ छिपेरावणनेंवरणकटकीयई॥ भांछोमाहिछप
नोग्रगिदघक॥ हयगयरथसजियावणा॥ दानायोपुरपा
णालोसमसेरक॥ त्यानेंसुवसिणगारिया॥ चालीयोकटक
वाणीरथभेरक॥ २९ स०॥ एकतेडोरतनपुरीग्रावीयो
मेंहलादरायकरैजावानेंसाभक॥ पवनजीछाघलीडोकहै
एतोमेवापणीछमतणोकाजक॥ तुमेघरमेंठालीलाकरो॥
पूलजायानोएछप्रमाणक॥ इमकहनैग्रघघसाजासचग्रा
हायमेंधनुपतीलीनोमेमाणक॥ ३० सती॥ पवनजीघालै
रेकटकनै॥ मनमाहेंधिचारयेंग्रणगानारक॥ दूरथकीपाए
लागस्वां॥ भावकुभावदेयोएकवारक॥ वस्त्रमालाभाक
रोवैनडी॥ दहीनोकचोलोछ भरोनैहाणक॥ सुकनमडा
सनावस्यां॥ सारगर्भाहैछमीरहीलाणक॥ ३१ सती॥
सुकनमिसैपीचदेपस्यां॥ नमणकरीनै स्वलागस पायक

लोकसहुंदूमनमांणसी ॥ दृष्टोनोकचोलोदेपसोताष्टिक ॥ कटकजातामोल्हंवांदस्यां ॥ श्रंजणांश्रादरीपवनकुमारक जिहांलगेखामीश्रावैनहो ॥ तिहांलगेंजांणसीलोकमभा रक ॥ ३२ सती० ॥ छिमैंगयंदवैसीदलसंचरयो ॥ मात पितानैनमायोसीसक ॥ सजनसहुरेसंतोषीया ॥ श्रंजणां उपरश्रतोषणीरीसक ॥ दृरथकीदृष्टैपडी ॥ चतुरचिता रानोजेयोचितरंगमक ॥ पुतलोलिपीरंभासारपी ॥ एह चितारानैदेवोदूनामक ॥ ३३ सती० ॥ मंत्रीकहैनहीपूत लो ॥ भोंतउठैउभोश्रंजणानारक ॥ सांभलपवनकोप्योघणो ॥ कोईमीलीसोनेंमारगमभारक ॥ दूरठैसीश्रावी करी ॥ श्रास्याश्रलूधोमेलीश्रायोजातक ॥ वसंतमालामो हेंकरहका ॥ सुपनदेपायज्यांतुमतणोनाथक ॥ ३४सती ॥ अणगांकहैंदासीभणीपोतैश्क्रोमांहरैश्रतिघणांपापक ॥ गे हलोएगालनमीलीयै ॥ काठकजातांकांईदीधोसरापक ॥ श्रासामोटीमनमाहरें ॥ कादक्रुसावणकाढीयोएक ॥देइ उकभादासोभणी ॥वोहमालोलेगईघरमाहक॥३५सती छिमैंश्र अणाकहैसुणसुंदरी ॥ मोनेंदुषमांहैदुपदपनो ॥ श्रागक ॥ पाणीश्राहैकारीपातली ॥ सासरैमोहरैगईमां हरीलाजुकचारिचलेंगोजोनसिरै ॥ करणकरैसारश्रात मकाजक ॥ नामणपृजगदीसनी ॥ सेहस्तपामीयैश्रविच लराजक ॥ ३६ सती० ॥ छिवैनगरयकीदलसंचरयो ॥ मारगमेंदूरकीयोरेनिलांयक ॥ चकवोचकवीतिहांठलवले व्यांपीयोतिमरनैश्रायव्योभांणक ॥ एवनजीमंत्रीनैदूमकहै श्रजणानीमूलनलोजीयैनामक ॥ पुरमपरायासुंमनकरै चकयाचकवीनोपरैसूकीकैनारक ॥ ३७ सती० ॥ मको

काहेसुणोकुमरजी ॥ तुमेएवडोकांईंआणोमनभरमक ॥ मोटकीसतीछेअंजणा ॥ अहनिससेवतीजिणतणोधर्मक सुरपपरायोवांछेनहीं ॥ वचनकाजेतुमेकायकरोद्वेषक ॥ आसीलसरोवरझूलती ॥ गुणकीयासिवक्षानी ॥ संगीयसिधक ॥ ३८ सती० ॥ हीवेंपवनजीयहेंसुणोमथवो ॥ छुकटकजाछळूनारीनेंसतापक ॥ पाछोजासतोपरणाइसें ॥ मैहलामांहेलाजेमांहरोवापक ॥ मभीकहैछानांजायस्वां ॥ तेडीसेनापतिकहेंउंरूपवालक ॥ अमेजानाकरीनेंपावाआवस्यां ॥ तिहांलगकटकनीकीजोरूपवालक ॥ ३९ ॥ सती० हिवेंप्रछन्नपणेंदोलु आवीया ॥ आवीनेंअंजणानोदपासोकिंवाडक ॥ वसंतमालातवदुखेरें ॥ उतावलीयोलेंवेंगालीटोयप्यारक ॥ कहेंसुरोपूरपगयोकटकमें ॥ को गरेलंपटआवोइयठांमक ॥ प्रभातेंकुंराणानेंवीनसं ॥ बोढ़ायदेसु कुंतिहनोगांमक ॥ ४० सती० ॥ प्रहस्तमचोद्मदभरें ॥ इहांआयोवैयेंहलादगोनदक ॥ अणर्यातणोवेंसिरधणी ॥ वसविधाधरदीपकचंदक ॥ वसंतमालाआवीउलथ्यो ॥ नयणनीहालोवैयांमीआणदक ॥ किंवाडखोलोनेंमांहिलीया ॥ वसंतमालाघणाध्यानंदक ॥ ४१ ॥ सतीरेसोरोमणी० ॥

दूहा ॥ अणआसतीतिणअवसरें ॥ वैठीसामायकमांहि ॥ कर्मधर्मसंभालती ॥ रहीधर्मजयत्ताय ॥ वसंतमालातिणअवसरें ॥ हाथजोड़ीकहेंआम ॥ सतरेंसामायकतिहांसगें ॥ राजकरोविश्रामक ॥ ५ रागते० ॥ हिमेंअणयासामायकपूरीकरी ॥ हाथजोडीसांगीपाउनैंपायक ॥ २ ॥ पवनजीकहेंसु मोटोसती ॥ तीनरहीयोजिणधर्ममांहिक ॥ वचनतूरासेमेंदूषयो ॥ तिणवातरोमेंममारयवाधक ॥

हाथजोडिकर वीनती ॥ पमज्योरसतीमांहरीअपराधक॥ ४२ स० ॥ ग्रंगणायायनमीकहे ॥ एक्ष्वावोलवोलोकाई स्यांमक ॥ जेहथीपगतणपानही ॥ तेहथीपुरपनेग्रसत रीजांणक ॥ ग्राथजोडीनेग्रांगउभीरही ॥ मधुरु हाम गावोलतोवैणक ॥ कहैग्रापतिविणकिमपामीये ॥ माघे पथरगालीनेंकीवोछैसैयाक ॥ ४३ स० ॥ तीनदिवसरम्या तिहापवनमी ॥ तिहाभावभगतितोणकोधोविसेपक ॥ वायढोलेंवोमणकरो ॥ पटरसभोजनग्रापीयाग्रनेकक ॥ हावभावकरैछेघंगणा ॥ प्रीतसरु घणीसाचयीरीतक ॥ पवनजोग्राणंदपाम्योघणो ॥ घंजगारु घरोग्रतिघणीप्री तक ॥ ४४ सती० ॥ हिवैपवनजीपाछानीकलै ॥ ग्रंजणी वोलैछैजोडीजीहाथक ॥ ग्रासारहैकदोसमांहरै ॥ लोक मांनेंकिमसांहरीवातक ॥ तिणरु मातपितानैंजणावज्यो वाहनाग्राभरणग्राप्याग्रहनाणक ॥ सकापडैदिपालज्यो मातपितादिकसहुलेछैसीगाणक ॥ ४५ स० ॥ हिवैसस तमालानेंतेडोतिहां ॥ पवनजीदेईसनमानक ॥ सांहरै ग्रजणाराणीराखीरै ॥ प्रतचषितामणनैंसमानक ॥ तुंकरजेग्रतनघणातिहना ॥ जिमदांतनेंजीभभेलारहैजे हक ॥ जिमग्रंगणानेंतुभेलीरहे॥ किमदोजैघणीभोलाय णीतेहक ॥ ४६ स० ॥ वसतमालानैंसाणकजोतीहीया ॥ वोजोदूघनटीयोरेविसेपक ॥ घणीसतोपोछैवचनसु ॥ व सतमालाऊईहरपविसेपक ॥ ग्रहसमग्रीनेंइमकहे॥ जत नकीज्योकुमरजीनातिहक ॥ कुसलेपिमेंवेगापधारज्यो ॥ मेवाटजोवाजानैंउमटीसेहक ॥ ४७ सती० ॥ सोपदेवे घंजणाचालता ॥ विणमाहैग्रावैघणापुरपदृटक ॥ सोपु

पद्मावैछैवरणना ॥ तेहनैश्रागलरपेस्तेरयोपूठक ॥ दुरज
नघटकछैवरणनो ॥ लोहनावीणजांणैस्तंकैश्रद्धारक ॥ ति
हांछसीतणीरीतरापज्यो ॥ मरणभल्योपिणनहीभलोहा
रक ॥ ४८ सती० ॥ हिवैपोलथकोरेपाछोवली ॥ नैणांमै
छुटोछैजलतणीधारक ॥ मैकटुकवचनकह्योकतनै ॥ म,
हटांकोनैरोवैतिणवारक ॥ मसतमालाश्रायपीरपै ॥ हि
वडाश्रायोछैसामायककालक ॥ देवगुरुधर्महीयैधरो ॥ इ
तपचपाणथेलेयोसंभालक ॥४९सती०॥ हिवैश्रंजणासती
तिणश्रवसरै ॥ सहरितपालेंछ्तरसालक॥कर्म धर्मसंभाल
ति ॥ सुपैरेगमावैवैदूणविधकालक॥ध्यांनधरैदेवगुरुतणो
ससारनीमायावैकाचीणीमायक॥ वोलसिझायगुणीथोकडा
दूषपरश्रणपारादिनमायक ॥ ५० सती० ॥ हिवैसुदर
श्राधानलाणीकरो ॥ श्र जणामनमांहैहरपश्रपारक ॥ घन
घरचैकरैघुपटा ॥ लोकीकदांनदेवैसघुकारक ॥ भावना
भावैउलटमनै ॥ पाचसुपात्रदेवैसुगतनेंहेतक ॥ उमरगम
नमांहैश्रतिघणी ॥ दांनदेतीनगिणैवितक्ष वितक्ष॥५१सती०
हिवैरांणीराजामणीयोनवे ॥ साभलीवीनतोमाहरीश्रा
पक ॥ श्रजणांकरैश्रमउछावणा ॥ दूणसुघुरलगैपसननें
मिघोमिलापक ॥ तोहीमनमांहैसामरायैघणो ॥ काटकजा
तामाढोएहनीभांभक ॥ श्रापकहीतोलुपहनै ॥ सरजषा
कांजैलाडंतिणठाभक ॥ ५२ सती० ॥ राजापिणदीधीमै
श्रगन्या॥हिवैवीछुमतीपासीमोटेंमंडांणक॥ सायेसहेल्यां
सोधीघणी ॥ मनमांनमळइरैश्रांणक ॥ श्रांगैयघोछढ़ामे
सोया ॥ श्रंजणांसुणनैहरपतथायक ॥ भावभगतकरो
घणी ॥ चाहमीघायनैभेटीयासासुरापायक॥ ५३ ॥सती०

आदरसनजानदेअ जया ॥ सासुनेंलेगईनिजघरमांहिक॥ आसणटोध्येंबेसवा ॥ हायजोडलभोयेंननमुपआयक ॥ कहेमनुष्यकरीभोनेंलेपवो॥मांहरामनोरथपूर्यांआयक॥ जाईताविनांइमकुणकरे ॥ मांहरोसासरेंपीहरें वाधाछे लाजक ॥ ५४ सती० ॥ हिवेंयडनावेंनदेपोकरी ॥ केतु मतीराणीघारेमनधेषक ॥ वऊथांहराअ गनोएहवो ॥ चेनक्यु टीसेंविशेषक ॥ तुंमोटारेंकुलतणीउपनी ॥ वंश विद्याधरटोलुपप्यसारक ॥ तुंसाचीसुभनेंआंपरकाहे ॥ उ दरआधानकेंउदरविकारक ॥ ५५ सती० ॥ अंजणांस तीतिणअवसरे ॥ आभरणथेंनाणआयमुंक्यापायक ॥ क ठकथोकुमरपाछावलो ॥ विरहणीजाणिनेंआवियातांहि क ॥ तीनदिवसरह्याघरमांहरे ॥ छानेंआयानेंछानेंगया तासक ॥ आभरणऐनाणदृष्टामेरानें ॥ हिवेंऊबोछेंसाय सुमसातमोमासक ॥ ५६ सती० ॥ बहुनावचनकानेंसु णा ॥ केतुमतीराणीबोलेंछेतिहक ॥ पूरवेंलगतोनेंपरछ री ॥ सुभपुत्रनेंतुमकिसोसनेहक ॥ आगलगेंअलपावणी तु आभरणचोरीनेंनिरजलथायक ॥ दिणठोरेंदुषकाजीय की ॥ हिवेंसासरासुंपरिपीहरजायक ॥ ५७ सती० ॥ सासुरावचनकानेंसुणा ॥ अजणांरेंमनउपनोदाहक ॥ पुघतुमागेपाछोवले ॥ तिहांलगेंसुमनेंरापोघरमांहिक ॥ सासरांनेंसासुजीतुमतणी ॥ कहेतोथ्येंठपाईनेंकाढूदिन रातक ॥ चरणकमलसु गिरवी ॥ ऊकलकलेईकिमपी हरजायक ॥ ५८ सती० ॥ केतुमतीराणीक्रोधेंचढी ॥ पगऋरोक्रोधसु छेकीयोसीसक ॥ अङ्गरोंडीनेंउभोयई धडडडधूजीनेंअ तघणीरीसक ॥ आलगीरहेसुमआआप

पञ्यासैछैवरगाना॥ तिहनेश्रागलरपैफेरयोपृटक॥ दुरज
नघाटकाछैवरगनो॥ लोहनावांगजागैस्टंकैश्रङ्गारक॥ ति
हाछवीतणीरीतरापज्यो॥ मरणभल्योपिणनहीभलोधा
रक॥ ४८ सती०॥ हिवैपोनथकोरैपाछीवलो॥ नेणामै
छुटोछैजलतणोंधारक॥ मैकटुकवचनकह्योकतनै॥ म
हढाकोनेरोवैतिणवारक॥ वसतमालाम्हायथारपै॥ हि
वडाम्हायोछैसामायककालक॥ देवगुरुधर्मश्रीयेधरो॥ ह
तपचपाणथैलेवोसंभालक॥४९सती०॥ हिवेंश्रंजणासती
तिणश्रवसरै॥ सडरितपालैंहतरसालक॥कर्म धर्मसंभाल
ति॥ सुपैरैगमावैमैइणविधकालक॥ध्यानधरैंदेवगुरुतणो
संसारनीजाणैमैकाचीजीमायक॥ मोलसिम्हाय गुणैयोकहा
इणपरश्रजणारादिनजायक॥ ५० सती०॥ हिवैमुदर
म्हाधानमांम्होकरो॥ श्रंजणामनमांहैहरखश्रपारक॥ धन
परचैकरैंसुपटा॥ सोफीकदांनदेवैसचुकारक॥ भावना
भायैउलटमनै॥ पाषसुपाषदेवैसुगतनेंहितक॥ उवरगम
नमांहैषतिषणी॥ दांनदेतीनगिणैयेतकुंपितक॥५१सती०
हिवैरांणीराजाभणीमैमवै॥ सांभलोवीनतोमाहरीश्रा
पक॥ श्रंजणांमारैंधनउलावणा॥ इणासु घुरलगैपयननें
किधोमिलापक॥ तोहीमनमाहेंमागरापैवणो॥ काटकजा
तापाढीएहनीभांमक॥ म्हापकहोतोछु एहनै॥ वरमवा
कामैंनाढतिणठामक॥ ५२ सती०॥ राजापिणदीधीमै
श्रागन्या॥ हिवैथेहुमतीयासोंमोटेंमडांगाक॥ साथेसहेल्या
सोधीघणी॥ मनमानयझइरैम्हांगाक॥ श्रांगेयघोडढामे
लोया॥ श्रंजणांसुपनैंडरपतश्रायक॥ भावभगतमारो
घणी॥ सांहमीश्रायनैभेटीयासासुरापायक॥ ५३॥सती०

लगेंनिरमलतंजलाआपक ॥ तिहालगेंसहुमेंसुहामणां हरपथोलावश्य सुमतणोवापक ॥ भाताज्नोरथपूरसी ॥ भाईभोजाइसहुमिलसीआयक ॥ जिहालगेंस्वामीआवें नही ॥ रवैठातिहालगेंपीहरहोआपक ॥ ६५ सतरे० हिवैनगरसैरीयेंसचरी ॥ गवटकाढीनेंनीचीजोजोयक ॥ हसतणीगतचालती ॥ नगरनाखोकणोवेंसऊकोयक ॥ स मनविछोहोएकाजनी ॥ नाथविहुणीएटोसेंछैनारक ॥ पि छाडीसेंप्रजामिलीघणी ॥ दूणपरणोछोतीछैवामदुवारक ॥ ६६ सती० ॥ पालैउभीरापोपोतीयै ॥ मालूमकीदीगय नेंजायक ॥ टोनु हायजोडीनीचोनमी ॥ अंसणवाहिरच भोछैआयक ॥ रायसाभलहरपतहुवी ॥ नगरसिणगारनै करोविख्यातक ॥ सनसुपमोकलोपालपो ॥ आवोतेडावो राजापैहलाटनोसायक ॥ ६७ सती० ॥ कांनमैझानैसेप गकहै ॥ त्वजणासासरेजेहुवोतेहक ॥ तिणवातकाहोस वभाइनै ॥ रायसाभलदुषव्यापीयोदेहक ॥ सुरछागतआ यधरणीढल्यो ॥ सचेतथयोकिधोक्रोधविशेपक ॥ मांहरा कुलनैरेकलंकलगावीयो ॥ आसामतद्योमांहरीपोलज्मा रक ॥ ६८ सती० ॥ पालीयोपाछोआवीकहै ॥ तुमेंडपर रठोछैमहिदरायक ॥ मांहैंआवामतद्योएहनै ॥ वचनसु णीमेंविलपीजीथायक ॥ नाताराभवणमैसचरी ॥ आवा पाछापगपहैतिणवारक ॥ मनमांहिदुपधरतीथकी ॥ वि लपीथईआयीमातानेंदुवारक ॥ ६९सती० ॥ ज्ञानमेंगाति णप्रवसरै ॥ अगणैअजनादीठिविरगक ॥ सरीरनोरग तेफिरगयो ॥ कामारैपक्षमहरगाघ्रगक ॥ अहैनाणदी मेछैवारका ॥ नयणभरैआणैमोत्यानोटदक ॥ सुपवुाम

थो ॥ जिहांलगमाहरानगरनीसीमक ॥तिहांलगेअजमा
दूहारहे॥जिहांलगैसुभनैअनपाणीतणोनेमक ॥५८सतीरि
सौ० ॥ वस्तमालानेतेडोकरी ॥ बधणबाधनेटेरीछैतिहक
तें चोरग्राअभरणमांहराप्रुधना ॥ चोरदेपासकछेटस टे
हक ॥ तेरैपडोरिंटेगीरहो ॥ याजैछैताजणारोवतीतिहक
वस्तमालादूमसुपभनै ॥ चोरतोपवननोसाहतोमेहक ॥
६० सती० ॥ हिवैकालोरीरथअणाबोयो ॥ कालाईहुरग
जोतरयातिहक ॥ कालाहोवस्तपहरानोया ॥ कालोहोभू
सरीटीघोछैसिहक ॥ कालोहोमस्तकरापडो ॥ अणगाव
समालायेसान्गीता हक ॥ सती० ॥ अजगांचालोपी
हरभणो ॥ दुपघणोघरतीअतिकनमांहिक ॥ हिवेचा
लीयारथचतावलो ॥ आयोछैवपतणोभूमतीहक ॥
दूरथकीमैहलदेपोया ॥ स्वारथीरथपाछोवाल्योतिह
क॥ भहारभरैअजणाभणो ॥ स्वारथोचित्तमाहैचित
वैषांसक ॥ दुटअकारजमैकीयो ॥ मेसनमांहिअंजणासे
सोहूपठालक ॥ ६२ सती० ॥ हिवैसाभपडोदिनआय
स्यो ॥ रथवसिहाणोमोरअन्धारक ॥ हायोहाथसूभैनहो
दूणावेलासुभनैक्कु णबाधारक ॥ नाअणपूजगदीसनो ॥ दू
णाविघकाढैदुखभरीरातक ॥ सुघसामायकचम्परै ॥ एत
लैसुरजउग्योप्रभातक ॥ ६२ सती० ॥ हिवैअणसाकहे
सुणोसु दरी ॥ माहरामनमैअतिघणोदुपक ॥ मोनेकुलो
रेंकलचढावीयो ॥ हिवैतातनेकिमदिपाससु मुपक ॥ मा
तासोसु मनकिमभेलसो ॥ किमकरू भाइभोजायांसु वात
क ॥ जिहालगेंसामीआवैनहो ॥ तिहांलगेंकिमकाटूदि
नरातक ॥ ६४ सती० ॥ वसमासावमतोकहे ॥ जिहाल

डाहाजोज्यूनहुता ॥ एहकरोकिस्युकर्मचंडालक ॥ अ
मेतोअबलास्यंकरा ॥ अंगणेउभारहोनेंखिगारक ॥ अ
मघरआयारायजाणसो ॥ तुमतणीरनेंकाढसीवारक ॥
७६ सती० ॥ वंबयकिणहोनपूछीयो ॥ सजनकिणहीन
होकोधीरिसारक ॥ जिणदीठोछैअंजणासती ॥ तिहाप्रो
हितप्रधानसुदियादुवारक ॥ लोकारीआसंगकिनहुवै ॥
अंजणानेतेडीराप्रैघरमांहिक ॥ आदरभावकिहाईनही
एहवाकर्मउदैहुवाआयक ॥ ७७ सती० ॥ अंजणानेदेपै
आवती ॥ लोकआडाडदेवैकिंवाडक ॥ घरमैकोईआवण
देनैनही ॥ वचनबोलैलोकविवधप्रकारक ॥ अंजणांदूपवे
दैघणू ॥ नाणैकेवाईछैपडगनीधारक ॥ दुपमांहिदुपसा
लैघणो ॥ अमरसघरेंमनमाहिअपारक ॥ ७८ सती० ॥
हिवैअंजणातिसेरेटलवलै ॥ जलसेईआयोमाझ्मणतीरक ॥
रायक्षुमरीपांणीपीयो ॥ सीतलउतमनिरमलनीरक ॥ म
लतोअंजणाकहैतेहनै ॥ नगरमांहितेनहीपीचपाणक ॥
मोसवाहिरजलपीवस ॥ इहातोछैमांहरावापनीआणक
७६ सती० ॥ नगरबाहिरजलमावरै ॥ अंजणावसतमासा
नैफरैछैआमक ॥ गहनवनमोटीउजाडमै ॥ उचाहोपर्वत
विषमीठामक ॥ जिहासूर्यकिरणनसंचरै ॥ रातदिवस
नीघयरनकायक ॥ माणसकोसुपनहीदेपीयै ॥ तिनवनमां
हैतु रुमनेलेजायक ॥ ८० सती० ॥ हिवैवसतमालातिण
अवसरे ॥ अंजणांनोवसनमीवोप्रमाणक ॥ दोनूजणीति
हांथीनीकली ॥ माहोमांहिवोलतीमोहसारीवाणक ॥
उभैवनमांहिसञ्चरो ॥ जोयनैपरवतसमतलसहतक ॥ पाघें
लेईअंजणांभणी ॥ परवतजायनेंबैठेएकतक ॥ ८१सती०

लाणोदीसैपूरो ॥ जांगरैराहरै अंतरैदवगयोचंन्दक ॥ ७०
सती० ॥ इमदेपोमाताधरणीढली ॥ मचेतथईरोवेवागा
णीद्यारक ॥ इमायनसिरजोरैषाभडो ॥ इणकालयाश्रा
णयोभाडराकुलरेजभारक ॥ ऊसगासवधीजयिमधिरू ॥
श्राणीघटारोनेघसभाकरीक्रपक ॥ जिणकुंपेश्रंअगणाउ
पनो ॥ टीधीळ्हैदुपमैदुपविशिदया ॥ ७१ सती० ॥ राणीनें
रोयतीदेषने ॥ दायाजिगश्राईश्रंजगणानेपासवा ॥ श्रा
दरविष्ठ गीउभोथिमैं ॥ मायछोटीमाईकुलतणीश्राजक ॥
सुसरानैसासुजजावोया ॥ लजायोयोपोहरसायलुसालक ॥
कुंवसविगोवणाटपनी ॥ हिवैपापणीकुंजूढोजतीदेयाल
क ॥ ७२ सतीरैसी० ॥ वसतनाणानसातोयाहे ॥ एहथी
श्राचर्क धेवोखोएवायथ ॥ पवनकुभारघरैश्रावसी ॥ पूछ
किणोनिरघोमनजांछिक ॥ श्रासतीतोसहमलेसही ॥ ग
सैछैगर्भतणोधतिपासक ॥ एकलकथायाकायानहीघरै ॥
पवनजोश्रावारोरापैछैश्रासक ॥ ७३ सती० ॥ इमकही
दोलुपाछीनोषली ॥ भाईभरेणायांतणोयरश्रायक ॥ वधव
माहिवैचोरधा ॥ श्रजणाश्रांगणेउभीछैश्रायक ॥ श्राई
भोजाइमिलीतिहां ॥ जननिनातिणश्रापीछैवाहक ॥ श्रां
गूलीलेदाताधरी ॥ श्रावामटीभोतिणनैघरमाहिक ॥
७४ सती ॥ इमश्र जणाघरघरफोडोपणी ॥ किणहीन
दोधीश्रावाघरमाहिक ॥ दीनवचनमुपबोलती ॥ नयणा
झरीमुपरोयतीतेहक ॥ भूपह्रपाकरीश्राकूली ॥ श्रनपा
णीश्रापैकुणतामक ॥ एभोळूँदीणदयासणी ॥ नांषिनिस
रसाटभीतिणठामक ॥ ७५ सती० ॥ हिवैमिलनैभोषा
यातीइमकहै ॥ साइचेश्रापरोश्रापोसभाणक ॥ धूरलगे

हणी आखीमाहराकुळरेअमारक ॥ जोपाहीनाखुथरेभ्रं जणां ॥ तोनगरनीनारहीछैअनाचारक ॥ ८७ सतीरे० हिवैगिरवरगुफासाहमोजोयतां ॥ तिहांदिठोछैमुनिवर ध्यांनवरवीरक ॥ जिनदीपआचारपाळता ॥ तपजपधप करीसोषव्योसरीरक ॥ अवधज्ञानेकरीआगला ॥ ध्यंन णाजायभेट्यातसुपायक ॥ अतिदुषनांहिआणंदहुवो ॥ भवरहोज्योसामीतुमतणोसरणक ॥ ८८ सतो० ॥ हिवै कायजोहोअंजणायाकहै ॥ पूर्वकिसुंकीयोकर्मचंडीळक ॥ किणकर्मसासीसासरै ॥ दुणभवमेआयोअणऊंतोआळ स ॥ सासरासुंकाढीमोमणो ॥ पोहररापीनहीवरमां हिक ॥ आपकोरपाकरीजोडपरै ॥ सगळोईसंबधदेवी नोसुणायक ॥ ८९ सतो० ॥ हिवेंसाधुकहैवाईसाभलो ॥ पाछिलभवरोकऊंविरतंतक ॥ थांरेंसोकहुंतीलिपमाव तो ॥ श्रावकधर्मपाळतोकरषंतक ॥ सोहरयपुत्रयोतेह नै ॥ तेचोरीपाडोसणनेंसु पीयोतेहक ॥ तेरैघडीथांरीसो कटलयली ॥ दुखधणोधरतोजनमाहि ॥९० स० ॥ थांह रीसोकरेंएकनिहचोऊंतो ॥ जोसाधहोवैतिणनगरमझा रक ॥ तोवांदीयापैहसीतिहनै ॥ धनपानोनोऊंतोपरिहा रक ॥ बिलाएकीधो तणअतिघणो ॥ सवतीपुतपाछोदीयो सुंपक ॥ अन्तरायपडोदरसणतणो ॥ तिणसुंबंधगईथां रैकर्मरीरासक ॥ ९१ सती० ॥ कालकितोयकवीतांपछें साधव्याआईतिणनगरमझारक ॥ तेवाणीसाभलतेहनी वैरागसु लोधोस यननारक ॥ तपस्याकरीअणसणकीयो आलोयाबिनांएतलाफेरक ॥ थोवुहोकननछुटोसै ॥ तेरे षडीराडवावरससेरक ॥ ९२ सतो० ॥ चौहरयपुन्तेत

अंजणावनमाहिसंचरी ॥ लोकमाहीनाहियोलेछेएकक ॥ अंजणांनेवाहिरकाढनै ॥ रायकीधोत्र्यतिभुंडोजीकामक ॥ आणदेत्र्याडोरेघरघरै ॥ आवनहिंटीधोकिणहीघरमाहि क ॥ पेटनीपुत्रीनेपरहरी ॥ रायनोत्र्यफलगईढकायक ॥ ८२ सती० ॥ हिवेमाताकहेरैदासीभणी ॥ अजणानेंजो वीरहिवित्ताणहीठामक ॥ दासीकहेमनमेंगई ॥ जालाजन माहिचितवेत्र्यामक ॥ चनणाउपरैनाऊरो ॥ वालपणाऊं तोत्र्यतिघणोरागक ॥ हियेनमाहिसिहादिकाविणासखी दूमचिंतवीलेघरेंदुपत्र्यपारक ॥ ८३ सती० ॥ नितजोजन जीसतीरेखालवा ॥ जननेंगमनाव्याकहोत्र्याहारक ॥ म नमानेदिकारेधणी ॥ सेहरमेंनस्त्रीउजाडमेंजावक ॥ त्र्यन पाणीकिमपामसी ॥ सेंजनसेजाण्योघरेकोईगापसीवीरक दूमचितवीनेघणीचिताकरें ॥ रोवतोत्र्यांख्यारेत्तु काढती नीरक ॥ ८४ सती० ॥ हिवेवसुत्र्यासादूमउच्चरै ॥ याई थारोवापकहैमूढगिवारक ॥ मूरपणीमाताकहैतुमतणी ॥ मायामेंत्र्यकत्तनदोसैंसिगारक ॥ त्र्यागणेनहीराणीरेदूक घडो ॥ कणकरीसुखनपूछीरेकायक ॥ वाईयाहरामीहरै उपरै ॥ कोईघचित्योधसकोपसेज्योत्र्यायक ॥ ८५ सती० अजणाकहैसुणसुंदरी ॥ मांहरोवापकहैचतुरसुजाणक ॥ मातावित्तक्षणत्र्यतिघणी ॥ माहूकैमाहरोघणोवुधवानक पिणापापकहैमाहरैत्र्यतिघणां॥तुममत्र्याणेमुखनरोसनत्र्यामक त्र्यापापूरवपून्यकीधानही ॥ एसड्त्र्यापणेंकरमारोदोस क ॥ ८६ सतीरेसोरो० ॥ हिवेराजाराणीकनैत्र्याइनै ॥ दोसेसुपथीएहथीत्र्यायक ॥ घितीकरीकिणकारे ॥ वेठो त्र्यापाजोगीनहोछेतेहक ॥ मोटीत्र्याकायंहूणकीयो ॥ मै

ववननेंछेक ॥ ९८ सती० ॥ साहजदेइयजणांभणी ॥
देवतावोलेछेएहवीवायक ॥ सतीयांमांहिसु निरजणी ॥
धारागुणपूरणोसु कह्यानहीजायक ॥ छि येकालकाचतर
सीतांहरी ॥ कुसलेयाव्सीपवनकुमारक ॥ वलेनामोथां
हरोदुहाघावसो ॥ तुं नचंतरहेहूणवनहमभारक ॥९९
सती० ॥ एहवोवचनसुणीदेवताताणा ॥ वनजाइंटोलुं
रहेअरीहक ॥ वनफलफूलतिहांयावरे ॥ जिनधर्मतणी
नहीलोपरैलीहक ॥ समवतपालेनिर्मला ॥ वाहोनिसकरै
छे जिणतणीजापक ॥ तपस्याकारेअतिघाकरी ॥ चंण
पानाहैछेसचीयापापक ॥१००॥ सतीरेसीगोसगिअंजणा
हनुमंतहुवारक ॥ १ ॥ चैतमासधरअष्टमी ॥ मध्यनच
त्रयायोआकारक ॥ रातराताछ तामोहरमे ॥ अंजणाज
न्नीयोहनुमतकुमारक ॥ वसुचटालीतिणअवसरे ॥ टा
सीनकहैच उणाधांसक ॥मन्होछवकरसीकुणएहना ॥काट
कामेंगयोछेबापणोस्वामक ॥ १०१ सती० ॥ पाटणोरा
तपूनिमतणो ॥ अजणाकरधरनैठीछें दक ॥ फंचलचप
तसुहानणो ॥ नीठापामेंमणोहरपचाणंटक ॥हरपवोता
येरेनायडो ॥ कुलगतणीअंछेलघूणीवेसक ॥ तारानेता
करेवालुहो ॥ मागेंकीच टने रेदम पेटक ॥ १०२ सती०
छिवेमामोधहणासलीनणो ॥ सु सेनराजातिहनीलामक
देसन्तरजायनेपाछोवल्यो ॥ धाकासे विजाणथकोतिण
ठामक ॥वनमांहिटीठोवेजाविका ॥ इंचरजयातीनेलोक
वोनारक ॥ नयमालीयेअजणांउसारो ॥ नैणालेछुटोछें
मतनणीधारक ॥ १०३ सती० ॥ गलेलागीविन्धारहो
एतलेमालोमायोनतकालक ॥ अंजणाचतपिनैमिल्यो ॥

पकरी ॥ तुम्हकुपेत्र्यापणीयोत्र्यवतारक ॥ साथेपाडोसम
दुपसहे ॥ तेदिनचोरीनाफलविचारक ॥ पभनणीयरणस्
गुधकरी ॥ पाछाय्रवसीनिजपरमकारक ॥ ६३ सती०
एसाधकम्होस'तोपवा ॥ च्योरनहीकोईवारजलिगारक ॥
सीवासाधुजेंनिलसभापणीनही॥एतोत्र्यागमवीहारीऊंता
च्वणगारक ॥ त्यांकह्योरुपगात्र्यजांणनै ॥करदियोतिहांथी
उग्रविहारक ॥ मारुपंपीतणीपरें ॥ च्याचारपालेछेनि
रतीचारक ॥ ६४ सती० ॥ हिमैतिणकालनैतिणसमै ॥
तजेटीचायनैगृजीयोसोहक॥जवणीवनासपांम्योमणो॥घड
हडघूजनैपामीयायोहक॥तिणहीसिहतणोसवदसामल्यो
घ'मणामयपांम्योतिणवारक ॥ रुयवसमालाहूमरुचरै
वाईदेवगुरुघर्नसमरीनवकारक ॥ ६५ सती० ॥ हिवेवस
तमालायिरथं'चढी ॥ घ'मणांसागारीकीधीस'थारक ॥
नामजपेंजगनाथनो ॥ मानैरेघ्यांनचढ्याप्रणगारक ॥ थिं
रु'गतिणीवषमावति ॥ ध्यारैसरणाचिंतवैचितमभारक
करैफीहरीफठोथायाहरै ॥ पिणमाहरोधरमनजेवेलिगा
रक ॥ ६६ सती० ॥ कहैवसतमालाछाइमचपरै ॥ कहै
घ मणांलाहासतीछैनरघारक ॥ मोटेरेसवद हेसाकरै ॥
कोईदेवदेवीच्यायोइणवारक ॥ कोईमजनहोवै म जणात'
तणो ॥ तेपिणवेगस्यु च्यावज्योधायक ॥ उंपसर्गयनोच्यति
घणो ॥ वसतमालाबोलैएहवीवायक ॥ ६७ सती० ॥ ति
णवनमाहिथ्यंतरजचरहै ॥ तिसारजोजनतणोरूपधारक ॥
तेजच्चसहैभचणीभणी ॥ च्यापवैसरणैच्यावीदीयसारक ॥
तिणसु'रेसाकरांच्याभाएहनी ॥ इमचितवीसादूसोरुप
कीयोतिहवेर॥ तिणसादूलासोहनैभ्राभयो ॥ काढ्दीयोदू

रवननेंछेइक ॥ ९८ सती० ॥ माइजदेईअंजणाभणी ॥ देवतामोसुंछेएहवीवायक ॥ सतीयांमाहितुंनिरमली ॥ धाराशुणपूराछोसु कझानहीजायक ॥ हिवेकालकाउतर सीताहरी ॥ कुसलेआवसीपवनकुमारक ॥ वलेनाओथां हरीहुलाआवसो ॥ तुं नवंतरहेतु गवनरुमभारक ॥९९ सती० ॥ एहवोवचनसुणीदेवतातणा ॥ वनआइदीसुं रहैअनीकक ॥ वनफलफुलतिहांआवरै ॥ जिनधर्मतणी नहीलोपरैलीहक ॥ सुव्रतपालेनिर्मला ॥ माहेनिसकरै छेजिरातणीजापक ॥ तपस्यावारैअतिघाकरी ॥ अग घातटेछेसचीयापापक ॥१००॥ सतीरैसीगोमणिअमणा हनुमतकुंवारक ॥ १ ॥ चैतमासधूरअष्टमी ॥ मध्यनच बन्नायोआकारक ॥ रातगाछतामोहरमे ॥ अंजणांज जायोहनुमतकुंमारक ॥ धसुचटालीतिणअवसरै ॥ दा सीनेसहेऊतणाआंसक ॥लघोछयकरसीकुणएहना ॥कट कर्मेगयोछैआपणोस्याभक ॥ १०१ सती० ॥ चाटणीरा तपूनिमतणी ॥ अजणांकरघरवैठीछेदक ॥ हुचलसप सुहानणी ॥ डीठीपामेंमणीअपचारादक ॥हरपवीला यैरेलायडो ॥ कुजरतणीअघेछैलहूलीवेसक ॥ तारानैता करेवासुडो ॥ जाणेकीचंदनेलेदमपेटक ॥ १०२ सती० छिवैजामोफजभासटीतणो ॥ सुसेनराजातिहनीनांमक देसंतरजायनैपाछोवल्यो ॥ आकासे विजाणयचेगेतिण ठामक ॥वमसाहिदीठोवैग्रलिका ॥ ईपरजरांगीनेजोक सीनारक ॥ अवसांजोयेअंजणांउलग्यो ॥ नेणासेकूटीछे भलतणीधारक ॥ १०३ सती० ॥ गलेलागोविमनआरडी एतलेमाजोआयोततकालक ॥ अंजणाउजपिनेमिल्यो ॥

अजगारोदिछेग्रामडागलया ॥डीलसुंअलगीउयेनडी ॥ वाजकगिभगलेमिलगीछेताछिक ॥ गवपोगालेवेसाणी घीरपे ॥ वाईछिनपुरसु गुअतगोग्रामक ॥ १०४ सतो° छिवेश्रंगगाकदेमालाभगी ॥ मायेग्रायोलालरं अगज तोग्रालक ॥ तिगसुंसासरायोवाढ़ीमोभगो ॥ पीरमे किगडीनडीफीघीसभालक ॥ यलोग्रागदेमाडीगयमरघरे तिगकारगोग्राईङ्वनइमभारया ॥ नामाजीपापमे तैघ गो ॥ कुरगानकिघोमांहरीफिगडीलगारक ॥ १०५ स° छिवेवेलविलांगमैसचरत्रा ॥ अजगारेपोलेकेंडगुकंटुरा रक ॥ दं ठोतिगमोत्यारोभालडो ॥ कूटीनेमंचलटीघीछें फाखवा ॥ तोडीमोत्यालडभुयेंपड्यो ॥ अजगांमुरछापामी तिगवारक ॥ तलमांमोसेईपुचभगो ॥ ग्रांगमेल्यासंजगा डीयेपासक ॥ १०६ सतो° ॥ बांकभालीयेठोवारी ॥ मा मोमोघंतिडावीखरसालक ॥ कछेदेसप्रदेसमेंङ्फिरो ॥ पिगएङ्वोकाठंडीन्देयोघालक ॥ एङ्भाचनकेअज गांअगो ॥ मायोछेडगुपाटगजमारक ॥ कटेमडीछत्रघ तिघगो ॥ नागटोयोडगुसलक्कुआरक ॥ १०७ सतो° ॥ अजगाडगमतईडारडे ॥ पयनगोपडतासेकंकापूरोज यक ॥ तिडारावगराजासुकुजरोकोयो ॥ गवगावगावीखे छेएङ्वोवायक ॥ पयनगोग्रादराजाभगो ॥येमिग्रगोजा यकरोमेळांयक ॥ वरयराजनेडठायने ॥ वरतायगोति ड मांडरीग्रांयक ॥१०८ सतो ॥ छिवेमेघपूरीदलसघ रगो ॥ साडमावरसेतिडांघायनामेडक ॥ पिगपवनगोप गमडीघातरे ॥ माडोमांछिजरुप्यसुघाघमांतिडक ॥ वर सदिवसविघडोरडो ॥ पछेमांडीमांडेमिलकीयोताछिक

आगवरतादूरावणतणो ॥ पवनजो हमपराम्योमनलाछि
क ॥ १०९ सत० ॥ छिवेंनाटकआयोरेलंकाभणी ॥ रा
णारावणनकीयोनृपारक ॥ जवरावणरवसागायापीया
वलेआप्याछेसोभतायणांसिणगारक ॥ कीयकादिनतिहां
रापीया ॥ पछेरावणसीपदीघीतिणवारक ॥ पवनजीआ
दराजाभणी ॥ तेआयोछेनिजनगरमझारक ॥ ११० स०
पवनजीकुसलेघरआवीया ॥ मातपितातणेलागाछेपायक
जेनलेमाताभोजनकरै ॥ तेतलेंजणानैघरमायक ॥ सु
नामैहलनेमालीयादेषीया ॥ मूरछैछेतिहांघतिषणांकाग
क ॥ पूरबमोतीवातकानासुणी ॥ जवपवनरेलागोछेअ
तिषणीआगक ॥ १११ सतो० ॥ छिवेपवनजीतिहांथो
नीकल्या ॥ मातापिणआईलारेंतिणवारक ॥ वाहभाणी
पवननैदूलकहै ॥ छिवहातोजीमोघ्यानहींआहारक ॥
हुंवहूनेआणकगावसुं ॥ पवनजीसांहमोनेंभोवेरेतांजिका
वांषछोडायमाताकनें ॥ गयाछेराजाप्रहिदनैगामक ॥
११२ स० ॥ छिवेंमातागोवैमुषढांकनै ॥ काम वलासोन
हेकीधोरेपहक ॥ दलभणीजनन्हीमोकल्यो ॥ अंजणा
नेंनहीरापीरंगेहक ॥ कांचीरेवुधनारीतणी ॥ वीतुमतो
राणीचितसेपमक ॥ धिगरमुझजीवतभणी ॥ जेमापणी
कीधीघतिघडोरेकामक ॥ ११३ सतो० ॥ छिवेंपवनजी
फरेजचीभणी ॥ हुंसासुसरासुंकिमसकू ग्रयांमक ॥
नाहरोलातानेंप्राभवी ॥ तिणसुं सुसरजैगईजाणीमानक
छिवेहुंचोहोसुरेंकिमघोलस ॥ छिलजिलन्हेघातकरू ला
जैमक ॥ वलेअंजणारायीमोहपरै ॥ किणविधहरेलीउर
पनेंमेलक ॥ ११४ स० ॥ अंदीकहैगुणीकुजरजी ॥ आ

पतीपरायाकरपरुआपक ॥ कार्यसुकाढीयंसनाभमी
धापरेहासनचोढेरिगारक ॥ ररमकेपरकुजरभमी
चाकरमेली।गेगगरसभाचा ॥ वर्हिगनजीग्रागपधारी
या ॥ सवपरणानेपोहरेवर्ग किरलाग्रपारदा ॥ ११५ स॰
मलिन्कमेहं रमापागीयो ॥ जैदुदयकारजकीदोरेजाग
क ॥ रातिर कोहरु परादयो ॥ पिगाराटोनदीकोईव
तुरतुगोयक ॥ ेहाधागीव यन्याणीकसे ॥ तोसाहराम
नरोतरसीरीरह ॥ नरकर्णीयागोगेअधधोयो ॥ फिरैदु
एकमांथीकी कर्गारक ॥ ११६ सती॰ ॥ पवनजीग्राणप
धारीनो कावजर र रोसरपवहुँगालक ॥ पेटकूटेदोन्
फाधस् ॥ उदरभाधानकिछारदूयालक ॥ मनजाईदुयवे
देवयी ॥ जांगेकोईजोरसुलागकैवारक ॥ बांटगानीदु
पवेदेवयी ॥ तिलयोलेकेरोदतीयागक ॥ ११७ सती॰
साथैसिन्याजेईचतु रगसो ॥ दरुगोत्वाईने साहमोमी
जायक ॥ थाहसार्वदोन्निजा ॥ दोनारे दुपवयोघट
माहिक ॥ जयपवनजीकहेरागमयो ॥ सुमपुयीनेकाढी
कैसमतयो मायक ॥ एटोसनहोलजमाहरी ॥ सवराणा
सुपाछोबीछोनह आयया ॥ ११८ सती॰ ॥ फिरैपवन
जीनेनिजघरधागजै मरदककरनेंकोधसोनारक ॥ मले
योसाधदनचरयोया ॥ गेहयावकपरैसीयाप्रधानक ॥
पवेभोजनरुपचावै ॥पवनसीयाभोजनथियधपवावानक
पीगावनजीकजोभरेनहो ॥ घणघावपरसागरफोधत
रध्यानक ॥ ११९ सती॰ ॥ वियापवनजोमनमाहेचितवै
सोमुखगायीछवैतोयधाईजीघायया ॥ यसमालापिणटोसे
नहों ॥ एकयिचारकरेजनमाहिया । अंजणारीसोसिया

अवसरे ॥ चिंतामनमेंकरेजो अपारक ॥ कहिउंपापणीतो मोटकी ॥ मेअंजणानेनरायोरेभरइमभारक ॥ १२० स० हिवेसालानीसुतारेनाइनहि ॥ तिणनेपवनजीकिधीछे पोतमभारक। कहेथारी भूवाजीस्यूंकरे ॥ तिरुदनकरीने बोलीतिणवारक ॥ मातपितानेसंघवसइ ॥ सगलाईको बोछेकर्मचंडालक ॥ आंगणनरायोअदिमहि ॥ कहंकसु णोनेकाढीततकालक ॥ १२१ सती० ॥ एहवाअवनसुणी वासअतणा ॥ पवनजीदूरफेकदीधोछेयालक ॥ मर्हेद्रराय पणामेंआयपड्यो ॥ तवमंत्रीकहेतूतोमूरखबालक ॥ कसं कसुधीकीधिनहो ॥ विगरविचारराकाढीरेबालक ॥ अक लमएउइहुछेताइरी ॥ कटुकवचणकह्यातिणवारक॥१२२ सतो० ॥ हिवेअरहसमंत्रीकहेपवमने। बोलेछेसुपथ्यकोएह वीवायक ॥ उठोस्वामिकिमबेसोरह्या ॥ अंजणानीपवरक रांवेगाजायक ॥ मूरछेकिअथथाजोसती ॥ सुपदुखमोगवे छेकिणठामक ॥ एहवावअणसुणीमंत्रीतणा ॥ अंजणाने टूसुजोवासास्याछेतामक ॥ १२३ सती० ॥ अयमहिन्दर राजापिणसाथेहुवो ॥ बलेपहलाद्रायआयोतिकेसायक वलेमाता पणआइछेरोसती ॥ सांभलपुत्रएकमाइरीबा तक ॥ अर्दे पवरकरास्यांअंजणातणी ॥ थेतोमावोनिजन गरमभारक ॥ नारोकाजसाजछोडोमती ॥ पवणजीनहो मानीवातलिगारक ॥ १२४ सती० ॥ तवअनेकविमाण चलावीया ॥ वलेसूरमापुरुषफेरआसवारक ॥ ठांमठांमे जोवेअणणाभणी ॥ सुपसुनोकेछेमवणअभारक ॥ जोसती साभेतोजीवसु ॥ नहीतोअकालेकरदेसुजीकालक॥ देस परदेसफीरतांथका ॥ अजणासुणीछेनिजमोसालक ॥

१२५ ॥ जमपवणजोवाल्याग्रागलै ॥ माहैग्रावैजीसगली जीसायक ॥ जवयसक्तमालायैपवनजोमेउतप्यो ॥ कंवर्म अणामैग्राव्यौछैतुमतणोनायक ॥ जवमंजणाभायणा येपडि ॥ पोलामेंवेसाड्योहगवंतकुमारक ॥ १२६ सती० वसंतमालाग्रायपाएपडि ॥ ईयाचुभिडिछैपवनकुमारक ॥ कहोमियादुपतुमकिमसह्या ॥ किमसहोमा हेरिमायनीमारक ॥ किमकरीवनफलवीणिया ॥ किम करीरहीवनहमझारक ॥ - किमकरीकालगमावियो ॥ किमकरीपाल्योहणवंतकुमारक ॥ १२७ ॥ सती० ॥ सांमीजीग्रापकटकमेपधारीया ॥ सासरैपीहरम्हाने दीयोजीछेहक ॥ तिणसुतोमैवनमैगई ॥ वनफल भष्यनेकाढ़ीयादीहक ॥ तिहासोटामुनिवरभेटीया ॥ वलेदेवताकीघीछैहमतणीसारक ॥ सातदिवसघरसपा जतां ॥ मांमोमेंईग्रायोईणनगरमझारक ॥ १२८ सती० वलेवसन्तमालाग्रानेग्रंजणा ॥ पवननेवोलेछैजीमधुरीवा णक ॥ ग्रापकीमकटकमेसचराा॥ किमसहोराजावरण नावाणक ॥ जबपवयणकुमारइमकहै ॥ मेंवरुणराजानु कीयोजुहतेयक ॥ जवयावलागतिसाजाकुवा ॥ जीतफती करग्रायोछुएयक ॥ १२९ सती० ॥ हिवग्रंजणासतीति णग्रवसरे ॥ सासुसुसराने लागीजीपायक ॥ जवहुसरो ग्राव्याग्रांसुभरै ॥ मेंकलंकदेइनेकीधोणीग्रन्यायक ॥ ग्रं जणापायेमलोकहै ॥ वापमोकेमकरोछोविलापक ॥ द्रोसम तीछैतुमतणो ॥ पोतैछैग्राहरानीहकापायक ॥ १३० स० वलेमातापितासुजायमिली ॥ भाईभोजाईसुग्रतिघणो नेहक ॥ मातपितातिरोमैघणा ॥ ग्रंजणामातपितानेकहैछे

तैहक ॥ येचिंताकरोकिणकारणै ॥ पोमिकैजीमाहरैबोह
तोपीपक ३० सतोने० ॥ तिणकारणमेदुखभोगव्या ॥
मूलनेकरजोकोदूसंतापक ॥ १३१ स० ॥ हिवैहणूपाटण
चालीया ॥ अंजणानैमामैआपीघणीआयक ॥ साथैआ
योपेहुचायआ ॥ चतुरंगणीसेनासूंसायक ॥ साथैतोप
रणोअतिघणो ॥ रतनपुरीआयामोटैमंडाणक ॥ उछरंग
मनआंणैअतिघणो ॥ घरघरवरत्याछैकोडकल्याणक ॥
१३२ सतो० ॥ हिवसोखदेईमामाभणी ॥ अंजणासतीने
पवनकुमारक ॥ सुखभोगवेसंसारना ॥ माहोमाहिलगी
रहीप्रीतिअपारक ॥ कालकितोकगयापछी ॥ राजारा
णोधारोजोग्योसंसारक ॥ राजदेईपवननीभणी ॥ मोटै
मंडाणसीधौसंजमभारक ॥ १३३ सतो० ॥ पवणनरिंद
रायमोगवै ॥ अंजणारांणीसुहेतविसेषक ॥ हणवंतकुमर
विद्याभणै ॥ वानरीआदिविद्याभणीअनेकक ॥ चतुरविष
त्रणअतिघणो ॥ देसविपरदेसमेहुवोजीविष्यातक ॥ वसं
तमालारोमानवधारीयो ॥ सगलाईपुछेकरेतेहनेवातक
१३४ सतो० ॥ हिवहणरागातिणअवसरै ॥ आपणा
पुत्रनेजाणीसजोरक ॥ मनमाहिधरैअतिअभिमानक ॥
तिणसंकोमणोदूतभोकल्यो ॥ जोथारैमुझकरवातणोभा
वक ॥ तोवेगासुभटदलमोकलो ॥ तुम्हेएकरसुणोमेसुभ
आयक ॥ १३५ सतो० ॥ रावणसेनामेलीमणी ॥ एकते
डोमेल्योरतनपुरीमाहिक ॥ जबपवणरायजायानेसज
हुवा ॥ जबहणवंतकुमारबोलैएहवोवायक ॥ कहैमाटका
माहिलजावसु । जबअंजणापवणणीकहैछैआमक ॥ प्रभतू
थांनेवालकअछै ॥ कटकमाहैनहीतांहरोकामक ॥ १२६

सती०॥ हणमंतहठकरचालीयो ॥ महेटपुरीआवनि योणीमिलाचक ॥ तीनपहरतम्मयाकस्यो ॥ वधमबांध्यो नानानेआयक ॥ सुरसेनराजाआमस्याबीयो ॥ बंधवछो डिनेकीयोजीपरणामक ॥ कईमाहरीमातानेंराणीनहो तियाकारणमेंआयकियोसंग्रामक ॥ १२७ सती ॥ हिवह णवंतआयोसंकामध्ये ॥ साहमोआयोछेंगवबरायक ॥ हणमंतकुमारनेंदेपनें ॥ रावणपामीयोअतिहरषआनं दक ॥ मोड़ोआलीनेंहणवंतनीकस्ती ॥ पिजापिसवाल्या अतिघणारायक ॥ साम्होआयोकटकघरप्रनो ॥ जुदकवो पणीमाहोमांहिक ॥ १२८ सती० ॥ रावणकीसैन्यादेषी करी ॥ सोपुमवरुणनाचास्यातिणवारक ॥ जुधकरवाला गातिणसमें ॥ खोडनावांणसुकेंजाणिअंगारक ॥ वस्तीगो सानेंवांणवहेमणा ॥ मामपाय|मड़ारजोधारक ॥ जवराव णकीसैन्याभासीगई ॥ सैठोउभोरह्योहणवंतकुमारक ॥ १२९ सती०॥ पणालोककहेहणवंतनें ॥ तुमातपितानें अलपावमोवासक ॥ तियासुतोमेंरणमेमेलियोकटकमें ॥ तूवरणसुगुदकीयांकारजासकोकासक ॥ असतोहणवंत हमकहे ॥ वरणनेंपुचमिलोप्रावजोसायक ॥ वातांकीधां सुंमवरनहोवसतयो ॥ पमरपड़ेरणमेवावराहावक ॥ १४० सती० ॥ वानरोविद्यासाधीकरी ॥ वानरसप कीयोतिणवारक ॥ वारेजोजनमेटआदिकहोता ॥ तेलेनाख्यामरणमीफोजमझारक ॥ कायावतुदसणि यावरुणमीफोजमें ॥ वसेसांसोपुछमिकरस्योतिणवा रक ॥ सोपुमवरणराणातस्यां ॥ यांवस्तीमपतिवपुछम झारक ॥ १४१ सती० ॥ वरणराजाकहेहणवंतनें ॥ तूं

थ।नरे।विद्या।नैमेलदेदूरक्क ॥ पछेणे।तपासजेरणविषे ॥ तो
हुंरु।धूर्त।नेसोटको।सूरक्क ॥ अवहणवंतविद्यामेलीवांनरो
मूलगोरूपकरीमिलैछैयाणक ॥ जववरणराजाइमचिंतवै
एवालकदीसैछैसाहामलवांनक ॥१४२सती० ॥ छिवैहव
वी।नैवरणराजाचठोयो ॥ हणवंतकुमरसुसाडोंछैराडक
दोनूंजणा।हाथचालवैं ॥ तिहांसुष्टनावाजिरह्यापरहा रक
रावणरा।जातिणअवसरै ॥ हणमंतनेउपरकोयोहाथक ॥
जवहणवंतवरणराजाभणी ॥ वांधीनैनापदीयोरणमा
ह्विक ॥ १४३सती० ॥ हणवंतबंधणातोछुताहरा ॥ जोरा
वणराजारैलागेतूपायक ॥ जववरणकहैवितरागतेविना
औररापायवांदुनहोजायक ॥ चारित्रजेनीजाहरै ॥ तम
हणवंतवंधणातोछियातांसक । वरणलीयोचारित्रवैरागसुं
तिणरापुत्रनेराजदोसोराग्रणरायक ॥ १४४ सती० ॥ रा
वणहणवंतनैमसंसीयो ॥ तूसूरवणोथारीलघुणोवि धक ।
तेंसोटाराजानैछठावीयो ॥ रीझदेईघायोलकनरेसक ॥
परणाइभाणेजीआपणो ॥ सीपदेईसनजांनसतकारक
वलेहणवतमीटाराजातणि ॥ सपवंतपरएकहजारक ॥
१४५ सती० ॥ पवननरिंदराजभोगवै ॥ मानेतीराणीअं
जणानारिक ॥ वसन्तमालासुहेतअतिघणो ॥ वलेमान
तोछैहणवंतकुमारक ॥ तेसंसारनासुप्रभोगवै ॥ हणवंत
कुमरसहसनाराउसहितक ॥ रतनकडितमहिलांमक्षे
साहेभाहिलगीरहो अतिप्रीतक ॥ १४६ सती० ॥ छिव
कालफीतोकगयापछैं ॥ अंजणाचिंतमेंचितसभारक ॥
परभातेंराजानेंपूछने ॥ लेणोसिरोमणसंजमभारक ॥ इ
मचितवघाईराजाकनै ॥ हाथजोडीवोलीसिसनमायक

भाग्यादोखामीजीमोभणी ॥ चारित्रमेंईदीउधारलयपावक
१४७ सतो० ॥ भवरायकहैभ्रवणामयी ॥ कोइकटिगा
छोरांगोघरहमभारक ॥ ह्रियणापुनयालकअठे ॥ पछे
सायेलेश्राग्रापासजमभारक ॥ तवअमणाइतओहिबे
हूमकहे ॥ मोनैफालयिस्वासनहीलगारक ॥ तिणकारच
दिचालेस्युसही ॥ भवराजापिणसायैक्षवीछैतयारक ॥
१४८ सतो० ॥ ह्रिवैद्गणवंतकुमरनेतेडनें ॥ पवनजीवो
सोद्धैएहयीवायक ॥ अम्हेचारित्रलेसुयथरागसुं ॥ हव
वंतकुमररोयोभणोतायक ॥ पछेराजवेसाय्रौमोटेमंडाच
सु ॥ यसम्भमाछाग्रंभणापवनजीरायक ॥ भाग्यासेईहव
वंतकुमरनी ॥ तोरुंछोसिधोसंजमसुपदायक ॥१४९ स०
मासमासयमयाक्षीयोमारणो ॥ सरीरसुयायदुरवलकरी
कायक ॥ तीनारीनसांभालदीसैजूजूई ॥ हस्योंगाचाल्यो
घणीवेदनाथायक ॥ तोरुजनावेरागसुं ॥ प्यारआहार
पचखोकीधोसंथारक ॥ केवलग्यानउपायनै ॥ कर्मतोडि
गयासक्तिमभारक ॥ १५० सतोनैसिरोमणअजणाजी ॥
ग्रंथाग्रंथ १००० ॥ इति ॥

श्रीअंजणासतीरोरास
॥ संपूर्ण ॥

श्रीं नमः

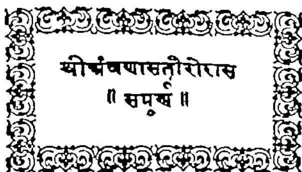
॥ सिझाय लिख्यते ॥



(ढाल) जगदारिनंदनगुणनिलोरे (एदेशी) कायारेमा याकारमीरे ॥ संध्यारंगसमान ॥ पिनइकमेंपिरजायगारे भंजलीजलजिमजानोरे ॥ १ ॥ धरमसदाधरो ॥ धरमति उतरेपाररे ॥ धरमसदाकरो (आकणी) जिमपंछीतरु निसवसे रे ॥ प्रातसविउड़िजाय ॥तिमएजीवकायाथिमेंरे थितपूरेनरहायरे ॥ २॥ ध० ॥ जीवदयागुणवेलड़ीरे ॥ तिलुभधारोचित्त ॥ असतवचननविभापियेरे वोलनयारय नित्तरे ॥ ३ ॥ ध० ॥ विनदीयेनविलीजियेरे ॥ कचनकि यानिजहाय ॥ पंचविषेसुपत्यागीयेरे ॥ तोपावेशिवनाथोरे ४ ॥ ध० ॥ परिग्रहममतासवितजोरे ॥ समताकरसुप होय ॥ इहसिष्याचेतनधरेंरे ॥ मतविसरोनरकोयरे ॥५ ध० ॥ इति सिझाय ॥

(ढाल) मयधंताकी (देशी) पालीउदरसुंअवतरे नरप्राणीरे ॥ आवेपालीपाप ॥ सुनज्ञानीरे ॥ भूलोमत संसारमें ॥ न० ॥ मतकरजोकोइपाप ॥ सु० ॥१॥ जीव दयागुणवेलड़ी न० ॥ धरजोचित्तमझार ॥ सु० ॥ षट कायामतिपालिये ॥ न० ॥ पंचमहाव्रतधार ॥ २ सु० ॥ क्रोधमानमायातजो ॥न०॥ लोभनकीजेलिगार ॥ सु० ॥

भाग्यादोखामीजीमोभणी ॥ चारित्रलेईदेउकरमखपावक
१४७ सती० ॥ जवरायकहैअंजणाभणी ॥ कोइकदिनर
होरांवीधरहमभारक ॥ छियणानुभयालयकअच्छै ॥ पछै
सार्थैलेस्याआपांसंजमभारक ॥ तवअंजणाइतऔडिगै
दूमकहै ॥ मोनैकालबिस्वासनहीलगारक ॥ तिणकारण
दिष्यालेस्यु सही ॥ जवराजापिणसाथैऊमोछैतयारक ॥
१४८ सती० ॥ हिवैहणावंतकुमरनेतेडनें ॥ पवनजीवो
लैछैएहवीवायक ॥ अम्हे चारित्रलेसुवयरागसुं ॥ हण
वंतकुमररोयोघणोतायक ॥ पछैराजवैसाण्योमोटैमंडाण
सु ॥ वसन्तमालाअंजणापवनजीरायक ॥ आग्यालेईहण
वंतकुमरनी ॥ तीनुंहीलिधोसंजमसुपदायक ॥१४९ स०
मासमासषमणकीयोपारणो ॥ सरीरसुपायदुरवलथरी
कायक ॥ तीनारीनसाआणदीसैजूजूई ॥ हल्यांहाथाल्यां
घणीविदनाथायक ॥ तीनुजनावैरागसुं ॥ च्यारुंआहार
पचखीकीधोसंथारक ॥ कीवलग्यानउपायनै ॥ कर्मतोडि
गयासुक्तिमझारक ॥ १५० सतीनैसिरोमणअंजणाजी ॥
ग्रंथाग्रम १००० ॥ इति ॥



ओं नमः

॥ सिझाय लिख्यते ॥

(ढाल) जगदारिनंदनगुणनिलोरे ...
याकारमीरे ॥ संध्यारंगसमान ॥ ...
पंजलोनतमिमजानोरे ॥ १ ॥ ...
उतरेपाररे ॥ धरमसदाकरो (...
निसदसे रे ॥ प्रातसविद्वहि ...
धितपूरेनरछायरे ॥ २॥ ध ...
सेतुमधारोचित्त ॥ धसतद ...
मिसरे ॥ ३ ॥ ध० ॥ ...
धनिणछाथ ॥ पंघ ...
४ ॥ ध० ॥ प ...
छोय ॥ इ ...
ध० ॥ इ ...

...॰नि
...॥लिये
...व्ययगुन
...तडी ॥जो
...लतपभायना
...ापमें ।पावोभव
...कारिमा॥पिरतन
...थरनछो॥तिमरमणी
...हिसुपसाखता ॥ तोम
...नतासुद्धकीजिये ॥ पावैम
॥ इति सिझाय ॥
गाथा (एदेशी) पंचलचितव
...जैरेध्यांन ॥ निणपटकीपटपोसिये
तूमतम्बूकीरेमाणिया ॥एसंसारअसार
...आ ॥ स्वारथकीपरिवार ॥ तूम० १ ॥ तन
... ...रंगसमान ॥ पिमइकमीपिरजाय
... तू० २ ॥ मातातरुणारेइहमे
...तूरेपोयकी । पडुकरसीमच्छि
...नियै ॥ नहिंछूटेगोरेरो
...टेरेकीय ॥तू०५॥
... ॥ चेतनतासुध
... इति सिझाय ॥

अदत्तादांनचोरीतणो ॥ न० ॥ परिहरोविषयविकार ॥ सु० ३ ॥ परिग्रहममताछोडके ॥न०॥ समतासुंकरप्रीत सु०॥ मोक्षनगीउपदेशको ॥न०॥ साधनकी ईकरीत ४ ॥ कुमतदुराचारनीवारे ॥न०॥ धनधनतीअणगार। सु० चेतनतासुद्धहोयके ॥न० ॥ पावेभवनापार ॥ सु० ॥५॥

॥ इति सिझाय ॥

(ढाल) नणदलनीदेशी) गिरवागुनगुरुदेवनो ॥गुरुस मप्रयरनयोय ॥ साहिब ॥ सूरपक्षुपंडितवारे ॥ गुरुबिर पोासवहोयसाहिब ॥ १गि० ॥ गुरुदीवोगुरुदेवता ॥ गुरु सुंपावेग्यानसाहिब । यहनिसगुरुपदसेवीये । जगमेंवाम यान ॥ साहिब ॥२॥गि०॥ गुरुबिनधरमनसूझतो ॥ गुरु यतावेधर्म ॥सा०॥ जीवाजीवविचारना ॥ गुरुसु पावेमर्म सा० ३ ॥ गि० ॥ सूत्रअरथसिद्धांतनो ॥ भावेगुरुपरसार सा० ॥ गीतारथसमझनकहे ॥ नकरेंवादविवाद ॥ सा०४ गि० ॥ अवगुनपरिहरगुनग्रहो ॥ सुगुरुसीपसमझाय ॥ सा० ॥ बलहारीगुरुदेवकी ॥ चेतनलागेपाय ॥ सा० ५ ॥ ॥ गि० ॥ इति सिझाय ॥

ढाल) मछितपुरन० (एदेशी) घटघीपटघोलोप्राणी ॥ मतविसरोगुरुकीवाणी ॥ घरघरमतडोलेभाई ॥ जिनवा तमसुंपरचेसाई ॥ १ ॥ तुंकमेंहैतेराप्यारा ॥ तुंमतजानें कछुंन्यारा ॥ आमदृष्टसुदिखदेखो ॥ आपमेंआपसदा पेखो ॥ २ ॥ परसंगतकोछोडोमाया ॥ फिरमछिपावेमल, पाकाया ॥ मातपितासुतमिणदारा ॥ सबहैसारथकेपरि, वारा ॥ ३ ॥ धनजोवनथिरनाहिरहे ॥ जिमकरअंजुली नीरवहे ॥ बहुतीभवकरघोलीणे ॥ गिरवागुरुकीसेवाकी)

णे ॥ ३ ॥ तपजपकीमहिमाभारी ॥ मतविसरोकोइनर नारी ॥ आतमसिध्याजोजनगावै ॥ सुधचेतनाअविचल पावे ॥ ५ ॥ इति सिझाय ॥

ढाल) जगजीवनजगवालहो (एदेशी) नारीनेहनि वारियै ॥ भारीनकीजैकर्मलालरे ॥ चितचोषिव्रतपालियै सीलसमोनहिधर्मलालरे ॥ १ ना० ॥ अपलंछनअयगुन भरी॥अनुचअपावनदेहलालरे॥ भूलनकोजैप्रीतडी ॥जो चाहे सवगेहलालरे ॥ २ । ना० ॥ दांनसीयलतपभायना मारगमुक्तकीच्यारलालरे । तेघरज्योचितआपनें ।पावोभव नोपार ॥लालरे ॥३ना०॥ तनधनजोयनकारिमा॥पिरतन लागेवार॥लालरे ॥ जिमअंजुलिजलथिरनहो॥तिमरमणी मोप्यारलालरे ॥ ४ ॥ ना०॥ जोचाहेसुपसास्वता ॥ तोम ततजियेसील ॥ लालरे ॥ चेतनतासुद्धकोजिये ॥ पावेअ विचलमोललालरे ॥ ५ ना० ॥ इति सिझाय ॥

ढाल) करमनछूटेरेप्राणिया (एदेशी) चंचलचितव सकीजियै ॥ थिरमनकोजेरेध्यांन ॥ निजघटकीपटपोलियै उपजेकेवलज्ञान ॥ तूमतचूकेरेप्राणिया ॥एसंसारअसार मातपितासुतबंधवा ॥ स्वारथकीपरिवार ॥ तूम०१ ॥ तन धनजोवनकारिमा । सन्धारंगसमान ॥ पिनइकमेपिरजाय गा ॥ धूमांधवलारेजांन ॥ तू० ३ ॥ बालातरुणारेइमे तूनहिचेतेरेआप । तीणोपणतूंरेपोयको । वहुकरसीपछि ताप ॥तू०४॥ हसिहसिकरमनवांधियै ॥ नहिंछूटेगोरेरो य ॥ आपकियाफलपावसी ॥ अवरनवाटेरेकोय ॥तू०५॥ जोसुपचाहेरेआतमा तोसमतागुनधार ॥ चेतनतासुध होयके ॥ पालेंसुकतमभार ॥ तू० ६ ॥ इति सिझाय ॥

ढाल) म्ह मतजिनंदसुं प्रीतडी (एदेशी) छोडिवेबाव विकारको। मतकरजोहोरूं क्रोकोसुखकिं।विषयनसुंबरा चिया॥ तेपावैहोदुरगतनोदुखकिं॥ १छो०॥ सोलमपू णामानमो॥ जिहांणायेहोपावैहोपावैश्रामद्कि॥इहभव परभवसुपसह्हे॥जिनमैग्याहोकरमोंकिफटकिं॥ २॥ छो० मदनमलोभगणानियै। तिन्हेजीतोहोममताकविडूरकिं। समतासुंकरिप्रीतडी॥ मनगमताहोपावैसुपपूरकिं॥ ३ छो०॥ तनधनजोवनथिरनही॥ मतभूलोहोम्रांथोसंसा रकिं॥ इहसुपजानोकारिमा॥ फिरनाहोहोमानवभव तारकिं॥ ४॥छो०॥ जोनछिवेतिश्रापको॥ तेपोवैहोभव नोसत्रिकाणकिं॥ चेतनतासुधकीजियै॥ तवपावैहोभवि चलसिवरार्णकिं॥ ५॥ छो०॥ इति सिझाय॥

ढाल० (जोहोकोदेशो) जोहोजगमेंजसकरलोजिये जोहोपोजैसमतानीर॥ जोहोमायाममतापरिहरो॥ जो होमनमेंरायोधीर॥भविकजन०॥धरमसयकसुपकार॥१ जोहोपालोमनवचकायसुं॥जोहोटालोविषयविकार॥२ भ०॥ जोहोजीवदयानितपालिये॥जोहोसुखमयादरजांन जोहोवसतवचनमहोंबोलिये॥ जोहोमतलेचदतादांन ३॥भ०॥ जोहोमैथुनपरिग्रहपरिहरो॥ जोहोराजीभोज नटार। जोहोतपजपसयमकीजियै। जोरे।पावैभवनोपार ४॥ भ०॥ जोहोचेतनतासुधहोयकी जोहोपजचेभवि चलथाम॥ जोहोइहसिघ्याजोमनधरै॥ जोहोपावैश्रमु भवधान॥ ५॥ भ०॥ इति सिझाय॥

ढाल (सजनाकोदेशो) भ्हुठवचनजविमोलिये॥ भूठ मेंदोषअपारसजना॥ भूठेकोश्रादरनकों॥ साचाउतरे

पारललना ॥ १ ॥भू०॥ जिह्वाजावैनरभूठडा ॥ पावैबहु अपमानललना ॥मोलयथारथत्रीलिये ॥ तोहोवैकल्यानल लना ॥ २ भू०॥ क्रोधमानमायाकरै ॥ भूठालोभीहोयल लना ॥ तेहनोअपजसलोकमें ॥ तेजानेंसहुकोयललना ॥ ३॥भू०॥इहभवपरभवदुपनहो॥ भूठादुरगतजायललना मिथ्रापरिहरप्राणिया ।सुपपावैअधिकायललना ।४भू० सुरनरइंद्रसेवाकरें ॥ जगमेंसाधैनामललना ॥चेतनतासु धकोजिये ॥ पावैअविचलधामललना ॥ ५ ॥ भू०॥ इति सिद्धाय ॥

ढाल) भोलुडाहंसाविपयनराचीयें (एदेशी) नरतुम समझोआपाआपमें । परसङ्गतकरदूर ॥ निजघटदेपोसुधे आतमा ॥ उपजेंसुषभरपूर ॥१॥ न० ॥ आदिअनादिनि गोदेंजीवडा ॥ भमियोकालअनंत । पूरवपुन्यउदेमानवभ यो ॥ चूकैमतगुनवंत ॥ २न०॥ तनधनयोवनसहुसुपका रिआ ॥तू निहचैमनजांन ॥परमातमसुंरापोप्रीतडी ॥जो तूहोयसुजान ॥३ न०॥ जबतुमपावैआपसरूपकों ॥तीनों वेदमिटाय ॥ अखुभवसुखतुमपावौसास्वता ॥वसिकरिमन वचकाय ॥४न०॥ फिरनहिजगमेंआवैप्राणिया ॥ भवभव फेदुषजाय ॥ अविचलपदपावैसुधचेतना । अन्तरध्यानल गाय ॥ ५ ॥ न० ॥ इति सिद्धाय ॥

ढाल) आपाडमूतअणगारजीरे (एदेशी) टेकनको होपुन्यकोरे॥निरपोआपसरूपरे (चतुरनर)परसंगतनहि कीजियेहोलाल ॥ निजघटकेपटपोलियेरे॥देपोअगमअनु परे ॥ चतुरनर) परमपुरुषपरमातमाहोलाल ।१॥ पचम हामतआदरोरे । पालोनिरतीचाररे ॥च०॥ जीवदयाचि

तधारियेहोलाल ॥ असतवचनविमोसिमेरे ॥ लागेदोष अपाररे ॥ च० ॥ अठारादामभोगीतणो होलाल ॥ ३ ॥ विषयविकारकुंजीतियेरे ॥ पंचइंद्रीवसआनरे ॥ च० ॥ परिग्रहममताछोडियेहोलाल ॥ पंचसुमतमनमेंधरोरे ॥ तीनगुपततूजानरे ॥ च० ॥ अष्टप्रवचनमाताभलीहोलाल ३॥ तपजपसंयमसाधनारे ॥ कोजेमनवचनकायरे ॥ च० सुधहोयनिजआतमाहोलाल ॥ भावेसिवसुपसासतारे भवभवकेदुखजायरे ॥ च० ॥ ध्यानदमंगलरूपणेहोलाल ४॥ इहसिष्यानरसानियेरे ॥ सटगुरुयाइसमभायरे ॥ च० चेतनतासुधकीजियेहोलाल ॥ धरमकरोनरनारियारे ॥ दुपसंकटसविजायरे ॥ च० ॥ सुषसंपतिविलसेसदाहोलाल ॥ इति सिझाय ॥

ढाल) सनेहिकीदेशी) ठीकरपोमनआपनो ॥ चंचल चित्तनिवार ॥ सनेही ॥ ध्यानकरोनिजआतमा ॥ एक सरूपविचार ॥ सनेही ॥ १ ठी० ॥ मीजीदुविधाछोडिये तीनोधरमसभाल ॥ च्यारकषायनेंपरिहरो ॥ पांचविषय सुषटाल ॥ २ ॥ ठी० ॥ षटकायाप्रतिपालिये ॥ सुषम बादरजांन ॥ स० ॥ सातविसनकोत्यागिये ॥ जगमेंबाधि थांन ॥ स० ॥ ३ ॥ ठी० ॥ आठोंमदनविरायिये ॥ लागे दोषअपार ॥ नवमेंसीयलसुधामणो ॥ तिपालोनरनार ॥ स० ॥ ४ ॥ ठी० ॥ दसमोधर्मसदाधरो ॥ साधनकीइह रीत ॥ चेतनतासुदहोयके ॥ भविजनकीजेमीत ॥ स० ५ ॥ ठी० ॥ इति सिझाय ॥

ढाल) इढनमदपनेंबंदना) एदेशी) कोकोमति संसारमेंऊबारी ॥ थिरम

डो० ॥ मात पितासुतभधवाकुंवारी ॥ वनितासङ्गपरिवा
ररे ॥ कुंवारीलाल० ॥ एसविस्तारथीमानियेकुंवारी ॥
कोइनचालैलाररे ॥ कुंवारीलाल ॥२॥ डो० ॥ तनधनयो
वनकारिजा॥कुंवारी० । सन्धारंगसमानरे ।कुंवारीलाल०
पिनइकमेंपिरजायगा ॥ कुंवारी ॥ समभ्कोआपसुजानरे
कुंवारीलाल० ॥३॥डो०॥ तपजपसंजमकीजिये ॥कुंवारी
नेमधरमचितलायरे ॥ कुंवारीलाल ॥ तोसुखपावैआत
मा०॥ कुंवारी ॥ जनममरनदुखजायरे ॥ कुंवारीलाल ॥
डो०४॥ फिरनहिजगमेंअवतरै ॥कुंवारी॥ पावैअविचल
धामरे ॥ कुंवारीलाल ॥ चेतनतासुभहोयकैकुंवारी॥सारे
आतमकामरे ॥ कुवारीलाल ॥ ५ ॥ डो० ॥ इति ॥
सिझाय ॥

(ढाल) धनराढोला (एदेशी) ढाखधरमकरलीजि
येरे ॥ खडगत्वभाषितधार ॥ मननामान्या ॥ मोक्षमली
जगजानियेरे ॥ तिणसुंतूअतिप्यार ॥ गुननागेहा ॥ १
हंसकरोजुद्रमोहसुंरे ॥ जीतीतोसुखहोय ॥ म० ॥ जो
हारैभयमेंपडैरे ॥ तेजानेंसङ्गकोय ॥ गु० ॥ २ ॥ पुन्य
उदैजियजीतियोरे ॥ आगेमोहमिथ्यात ॥ म ॥ मोक्षन
गरमेंआयकैरे ॥ जीतैवैरीसात ॥ गु० ॥ ३ ॥ केवलपद
कोसंपजैरे ॥ विलसेसुखअपार ॥ म० ॥ निरभयरूपसुहा
मणोरे ॥ सिवसुंदरीभरतार ॥ गु० ॥ ४ ॥ अविचलकी
लातिहसुंरे ॥ कीवकरैदिनरैन ॥ म० ॥ चेतनचेतो
आपकोरे ॥ तोपावैसुखचैन ॥ गु० ॥५ ॥ इति ॥
सिझाय ॥

(ढाल) मोतीडाकीदेशी) नागाआवैनागाजावै

तधारियेहोलाल ॥ असतवचनविमोसिवेरे ॥ चारीराव अपाररे ॥ च० ॥ अदत्तादानचोरीतणोहोलाल ॥ २ ॥ विषयविकारकुंणीतियेरे ॥ पंचइंद्रीवसआनरे ॥च०॥ प रिग्रहममताछोडियेहोलाल॥पंचसुमतमनमेधरोरे ॥ तो नगुपततूजानरे ॥ च० ॥ अष्टप्रवचनमाताभलीहोलाल ३॥ तपजपसंयमसाधनारे ॥कीजेमनवचनकायरे ॥ च० सुद्धहोय निजआतमाहोलाल ॥ पावेसिवसुखसासतारे अवभवकेदुपजायरे ॥ च० ॥ आनदमंगलजपनेहोलाल ४॥इहसिष्यानरमानियेरे ॥ सदगुरुकहेसमझायरे ॥च० चेतनतासुधकीजियेहोलाल ॥ धरमकरोनरनारियारे ॥ दुपसंकटसविजायरे ॥ च० ॥ सुपसंपतिविलसैसदाहो लाल ॥ इति सिझाय ॥

ढाल) सनेहिकीदेसी) ठीकरपोमनआपनो ॥ चंचल चित्तनिवार ॥ सनेही ॥ ध्यानकरोनिजआतमा ॥ एक सरूपविचार ॥ संनेही ॥ १ ठी० ॥ मीणीदुविधाछोडिये तीनोंधरमसमाल ॥ च्यारकषायनेंपरिहरो ॥ पांचविषय सुपटाल ॥ २ ॥ ठी० ॥ षटकायाप्रतिपालिये ॥ सुक्षम बादरजांन ॥ स० ॥ सातविसनकोंत्यागिये ॥ जगमेंवांधे थांन ॥ स० ॥ ३ ॥ ठी० ॥ आठोंमदनविराधिये ॥ लागे दोषअपार ॥ नवमेंसीयलसुद्धामणो ॥ तिपालोनरनार ॥ स० ॥ ४ ॥ ठी० ॥ दसमोधर्मसदाधरो ॥ साधनकीइह रीत ॥ चेतनतासुद्धहोयवी ॥ अविचलकीजेंमीत ॥ स० ५ ॥ ठी० ॥ इति सिझाय ॥

ढाल) हंडमभरपनेमेंदमाऊ मारी (एदेसी) कोबोमति संसारमेंभ्रमारी ॥ थिरमनकीजेध्यानरिहु मारीलाल ॥ १

ढाल) रामचन्द्रकेबाग ॥ चम्पामोररह्योर (एदेशी)
थिरमनकोजेध्यांन ॥ चलचितदूरकरोरी ॥ तोपावेसुखपू
र ॥ मायाममतहरोरी ॥ १ ॥ ईहसंसारमतकोइध्या
यपरोरी ॥ दानसीयालतपभाव ॥ निश्चैचित्तधरोरी ॥ २
निजघटनिरषोआप ॥ आतमरामपरोरी ॥ परमातमसुं
मीत ॥ करमनकाजसरोरी ॥ ३ ॥ कोज्योधरमविचार ॥
पुन्यसुंपापटरोरी ॥ दुरमतकोजेदूर ॥ विषयसुंआपड
रोरी ॥ ४ ॥ इहसिध्यामनधार ॥ घटविचध्यानभरोरी ॥
चेतनताकरसुद्ध ॥ भवजलआपतरोरी ॥ ५ ॥ इति ॥
सिझाय ॥

ढाल) रसीयाकीदेशी) दानसीयलतपभावसदाधरो
जिनसुंपावैहोपार ॥सुग्यानी॥ क्रोधमानमायासङ्गपरिह
रो ॥ लोभतीवांधिहोभार ॥ सुग्यांनो ॥ १ ॥ दा० ॥ मोह
ममतनहिराषिये ॥ चाषियेसमताहोनीर ॥ सु० ॥ चंच
लचपलाचितनितत्यागिये ॥ निजमनकीजेहोधीर ॥ सु
२ ॥ दा० ॥ तनधनजोवनजानोकारिमा ॥ थिरतनलागे
होवार ॥ सु० ॥ जिमकरचंजुलिनीरषटैसदा ॥ विषयसु
पदीजेहोटार ॥ सु० ॥ ३ ॥ दा० ॥ थिरमनध्यानकरो
निजआतमा ॥ घटपटघोलोहोआज ॥ सु० ॥ जनमनरंज
नभंजनकरमको ॥ धरमसुंसारेहोकाज ॥ सु० ॥ ४ ॥
दा० ॥ निरभैपदसिवसुपनितसासता ॥ अविचलपावै
होराज ॥ सु० ॥ चेतनताचितसुधकरलोजिये ॥ तौर
हैतिरोहोलाज ॥ सु० ॥ ५ ॥ दा० ॥ इति सिझाय ॥

ढाल) दीठो होप्रभुदिठो० (एदेशी) धरयोहोभविध

थिरपद्योपुन्येनरपावै ॥ साहिबाजीवप्याराहमारा॥ मोहनाजीवप्यारा॰॥जोग्रमकेतुमचेतोभाई ॥तोपावैभवि चलठकुराई॥सा॰॥मो॰॥ १ ॥ क्रोधमानमायातज दीजे॥ लोभलहरकोसङ्गनकीजै॥सा॰॥मो॰॥ दांन सीयलतपभावनाभायो ॥ अगमअगोचरलीलापायो॥ सा॰॥मो॰॥ गिरुयागुरुकिसिक्षामानो॥ तनधनजोव नकारिमाजानो॥सा॰॥मो॰॥ बालतरुणहृद्धनमअनंता अन्तकालसमभोगुनवंता॥सा॰॥मो॰॥३॥ जोअवकेतूजा पसंभारै॥ निजघटकेपटपोलनिहारै॥ सा॰॥मो॰॥ दि व्यनैनसुं आतमदेपै ॥ अभिन्नरपरमातमपेपै ॥ सा॰॥ मो॰॥ ४॥ अलपअरूपीसाहिबमेरा॥ पारनपावैकोई तेरा॥सा॰॥मो॰॥ चेतनतासुधकीजैप्राणी॥ मतवि सरैगुरुजनकीवाणी॥ सा॰॥ मो॰॥ ५॥ इति॥ सिझाय॥

(ढाल) निरषिनिरषितुझबिंबने (एदेशी) तनधनजो बनकारिमा॥ जातनलागेबार॥भविकजनसांभलो॰॥ अ मादिकालभमतोफिरै॥ नहिपावैभवपार ॥ भवि॰॥ १ पूरबपुन्यउदैभई ॥ पायेमानवदेह ॥ भ॰ ॥ उत्तम जैनधरमचलो॥ परमातमसुं नेह॥भ ॥२॥ अविच लआतमसुधमिलै॥ उपमैअरुमवर्ग्यान ॥भ ॥ जीवद महिमासुरकरै॥ जिनजीकोमिजध्यान ॥ भ ॥ ३॥ धरमसुकलदोयध्यानमें॥ सुधपावैभवपार ॥भ॰॥ आ रितरौद्रपरिहरो॥ तोछूटैसंसार॥भ॰॥४॥ सुगुरुसी षमनमेंघरो॥ नरनारीचितलाय॥भ॰ ॥ चेतनतासुध कीजियै॥ भवभवकेदुखजाय॥भ॰॥५॥ इति सिझाय

सीयलतपभावनाजी ॥ उत्तममारगच्यार ॥ चेतनतासुध कीजियैजी ॥ तौपावैभवपाररे ॥ जि० ॥ ५ ॥ इति ॥ सिझाय ॥

ढाल) जैजैऋषभजिनेस्वरस्वामी (एदेशी) पापकर मतजिदौजैप्राणी ॥ पावैभवनोपारजी ॥ पुन्यउदेनरजनम जोपायो ॥ ललभूलोसंसारजी ॥ १ ॥ पा० ॥ दानसौय लतपभावनाभावो ॥ मुक्तीमारगच्यारजी ॥ पंचमहाव्रत सुद्दपालो ॥ टालोदूखनअढारजी ॥ २ ॥ पा० ॥ सर्वजी वकीरष्याकीजै ॥ सुछमयादरकायजी ॥ निरपनिरपध रनोपगदीजै ॥ कसणावंतसुनिरायजी ॥३पा०॥असतअद त्तामैथुनत्यागो ॥ ब्रम्हव्रतसनवीरजी ॥ परिग्रहमूर्छाल मतनरायो ॥ पापोसमतानीरजी ॥ ४ ॥ पा० ॥ चेतनता सुधकरनोधारे ॥ सारैआतमकाजजी ॥ गुरुजनकीसिष्या जोआनैं ॥ विलसैअविचलराजजी ॥ ५ ॥ पा० ॥ इति ॥ सिझाय ॥

ढाल) मुनिमनसरवरहंसलो (एदेशी) फरसइंद्रीव सगजपड्यौ ॥ तेढोवैवजभारोरे ॥ ग्यानहीनपङडोलतो कर्मरूपयङचारोरे ॥ १ ॥ फ० ॥ रसइंद्रीजिन्हातणी ॥ मीनहरेनिजप्राणोरे ॥ तेतुमजोतोप्राणिया ॥ परमातम गुनजाणोरे ॥ २ ॥ फ० ॥ भमरसुवासैलोभियो ॥ घ्रांण इंद्रीरसमातोरे ॥ दुखसंकटमहुपावतो ॥ कमलमिलेजव रातोरे ॥ ३ ॥ फ० ॥ घ्रांघनकीरससुंमलें ॥ ॥ दीपकमा पतगोरे ॥ कुरंगश्रवणरसमोहियो ॥ सुरनादयिपैउमं गोरे ॥ ४ ॥ फ० ॥ इकइकइंद्रीसेवती ॥ पावैदुख्यअनंत

रयोनिजघटआप ॥ आतमहोभविआतमराममहाप्राणा जी ॥ करयोहोभविकरयोअंतरध्यान ॥ पावेहोभविअनूपावेजनभावणाजी ॥ १ ॥ परसुंहोभविपरसुंगतकरिमीत ॥ जानोहोभविजानोकायाथिरनहोजी ॥ जिणसेहोभविजिणसेपुद्गलरूप ॥ थिरनहीहोभविथिरनहीइहदेखाकहोजी ॥२॥ भरमेहोभविभरमेकालअनंत ॥ अवसेहोभविअवसेपुन्यउदैभईजी ॥ उत्तमहोभविउत्तमनरअवतार ॥ दुरमतिहोभविदुरमतिसहुदूरेगईजी ३ ॥ आनंदहोभविआनंदउपज्याआज ॥ विलसैहोभविविलसैविवसुपसाखताजी ॥ अविचलहोभविअविचलपायोराज ॥ फिरनहीहोभविफिरनहीजगमेआवताजी ॥ ४ ॥ सोधेहोभविसोधेसुकतअम्मार ॥ पंचमहोभविपंचमगतपासेपरेजी ॥ चेतनहोभविचेतनताकरसुद्ध ॥ कारिजहोभविकारिजसहुअवसैसरेजी ॥ ५ ॥ इति ॥ सिझाय ॥

ढाल) प्राणीवाणीहितकरीजी (एदेशी) नरनारीसहुचेतियैजी ॥ मतविसरोनिजरूप ॥ दिव्यनयनसुंदेपियैजी ॥ आतमराम अनूपरे ॥ जिवडा ॥ आपाआपनिहालरे ॥ निरदूषनमतपालरे ॥ जि० ॥ मतखपटेजगजालरे जि० ॥ १ ॥ परसगतनहिकीजियैजी ॥ कीजेआतमध्यान तोपावेपरमातमाजी ॥ उपजैकेवलग्यानरे ॥ जि० ॥ २ ॥ जीवदयाचितरांपियैजी ॥ असतनकहियैवैन ॥ अदत्तादानचोरीतजोजी ॥ पामैआतमचैनरे ॥ जि० ॥ ३ ॥ मनव्रतनितआदरोजी ॥ त्यागोविपयविकार ॥ परिग्रहममतापरिहरोजी ॥ रात्रीभोजनटाररे ॥ जि० ॥ ४ ॥ दान

थेरे ॥ कीजैआतमकाम ॥ चेतनतासुधहोयकीरे ॥ पाये अविचलठामरे ॥ प्राणी० ॥ ५ ॥ इति सिझाय ॥

ढाल) सुणवहनीपीयडोपरदेसी (एदेशी) मोहमम ततजिदीजैप्राणी ॥ समतानिजमनआणीरे ॥ इसपुदग लकीसंगनकीजै ॥ निजघटआतमलीजैरे ॥ १ ॥ मो० ॥ परवसनीवरतैलपटाइ ॥ सुपदुखसहतोभाईरे ॥ तनधन जोबनमालपजाना ॥ सबआरंगसमझानारे ॥ २ ॥ मो० ॥ मातपितासुतबंधूदारा ॥ सारथकेपरिवारारे ॥ इहसबसे राकामनआवै ॥ आपकीयाफलपावैरे ॥ ३ ॥ मो ॥ दानसीयलतपभावनाधारो ॥ धर्मदयामतहारोरे ॥ निश्चलध्यानएकमनरापो ॥ आगमवचनरसचापोरे ॥ ४ मो० ॥ सुगुरुसीपमानोनरनारी ॥ तीमवेगतसारीरे ॥ चेतनतासुवचापसंभालो ॥ पचमहाव्रतपालोरे ॥ ५ ॥ इति ॥ सिझाय ॥

ढाल) कोइलोपरवतधुधलोरेलो (एदेशी) योगजत नचितधारियेरेलो ॥ दूरटलेदुपददरे ॥ भविकजन ॥ ज पतपसजमसाधनारेलो ॥ कीजैज्ञानआनदरे ॥ भविकाजन १ ॥ यो० ॥ पचमहाव्रतपालियेरेलो ॥ साधुकोआचाररे भ० ॥ पहिलोव्रतसुधकीजियेरेलो ॥ जीवाजीवनिहाररे भ० ॥ २ ॥ पटकायाप्रतिपालियेरेलो ॥ सुक्षमबादरजान रे ॥ भ० ॥ म्रपावादनहिबोलियेरेलो ॥ अतलेअदत्ता दानरे ॥३ ॥ यो ॥ चोथोव्रतचोपोकरीरेलो ॥ पंचविषय सुपत्यागरे ॥ भ ॥ परिग्रहममताछोडियेरेलो ॥ लोभ लहरसु भागरे ॥ भ० ॥ ४ ॥ यो० ॥ समतामेंसुपसाख

तोरे ॥ पंचविषयसुपपरिहरो । चेतनतासुद्दसतोरे ॥ ५ इति ॥ सिझाय ॥

ढाल) रागापुरोरलियामणोरेलाल (एदेशी) बोलय थारथमोलियेरेलाल ॥ लागे समकु प्यार ॥ सुपकारीरे ॥ दूढभवजसकीरतवधेरेलाल ॥ परभवसुकतजभार ॥ सुपकारीरे ॥ १ ॥ बो० ॥ अम्रतवानिसुहामणोरेलाल ॥ कोकिलकठरसाल ॥ सु० ॥ भाषासुद्दकरआपनोरेलाल पंचमहाव्रतपाल ॥ सु० ॥ २ ॥ बो० ॥ क्रोधमानमायात जोरेलाल ॥ लोभलहरकरदूर ॥ सु० ॥ देवधरमगुरुसेवि येरेलाल ॥ उपजेसुपभरपूर ॥ सु० ॥ ३ ॥ बो० ॥ राग द्वेषनहिंकीजियेरेलाल ॥ एकसरूपनिहार ॥ सु० ॥ नि जघटकेपटपोलियेरेलाल ॥ कीजेग्यानविचार ॥ सु० ॥४॥ बो० ॥ आतमध्यानसदासुधीरेलाल ॥ परमातमगुनगान सु० ॥ चेतनतासुद्दहोयकेरेलाल ॥ पावेअविचलथान ॥ सु० ॥ ५ ॥ बो० ॥ इति सिझाय ॥

ढाल) कपूरहोयअतिउजलो (एदेशी) भवभवभम तोजीवडारे ॥ लापचौरासीरूप ॥ जोनहिचेतैआपक्कु रे ॥ तोपावेभवकूपरेप्राणी ॥ भूलोजतसंसार (आंकणी) दानसीयलतपभावनारे ॥ धरजोचित्तमझार ॥ ध्यानधरो निजआतमारे ॥ मत्रजपोनवकाररे ॥२प्रा०॥क्रोधमानमा यातजोरे ॥ लोभलहरकरदूर ॥ पचमहाव्रतपालियेरे ॥ उपजेसुपभरपूररे ॥ प्राणी० ॥ ३ ॥ जीवदयाशुभवेल होरे ॥ असत्यअदत्तात्याग ॥ मैथुनपरिग्रहछोडियेरे ॥ मनमेरपवैरागरे ॥ प्राणी० ॥ ४ ॥ सुगुरुसीपसुनजीजि

नयनोसिय्य ॥ चेतनकहैहोलाल ॥ सि० ॥ ५ ॥
इति ॥ सिझाय ॥

(ढाल) कनककमलपगलाठवेंए (एदेशी) विषयाविसननिवारियेंए ॥ सातविसनकरदूर ॥ भविकजनसांभलोए ॥ जूवांद्या मिपमेरिहरोए ॥ मदपीवैनरकूर ॥ भविकजनसांभलोए ॥ १ ॥ गनिकागमननकीजियेंए ॥ घापेटकरहुपाप ॥ चोरीतजोनरनारियांए ॥ तजिपररमनीचाप भ० ॥ २ ॥ विसनविलुधामानवोए ॥ जायेनरकमझार ॥ भ० ॥ सिवमंदिरमावामणोए ॥ तजियेविषयविकार ॥ भ० ॥ ३ ॥ जीवदयागुनवेलडोए ॥ उतारेभवपार ॥ भ० ॥ पंचमहामतघादरोए ॥ पालोनिरतीचार ॥ भ० ॥ ४ ॥ इहसिच्यामनघारियेंए ॥ सारेवंछितकाज ॥ भ० ॥ चेतनताचितचेतियेंए ॥ पावेंसिवचलराज ॥ भ० ॥ ५ ॥
इति ॥ सिझाय ॥

(ढाल) घाछेलालकीदेषी ॥ प्रभुमिषसमाने ॥ रागद्वेषमतध्यानं ॥ घाछेलाल ॥ धर्मदयाचितलायियेंजी ॥ पचमहामतधार ॥ पालोनिरतीचार ॥ घाछेलाल ॥ घसतवचननविभाषियेंजी ॥ १ ॥ चोरीघदत्ताटान ॥ लोभतजोगुनपान ॥ घाछे० ॥ वीनदीयेंलोमेंनहीजी ॥ जोघावेसिवधाम ॥ तोतजियेंसुपधाम ॥ घा० ॥ विपयमलोनाकहीजी ॥ २ ॥ परिग्रहकीजेंदूर ॥ सुपडपजेभरपूर घा० ॥ तपजपसंजमपपकरोजी ॥ कायसकतपचपान ॥ थिरसनकोजेंध्यान ॥ घा० ॥ समतानिजमनमेंधरोजी ॥ ३ ॥ चंचलमनवसघान ॥ सुगुरुवचनसुनकांन ॥ घा० मोजियेमोलसुंकामणीजी ॥ मायेनरघवतार ॥ घजकीतूम

तारेजो ॥ पावेंअविचलधामरे ॥ भ० ॥ चेतनतासुद्धशोध कीरेलो ॥ सारेंआतमकामरे ॥ भ० ॥ ५ ॥ यो० इति ॥ सिझाय ॥

ढाल) गिरवारेंगुणतुजतणा (एदेशी) रागद्वेषनहिं कीजियें ॥ परिहरजअतामायारे ॥ समतासुंकरप्रीतीडी वसिकरमनवचकायारे ॥ १ ॥ रा० ॥ तनधनजोवनका रिमा ॥ करअजलिजिमपाणीरे ॥ पिणइकजेपिरजायगा पुद्गलथिरनहिंजाणीरे ॥ २ ॥ रा० ॥ मातपितासुतबं धवा ॥ घरघरनीपरिवारारे । एसबस्वारथकेसगे ॥ कोइन जाणोखारारे ॥ ३ ॥ रा० ॥ जगविचसिराकोनको ॥ तुं एकाकोअकेलारे ॥ जोअवकेनहोचेतिया ॥ फिरनमिले इहवेलारे ॥ ४ ॥ रा० ॥ सोपसुनोनरनारियां ॥ सुगुरु वचनइमभाषेरे ॥ चेतनतासुद्धहोयके ॥ रागद्वेषनहिराषेरे ॥ ५ ॥ रा० ॥ इति सिझाय ॥

ढाल) थारामोहलांउपरमेहझबूकेवीजलीहोलाल ॥ एदेशी) सोभवाघरवारदूर ॥ परिग्रहछोडियेंहोलाल ॥ तोपावेंसिवबास ॥ करमबंधतोडियेंहोलाल ॥ क० ॥ १ सोभतेंदुरगतजाय ॥ जगतमेंमांखियाहोलाल ॥ ज० ॥ अतिलोभेंहोयडाण ॥ सागरदत्तदाखियाहोलाल ॥ सा० ॥ २ ॥ लोभनकोजेंखिगार ॥ ग्यारमोतियहोहो लाल ॥ ग्या० ॥ पडचेंदसमगुणठाम ॥ लोभयोफिर पडोहोलाल ॥ लो० ॥ ३ ॥ लोभमशारिपुजान ॥ सुक तमगरोकियेहोलाल ॥ सु० ॥ लोभतजेजेजीव ॥ तिन्हेंनविटोकियेहोलाल ॥ ति० ॥ ४ ॥ अविचलपावें धाम ॥ सदासुषनेंरहेंहोलाल ॥ स० ॥ याचकभटविधि,

भयोमानवगुनवंतरे ॥ ३ ॥ सा० ॥ विनयकीजेगुरुदेवकी सीखीयेआगमग्यानरे ॥ जनमसफलहोयआपनो ॥ जोक रैआतमध्यानरे ॥ ४ ॥ सा० ॥ इहसीषसुननरनारियां दयाधरमनितपालरे ॥ परमपदलहैसुद्धचेतना ॥ नित होयमंगलमालरे ॥ ५ ॥ इति ॥ सिझाय ॥

ढाल) बिछीयानी) अरेप्राणीआपाआपनिहारिये मतभरमेसंसाररेप्राणी ॥ शांतिसरूपहीयेवसे ॥ एकध्या नचितधाररेप्राणी ॥ १ ॥ आ० ॥ अरेप्राणीघटमेहैनहिं सुभतो ॥ एतोअचरजवातरेप्राणी ॥ आपनदेषेआनको संगरहेदिनरातरेप्राणी ॥ २ ॥ आ० ॥ अरेप्राणीतुममे हैतेराधनी ॥ नहिंअभेदगहोनरेप्राणी ॥ घटपटपोलोदे षिये ॥ जोहोयेपरवीनरेप्राणी ॥ ३ ॥ आ० ॥ अरेप्राणी सिद्धसरूपीजीवडा ॥ ग्यानदृष्टसुदेषरेप्राणी ॥ विनदेषे षोजेनहो ॥ अलपअरूपीभेषरेप्राणी ॥ ४ ॥ आ० ॥ अ रेप्राणीहेअसुपतिरांचमें ॥ नरकनिगोददिपायरेप्राणी लषचौरासीभरमियो ॥ घटघटनामधरायरेप्राणी ॥ ५ ॥ आ० ॥ अरेप्राणीजीवअरूपीजानिये ॥ पुदगलबंधनपाप रेप्राणी ॥ पापपुन्यदोयवाधिया ॥ सुपदुषमेंपलगायरेप्रा णी ॥ ६ ॥ आ० ॥ अरेप्राणीबंधनछोडोजीवको ॥ सिद्ध सरूपीधाररेप्राणी ॥ आवागवनमिटाईये ॥ चेतनउतरे पाररेप्राणी ॥ ७ ॥ आ० ॥ इति ॥

॥ सिझाय संपूर्ण ॥

तहार ॥ भा० ॥ तोपामैमनभावजोजी ॥ ४ ॥ ज्योजी नविचार ॥ मतभरमेंसंसार ॥ तुममेंहैतेराभजीजी ॥ वे तनचेतोभाय ॥ मतकरजोकोइपाय ॥ भा० ॥ सुवरनपति पावैधणोजी, ॥ ५ ॥ इति ॥ सिझाय ॥

ढाल] नदीजमुनाकेतीरउडेदोयपंखिया [एदेशी] छ कायाप्रतिपालदयाचितमेंधरो ॥ सुजनमवादरजाणकिया यतआदरो ॥ प्रथवीकायनोजीवजगतमेंजाणिये ॥ अपती जभोरवायवनस्पतिमानिये ॥ १ ॥ एवी इीथावरजाणव सनकोसुधनडो ॥ बितोचउरिंद्रीपंचएत्रसकायाकही ॥ जीवदयागुणवेलसदामनमेंरघो ॥ पंचमहाव्रतपालसुगत कोसुखलयो ॥ २ ॥ भूठनबोलिययेंबेनअदत्तनलीजिये ॥ चोरीमेंबहुपापपियपयनहिकीजिये ॥ परिग्रहममताछोड सुनीसमतागहो ॥ निरदूषनलेआहार ॥ सजममेंथिर रहो ॥ मनवचकायासुधकरोव्रतपालना ॥ थिरमनकोजे ध्यानअपलचितटालना ॥ इमकरजोकरसाधचलेसिवधाम में ॥ विविधजपायेवास ॥ परमपदनाममें ॥४॥ इहसिझा नरनारसुनोप्रतिवोधना ॥कोजैआतमध्यान,अभिन्तरसोध, ना ॥ पायेनिजघटरूपसरूपसुजामथा ॥ चेतनताकरसुव भातिजैसनभावथा ॥ ५ ॥ इति ॥ सिझाय ॥

सा ॥ ऋ) प्रोतिजिनएकसुकमोगती (एदेशी), साधजीव लाल ॥ ध्या न्ये ॥ पंचपदमोजपमांभरे ॥ मरपरिवारसबसा पडोहोलाल ॥ ध्यावतमांभरे ॥ १ ॥ सा० ॥ तनधनजोवन तमगरोकियोहोलाल ॥ भावेएकोयरे ॥ मुखमतिइकसंसार तिन्हेनचिटोकियेहोलाल ॥ परे ॥ २ ॥ सा० ॥ सबचतुराईग धाम ॥ सदासुपनेंगईहोलाल ॥ नरे ॥ पचडेंपुन्यतोथायकी

भयोमानवगुनवंतरे ॥ ३ ॥ सा० ॥ विनयकीनेगुरुदेवकी सीखीयेआगमग्यानरे ॥ मनमसफलहोयआपनो ॥ जोक रैआतमध्यानरे ॥ ४ ॥ सा० ॥ इहसीपसुननरनारियां दयाधरमनितपालरे ॥ परमपदलहैसुद्धचेतना ॥ नित होयमंगलमालरे ॥ ५ ॥ इति ॥ सिझाय ॥

ढाल) विछीयानी) अरेप्राणीआपाआपनिहारियै मतभरमेसंसाररेप्राणी ॥ आतिसरूपहोयेवसे ॥ एकध्या नचितधाररेप्राणी ॥ १ ॥ आ० ॥ अरेप्राणीघटमेहैनहिं सुझतो ॥ एतोअचरजवातरेप्राणी ॥ आपनेदेपेकानको संगरहैदिनरातरेप्राणी ॥ २ ॥ आ० ॥ अरेप्राणीतुझमैं हैतेराधनी ॥ नहिअकोइगहोनरेप्राणी ॥ घटपटयोलोदे षियै ॥ जोहोयेपरवीनरेप्राणी ॥ ३ ॥ आ० ॥ अरेप्राणी सिद्धसरूपीजीवहा ॥ ग्यानदृष्टसुंदेषरेप्राणी ॥ विनदेषे पीन्हेनहो ॥ अलपअरूपीभेषरेप्राणी ॥ ४ ॥ आ० ॥ अ रेप्राणीदेहमहुपतिरअंचमे ॥ नरकनिगोददियायरेप्राणी लषचौरासीभरमियो ॥ घटवटनामधरायरेप्राणी ॥ ५ ॥ आ० ॥ अरेप्राणीजोयअरूपीजानियै ॥ पुद्गलबंधनघाप रेप्राणी ॥ पापपुन्यदोयबांधिया ॥ सुषदुषमेंषलगायरेप्रा णी ॥ ६ ॥ आ० ॥ अरेप्राणीबंधनछोडोजीवको ॥ सिद्ध सरूपीधाररेप्राणी ॥ आवागमनमिटाईयै ॥ चेतनउतरे पाररेप्राणी ॥ ७ ॥ आ० ॥ इति ॥

॥ सिझाय संपूर्ण ॥

॥ अथधर्मचरित्रलिख्यते ॥

॥ दूहा ॥

गुरुसमजगदातानको ॥ गुरुविनज्ञाननहोय ॥ मति
सिधिमंछितफलें ॥ पापपंकसविधोय ॥ पंथामारगचाल
तां ॥ मूर्खोंनहोंगमार ॥ आसारपगुरुनामकी ॥ उतरजा
यभवपार ॥ २ ॥ गुरुवांणीविसतारहै ॥ किहांलगिकरुं
वषान ॥ मनवचकायावसकरो ॥ चेतनहोयकल्यांन ॥ ३
दांनशीलतपभावना ॥ इच्यारोजगसार ॥ दूहकथाधर्म
रायकी ॥ सुणिज्योहृदयविचार ॥ ४ ॥

(ढाल) जगजीवनजगवालहोए (एदेशी) चंपानगरं
सुहामणी ॥ जिहांलगिकछुविस्तार ॥ लालरे ॥ १ ॥
चपा० ॥ तिहांइकमुनिवरआविच ॥ संयमज्ञानभरपूर
लालरे ॥ एकाकीविचरेंसदा ॥ तपजपमेंजिमसूर ॥ ला
लरे ॥ २ ॥ च० ॥ नामविमलेसरचारजो ॥ आयेनगरम
भार ॥ लालरे ॥ मासषिमणकोंपारणो ॥ लेयोसुधआहार
लालरे ॥ ३ ॥ च० ॥ इमसुनीविचरेंगोचरी ॥ सुधआ
हारकाज ॥ लालरे ॥ न्यायककरेंसुणोसाधुजी ॥ द्यपाक
रनदपिराज ॥ लालरे ॥ ४ ॥ चं० ॥ चोमासीप्रभुकीजये
जीवदयानंनलाय ॥ लालरे ॥ हितणानुमुनीसररहा ॥
चेतनसिवसुपपाय ॥ लालरे ॥ ५ ॥ च० ॥ दूहा ॥

चोमासोमुनिवररह्या ॥ श्रावकसुणोवषान ॥ धरमदेस मादेसुनी ॥ धर्मतीछपजेंग्यांन ॥ ६ ॥ धरमसमो नहिवालहा ॥ धरमसमोनहिमीत ॥ धरमकरीरेप्राणि यां ॥ कटेमरनकीभीत ॥ ७ ॥

ढाल) धर्मदयाकरोप्राणीया ॥ जिमसमनरभवपायेरे ॥ दानसीयलतपभावना ॥ कोजेमनवचकायेरे ॥ ८ ॥ धर्म० ॥ कामक्रोधमदपरिहरो ॥ समतामनमेंआनोरे इहसंसारमेंकोइनअपना ॥ इहस्वूपितमेंजानोरे ॥ ९ धर्म० ॥ मातपितासुतकामणी ॥ स्वारथकेसवकोईरे ॥ आदिनआयुपूरोभई ॥ रांपनसक्केकोईरे ॥ ध० ॥ ईन्द्र नरिन्द्रसविगया ॥ जेजमजेंतेजासीरे ॥ पापकरेंनरकादि कपामें ॥ धर्मकरेसिवबासीरे ॥ ११ ॥ ध० ॥ देवधरम गुरुसेविये ॥ आतिहोयछुटकारोरे ॥ मनवचकायथिरकों राखो ॥ चेतनहोयभवपारोरे ॥ १२ ॥ ध० ॥ दूहा ॥ देइ देसनामुनिरह्यो ॥ चतुरसुन्योदेकान ॥ श्रावकएककुष्टी हतो ॥ तेबोल्योधरिध्यान ॥ १२ ॥ करजोरेश्रावककहे चरणसुणोमुनिराय ॥ कुष्टीचगमेंरोभया ॥ ताकोकरोउ पाय ॥ १७ ॥

ढाल) कपूरहुइअति० (एदेशी) वलतोमवमुनिवर कहेरे ॥ सुणश्रावकमनलाय ॥ कर्मजोकोईकरेरे ॥ भोगे धिमविमजायरे ॥ प्राणीकर्मकरेतेहोय ॥ जोरनचालेको यरे (प्रणीकर्मकरेतेहोय) सुषदुषसवकर्मकरेरे ॥ किय हेविमासोजोयरे ॥ प्रा० ॥ १८ ॥ श्रावकवेकरजोरिनेरे भाषेवचनरसाल ॥ श्रीगुरुकिरपाकरोरे ॥ तोजाविसकल जंजालरे ॥ प्रा० ॥ २० ॥ तुमभगजोवनभगधणीरे ॥ तुम

जगतारमहार ॥ मिहरकरोसिककमकोरे॥ तीनकोवारे वाररे ॥ मा०॥ २१ ॥ कुष्टीकहेंमनुमीमलोरे॥ तीणुव गरिवनिवाण ॥ चेतनकोसुखऊपजेरे ॥ दयाकरोमहि राजरे ॥ मा० ॥ २२ (दूहा) मुनिकहेसुणमानवी ॥ दूकउपायछेएह ॥ तीनवसतजिनजोतिवा ॥ सासुमिला वदेह ॥ मा० ॥ कचनकायाहोयगो ॥ दुखजासेसबदूर ॥ मेंनवैचकायामसकरी ॥ सुखउपजेभरपूर ॥

ढाल (चौपई) तबदूइकाटसुमारोजाय ॥ कोजेषाव कएईउपाय ॥ तबआवकनदनकरचले ॥ मारगजातको गसुमिलें ॥ २५ ॥ आसुमिलेंसोदुरदुरकरें ॥ तबचाव कंमाछेकोफिरे ॥ फिरपाछेआयोमुनिमेंरकनें ॥ वासोमि लेसोदुरकरेमने ॥ २६ ॥ मुनिवरकहेंचसोमतवारे ॥ ती नवसुजोतासोऊंपरे ॥ स्त्रसेआयमिलेतोतुमभाण ॥ सुफ सहोयसबतुमरोकाम ॥ २७ ॥ तबकुष्टीपूछेंसोसनेवाय थोनदेसउनकोमुनिराय ॥ प्रभुनाममकासोउजपैचलो ॥ गुरुमतापमायेकेमिलो ॥ २८ ॥ मुनिवरतोश्रवणउजास वासोदेसवैतिनमोवास ॥ चरसेंरायनामसनभाव ॥ मनव चकायावसकियोराय ॥ २९ (दूहा) सुसतमेंनचावक चटो ॥ मिटेंगोचंगर्भखेस ॥ दिनाचंपटमारगचले ॥ एकचे कीसोदेस ॥ ३० ॥ देखेंनगरसीधावतो ॥ काकमपूछेबा वात ॥ चकुटोविचजमधोमिले ॥ सुनमसाभइरात ॥ ३१ ॥

(ढाल) सुखवइनोमेउधोयरदेशो (एदेशो) आयोन गरविखयामकोठो ॥ यासोवाटसीमथोठो ॥ यासोमग कानिद्रांआई ॥ सोयरहेंडितलाईरे ॥ ३२ ॥ आयो ॥ सोहनिद्रामेंजोनरसीवो ॥ धर्मतथामनयेवेरो ॥ सोयक

तेमूलगमावे ॥ आगेशिवसुखपावेरे ॥ ३३ ॥ भा० ॥ दूहा
श्रावकसुतोनिचंतो ॥ धर्मसदागुनवंतोरे ॥ धर्म रायदूका
नमेरहतो ॥ चटरपीरदुपसहतोरे ॥ ३४ ॥ भा० ॥ पहर
एकरैननवआई ॥ धर्म दूकानवढ़ाईरे ॥ आवतिजसदिर
सेसुतो ॥ दीपकजिशानबिछतोरे ॥ ३५ ॥ पीरवणीमू
ल्योधर्मग्यानी ॥ खोभेदनजानीरे ॥ आगेअंचरिजहोय
पर्णरे ॥ चेतनचेतसवेरोरे (दूहा) रूपवतीतियराय
की ॥ आंनपुरुपसु प्यार ॥ धर्मरातजवसोतिया ॥
तबआयोतेजार ॥ ३७ ॥ रंगरसकईयातडो ॥ सुनप्या
रीहितजान ॥ गृहमेरेदूकाजहै ॥ सुरतदेउरतिदान ॥
३८ ॥ ढाल) वंछितपुरनयादिनमो (एदेशी) प्रेमविसू
घोजेनारी ॥ निपटकपटतेविभचारी ॥ थिरनहीचितअप
नोंरापें ॥ मिथ्यावचनसदाभाषे ॥ ३९ ॥ जारलेईमन्दिर
चाली ॥ निजप्रीतमसुतोनहिभाली ॥ पालिंगविछाईमद
माती ॥ दुखपायापडियोपियछाती ॥ ४० ॥ बांकासेजभ
ईज्यारें ॥ पछरतोनधरयौत्यारे ॥ तेऊपरबैठरमेनारी ॥
परपुरपसुकरेयारी ॥ ४१ ॥ कोइनहिजानेंमनजानें ॥ पि
णपापरहेनहिछाने ॥ पियहिऊपररचपपाया ॥ आनपुरुप
सु करेमाया ॥ ४२ ॥ धरमरायसूतोदेषे ॥ सुभध्यानमे
मोनमयेपेषे ॥ दूकातोपीरउदरभारो ॥ दूजेंछियविचप
सिकाडारो ॥ ४३ ॥ निजपतनीकूकर्मकरे ॥ धर्म देषेमन
मानधरें ॥ एतोकर्म क्रियापावै ॥ विनभोगेकहोकिमजावै
४४ ॥ कोउकोदोसनहोदीजे ॥ भूठीमायाकोनपतीजे ॥
तनधनजोवननहिअपना ॥ प्यारदिनाकोसवसुपना ॥
४५ ॥ मातपिताभगनीभाई ॥ वेटावेटीकुटंबजोगाई ॥

सारथकोइहसमनाता ॥ प्रानचलैकोइनगनिजाता ॥ ४६ ॥ धरमदियपायिसिप्पा ॥ प्रातहोयतबसूदिप्पा ॥ सब ममभे भावधरमलाधे ॥ चंद्रमीरदुमदूरपलावै ॥ ४७ ॥ सुषउपजीदुखसबभागा ॥ निसैटिप्पामनलागा ॥ मनच चकायायसकोछा ॥ चेतनमनसुदिप्पाखोछा ॥ ४८ ॥ दूहा) धरमरायसुमध्यानमें ॥ बहुविधकरिविचार ॥ प्रातहोयदिप्यालेवं ॥ मतंपासोनिरधार ॥ ४६ ॥ मनवच कायावसकियो । धरमरायसुमध्यान ॥चागेचबरचमरी घोतासुणदेकान ॥ ५० ॥ सोरठा) पहरपाछलोरात भारउठेतियपासती ॥ रसकीडाकरणात ॥ पडंबेमन्दिर आपने ॥ ५१ ॥ कामविरहीजोसोय ॥ पियहिजपरपर्क गधर ॥ प्रातसमेंजबहोय ॥ उठोभियासुषसेजती ॥ ५२ ॥ दूहा) मधनघोखदेषिप्रिया ॥ पियउरपर्कगपाय ॥ बरहर कम्पितमइषती ॥ सुषतीबोलनजाय ॥ ५३ ॥

ढाल) ललनाकी (एदेशी) धरमरहैसुमध्यानमें ॥ मन्दिबोलेसुखबात ॥ ललना ॥ मन्दिरतीवासवारबे ॥ कुछीलगाघोगातललना ॥ १ ॥ घर० ॥ धरमरायकहेंति हसु ॥ किमलागीतुमचंगललना ॥ बातकहोप्रियपोचवि बाधीतुमतनरंगललमा ॥ ५५ ॥ घर० ॥ कुष्टीकहेप्रभु सांभलो ॥ तुमसमभगमहोंकोयललना ॥ कुष्टरोगगयोमा हरं ॥ तुमतनछाहुवोयललना ॥ ५६ ॥ धनधनसाधु मुनीसरा ॥ जिनदीनोउपदेसललना ॥ चाजमिलीसुबबात्तलो ॥ सेव्योसगकलेसललना ॥ ५७ ॥ धरमकहेंमुनि छिहासि ॥ दरसनकोजैजायललना ॥ भावबकहेंचमान गरी ॥ तिहांचाएसमिरायललना ॥ ५८ ॥ ध० ॥ सवेया

तथाछिपोलमें ॥ मुनिराख्योमोहिलाजललना ॥ चेतनको सुपछपजो ॥ मेहरकीयोजिनराज ॥ ललना ॥ ५९ ॥
चर० (दूहा) सत्रविरतस्लच शीक्षकह्यो ॥ धर्मसुखोचित लाय ॥ धरमकथादूहजानियै ॥ चेतनकहेंबनाय ॥ ६० ॥
धर्मगायजबभाषोया ॥ सुणश्रावकमोहिवात ॥ दिष्यासे उसुनिवरकनें ॥ इचालोंतुमसाय ॥ ६१ ॥

ढाल) चौपईकी) कहेश्रावकचलोतुमश्राज ॥ सुफ लहोयसवतुमरीकाज ॥ चंपानगरचसोतचगाय ॥ अष्टद्वि नामे पहुंचेश्राय ॥ ६२ ॥ शिष्यबैठेसुपछपजेसार ॥ जि नकलपोजिनवरसमजान ॥ धरनदेपनादोसुभध्यान ॥ ६३ ॥ हाथजोरकहेंधर्मराय ॥ चारित्रपालोमनवचकाय छपाकरोसेवकपरश्राज ॥ दिष्यादोजैयोसुनिराज ॥ ६४ मावधारिषीसुनिवरजान ॥ दिष्यादीउजलसुहश्रान ॥ चारित्रलेधर्मकिरियाकरें ॥ तपजपसजमव्रतश्रादरें ॥ थितिपूरीतवश्रणसणकियो ॥ सुक्तपन्थकोमारगलियो श्रैसोसमकपालजिनधर्म ॥ कहें चेतनलागेनकर्म ॥ ६६ ॥
दूहा) धर्मटयानहिरदाहिये ॥ धर्मसदासुपदेत ॥ धरम करेजेप्राणिया ॥ तेपावैसिवषेत ॥ ६७ ॥ कथासरसधर्म गायको ॥ पूरीमयोसुजान ॥ पडेसुणजेभायसुतकोहोय कल्यान ॥ ६८ ॥ संवतश्रढारतीसमें ॥ श्रासोसुदिसुभ मान ॥ ग्यारसदिनरविवारको ॥ चेतनकीयोवपान ॥ ६९
नगरधहमदाबादमें ॥ कथाकियोसुपसार ॥ जेनरचित देसाभले ॥ तेउतरेभवपार ॥ ७० ॥ हाथजोरसिरनायके चेतनलागेंपाय ॥ भूलचूकजोवातमें ॥ तेषमजोमुनिराय ७१ ॥ इति श्रीधर्मचरित्रसम्पूर्ण ॥

॥ दुसरी सिझाय लिख्यते ॥

श्रीआदिनाथआदिजिनवरवादी ॥ सफलमनोरथकी जियेए ॥ परभातऊठीनेमंगलिककामे ॥ सोलसतीनाम लीजियेए ॥ १ ॥ वालकुमारीजगहितकारी ॥ ब्राह्मी भरतनीबेनडिए ॥ घटघटव्यापकअक्षररूपे ॥ सोलसती माहेजेवडिए ॥ बाहुबलभगनीसतियसीरोमणि ॥ सुन्द रीनामेरुषभसुताए ॥ अंकसरूपीत्रिभुवनमांहे ॥ जेह अ नोपमगुणजुताए ॥ चंदनबालावालपनाथी ॥ सीलवती सुधश्राविकाए ॥ उड़दनेबाकुलेवीरप्रतिलाभी ॥ केवल लहिमतभाविकाए ॥ ४ ॥ उग्रसेनधुवाधारणिनंदनि ॥ रा जमतीनेमवल्लभाए ॥ योवनवेसेकामनोजीती ॥ सजमले ईदुरलभाए ॥ पांचभरतारीपांडवनारी ॥ द्रुपदतनयाय खाणियेए ॥ एकसोआठेचीरपूराणा ॥ सीलमहिमातसु जाणियेए ॥ ६ ॥ दसरथन्रपनीनारिनिरूपम ॥ कौसल्या कुलचंद्रिकाए ॥ सीलसलूणीरामजनेता ॥ पून्यतणीपरि नालिकाए ॥ ७ ॥ कोसबिठामेसतानिकनामे ॥ राज करेरंगराजियोए ॥ तसघरघरणीम्रगावतीसती ॥ सुरभ वनेजसगाजियोए ॥ ८ ॥ सुलसासाचीसीलनिवाचीराची नहिविषियारसेए ॥ मुखडोजोतापापपलाये ॥ नामलेता मनउलसेए ॥ ९ ॥ रामरघुवंसीतेहनीकामणि ॥ जनक सुतासीतासतिए ॥ जगसहुजाणेधीजकरता ॥ अनलसी

तजथयोसोखयिए ॥ १० ॥ कांचेतातणचालणिबांधी ॥ कुवायकीजलकाडियोए ॥ कलंकउतारवासतोसुभद्रा ॥ चंपाबारउघाडियोए ॥ ११ ॥ सुरनरवंदितसीलअखंडित शिवाशिवपदगामनिए ॥ जेहनेनामेनिरमलथइये ॥ वलिहारीतेहनामनिए ॥ १२ ॥ हस्तिनागपुरमेपांडराय नो ॥ कूतानामेकामनिए ॥ पांडवमाताटसयटसारनी बेहिनपतीव्रतापदमनिए ॥ १३ ॥ सोलसतीनामेसोलम तधारणी ॥ विधिवेतेहनेवंदियेए ॥ नामजपतापापपुला ए ॥ दरसनदुरितनिकंदियेए ॥ १४ ॥ निरपंतानगरेन लनरिंदनी ॥ दवदतीतसगेहनिए ॥ सकटपडियासील धराप्यो ॥ त्रिभुवनकीरततेहनिए ॥ १५ ॥ अगधसिता नेजगजनपूजिता ॥ पुष्पचूलानेप्रभावतिए ॥ वीरविख्या ताकामितदाता ॥ सोलमिसतिपद्मावतिए ॥ १६ ॥ वी रेदापोसाखकेसापी ॥ उदयरतनभाषेउदाएे ॥ प्रहउठी नेजेनरभणसे ॥ तेलहिसेसुषसपदाए ॥ १७ ॥ इति ॥

दूहा) सासणनायकसमरीये ॥ मनवंछितसुपदाय ॥ राजूलद्रूकवीसीकहुं ॥ सुणज्योचितलगाय ॥ चितचली योरहनेमनोदेषीराजुलरूप ॥ दृष्टान्तदेनेरापीयो ॥ पड तोभयजलकूप ॥

ढाल) राजमतीइमवीनवेहो ॥ मुनिवरमनवलीयो तुधेर ॥ थोडासुषनेकारनेहो ॥ मु० ॥ क्यूहारेनरभवफे र१ ॥ सूणतूसाधुजीहो ॥ मुनीवरमनवलीयोतुधेर ॥ १ पंचमहाव्रतआदरयाहो ॥मु०॥ मेरुजितरोभार ॥ वमीया रीवंछाकरोहो ॥ मु० ॥ धुगथारोअवतार ॥ सु० ॥ मु० षि० ॥ वैरागेमनवालनेहो ॥ मु० ॥ लीधोसंजमभार ॥

श्यवकायरहोवेकिन्हो ॥ सु० ॥ देयपगाईनार ॥ ३ ॥
सु० ॥ सु० ॥ चि० ॥ राजपंथनेछोड़नेहो ॥ सु० ॥ एक
मारगमतजाय ॥ इमरतभोजनचापनेहो ॥ सु० ॥ श्रम
कुक्षसकिमपाय ॥ ४ ॥ सु० ॥ सु० ॥ चि० ॥ गजश्रसवा
रीछोडनेहो ॥सु०॥ परचपरमतवेस ॥ सुरगतणासुखपाय
नेहीसु० ॥ पातालामतपैस ॥ ५ ॥ सु० ॥ चंदणबाल
कोयलाकरैहो ॥ सु० ॥ श्रावोकाटबवूलकुं गवावैघरघाग
णोहो ॥ सु० ॥ ज्यूकांइयारोशुल ॥ ६ ॥ सु० ॥ घरघर
फिरसीगोचरीहो ॥सु०॥ देपीससुन्दरनार ॥ कुडनामाम
पनोपरैहो ॥ सु० ॥ छिगतानजगसीवार ॥ ७ ॥ सु० ॥
दमीयानैसाछीमतीहो ॥ सु० ॥ गन्धगकुलमतिहोय ॥
रतनचिंतामणपायनेहो ॥ सु० ॥ कोचमाहेमतपोय ॥ ८
सु० ॥ कुलमोटोश्रपातणोहो ॥ सु० ॥ तिणसाहमोड़
णोय ॥ कामभोगनेतुवाञ्छसीहो ॥ भजोनकोइसोकोय ॥
९ ॥ सु० ॥ गोवालभडारीनारिसोहो ॥ सु० ॥ इमासठ
ठायोभार ॥ योभमसूरीश्वरथीयोहो ॥ सु० ॥ नहीमाल
सिरदार ॥ १० ॥ सु० ॥ वर्णोरुपनारीतणोहो ॥ सु० ॥
मनग्रहणासार ॥ देवदेवनैसीदासीहो ॥सु०॥ जासोज
मारोहार ॥ ११ ॥ सु० ॥ मनगमताईप्रीतणाहो ॥ सु०
सुषविलसैवरमाह ॥ त्यामसीन्यारीरहेहो ॥ सु० ॥
त्यागीकश्राणिनराय ॥ १२ ॥ सु० ॥ श्रावेवेश्रमणदेवता
हो ॥ सु० ॥ नगकुमरनीणा त ॥ सुपनामेमाञ्छानछेहो
सु० ॥ थारीपितरीकमात ॥ १३ ॥ सु० ॥ जिणतिहाई
विचरसीहो ॥ सु० ॥ नगरामैवलिग्राम ॥ धर्मोदेपीचि
तडोलसीहो ॥ सु० ॥ नारीनरकनोठाम ॥ १४ ॥ सु० ॥

सडुसरीपागरमझोझो ॥ सु० ॥ नझोसरीपोनार ॥ कोई भुगहानेकोईभखाझो ॥ सु० ॥ चलीयोनायशसार ॥ १५ सु० ॥ ब्रामीसुन्दरीविहनडोझो ॥सु०॥ सतीयामेसिरदार करणोकरमु गतेगयाझो ॥ सु० ॥ नामलेयानीसतार १६ ॥ सु० ॥ तीर्थकरवाबोसझोझो ॥ सु० ॥ जनमैमोटी सोय ॥ बालपणेतजनीसरयाझो ॥ सु०॥ वंधवसाहमोजोय १७ ॥ सु० ॥ नागेंदुपनोवेलडीझो ॥ सु० ॥ रमणीदुप नोपाय ॥ इमजाणोनेचेतज्योझो ॥ सु० ॥ कझोयोइमा रोमान ॥ १८ ॥ सु० ॥ वचनसुणोराजुलतणाझो ॥ सु० झोयोठिकाणेध्याय ॥ वनघनतुमोटोसतीझो ॥ गईसुगत मझार ॥ १९ ॥ सु० ॥ एहोतुजतमझुवांझो ॥ पाम्योके वलग्यान ॥ ऐहोतुसुगतेगयाझो ॥ सु० ॥ कीजेतोहारो ध्यान ॥ २० ॥ सु ॥ सम्वत् (१८) बावनेझो ॥ सु० ॥ आवणमासमझार ॥ चोथजलकहैपीपाडमेझो॥सु०॥ सुद पाँचमझलवार ॥ सु० ॥ सु० ॥थित०॥ इति) रहनेम राजेमती ॥ सिझायसंपूर्ण ॥

सुपकारणभवियणसमरुंञोनवकार ॥ जिणसासण आगमचवदेपूरवसार ॥इणमन्त्रनिमहिमा ॥ कहितांनलहै पार ॥ सुरतरुजिमचिंतितवंछितफलदातार ॥ १ ॥ सुरदानवमानवसेवकरेकरजोड ॥ भूमण्डलविचरेतारेभवि यणकोड ॥ सुरछंदेविलसैअतिसैजासअनंत ॥ पहिलेपद नमियेचरिगजणअरिहत ॥ २ ॥ जेपनरैभेदेसिद्धथयाभ गवत ॥ पचमिगतपहुताअष्टकरमकरिनंत ॥ कलअकल सरूपीपचानतकदेह ॥ सिद्धनापायप्रणमू वोजेपदवलिए ह ॥ गछभारधूरधरसूदरससिहरसोम करिसारणवारण

गुणछतीसियोम ॥ सुतगायसिरोमणसागरजेमगंभीर ॥
तोजेपद्प्रणमूश्राचारजगुणवीर ॥ ४ ॥ सुतवरगुणश्रा
गरसुनभणावेसार ॥ तमविघसंयोगीभाषेश्ररथविचार ॥
मुनिवरगुणमूसातिकहियेउपझाय ॥ चोथेपद्प्रणमूश्र
निसतिहनापाय ॥ ५ ॥ पंचाश्रवटालेपालेपंचाचार ॥ तप
सोगुणधारीवारीविषयविकार ॥ त्रसथावरपीहरलोकमां
हेतेसाध ॥ चिविधेनितप्रणमू ॥ परमारथजिनलाध ॥ ६ ॥
श्ररिकरिहरिसायणडायणभूतवेताल ॥ सविपापपणासे
थाएमंगलमाल ॥ इणसमरयासंकटदूरटलेततकाल ॥ जपे
जिणगुणइमसदगुरुसीसरसाल ॥ ७ ॥ इति ॥

॥ रात्रीभोजन सिद्धाय ॥

पून्यसंयोगीमानवभवलाधो ॥ साधोश्रातमकाज ॥ विष
यारसविषसरिषोजाणो ॥ इमभाषेजिनराजरे प्राणिरात्रि
भोजनमवारो ॥ १ ॥ श्रागमवाणीसाभलिकरिने ॥ समकि
तगुणसंभारीरे ॥ प्राणीरात्रीभोजनवारो० ॥ दानसनान
नेश्राहुतिभोजन ॥ एटलोरात्रिमकीजे ॥ ऐसविकारयोत्त
रजनीसाबि ॥ नीतिवचनसमकीजेरेप्राणी० ॥ २ ॥ पसु
पंपीजमनमपिणपाले ॥ रात्रीभोजनटाले ॥ तुमेतोमानव
नामधरावो ॥ किमसन्तोपनश्राणोरे ॥ प्रा० ॥ ३ ॥ श्रभ
खावोसमेरयणीभोजन ॥ दोपकह्यापरधान ॥ तिणकार
णरात्रेमतजीमो ॥ जोहोयहियडेसानरे ॥ प्रा० ॥ ४ ॥
मूकडीनेकरोलियोमापो ॥ भोजनमांजेश्रावे ॥ कोढ़जलो
दरवमनचारावे ॥ एहवारोगउपजावेरे ॥ प्रा० ॥ ५ ॥
इन्द्रभवजीवहिंसाकरतां ॥ मातिणेदुःखपायो ॥ सिद्धयोए
मतजावमोडयामां ॥ दूषणसुगुरुबतायोरे ॥ प्रा० ॥ ६ ॥

एकडोत्तरभवलगेसरोवरफोडया ॥ एकदवदोधेपाप ॥ अठडोत्तरभवलगेद्वदीधा ॥ एककुविणजनोव्यापाररे ॥ प्रा० ॥ ७ ॥ एकसोचाआलोसभवलगेकोधा ॥ कुविणज नाव्यापार ॥ कूडोएककलंकदेयंता ॥ तेहवोपापनोपोखरे प्रा० ॥ ८ ॥ एकसोएकावनभवलगदोधां ॥ कूडाकलंक अपार ॥ एकवारसोलखंडयांतेहवो ॥ अनरथनोविसतारे ॥ प्रा० ॥ ९ ॥ एकसोनवाणूभवलगेखंडया ॥ शील विषयसबंध ॥ तेहनोएकरात्रिभोजनमां ॥ कर्मनिकाचित बंधरे ॥ ॥ प्रा० ॥ १० ॥ रात्रिभोजननादोषघणाछे ॥ क तानावेपार केवलीकहेतांपारनआवे ॥ पूरवकोडिमभार रे ॥ प्रा० ॥ एहयोजाणोनेउत्तमप्राणी ॥ नितचोविहार करीजे ॥ मासिमासेपापखमणनो ॥ लाभइसोविधलीजेरे प्रा० ॥ १२ ॥ सुनिलावन्यभिएहिसिपासमय ॥ सांभलजो नरनारी ॥ शिवगतितणांसुखविलसोभविकां० ॥ सुशित याअविकारीरे ॥ प्रा० ॥ १३ ॥ इति ॥

॥ तमाखूनी सिझाय ॥

प्रीतमसेतीवोनवे ॥ प्रेमदागुणनीखाणमेरेलाल ॥ म नमोहनइमकतने ॥ साभलचतरसुजाण ॥ मे० ॥ १ ॥ कंततमाखूपरिहरो ॥ छोडोएहनोसङ्ग ॥ मी० ॥ पंचमाहे जिमजसलहो ॥ डोलेथाधेवान ॥ मे० ॥ २ ॥ क० ॥ तमा खूतेजाणिए ॥ खुरासाणोनीजात ॥ गन्धघणोछेआकरो सुघोकहेणनवात ॥ मे० ॥ ३ ॥ क० ॥ दूधदहोतेपीजिए वलिपीजिएसाकरपांड ॥ मे० ॥ घृतपीधेतनुउलहसे ॥ मे० ॥ तमाखूपरिछांड ॥ मे० ॥ ४ ॥ कं० ॥ मोटासेतीवो नवे ॥ मनसाआवेलाज ॥ मे० ॥ दिनपणएलेनीगमे ॥

विणसाडेनिजकाज ॥ मे० ॥ ५ ॥ क० ॥ होठसिहाला सारिषा ॥ सासगन्धाएतेण ॥ दांततेटोसीसांमला ॥ वि एखोदाभ्रतेण ॥ मे० ॥ ६ ॥ क० ॥ एठपियारीप्राचरे ॥ विटाखेनिजजात ॥ मे० ॥ विमनीषारग्रानवीरहै ॥ नगमे नातपरनात ॥ मे० ॥ ७ ॥ क० ॥ ऐकेंफूकेंजतला ॥ वाळ कायहणाय ॥ मे० ॥ पसपससमकायाकरे ॥ तोजवूंहे पन भाय ॥ मे० ॥ कं० ॥ गुडाखुकरिनेजेपिए ॥ तेनरमूढ़ गमार ॥ मे० ॥ भजनापेणेनिहाकाने ॥ आपीनोसंहार मे० ॥ ८ ॥ क० ॥ चोमासामाकुंथुआ ॥ तेकिमसुद्दम थाय ॥ मे० ॥ मडचोजसमकायाकरे ॥ जयूहोपनमाय ॥ १० ॥ क० ॥ थकीसमूरछसउपजे ॥ नरपचेंद्रीजीव ॥ मे० ॥ एयमस स्याताकह्यां ॥ भ्योमहावीरजगदीस ॥ मे० ११ ॥ क० ॥ जलमांणोवकभ्राधणा ॥ स पसंसपम नतमे० ॥ मोलफूलतिहांऊपजे ॥ अग्निमजालेभह ॥ मे० ॥ १२ ॥ क० ॥ तमाखूपीतायका ॥ ऐछहकायह णाय ॥ मे० ॥ मोतिषटैनयणातणो ॥ म्रासैदेहगन्धाय मे० ॥ १३ ॥ क० ॥ मस्तीदोयकेंमतकरो ॥ सैवोम्रीभग वान ॥ मे० ॥ दयाधरमजाणीकरी ॥ सेमोचतुरसुजाण मे० ॥ १४ ॥ क ॥ चतुरविचारीसमझिये ॥ धरियेधरि सुभध्यानमे ॥ आणन्दसनिहमजचरे ॥ तीलहैकोकूम ल्याण ॥ मे० ॥ १५ ॥ क ॥ इति ॥

टीवाकरवलिधूपजपेवे ॥ तोहैफुलनीमालियारे ॥ पा णीस्यूभगवतनेन्हवाये ॥ तोजानेंमनमेंरलियारे ॥ चतुर विचारकरीनेदेयो ॥ १ ॥ जिणपुरुषांरीनामलियाह्य ॥ कटैपापघदभूतोरे ॥ तिणपुरुषारीमिलटतारे ॥ किणमा

जायोपूतोरे ॥ चतु० ॥ २ ॥ फूलामाहेजीवअसङ्खाता ॥ भगवतवायकजाणोरे ॥ फूलचढायामेंधरमपरूपे ॥ श्रैकु गुरांरीवाणोरे ॥ चतु० ॥ ३ ॥ कारसयणानेवजस संसारी ॥ यहसरधासावीमानीरे ॥कुगुरुचीदचीवधानर कजावयानें ॥ वीजासायेंसियाजानीरे ॥ चतु० ॥ ४ ॥ देव ससाम्हापगसाभरतां ॥ तिसारोफलवतासेरे ॥ तौवासवे सातिसाकरीनें ॥ श्वसाताकुणपायेरे ॥ ५ ॥ प्रतिमाऊपर पोछीफेरै ॥ सोधासांरोधरमजहोवेरे ॥ श्रैसीश्रौन्धोपरू पणाकरिनै ॥ मानवरोभवपोवेरे ॥ चतु० ॥ ६ ॥ भगवं तानेवदणजावे ॥ तोसचित्तश्रसगाकाटेरे ॥ कोईभगवंत नानामलेइनें ॥ सिरऊपरफूलचाठेरे ॥ चतु० ॥ ७ ॥ प्र तिमानेफूलांरीमालापहरावे ॥ लपधासारोधरमथांईरे श्रैसोपोटोपरूपणाकरिनें ॥ देनरकनोसाईरे ॥ चतु० ॥ ८ ॥ रातराभूलाश्वासारापै ॥ दोसासासूसूलारे ॥ काहो नेंश्वासाकिणविधरापै ॥ दिनदोपहरांराभूलारे ॥ च० ९ ।

॥ इति सिझाय ॥

॥ अथ मूढारी ढाल लिख्यते ॥

(दूहा) दयाअमातावीनवूं ॥ गणधरलागुपाय ॥ वर्द्ध मानचोवीसमा ॥ वादुसोसनमाय ॥ १ ॥ कन्यानैजमी तणौ ॥ पईसोनलीनैकोइ ॥ मूढानैपरणावताग्रुणगुढा राणोय ॥ २ ॥

(ढाल) दूं णपुरकायलकोइनलेसो (एदेशी) परदेस सुं एकसेटअयो ॥ धनकमायनैघोळलीत्यायो ॥ रुपीया नवसैखाकरालायां ॥ वटावालागिणपाछांदीया ॥ सधरेल गनेसाइसुभावै ॥ घरसारुधलेजानमुलावै ॥ बोदबीदरो आयोभाई ॥ तीणोभोअगचोयीनाई ॥ २ ॥

ढाल) मेंइलामेंबीठोरांणीकमलावती ॥ (एदेशी) बेटीकहैएमातासुणौ ॥ साभळज्योमोरीमात ॥ रुपीयोरो लालचथितोदेयोचो ॥ देसोयूढानैपरणाय ॥ १ ॥ साभल मोरीमाता ॥ अवलाबेटीरोजोरकोनही ॥ मोसकरायोए मातामांइरो ॥ मूगतागियायादाम ॥ मातोपरणीयोडा कालरी ॥ क्यूकरचलसीयारोकांम ॥ २ ॥ सा० ॥ अ० ॥ मासमोट्यागएटीसबापणौ ॥ मरोडरायैपिताय ॥ रुपी यारोलालचदेवैअतिघणौ ॥ तोपरदेसाक्युमीजाय ॥ सा ॥ २ ॥ अ० ॥ मोटोऊवैएमाताडावडी ॥ थीरनान ढोयोभरतार ॥ उणरोतोजोवडोरहैइरपल ॥ मोटोऊय

आसीदिनच्यार ॥ सा० ॥ ८ ॥ च० ॥ बारैवरसारीमाता डायडो ॥ घरसाठवरससरोगलैफास ॥ उणरीतोजीवडो णावैसोचमे ॥ निडर्घरेडापारीश्रास ॥ सा० ॥ ५ ॥ च० सासुसुसरारोदुखऊसऊं ॥ सोकरोदुपनगिणुकाय ॥ साठ वरससिसीयोडोकरो ॥ कयोंकरकाटुजमवार ॥ सा० ॥ ६ ॥ च० ॥ बूढोतोमातासैठोरहै ॥ बालकपिणचलजाय उणरीतोकैयतमाताकोनही ॥ उणरोनीन्दानहीथाय ॥ सा० ॥ ७ ॥ च० ॥ घोलाश्रायानैगुगलापडगया ॥ गया जवाडाबैस ॥कांवीतोमाताडिगमिगकरै ॥ श्राप्यागईला ईहैपास ॥ सा० ॥ ८ ॥ च० ॥ (दूहा)

सेठजीश्रायोपरणवा ॥ लेसाथेपरवार ॥ आगैश्रोलेजा गथा ॥ गावैगीतरसाल ॥ २ ॥ श्रायनैजतरयावागमे ॥ छुईजीअणरीशार ॥ चपीसहैल्यामनचितवै ॥ चाखोदेपा वरवीट ॥ नाकमरैलालायई ॥ नहीकैश्राप्यामैणीस ॥ करमंपतखावीदणीतणा ॥ कोणनैदीनैदोस ॥ ३ ॥

ढाल) ३ ॥ (चोपईनी) वढोवीदपरणीजनश्रावै ॥ घोडैचढीयोनाडहलावै ॥ डाढीमुछांरैरंगकरावै ॥ सां गलादातनिजरनहीश्रावै ॥ १ ॥ देपैश्राणनैलोकलुगाई होरासीबेटीनेरापलगाई ॥ कन्यावरनेदेपणश्रावै ॥ देपो वीदनेसुरछाश्रावै ॥ २ ॥ कन्यानेहथलेबोटीयो ॥ मोट मीवेहसुमेटोलीनो ॥ देपोवीननैकुटैछाती ॥ अलोश्रा यंयोबाबाजीवूढोडाकी ॥ सेठपरणीअघरेआवै ॥ लोग लुगाईदेपणश्रावै ॥ सेठजीकरीसपरोक्षमाई ॥ वहुगुणव तीथारैनारीश्राई ॥ ४ ॥

वसतोसेठजङमकहै ॥ सामलिसुलछणनारि ॥ घरमेघ

नहैथतिघणों ॥ लाहोल्योतिगवार ॥ १ ॥ एमंदिरएभा लीया ॥ सुषभोगवीसंसार ॥ पूरवपून्यपूगाकीया ॥ ओ ह्विसरीसोभरतार ॥ कांमगाभ्रणायोलीरह्यो ॥ मनमेंवा णीराग ॥ तेंसगीपोजोइमिलीफूटातिवराभाग ॥ २ ॥

ढाल) ४ ॥ मनसुजिणेसरपूरणआसा (एदेशी) मैं तोसुगतीमायापाटो ॥ वैठीपावीनेंवीपरवाटो ॥ शुत्वामें जावोथारीवीपरवाटी ॥ तोनेंदेपनीतकूटछाती ॥ १ ॥ तूतो बोलेंमुढासंभाटो ॥ थारापाइचोफेरादातो ॥ रहैतूरेंवूढ साकाडी ॥ पाछोबोल्योतोसीरसु फोसुलीडाढी ॥ २ ॥

ढाल) वीरसुणोमोरीवीनती (एदेशी) सावभीनग रीसैंभावीया ॥ छुंदरसणभवीजायोजी ॥ भाठपोहर दिनरातरा ॥ सोनैंधरसकदेनसुहायोजी ॥ मायचढ़ैना रीतूजिसी) कैमेंतलावफोडावीया ॥ कैमेवागवलावाणी भाठपोहरदिनरातरा ॥ काचाफलतोडायाजी ॥ २ मा• सपाइलोनेंभजसीया ॥ सटीगीडोलायायोजी ॥ चदरवि लंभभरावीया ॥ चनारेपांणीरलायाजी ॥ ३ ॥ मा ॥

दूहा) हायजोडीनारीकहै ॥ साभलकंतविचार ॥ पू रवपापमैंकीया ॥ तूमिलीयेभरतार ॥ १ ॥

ढाल) छिवराणीपद्मावती (एदेशी) कैमेसाघसं तावीया ॥ कैमे मासतीसंताई ॥ कैमेकूडाकलकदीया ॥ कैमेविरोदघसाया ॥ १ ॥ वातसुणोकतभाहरी ॥ भाद्म लसैंपायायघणा ॥ भरमेंदषदोघा ॥ सूसलेईमीतरागनाकू डामेंकीया ॥ २ ॥ वा० ॥ कैमेंरू डाफोद्यावघणा ॥ भाभ्रपंथी एढाया ॥ कैलीलारूपवढावीया ॥ वनमेंदवलगाया ॥ ३ ॥ वा० ॥ कैकालघटुमणमेंकीया ॥ काचागरभगलाया

कैजिवाणीढील्याचणा ॥ मालविछोड़ाकीया ॥४॥ वा० ॥ घरमनेमकीयोनही ॥ बड़जोपापकमायो ॥ पाछलापाप रैउदै ॥ बूढोबरपायो ॥५॥ वा० ॥

ढाल) धणीयजबोल्योछैकरजोड़ ॥ रूंथारैमायारो मोड़॥ सिपरजंदसोछैदेहरो ॥ १ ॥ भूपानैमोजनरोआ धार ॥ जिसोनारीनैभरतार ॥ पइरीजक्योसोलसिण गार ॥ सुखउजलैसुहागणयाय ॥ सुहागणनारकेहाय मोनेसततूकरजैभांड ॥ मोसुयाइयजासीराणड़ ॥ २ ॥ तां बीकाचसरातीवेस ॥ भुंडोदिससीयारीयेस ॥ नहोजरडुं छुकरतोभांड ॥ हुंतीपरणाश्रीभदकोरांड ॥ कुडालेप लिप्याकरतार ॥ तूसीजोड़ोनहीभरतार ॥ पितासाईंना दोसीआप ॥मैपूरबलेकीयापाप ॥सेठजीचासुणीयजसहो रांडबातदूसडोतेंकहि ॥ कालइकारिवाजियाबीमूल ॥ ध वलामापड़सीधूल ॥छातीमांइधमोड़ोंलोयो ॥परणीणतां कामणपोटोक्रीयो ॥ दुपरीठकिणधागैजाव ॥ नहोटोसेव रणबीमाय ॥ ४ ॥

दूहा) बातसुणीनारीतणी ॥ उठीमनमैझाल ॥ बूढा पारीपरखबीजबीछैपराब ॥ १ ॥

ढाल) ८ (यसनोदेयो) सेठसासुरैकनैआयो ॥ मां होसुजरोकहायो ॥ पाछीआसीमकइवाई ॥ दीनीगाटी बिछाई ॥ सेठसासुनैउलमोकहायो ॥ थारोबेटोनैसमझा बो ॥ बोल्येसु ढामांहिसुंमोनैफाटी ॥ मोनेकहैबुढोडाकी विनाबुसाईपीहरणावै ॥ मनमांनेतोघरमैआवै ॥ दिनच द्यायासूतोउठे ॥ घणसोक्षीआपीचडोकूटे ॥ केतोरा धेयोचखलुणी ॥ भसकोमरघालेलूणी ॥गेठ्यापरीसतीक

रैतड़काभड़का ॥ पाछोवोसुतोमोडेबडका ॥ पाचोमोर तोपटकेसोटो ॥ पाछोमोलोतोमेदोडेसोटो ॥ मावकेसच हेबेटो ॥ दूसहोक्यांछोवैतु'घेटो ॥ मांऊंथाराराभमेचाई तुतोरुपीयासु'पितलाई॥ तेतोसहूनरायोकाई॥ मोनेदु सानेपरचाई॥ माहरामनमैसचोचाइनो ॥ पिचतेचा न्योदादारोसांईनो॥ पीवेछोकोमेंतोसँकरडु'॥ जावेनु तादूणरेघरधु'॥

ढाल) ६मी ॥ करमपरोक्षाकरयाकुमरचल्योरे(एदेसी) वेटोकहेपिताणीसाभलो ॥ कोघीयोटोकाम ॥ मोनेदेवको नांपीपाडमेंथो ॥ मांहरागिणायादाम ॥ १ ॥ पूरोनपत्र सीहेवेटयारादामसुजो,)सांरीवेटीवाबावेकगई ॥तोच यसागाय ॥सरनहोराख्योतुमेवोकोकरोजो ॥ कोयोकठोर माहरीमाय ॥२॥ पू० ॥ संपियामिठाकदेयनजाणज्योथो णेसोसोमलमहर ॥ दूणभवकुछ्रूताहरीछोकरीबो ॥ काढ़ीपुरवलीवेर॥ ३ ॥ दा० ॥रोढ्याचावीदिनदसणव गसोगो ॥ मायेमांघोसुणरोपाग ॥ स्हेमाहरेपूठाछिदाव सांभो॥ मतवरोमनमांहिराग ॥ ३ ॥ पू०॥

ढाल) महसामेंथेठीरांधोकममायतो ॥ (एदेशी) वापकहेबेटोसुणो ॥ मोसोनोयोलविचार ॥दोकरीतोपाल मोटीकरी॥ दुपदेय्यातिणवार॥ १॥ गुणगायोहेबेटोवा परा)यारेघरसारोघरछ्रंत्यावतो ॥ अपगदेसान्तरजाय ॥ सासूनैससरातोमैदुपदेता ॥ कुडनोरेकरतीवारोमाय ॥२ गु० ॥ भूपगईएथारातनतथी ॥ हसकरपूणोतेंगोर ॥ गु० ॥ दूणधननैसागोलाय ॥ चाघोतोपाछोदेयोमको ॥ दिनोजनमगमाय ॥ ३ गु० ॥ धनसुपुरोरेवेटाऊस ॥ थपो

यारोलाखचरूदेय्योनही ॥ यारागलारोमाईस्ंस ॥ ४ ॥
गु० ॥ मनमेंतोह्र तोम्रतीमणी ॥ करदोधीनिरास ॥ गु०
गुणगाइस्ंश्रोकांईवापरा ॥ ज्यूज्यूपितामीदुमदेपस्ं ॥
त्यूत्यूदेसदूरासोस ॥ गु० ॥

दूहा) मायकहैबेटोसुणो ॥ बोलीबोलबिचार ॥ बाप
रेसांम्रेबोलती ॥ लाजनहोलिगार ॥ १ ॥

ढाल) मांननकोजोरेमांनवी (एदेसी) म्हांरारुपीया
माजोल्यायनै ॥ पाल्याथेखोरेमांह्णी ॥ मागैभूखणकाढ
ता ॥ रोट्यातामोपायणी (वेटीकहैमायसाभणो) फाटा
कपडातूपहरती ॥ रहतीखोकांरीटासणी ॥ कपडापह
रयातेसालटु ॥ माज्योमारैपरसादणी ॥वे०॥ पगमेंनहुंती
मोजरी ॥ नहोविछियारोवासणी ॥ तोडोघडायामाजो
बाजना ॥ मा० ॥ वे० ॥ तरकारीनेथेतरसता ॥ नही
मोहूघालतोरावणी ॥ बापजीपीबैनितरीरावणी ॥ मा०
वे० ॥ छाछमांगणनैमातूआवती ॥ नहीकोईघालतोम्रा
छणी ॥ बोलोदूणैमामारणै ॥ मा० ॥ वे० ॥ बापभाई
बिलपाइंताम्हताखोकारादासणी ॥ हिवमरोडमैमावे
नही ॥ मा० ॥ वे० ॥

ढाल) यतनो) पुढानेंरीसमआवै ॥ ईणनैलाता
सु घमकावै ॥ देपनचावैलोगलुगाई ॥ नागैनीचोघुनस
गाई ॥ पुरोहोज्योरेघररानाई ॥ तियकोनीआयसगाई
पूरबभवकोयापापो ॥ दूणघरदिधिआरवापो ॥ मेंतोपो
टोकरोयकमाई ॥ तरैवूढारैलारैधाई ॥ मनेंमोडोरा
माग्यांचाता ॥ फिररनेंपाछाजाता ॥ माराभागनैकठास्
आयो ॥ तोसुंइयलेंबोमुडायो ॥ कंतसु णीमिस्लोचढा

वे॥ घाप्यांयसीलालकरावै॥ नीकसतूघररैवारे॥ बोजी परणुफेरसुवारै॥ थारीसाठीनेगुघमाठी॥ ऊतीभामीर्द टुंछातो॥ दूनीभगणीभांणकाईजोसी॥ भारैबैठीघी मीरीसी॥

ढाल) भरणकरी) नवमहीमालगभाल्याउस्यूं॥ दुपदैप्यातिणवारीजी॥तातीगीलोबेटापायनै॥गरभकिवी प्रतिपालोजी॥ मासुवेटीउभरणवीनफो॥ सीलवीदगी तीनैनोसरी॥ पडदैलेईसुंवाणीजी॥ छाघासुवेटातनेभो आसती॥ पावतीठदेपाणीजी॥ मा०॥१॥ थारोवमीया वेटीमेलिया॥ साल्याछातीमांहेजी॥ एकदुखरैवेटामा तणो॥ जनमउरथानवीयायेजी॥ मा०॥ २॥

ढालयत्तरी) मैटोचैनाकहैसुणवाई॥ चितामकरतू वाई॥ मात्रसरुपीयारोचितस्यावे॥ तरैभूकानेपरणावे॥ म्हारीबापभागेजोरमहाले॥ बेठोरीकाछोनपाले॥ भावी कोडगानैपरणावै॥ बेटीनाकोसलनहोल्यावै॥ भावैचोर म्यानेंदीधी॥ वेटीकाशोकिशिनकीधी॥ बलतीबोलैकोटी वाई॥ चोताकियागरणनकाई॥ सगपिसहैल्याउथाई जोडे॥ सनेंदेघीसु हमघीडे॥ बरनोनामसीयाउ लाजु॥ सघीसहैल्यामेबोजनगाज॥

ढाल) जगतगुरुचि०) घीरोकहैवेनहसुणोहे॥ एकज माहरीवात॥ मातपिताहलकिमहताजि॥ लागेघपीघा जात) हैवेनडमनरीरीसनिवार॥ घापैदोसुघपनारै॥ मातारैगरभणघाय॥ मातादुषदेघापघाणी॥ कष्टाकठा लगजायहै॥वे०॥१॥ लोकानैकष्टासुघारे॥ मतलोडीने तान॥ इ भाईतु महमहीरै॥म्हारीकांछीतु मानहे॥वे०॥

ढाल) बैनडकहैवीरासांभलो) बोलोबोलविचारोरे जेवहनडहुंतीनही ॥ तोरइतोअकनकबारोरे ॥ स्वारथ रातोवीरासोसगा ॥ थईभोंभहीबापणो ॥ गुहीवडोमां हरोभाईरे ॥ पावणनेमिलीरोटडी ॥ आंप्यागुदोपाकेश्रा ईरे ॥ २ ॥ स्वा० ॥ भाभीमुडेबोलेनही ॥ देपीमुहमच कोडेरे ॥ हावभावअठेहोरह्या ॥ उलटीकाडेम्हारौपोडो रे ॥ स्वा० ॥ ३ ॥ नणदोईजोमणश्रावीयो ॥ सु हडेपडे वालोरे ॥ लुगाईयांनेभेलीकरे ॥ देषीवाईरोभरतारदोरे ४ ॥ स्वा० ॥ कुंवालअम्हारीग्रवसता ॥ भरजोवनमेसारो रे ॥ रूपीयारोलालचदेषीयो ॥ किमकाटणमवारोरे ॥ स्वा० ॥ ५ ॥ मिनषजनमैपाइयो ॥ घडिसैजनमश्रोरापो छंरे ॥ येसगलांएकोकोयो ॥ किणकिणकिणनैवीरारोछंरे स्वा० ॥ ६ ॥

ढाल) कायारीमाडीकारमी ॥ एदेषी ॥ भाभीकहैन णदसतुणो । एकणसंरोवात ॥ बूढारैसारैजावताऊकमै करैदिनरात ॥ नणदलवाईसांभलो) १॥ नितनवाघागा पहरति ॥ नितनवलासिणगार ॥ क्रमोनहिकिणवात री ॥ लोपैनहिकार ॥ २ ॥ न० ॥ सीमरसपुराऊसिरह सियाहरोराज ॥ घनमासरहसिमोकलो ॥ वैठियौहर ख्योब्याज ॥ ३ ॥ न० ॥

ढाल) वैरागी मुनीमाम्हणि (एदेषी) नणदलकहे भाभिसुनो । मोनेंमतकरोभाडहो ॥ याहरिमायगारो कोईनहि ॥ मोनेंऊईयाहराडहो ॥ भाभिकरमतणि प्रापतपाइये ॥ वलदऊवेणदुवला । काधोननापेकोइहो कन्यासुपथिनाकहै ॥ मरलावोमाहरेजाय ॥ २ ॥भा० को

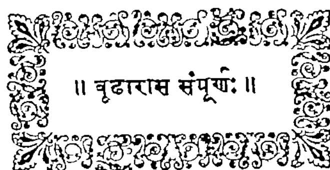
ईजिमिलासुवा) कोइलूपाबाकसपायछो ॥ पेलारासुपदे
पने । सुरपभूरिमनमाहिछो २ भा० ॥

ढाल) चंद्रावलारो ॥ यासोनीरूपीयांचितल्यावे ॥
आपराकुलनेकालोलगावे ॥ येरुपीयाफुसमेमिलजासी ॥
नरेभाभोमीकाईभाठापासी ॥ जोभाभाणोहोजी ॥ १ ॥
रुपीयासेतीपोलोभरीयो ॥ परमेसरसु'नहीडरीयो ॥ बा
पोआगलाभवरोरयाई ॥ म्हाहाराजनमनेचायलगाई ॥
२ ॥ जी० ॥ जोडीरोवरनहोल्यायो ॥ हीरारेगलपधर
ल्यायो ॥ उरारेवरसाजोजोवु' ॥ चठसवारेभाणोनेरोवु'
३ ॥ जी० ॥

ढाल) धरणीमतावेमेपक्षुमरनें (एदेशी) हायणोडी
होकडंकंतने ॥ सांभलोचतुरसुजांण ॥ संसारदोसेछेसड
कारिमो ॥ सुणोधर्मरीयांण (कारणसुधारोहोप्रीतमम
रलोकनो) सामायकपडिकमणोहोपोसो ॥ आदरोमवत
लघिरदेतेम ॥ आवकराव्रतपालोहोमनसुधसु' ॥ थो
तारोचवरदेनेम ॥ का० ॥ धोलामतआपिदोलुआदरो ॥ थां
उमरपाईभरपूर ॥ हीयोतोसराहोप्रीतममारूरो ॥ तप
णीमयमेसूरलो ॥ पृथ्वीपांणीहोधगमतीउमायरी ॥
उपनामनसुतोमांह ॥ नरकानिगोदमेंहोउपनाथरा ॥
का० ॥मरणसोराणेहोप्रीतमआवीयो ॥मकरीयासु'वाद
याराडवारसेरहो ॥ करोजीवरीसार ॥ वालकनेपरणी
सुतोकरगयोकाल ॥ मूढानेपारणीसुहालरीयोडलरावे ।
२ ॥ मावारयारकहु तुनें ॥ मनमेवरसोराग ॥ थारोकूल
हीयिगयो ॥ बेटीरापतलाभाग ॥

ढालयसनी) बेटीथारेमाथारोमोडो ॥ तोनेईण

विनकिसढोतोडो॥ इणसुहागणमणै ॥ सुंधाईसामा इकाकरस्युसदाई॥ माईनथतत्वहिरदैधरस्यू॥ तपस्यानै पोसोकरस्यू ॥ घरसारूदानजदेसुं ॥ मनमान्याकारि जकरस्यू॥ संमत् भाठारे छतोसैभांणो ॥ म्रगसरमासए जांणो॥ चंदपरतिपवपाणी ॥ सुणोकलजुगनीसुणी॥ इति॥ वुढाचरिचसंपुर्ण॥



॥ अथ माजीरोरास लिख्यते ॥

आतीनामधरावैमाजी ॥ आतीधानधीयोंसु'राजी रैमाजी ॥ धर्मकरणनेंगेलीरैमाजी ॥ पापकरणनेपैहली रैमाजी ॥ धरममैंतामिसेरीरैमाजी ॥ पापकरणनेंवलेरीरै माजी॥पुनकरणोनहीभावैरैमाजी ॥वेठीटायरियारभावैरै माजी ॥ २ ॥ पाछलीरातजागैरैमाजी ॥ वासीदानैलागैरै माजी ॥ कामकरतीनहीथाकीरैमाजी ॥ सगलापहली मांडेचाकीरैमाजी ॥३॥माजीनें प्यारादूकडारैमाजी ॥धावै ठंडाटुकडारैमाजी ॥ परभवरोडरभुलीरैमाजी ॥ राध षधावैमूलीरैमाजी ॥ ४ ॥ धरमैतोमळसारैरैमाजी ॥ घर कागडकडाताडैरैमाजी । बेठोपुरसी भाणोरैमाजी॥अमीकद रोग्रथांणोरै ॥५॥ माजीआटेंसु'ढाल गालीरै ॥ माजिवो लेघालपपालीरै ॥ माजीनेंचरीसुखावैरै ॥ राइतामेंसु' धपलावैरै ॥६॥ माजीनु धाखीयामारैरै ॥ माजीसुधरो जनमविगाडोरै ॥ माजीकुभधएणासु भोलीरै ॥ माजी करदीथालीहोलीरै ॥ ७ ॥ माजीटोसी डोलमैंनाखीरै ॥ माजीदानदेवणनेआडीरै ॥ माजीकरैहरिनीकललीरै । आजीछाछजधाले पतलीरैमाजी॥८॥माजीधणसोयोनाजल टैरै ॥ माजीयालधायनेंलूटैरै ॥ माजीपानभणीनवीपी

येरे ॥ माणीजिवारागलासोसेरे ॥ ९ ॥ माणीसवसु वहकावोलोरे ॥ हातीपेलारीतोलीरे ॥ माणीआयव आइचोथरेमाणी ॥ १० ॥ लालचहिवेपुन्यपनांनीमाणी तेहथीघरनासगलाराणीरे ॥ माणीपुन्यकोयावक्रवारोरे माणेलिपमीरोअवतारोरे ॥११॥ माणीरुचोवीसेंगादीरे माणीसातपोतानोदादीरे ॥ माणीदयाधरमरीनेमोरे जिणआयाघरगुनभोमोरेमाणि ॥१२॥ माणीपरसादमैन छीपेसेरे ॥ माणीसामाइकलेइवेसेरे ॥ माणीबोलचरचा चोतारेरे ॥ १३ ॥ माणीमछिकअणीसुश्रजोवेरे ॥ माणी अतिचारआलोवेरे ॥ माणीछरीकायसप्रत्यागीरे ॥माणी जिनधर्मरीरागरे ॥ १४ ॥ माणीसाचीसरधापाइरे ॥ माणीसवसेइघकीवाइरे ॥ माणीपाछलोरातरीआगेरे ॥ तुमेसुणज्योवाइभाइरे ॥ जिननीसुकरतकरसीएरे ॥ ते तोभवसागरथीतरसीरे ॥ १६ ॥ इति ॥

॥ माणीरास संपूर्णः ॥

श्रीजगत्सेठानीजी साहिब श्रीमाणिक
(देविजीको रास लिख्यते)

श्रेणिकमनअचरीजभयो (एहनीढाल) श्रीगुरुगोत
मपयनमो॥ सारदमातमनाउरे॥ जेहयकीबुधिऊपजे
गुणपुन्यवंतहिगाऊरे॥ १ (पुन्यवंतनरसांभलो) नि
रमलसतीयचरिचोरे॥ पापपंकजिहतेमिटे॥ होवेभवच
पविचोरे॥ २ ॥पुन्य॰॥ श्रीसुपश्रीजिनभाषीया॥ धर्मना
च्यारप्रकारोरे॥ जेप्राणीनितचादरे॥ तिपावेभवपारोरे
३ ॥ पुन्य॰ ॥ सतयुगसोलेसतीहुई॥ साधमीसाधअने
कोरे॥ कलियुगमैमोटीसती॥ माणिकदेसुविवेकोरे ॥४
पुन्य॰॥ जीतपमतकरणीकरी॥ भतकोपापखपाणोरे॥
तिहनोगुणगिणतीकरे॥ गिणतनआवैम्यानोरे ॥ ५॥
पुन्य॰॥ तासतणागुणगायता॥ मनमैऊमोउच्छाहोरे॥
कहितांजिभपविभ्रहै॥ लीजेभवमोलाहोरे ॥६॥ पुन्य॰
कुणकुलजनमसतीहुईसती॥ कोणनगरेकुणदेसोरे॥ कुण
कुलमैमाताप्याहीया॥ सोसवकहुविसेसोरे ॥७॥ पुन्य॰
भरतखेत्रसोमैभलो॥ जम्बूदीपमझारोरे॥मध्यमेरुनमर्पत
सो॥ लापजोजनविस्तारोरे ॥८पु॰॥ मध्यदेसमैदिपतो॥व
त्यदेसचतिचंगारे। नगरीकोसंबीभलो ॥नदीयहैगंग
गारे ॥ ८ ॥ पुन्य॰॥ मदनमालाजहांभई॥ सतीयांमैसि

रढारोरे ॥ नामजयंतीथ्याविका ॥ व्हगावतीसुपकारोरे १० ॥ पुन्य० ॥ साहश्रनाथीजहांहुआ ॥ श्रावकसाधप विभोरे ॥ पदमप्रभुजहांजनमीया ॥ कहातगिकह चरिचोरे ॥ ११ ॥ पु० ॥ तसनगरीपासीभलो ॥ साहिजादपुरसारोरे ॥ निकटबहैगगानदी ॥ वासैवरनआढारोरे ॥ १२ ॥ पुनर० ॥ सुरपुरवरकीउपमा ॥ नगरनिरूपमदेपारे ॥ नग्रातचोरासीजहांवसै ॥ उसवालसुविसेयारे ॥ १३ पुनर० ॥ प्रथमलपुनग्रातमा ॥ श्रावकपरमसुग्यानोरे गोचबोराणीपरगटा ॥ धर्मवंतअतिदानोरे ॥ १४ ॥ पु० तसुघरणीघरणीसती ॥ गुलोबहुइतिनामैरे ॥ जैनभगतिदोउंश्रादरै ॥ दिनदिनचढतप्रणामैरे ॥ १५ ॥ पु० तासकुषसेउपनो ॥ स्वर्गलोकथोश्राईरे ॥ १६ ॥ पुन्य० संवतसतरसेतीसमे । आवनमासउदारोरे । कृष्णापक्षए कादसी ॥ जनमभयोसुविकारोरे ॥ १७ ॥ पुन्य० ॥ नांमकिसोरकुयरवरो ॥ घनोकहियतलावैरे ॥ ज्यौंज्यौंवा धैबालिका ॥ मातपितासुपपावैरे ॥ १८ ॥ पुन्य० ॥ सव गुनसबलछिनभरा ॥ विनयविवेकउदारोरे ॥ जोगुणति यउत्तमतणा ॥ तेप्रगटयतिणवारोरे ॥ १९ ॥ पुनर० ॥ मातपितामनसोचीयो ॥ कोजैएहनोविवाहोरे ॥ जोइण सरिपोवरमिलै ॥ तोजोजैसछमोलाहोरे ॥ २० ॥ पु० ॥ देसप्रदेसविचारता ॥ वातठोकठहराईरे ॥ पटणेमेंको ठीकरी ॥ भेजसहोदरभाईरे ॥ २१ ॥ पुन्य० ॥

दूहा) नगरसुबसपटणेवसै ॥ उसवंससिरदार ॥ गोचगहिलवाजगप्रगट ॥ दोलतवतदातार ॥ कौरानद नरिंदसम ॥ मांनैसहुकोइआंण ॥ सातपुचतेहनैप्रगट

अदभुतगुणमणिषांण ॥ २३ ॥ माणीकचंदनरिंद्रसम ॥ चौदेविद्याभंडार ॥ लंछनअंगवतीसतस ॥ कांमतणोअवतार ॥२४॥ वरदेपतङ्गपितभए ॥ कीन्होतिणकतिमार करिसजाईव्याहनी ॥ रचीअगात् विस्तार ॥ २५ ॥ हय गयरथपायकप्रवल ॥ जनसज्जनपरिवार ॥ लेवरातव्याह नचले ॥ पहुचेनगरउभार ॥ २६ ॥ आगतभगतयगतकरी ॥ पूरनमङ्गप्रवीन ॥ सुभदिनसुभग्रहसुभलगन ॥ व्याहरलीसोकीन ॥ २७ ॥ दानदहैजदीएवहुत ॥ जनसज्जनसंतोप ॥ विदाकीएवरकन्यका ॥ भांतिभातिसौंपोप ॥ २८ ॥

चोपई) घरुन्नामपुरपटणेआयीया ॥ जायआगाउमधाईदीया ॥ हरप्याकातपितापरिवार ॥ कीन्हेमहोछवकुविस्तार ॥ २९ ॥ गृहप्रवेसवरकनयाकीया ॥ दांमघणाजाचिमकीदीया ॥ देषिवदनकुलवतीवहु ॥ हरप्याजनपरिजनमिलसहु ॥३०॥ दुलहनिपावधरैघरजिसे ॥ नवनिधिघरआईतिसि ॥ मणिमाणिकमोतीभंडार ॥ सोनारूपानोनहिपार ॥ ३१ ॥ हाथीघोडामेंपालषी ॥ मंहलसुपासणनैनालकी । दासीदाससहैलीलोक । दिनदिनवाधेथोकाथोक ॥ ३२ ॥ पुनप्रवलतनेंपगपरवेस ॥ कीरतवाधीदेसादेस ॥ वाधिपुत्रपोषपरिवार ॥ वाधीलछमीवहुतभंडार ॥ ३३ ॥ नरदेहीवरीयाईवल ॥ परतछलछमीभापैसल ॥ माणिकदेयीदीन्हीनाम ॥ अदभुतरूपवतअभिराम ॥ ३४ पूरवपुनरतणेपरमांण ॥ सुषभोगवैसुरेंद्रसमांण ॥ नाटकगीतसङ्गीतरसाल ॥ नाचैनाटकअतिसुकमाल ॥ ३५ ॥ स्वर्गसलागसुषभोगवै ॥ धर्मपर्मदोउजोगवै ॥ पतिपत

नीठोर्जमधिकसनेह ॥ जोचाचकसारदकरतुमेह ॥ ३६ ।
देसबंगालौउत्तमदेस ॥ स्पाएमाणिकचंदनरेस ॥ नांमन
गरमकसूदाबाद ॥ करिकोठोकीन्होश्राबाद ॥ ३७ ॥ गा
जापरजाअरुउमराव ॥ कोमदारसूबानवाब ॥ सङ्कको
मांनेकुमप्रमांन ॥ दिलीमतिदेअतिसनमांन ॥ ३८ ॥
यादस्याहथीफारकसाह ॥ सेठपदस्यदोयोउच्छाह ॥ मां
णिकचंदसेठभएनाम ॥ फिरीदुहाईठामोठाम ॥ ३९ ॥
देसबंगालाकेरेधनी ॥ दिनदिनसन्ततिसम्पतिघनी ॥ ता
केपुत्रसुरेंद्रसमान ॥ प्रगटेफतेहचंदसुजान ॥ ४० ॥ दि
लीजायदिलीपतोभेट ॥ नांमपितावभयोजगतसेठ। जगत
सेठजगपतिअवतार ॥ कुलमंडणधंभणपरिवार ॥ ४१ ॥
ताकोपटतरकहोकुणकरै ॥ दुषोयानादुपदालिद्रहरै ॥
पुत्रजुगमतिणकेघरभए ॥ सूर्यचंद्रविधिनानिरमए ॥ ४२
सेठमुग्यानोआणदचंद ॥ दयाचद्रप्रगटेम्यूरद ॥ पुत्र
पोचभएराजकुमार ॥ दोउंकामदेवअवतार ॥ ४३ ॥ आ
णंदचदकेपुत्रकहाय ॥ जुगजुगजीवोअहतावराय ॥ द
याचंदकेपुत्रहैगुणधांम ॥ सेठसरूपचंदताकोनांम ॥ ४४
धनधनमाणिकदेवीपुन्य ॥ बेटापोतापुत्ररतन्न ॥ सतसा
पावाधोपरवार ॥ एकएकसोअधिकउदार ॥ ४५ ॥ भाई
भतीजेमेलापकसङ्ग ॥ बेटीपोतीअरकुलवङ्ग ॥ इंद्रसभास
मजसुपरिवार ॥ दिनदिनयाधोकरपअपार ॥ ४६ ॥ प्रा
तसमेंपूजैजिनदेव ॥ नितप्रतिसारैसदगुरुसेव ॥ सुणैजि
मेसरवचनसयांण ॥ नितनितसाधैमतपचपान ॥ ४७ ॥
सातषेत्रमेंवित्तसावरै ॥ दुषीयाजननादालिद्रहरै ॥ जो
जोकरणीश्रावकतणी ॥ माताजीनेंकीन्हीघणी ॥ ४८ ॥

खडकापणासोभोटकगछो ॥ आदिथंतणो सोनिरवडो ॥ दोखतवंतचरचित्तउदार । दांनदेतमनहरपअपार । ४८ संवतसतरद्रकैतरसार ॥ भाघमासदसमीगुरुवार ॥ मां णीकचदस्वर्गगतिलहो ॥ जिनकीकीरतिजगमेंरहि ॥ ५० ॥ तिणदिनसोभागताकुखवति । जपतपदांनकीयामहा सती ॥ तीणकीगिणतीकहोकुंणकरै ॥ धनधनरसवजग उच्चरै ॥ ५१ ॥

दोहा) मातामनोरथयुं कीयो ॥ फरसो सोसमिखन्द संघसमेत सपरतणो ॥ कीजैमनआणन्द ॥ ५२ । मनसुबा मातातणा ॥ जाण्यासोजगतसेठ ॥ करीसगाईसहुनी मेलेसोकपचेट ॥ ५३ ॥ घाटवाटसघसझिकरो ॥ संघ आवैजिहराह ॥ हुकुमसुणतसबभूपती ॥ लागेकरनउ छाह ॥ ५४ ॥ देसविदेसें पहुंई ॥ पचोपरमउलास ॥ चो बीहसंघवुलाइया ॥ परचीमेजीयास ॥ ५५ ॥ असवारी वाहनदीए ॥ जिहजिहमांगीतीम ॥ डेरातंबूपासभख दोम्हासबकीतेम ॥ ५६ ॥ संघसउएकठायया ॥ सुणक सुणकनाआय ॥ सुरतसुणायाजीतपो ॥ सहरसदियावता व ॥ ५७ ॥ शुभदिनशुभग्रहसुभलगन ॥ शुभसहरतशु भजोग ॥ नामकरणको नेसगरा ॥ जहांतहांसौं लोग ॥ ५८ ॥ आणन्दचदनरेंद्रतव ॥ संघपतितिलकवणाय ॥ करिअसवारोइन्द्रसम ॥ संघदयाचदभाय ॥ ५९ ॥

ढाल) कडपानो) चल्योस घउछ्रगघरिणाघजिनवरत णो ॥ अतिघणीमहद्विविस्तारकीन्हों ॥ सरसणरवाफंकी मपामयपमखतणा ॥ तंबूडेरातहांणायदीन्हा ॥ ६० ॥

(चाल्योस घउछ्रगसोणातजिनयरतणो) घणमनातकर

गाटकोछीटका । नवनशोभा तेनायालताख्या । देषिसुरलो
कईन्द्रलोकगृहसारिषा । जानङआपसुरनायआख्या । ६१
विकटपहाडसमप्रबलमदपूरीया ॥ इन्द्रगजसाविपासाजि
आख्या ॥ मेघडमरअनावाडिहीदाकस्या ॥ हाथीयाजात
कियापैवपांख्यां ॥ ६२ ॥ च० ॥ अबलअैराककबोजपुर
सांगग ॥ औरनीअखजेषातिवंता ॥ रतनसोवर्णरूपात
णैसाजसौ ॥ संगलीम्हाहुरीतेजवंता ॥ ६३ ॥ च० ॥ बहि
लरथपालषीनालकोअतिघणी ॥ तिहतणीकौणगिणती
वर्षांणै ॥ ऋद्धिविस्तारइहभातीसोभासरस ॥ देषिनाहो
फह रावरांणै ॥ ६४ ॥ च० ॥ ढलकतोढालसलादसवसा
जिया ॥ तीरतलवारिनेजाविराजै ॥ सरसवामतआगी
फौजफायेघणी ॥ सुभटभटसूरमासगसाजै ॥ ६५ ॥ च०
रंगपचरंगनिसाणगजपीठपर ॥ नवनवेनादनोबत्तवाजै
मघरजासीलणेरीलआगेचले ॥ देषीदलप्रबलभूयालमा
नै ॥६६ च०॥साघथोरलाघणेखेलपटादिखटा॥आरियाओ
रउवमायकैते ॥ भेषपटदर्शनीभाठभोजगगुनी ॥ कोण
गिणतीकरैस गजेसे ॥ ६७ ॥ च० ॥ अबलउसयालनी
नालषोरजाडअति ॥ न्यातचौरासीयांसङ्गलोन्हो ॥ वडव
डासाहनरनाहसह चालोया ॥ तेहतणामानसनमानको
न्हा ॥ ६८ ॥ च० ॥ प्रथमचौमासस्रीवीरजिनजहांकरो
नगरवर्द्धमाननयण निहारयौ ॥ पृष्टिचंपापुरीदेषिआण
न्दभरी ॥ जीर्ण जिनराजमंदिरउद्धारयो ॥ ६९ ॥ च० ॥
नगरपषेटरघुनाथजोभेटीया ॥ सतीयसीतारषेजहावासै
देषिपहाडवनमाडलगूरदल ॥ सघमालोकसवरघातना
सैं ॥ ७० ॥ च० ॥ तिहांयकीनगरविदामुरीआवीया ॥

पूजजिनराजभयोप्रतिछाहो ॥ तहायकोमारीयाशिप रगिरतलहटी ॥ देपिगिरराजलीयोजन्मलाहो ॥ ७१ ॥ च० ॥ हरपङ्खासरसोसिपरऊपरचढ्या ॥ जायजिनराज नोदर्शकीयो ॥ न्हाचपूजाप्रतिष्टाकरीभावसु ॥ सातजीने मनोलाभलीनो ॥ ७२ ॥ च० ॥ रतनसोवर्णनोविविध आगीरची ॥ सातदसभेदपूजारचाई ॥ वीसहटौकाण हावीसजिनसिद्धभए ॥ वटिजिनचरणाल्हिमावधाई ॥ ७३ ॥ च० ॥ तीनदिनरातगिरसिपरऊपररह्या ॥ भाव भगतेकरीतीर्थभेट्यो ॥ शुक्लानवङ्कलोथयोजनमसफलोभ यो ॥ दुखतदोहगतणोभानमेट्यो ॥ ७४ ॥ च० ॥ नाचक रिआवीया ॥ सिपरगिरतलहटी ॥ स घनीभक्तिकीन्होष वाई ॥ पोपीयासंघसङ्गविविधपकावानघरि ॥ सुहरसुह रतणीमहघाटीवाई ॥ ७५ ॥ च० ॥ पासनरवाफपटकूल पहरावीया ॥ संघपद्मीतणीजातलोधी ॥ लोकधनधन कारैजयजयकरै ॥ एहकरतूतिपतिसवलकीधी ॥ ७६ च० ॥ स घचङ्गसो निजघरेग्रावीया ॥ नगरमेंबङ्कतउ छाहकीन्हो ॥ धन्यधन्यपुन्यमाणिकादेवीसती ॥ तुमेस प तितणोलाभलीन्हो ॥ ७७ ॥ च० ॥

दोहा)मातामाणिकदेतणो ॥ जसफेल्योसंसार। सङ्घ लायोसिपरको। परच्याद्रव्यअपार ॥७८॥ जवतेजातपधा रीया। माताजीधरप्रेम। तबहीतेमनद्रढकरी। अभिग्र हलीनोएम ॥ ७९ ॥ जिनमन्दिरहूपातणा ॥ गृहमेंसरस बनाय ॥ प्रतिमासोनारणतनी ॥ थापीयोजिनराय ॥ ८० ॥ पहरएकपूजाकरै ॥ जपैमलनवकार ॥ दानदेहि याचकजनों ॥ तबकीयाहैअहार ॥ ८१ ॥ कठकठअवपार

णो ॥ जोकहै तियबढजाय ॥ तवतेलानिहचैकरै ॥ एह
टेकनमिटाय ॥ ८२ ॥ टीयनहम्साखसुणौं ॥ संम्भाकरे
टकाल ॥ पोसहअष्टमिचौदसी ॥ पडिकमणानिझकाल
८३ ॥ सचितवस्तुछुमैनही ॥ दीनहीनप्रतिदान ॥ कुण
सरभरतेहनोकरे ॥ सकैनराजाराण ॥ ८४ ॥ देसमंगा
लैनछिळता ॥ देहराअरुपोसाल ॥ पुन्यप्रसादमातातणै
घरघरययायिसाल ॥ ८५ । जैनीहोतेनग्रमें ॥ आगेघरदो
यच्यार ॥ सोप्रसादमाततणै ॥ स्रावकभएहजार ॥ ८६
जोनरआएदेसकै ॥ धनधनवस्त्रविहीन ॥ तिणकोमाता
जीतुरत ॥ सहयपतोकरदीन ॥ ८७ ॥ रतनकनकनी
मुद्रिका ॥ पहिरीनहीगिणनार ॥ सोप्रसादमाततणै
लदेषनककीभार ॥ ८८ ॥ कर्णभोजविक्रमभए ॥ सतयुग
मेदातार ॥ कलियुगमेंजांणिकदेजीसी ॥ देपानहीसंसा
र ॥ ८९ ॥ सरणधरणजवमातजो ॥ जबसौं इहपुरआय
तबसौयहपुरकीदसा ॥ दिवसदिवसअधिकाय ॥ ९० ॥

ढाल) कोइलोपरवतधूधलोएलो) जोतपमाणिकदे
कीयोरेलो ॥ सोसबकहु बषाणरे ॥ सुग्यानी ॥ पंडितसु
णिमनसरदहैरेलो ॥ सरखहीयधेराणरे ॥ सुग्यानी ॥
९१) सुणतपमाणिकदेतणारेलो ॥ सुणतापतिकजायरे
सु० ॥ इणयुगमेंकुणकरिसकेरेलो ॥ सुणताअचिरज
थायरे ॥ सु० ॥ ९२ ॥ सुणि० ॥ प्रथमवीसथानिककरया
रेलो । वेलाच्यारसेवीसरे ॥सु०॥ उजमणातेहनोकरयोरे
लो ॥ परच्याद्रव्यसुणगीसरे ॥ सु० ॥ ९३ ॥ सुणि० ॥
निम्नाण सेचूजतणारेलो ॥ छटकीयाभलभायरे ॥ सु० ॥
छठछम्मासिथम्नातणारेलो ॥ कीम्हांमनवचकायरे ॥ ९४

सुणि० ॥ गुणपरमेष्टीपंचनारेलो ॥ कहियेएकसोआठरे सु० ॥ जापजप्यातेलाकरोरेलो ॥ आस्याकर्मकुघाठरे ॥ सु० ॥ ९५ ॥ सुणि० ॥ चोवीसोतिणकालनीरेलो ॥ व होत्तरलहथायरे ॥ सु० ॥ करिमतचणमचोकीयोरेलो ॥ श्रीमाणिकदेमायरे ॥ सु० ॥ ९६ ॥ सु० ॥ वीसोवीस जिहरमाननारेलो ॥ सिधकुमारपचीसरे ॥ सु० ॥ इग्यार इग्यारगणधरतणारेलो ॥ छठकीधासुजगीसरे ॥ सु० ॥ सुणि० ॥ कर्मप्रकृतनामिणकीयारेलो ॥ छठएकसोअठ तालरे ॥ सु० ॥ मर्मरहितसिद्धतेहनारे ॥ जापकियाचि हुकालरे ॥ सु० ॥ ९८ ॥ सुणि० ॥ कल्याणकचोवीसना रेलो ॥ व्रतवीसासोथायरे ॥ सु० ॥ तेतपबेलाथीकरणारे लो ॥ जापजप्याघरिभावरे ॥ सु० ॥ ९९ ॥ सुणि० ॥ इम विधछठछठपारणारेलो ॥ कीनावरसछचीसरे ॥ सु० ॥ मोहनआणखोदेहनीरेलो ॥ सगतोदईणगदोसरे ॥ सु० १०० ॥ सुणि० ॥ जोड़वेकऌंपारणोरेलो ॥ श्रीमेवल पआहाररे ॥ सु० ॥ गणतिरायंबलनीरेलो ॥ तिनहु मांहिविचाररे ॥ सु० ॥ १०१ ॥ सु० ॥ दुक्करमतकरतांच कारेलो ॥ तनरह्योअस्थिसमानरे ॥ सु० ॥ तपकंनका हुगमातणीरेलो ॥ अपनामतपचखाणरे ॥ सु० ॥ १०२ सु० ॥ सापो टानदीयासतोरेलो ॥ सापकोयाउपगाररे सु० ॥ सापजीवप्रतिपाळीयारेलो ॥ सापो मेजससाररे १०३ ॥ सु० ॥ मोहनहोममतानहीरेलाल ॥ रागनहो फकुरोसरे ॥ घेमादयासमताभरीरेलाल ॥ हरयनहिय पसोसरे ॥ सु० ॥ १०४ ॥ दानसीयलतपभावमारे ॥ ध र्मनाच्यारप्रकाररे ॥ सु० ॥ मातामिनादेहमोरेलाल ॥

पुगादेप्याध्याररे ॥ सु० ॥ १०५ ॥ सु० ॥ इन्द्राणीसम सुपकीयारे ॥ सोराजासमराजरे ॥ सु० ॥ देहतणीसम तातजीरेलो ॥ जणीयाथोजिनराजरे ॥ सु० ॥ १०६ ॥ नामबडोनातीवडोरेलो ॥ वडोसुणसपरिवाररे ॥ सु० ॥ भागवडोमातातणोरेलो ॥ सुतजगसेठउदाररे ॥ सु० ॥ १०७ ॥ सु० ॥

दूहा) उकुलकवह मेटैनहो ॥ माततणोजगतसेठ ॥ तीनवारदिनप्रतिकरै ॥ चरणकमलकोभेट ॥ १०८ ॥ सतमागेनवसहस्यदिय ॥ सहस्यकहेदेखन्त ॥ मातानैमा नेसदा ॥ परमेसरपरतन्न ॥ १०९ ॥ दानपुन्यतोमातजी करताहताहमेस ॥ बरसरह्याजवकालके ॥ लागीकरनवि सेस ॥ ११० ॥ वस्त्रपानधनदानदिय ॥ जिहमाग्याजास सरसणवालगिरसोया ॥ सोनैहूयासुप्रकास ॥ ११२ ॥ सुहरसुहरलाहिणकरी ॥ जगतवडोजसलोन्ह ॥ असैक रनीघाणलगि ॥ दूजैकिणहीनकोन ॥ ११२ ॥ पुत्रपौत्र परिवारसौ ॥ हितसो करीघसीस ॥ राजरूद्धिपरिवार युत ॥ जीवोलाषवरीस ॥ ११३ ॥ योसुपअनसनउच्चरी सुधभावसुभध्यान ॥ दानपुन्यकरतांछता ॥ गुणतांसुगु रुयणाण ॥ ११४ ॥ सवसौकोन्हापांमणा ॥ करिप्रभूजि नोध्यान ॥ माणकदेमातासती ॥ पहुतीअमरविमान ॥ ११५ ॥ संवतसचेअठाणवै ॥ पोपकृष्णरविवार ॥ पडिवा पुष्पनक्षत्रमैं ॥ पहुतास्वर्गमझार ॥ ११६ ॥

ढाल) अलवेलाको) धनधन्यमणिकदेसतीरेलाल धनधन्यतुम्हओतारमहासती ॥ जनमसुधारप्राघापणा रेलाल ॥ करितपदानउदाररे ॥ महासती० ॥ ११७ ॥

धन० ॥ चसवंसधनजाणीएरेलाल ॥ गोचगच्छडासाररे म० ॥ धनमाणिकचंदसेठजीरेलाल ॥ तामघरविसुधका ररे ॥ म० ॥ ११८ ॥ ध० ॥ धनधनपूरणमलपितारेलाल धनमातासुपकाररे ॥ महासती ॥ ११९ ॥ ध० ॥ चोथे कालैछपनीरे ॥ श्राविकाणयंतीसाररे ॥ महासती ॥ चं दनवालच्छगावतीरेलाल ॥ सतिसुभद्रासाररे ॥ महास ती ॥ १२ ॥ध०। तासपटतरजांणज्योरेला० । दूणपञ्चम कालरे ॥ महासती ॥ जैनधर्मथिरथापिवारेलाल ॥ लो ग्होएग्रवताररे ॥ महासती ॥ १२१ ॥ ध० ॥ सासमाहि सुणताछतारे ॥ सावससोनीवातरे ॥ महासती ॥ परत षदेषीसांधिसौरे ॥ माणिकदेवीमातरे ॥ महासति ॥ १२२॥ध ॥ सतीतणायतसाभलीरेला० ॥मनहरषेमनभा वरे ॥ महासती ॥ सुधरूपणैसंसारनैरेलाल ॥ कुसती घरैकुभावरे ॥ महासती ॥ १२३ ॥ ध ॥ पासचन्द्रगच्छ परगडारे ॥ वाचकसोहपचंद ॥ तासश्रसुभनसछवरे रेलाल ॥ नामसुमीनिहालचदरे ॥ महासती ॥ १२४ ॥ ध० । स यतसतरग्रठाणवेरे । पोषकृष्णपचसाररे ।महा सती ॥ तिथतेरसजसणपियोरेलाल ॥ मगसूदासादम भाररे ॥ महासती ॥१२५॥ध०॥पढैगुणैजेसाभलैरेला सुणमनधरहिश्रानद ॥ तसुघरधर्मप्रसादथीरेलाल ॥ दिनदिनअधिकग्रानदरे ॥ महासती ॥ १२६ ॥ ध० ॥

माणिक देविजीकोरास सपूर्ण

॥ अथडोकरीनीवातलिख्यते ॥



एकदिनराजाभोजनेमाघपंडित ॥ सहेरसेंकोसदोय माथे एकवागछे॥ तठेगयाजायनेपाछाआपरेसहेर ॥ आ सताया सोआवतांमारगभूला ॥ तरेराजाभोजकहेमाला गोकि ॥ सुणोमाघजी ॥ आपिमारगभूला ॥ तरेमाघजी पंडितकहे। सुणोप्रथवीनाथ ॥ एकडोकरीगोऊरोपेतर पमालेछेसो ॥ उणनेपूछनेठोककरो ॥ तरेदोउअसवार आल्या ॥ डोकरीकनेआया ॥ आयनेवेऊजणारामराम कोघो ॥ डोकरीकहे ॥ आवोवीरारांमरांम ॥ तरेडोकरी बोलीवीराथेकुणछो ॥ वाईमेतोछांवटाउ ॥ वटाउतोदोय तिकेकिसा ॥ एकतोसूरज ॥ बीजोचंद्रमा ॥ वीरासाच बोलोथेकुण ॥ बाईमेतोछांप्राहुणा ॥ प्राहुणातोदोयति केकिसा ॥ एकतोधन ॥ बीजोजोबन ॥ थेकिसाप्राहुणा वीरासाचबोलोथेकुण ॥ बाईमेतोछांराजा ॥ राजातोदो य ॥ तिकेकिसा ॥ एकतोचंद्रराजा ॥ बीजोधमराजा ॥ थेकिसाराजा ॥ वीरासाचबोलोथेकुण ॥ वाईमेतोछांसा धू ॥ साधूतोदोय ॥ तिकेकिसा ॥ एकतोसीलवंत । बीजो सन्तोषी ॥ वीरासाचबोलोथेकुण ॥ वाईमेतोछांजला जलातोदोय ॥ तिकेकिसा ॥ एकतोसाधू ॥ दोजोपा पीथेकिसाजला ॥ वीरासाचबोलोथेकुण ॥ वाईमेतो

छापरदेशी॥ परदेशीतोदोय॥ तिकेकिसा॥ एकतोशो
व॥ बीजोपवन॥ थेकिसापरदेशी॥ मोरासाचबोलोथे
कुण॥ वाईमेंतोछांगरीब॥ गरीबतोदोयतिकेकिसा॥
एकतोछालीरोजायो॥ बीजोमंगतजन। थेकिसागरीब
मोरासाचबोलोथेकुण॥ वाईमेंतोछांधवला॥ धवलातो
दोय॥ तिकेकिसा॥ एकतोवलद॥ बीजोकपास॥ थेकि
साधवला॥ मोरासाचबोलोथेकुण॥ वाईमेंतोछांचतुर॥
चतुरतोदोय॥ तिकेकिसा॥ एकतोअन्न॥ बीजोपाणी
थेकिसाचतुर॥ वाईमेंतोछाहारिया॥ हारियातोदोय॥
तिकेकिसा॥ एकतोबेटीदोटीधीतिको हारियो॥ बीजो
साथेदेणोतिको हारियो॥ तरेडोकरीकहेवालागी॥ तू
तोराजाभोजछे॥ थोमाघपंडितछे॥ इतनियातपूछनेडो
करीनेनमस्कारकरीने॥ असवारहोई॥ आपरैसहेर
आया॥

(इति डोकरीनीवात)

॥ अथसारबोलसिझाय लिख्यते॥

चोपई) भगवतिभारतीचरणनमेवी॥ सदगुरुनामस
दासमरेवी॥ वोलिसचोपईऐआचार॥ जोईलेजणाण
विचार॥ १॥ पंडिततेजेनाणेगर्व॥ ज्ञानीतेजेजाणेसर्व
तपसीतेजेनधरेक्रोध॥ करमआठजोपेतेजोध॥ २॥ उ
त्तमतेजेबोलेन्याय॥ धर्मतेजेमननेसाय॥ ठाकुरतेजेपाले
वाच॥ सदगुरुतेजेभाखेसाच॥ ३॥ गिरुदतेजेगुणभा
गलो॥ स्त्रीपरिहारपरतेभलो॥ जेलोतेजेनिन्दाकरे॥

पापीतेजेहिंस्याआचरे ॥ ४ ॥ रातातेजिनवरतणी ॥ कीरततेजेवीजेसुणी ॥ लबधितेगौतमगणधार ॥ बुद्धिअधिकोअभयकुमार ॥ श्रावकतेजेलहनवतत्व ॥ कायरतेजेमूकेसत्व ॥ मंत्रपरोतेश्रीनवकार ॥ देवपरोतेसुगतिदातार ॥ ६ ॥ पदमीनेतीमर्यंकरतणी ॥ जतितेजेउपजेआपणी ॥ समकिततेजेसाचुगमे ॥ जिघातितेजेभूलीमदे ॥ ७ ॥ लोटोतेजेमाथेपरदोक्ष ॥ धनवंततेजेमानेसोड ॥ मनवधिआणेतेवलवंत ॥ आलसथीअधिकोमुन्यवंत ॥ ८ ॥ कामीनरतेकहिए अंध ॥ मोहजालतेमोटोफंद ॥ दारिद्रीतेजेधर्मक्षीण ॥ दुरगतिभारलेतेदीण ॥ षाप्रातेजिहावोलीदया ॥ मुनिवरतेजेपालेक्रिया ॥ सतोषीतेजेसुपियायया ॥ दुपियातेजेभीवेश्रप्या ॥ १० ॥ नारीतेजेक्षेवेसती ॥ दरशनतेजसोसुदमती ॥ रागद्वेषटालेतेयती ॥ सुधमायातेजिनमती ११ ॥ कायातेजेमोखपवित्र ॥ मायारहितझोएतेजिन सहपियपालेतेजेपूच ॥ धरमझाणिपाडेतेसचु ॥ १२ ॥ सयरागीतेजेविरमेराग ॥ तारूतेभवतरेश्रयाग ॥ रौरवनरकतणोएसाग ॥ छागहणोजेमडेजाग ॥ १३ ॥ देहमाहिसारीजोह ॥ वरसधारेतेमेपेदोह ॥ रसमाहिउपसमरसलोह ॥ थुलभद्रमुनिसादेसि ह ॥ १४ ॥ सावजपेतेजिननूनाम ॥ योगीतेजेजीपेकाम ॥ न्यायवतकहिएतेरीराम । जिनधरमीवसितेगाम । १५ ॥ एहथोलमोल्यामेपरासारनथोएहथोलपरा ॥ कहेपरिहतलपरीकल्लोल ॥ धरमरंगमनधरजोचोल ॥ १६ ॥

॥ इतिसारथोलसिभाय ॥

क्षांपरदेशी॥ परदेशीतोदोय॥ तिकेकिसा॥ एकतोगो व॥ बीजोपवन॥ थेकिसापरदेशी॥ बीरासाचबोलोथे कुण॥ वाईमेतोछांगरीब॥ गरीबतोदोयतिकेकिसा॥ एकतोछाणीरोजायो॥ बीजोमंगतजन। थेकिसागरीब बीरासाचवोलोथेकुण॥ बाईमेतोछांघयला॥ घयलातो दोय॥ तिकेकिसा॥ एकतोबलद॥ बीजोकपास॥ थेकि साघयला॥ बीरासाचबोलोथेकुण॥ वाईमेतोछाचतुर॥ चतुरतोदोय॥ तिकेकिसा॥ एकतोअन्न॥ बीजोपाणी थेकिसाचतुर॥ वाईमेतोछाहारिया॥ हारियातोदोय॥ तिकेकिसा॥ एकतोबेटीदोधीतिको हारियो॥ बीजो माथेदेणीतिको हारियो॥ तरेडोकरीकहैबालागो॥ तु तोराजाभोजछे॥ श्रोमाघपंडितछे॥ इतनियातपूछनेडो करीनेनमस्कारकरीने॥ असवारहोई॥ आपरैसहैर आया॥

(इति डोकरीनीवात)

॥ अथसारबोधसिज्झाय लिख्यते॥

चोपई) भगवतिभारतीचरणनमीजे॥ सदगुरुनामस टासमरीजे॥ बोलिसचोपईऐघाचार॥ जोईलेजजाण विचार॥ १॥ पण्डिततेजेनाणेगर्व॥ ज्ञानीतेजेजाणेसर्व तपसीतेजेनधरैक्रोध॥ करमथाटजीपेतेजोध॥ २॥ उ त्तमतेहेयोलेन्याय॥ धर्मीजेमननेमाय॥ ठाकुरतेजेपाले वाच॥ सटगुरुतेजेभाखेसाच॥ ३॥ गिरुडतेजेगुणगा गाते॥ त्रीयरिणयकरेतेभक्तो॥ मेलोतेजेनिन्दाकरै॥

थापीकने ॥ इन्द्रसुरलोकेगावेरे ॥ इत्तधरमपालेसदा मेरुमिचूजगिररायीरे ॥ १३ ॥ वी० ॥ प्रथमीजिनसंहित करी ॥ पाम्योसुवअपारोरे ॥ देवलोकसुखभोगवी ॥ पामेअयपदकारीरे ॥ १४ ॥ वी० ॥ पांचसेंआरानेकहुछे चतुरदिवसहुवासीरे ॥ छठोआरोविसतो ॥ जिनधरम प्रथलवासीरे ॥ १५ ॥ वीज गोइरेगगनीजावसे ॥ चीज रागनकोईरे ॥ चोत्रिपहरसहुजोपना ॥ छठोआरोवेसेसोईरे १६ ॥ वी० ॥ छठेआरेरालानजी ॥ रिलशासोसरवशेसोरे ॥ वीलवरसनेआउपो ॥ ॥ केवरमलेनारक्षधरसोरे ॥ १७ ॥ वी० ॥ वरसमहसचोरासीपयो ॥ भोगवसीअवक रमोरे ॥ तीर्थकरहोसेभलो ॥ श्रेणकजीवसुमधरमोरे १८ ॥ वी० ॥ तासगणधरअतिसुन्दरू ॥ कुमारपालभू पालोरे ॥ आगमलाघोजोयने ॥ रचियानयणरसालोरे ॥ १९ ॥ वो० ॥ पांचमआरानाभावए ॥ आगमभाष्यावी रोरे ॥ भव्यजीवविचारोनेकहा ॥ सांभलजोभवधीरोरे ॥ २० ॥ वी० ॥ भणतांसमकितसंपजे ॥ सुणतामङ्गलमाल रे ॥ जिनहसेफविदेपीये ॥ एहसिझायरसालरे ॥ २१ ॥ वी० ॥ इति ॥

(कलंकसिझायसंपूर्ण)

॥ अथआउपानीसिझाय लिख्यते ॥

येवेमुनिवरवेहरणपागुरारे (एदेशी) आउपोतूटो साधोकोनहीरे ॥ तिणकारणमकरोजीवप्रमादरे ॥ सरा आयंनेवरणोकोनहीरे ॥ हिंसाछोडीनेदयापालरे ॥ १

॥ अथकलंकीसिझाय लिख्यते ॥

वीरकहेछेगौतमसुणो ॥ पञ्चमआरानाभावरे ॥ वी०॥
सुहरहोसीतेगामडा ॥ गामडाहोसीमसाणोरे ॥ विन
गोवालेधेनघरे ॥ २ ॥ पाखंडोघणाआगसी ॥ भागसीभर
मनापंथोरे ॥ आगमसतमरडोकरी ॥ करसीनवानवाग्र
न्थोरे ॥ ३ ॥ वी० ॥ कुमतीझाझाकदाग्रही ॥ थापसी
आपआपीआरे ॥ साम्रचनामारगमूकसे ॥ करसीनिज
सुषवीलोरे ॥ ४ ॥ वी० ॥ सुझकिडेकुमतीघणा ॥ होसीति
निरधारीरे ॥ जिनमतनोरूषिनविगमे ॥ थापसीनिजमत
सारीरे ॥ ५ ॥ वी० ॥ चालणिनीपरेचालसी ॥ धरमन
जाणसीभेदोरे ॥ आगमसाखनेटालसी ॥ पालसीआपछमे
दोरे ॥ ६ ॥ वी० ॥ राजाप्रजानेपीडसी ॥ होडसेनिरधन
लोकोरे ॥ मांग्रानवरसेमेहवा ॥ मियग्रहोसीवहुलाथो
गरे ॥ चोरचरडवहुलागसे ॥ वोलनपालसीबोलोरे ॥ सा
धूजनतीसिघासी ॥ दुरजनवहुलाखोलोरे ॥ ८ ॥ वी०॥
संयतवगणीसथोदोतरे ॥ होसेकसलकीरायरे ॥ मात
माह्मणीसुजाणीये ॥ बापचडालकहिवायोरे ॥ ९ ॥
असोवरसनोआउषो ॥ पाडलीपुरमेंहोसीरे ॥ तसुसुत
दत्तनामेगलो ॥ स्रावकक्कुलसुधधरसीरे ॥ १० ॥ वी०
कीतकीदामघलावसी ॥ परमतपातीजोयोरे ॥ चोयलेसी
भिघातणी ॥ महाअकरमीकहायोरे ॥ ११ ॥ वी० ॥
इन्द्रवयधिकरणोवसी ॥ देपसीएहसरूपोरे ॥ द्विजरूपेआ
ईकरी ॥ हणसेपालकीभूपोरे ॥ १२ ॥ वी० ॥ दत्तनेराज

॥ अथमैणरेहाजिकोचौपइ लिख्यते ॥

दूहा) भुवाजासदाछथको ॥ अरेवेष्ठासुंभोग ॥ जीवहिंस्याचोरीलरेपरनारीनेंभोग ॥ १ ॥

ढाल) विसनसातमेंपरनारीनों ॥ परतिपमापदिपायो ॥ रांतणपदमोत्तरक्षणरथराजा ॥ तीनांरोगजगगायो (राजयीवांनेराजपीयारो) १ ॥ मणरथराजाकरसनसोवी ॥ जुंगबाहलैलायो ॥ आमसुंदोनेंराजगलायो ॥ ढापकछुनहीआयौ ॥ २ ॥ रा० ॥ रावणराजापहिलीहुवो ॥ पछैपदमोत्तरआयो ॥ तोनोकथामणरथराजानी ॥ तेसुणज्योचितलायो ॥ ३ ॥ रा० ॥ जंबूद्वीपना भरथखेतमांहि ॥ नगरिसुदसणभारि ॥ धनससंपूर्ण देपतीसुन्दर । प्रजासुखियाभारी ॥रा० ४ ॥ मणरथराजारे धारणीराणी ।रिद्धतणोविस्तारो ॥ हाथीघोडारथपायक सैन्या ॥ वरतैचौथ्योधारो ॥रा० ५॥ रुचक्रनेंभच्चक्रफेरो विद्धनकीतिवधारो । मनरथराजारेजुगबाहभाई सांझोमांहिलैप्यारो ॥रा० ६॥ पांचइन्द्रीतणाभोगभोगवतो नाटक पडेदिनरेणीं । विविधपरकारनी क्रिडाकरतां । विपैविलून्धलपडाणो ॥रा० ७ ॥ मनरथराजाराजभोगवतां चढीयौ महिमाउदारो ॥तिणअवसरमेंमयनरेहादीठी ॥जुगबाहुनीनारो ॥रा० ८ ॥ रूपदेषीनेराजअचरजपाम्यो ।अहोरू

आ० ॥ कुटंबकबोलोनारीकारणेरे । सुरपसंख्यामउथा पापरे ॥ चोरतणोपरेकूरडीभूरसीरे॥ सहसीदूहलोक परलोकसन्तापरे ॥ २ ॥ आ० ॥ कंभाणिवायामंदिरमा लियारे ॥ दीदेघरतीमेसंठोनीवरे ॥ दूकदिणसघणाको उठीसस्योरे ॥ सुपटुमसहेसिषापबोणीवरे ॥ आ० ॥ चक्रयरतहरिदसरायाकिसनोरे ॥ जोयजोवसिहंद्रसुरारो नायरे ॥ ऊगीऊगीनेडवेक्षोआयम्यारे ॥ जोयजोकोदूप परिजसाळोवातरे ॥ ४ ॥ आ० ॥ चयिरसंसारतणोस निनीसरारे ॥ करतांमुनिनवकसपीमिक्रारे ॥ मारंड पंचीनोदीघीडपसारे ॥ मघरेममतानेहलिगाररे ॥ ५ ॥ आ० ॥ आरिनपालेस्छोरीतसूरे ॥ देवेसुनिअपनोडपदे सरे ॥ तिकोसुनिवरसिवासोमोघनेरे ॥अमलोईदूहलोकेय रलोकरे ॥ ६ आ० ॥ घमदरूपदेघीसमताघरेरे ॥ मकरो सुनिभणियारोअभिमानरे ॥ भटघचोथमससूमदेघनेरे ॥ मोहकोपीणाजोरमन्काररे ॥ ७ ॥ आ० ॥



(इति भावथानी सिज्झाय).



॥ अथमैणरेहाजिकोचौपइ लिख्यते ॥

दूहा) सुखाल्तासटाहृयकी ॥ नरेवेध्यासु भोग ॥ जो वहिंस्याचोरीकरैपरनारीनोंभोग ॥ १ ॥

ढाल) विसनसातमोमरनारीनों ॥ परतिपमापदिपा यौ ॥ रावणपदलोत्तरसणरथराजा ॥ तीनारोगशगमा यो (रानवीयंनेराजणेदारो) १ ॥ नवाग्यराजावारस नसोवी ॥ जुगयाहुमैणायो ॥ आपमु दीनेंराजगसा यो ॥ शायकछुनकोआयो ॥ २ ॥ रा० ॥ रावणराजाप छिलोछवो ॥ पछैपदमोत्तरराया ॥ तीजीकथानणरथ राजानो ॥ तिसुणज्योचितलायौ ॥ ३ ॥ रा० ॥ जंबूद्वीप ना रूरथखेचसाहि ॥ जगरिरुदंसणाभारि ॥ धनसंपूर्ण देपतीसुन्दर । प्रजासुपिराजारी ॥रा० ४ ॥ लनरथराजा रे धारणीराणी ।रिद्धतणोविस्तारो ॥हाथीबोडारथमायक सेन्या ॥ वरतेचोथ्योधारो ॥रा०५। सुचक्रनेंपन्चक्रमेरो विदजनकोतिधारो । मनरथराजारैजुगबाहभाई नांहोमां छिकैप्यारो ॥रा०६॥ पांचइन्द्रीतणाभोगभोगवतो नाटक पडेदिनरेणों । विविधपरकारणी क्रिडाकरतां । विपैविरू न्वलपड़ायो ॥रा०७॥ मनरथराजाराजभोगवतां चढीयौ मदिलाऊदारो ॥तिणपवसरमेंमयरेहाटीठी ॥जुगबाहु नीनारो ॥रा०८॥ रूपदेपीनेराजथचरजपाम्यै ।अहोरू

पणतुमारो। ईनराणीनेंड्रगाजमैरापू। सुषविलसु संसारो रा० ९॥ मनरथराजाकरमनसोची जुगबाहु नेंबोलायो॥ करोसभाईम्रायुघसालानी। छदेषलेयानेणायो॥रा०१० हाथजोडीनेंजुगबाहुबोल्यो म्रोतोथोडोछेकामो॥ राव विराजोराजसभा। हुंजासूभाईतामोंसे॥ रा०११॥ मनरथराजाराजीहुवो॥ हुकमकीयोछेभाई॥ देषकी सोकायलकरिम्रावो॥ वेणावोफोजसभाई॥ रा०१२ जुगबाहुतीउथ्योसितायसु। हरपहुवोमनमांहि॥ सिखो कायलकरपाछोम्रासु सवसुखरोकरूंभाई॥ रा० १३॥ ले फोजांजुगबाहुचढियो॥ जजलामजलाग्रायो॥ जुगबाहु तीमनमेंनजान्दी। मनरथसीघोछपायो॥रा०१४॥मनरथ राजामयनरेषाने। मारीवलमजावे। गहणांजडावरावषि म्रासोपे। दासीरेहाथमछ्लावे॥ रा० १५॥ दासीरा थारेंलानेवसपहु छाये। ईहराणीनेजायी॥मनरथराजा चोकमनायो। तिन्रीयमरत्याछायो॥ रा०१६॥ मयनरेषा जालाडिणान्यो-। घनीयाम्होकेगामी। मयनरेहा मनजानीजासी॥ छेठपिताई ठासी॥, रा० १७॥ इम णारिरायीउराबिया॥वसम्रासूपणसायो। नेहसनेह वसजमेयो। जाण्योसागोम्हारेलारो॥ रा० १८॥ मयनरेहानेरिसगम्राई।दोनिदासोनेंम्हभ्घारो।घनीती म्हारोपरदेससिघायी रानापछियोम्हारेलारो॥ रा०१९ दासीतोजा ग्रेंदिखणीरकई॥ राजापासिम्राई॥ मयनरे हातीराजाकोपकगेने॥ दोनापकयनाई॥ रा० २०॥ मणरथराजा रातेंम्हकेमे॥ केद्रहभाईकेजायी॥ दर वानीतीयाडीवादोठी॥ केलोजारेंलेगयो॥ रा० २१॥

मयणरेहातोमनमांहिंमांण्यो। मणरथराजाआयो॥ बीजोतो कोईउपायनदीसे। ऊसासुनैंदूरैगमायो ॥ रा० २२॥ मयणरेहातीछानोजायनें॥ दोनोंछेजनायो॥ अमलामि सतोमाताजाण्यो। बेटोभोलेआयो॥ २३रा० ॥ आतोम हलमेंटाजुगबाहुनो। मङ्गलपैलीकानीथारो। वचनमाता नोसांभलराजा॥ लाज्योछैतिणयारो॥ २४ रा० ॥ मैंण रेहायेंमनमेंजाण्यो। पडीयोगवेसेमाहरै॥ तोकाम्गोदमे कोंधनीनें। वेगाआवज्योदुणवारै॥ २५ रा० ॥ वोती यातलिखीकागदमें। जीवतोकांणोमोनें। तोपाछावरेवेगा आवज्यो॥ दगोकीयेछैथानै॥ २६ रा० ॥ कामोदकाग ददीयोसौताथसुं। जुगबाहुनेंजाई ॥ कागदवांचनेजुग बाहुजाण्यो। दगोक्रायोछैभाई॥ २७ रा० ॥ हमजाणीनें राजापाछोवलीयो। ढीलनकोनीकाई॥मोहरत नहो रा जामहलजांयणरो। निमतोयेंमातवताई॥ २८ रा० ॥ जु गबाहुतोडेरोबारैकीनों। नगरीमेंनहीआयो ॥ मणरथ राजारोडरजांणीनें। रांणीधणीकनेंआयो ॥ २९ रा० ॥ मेणरेहामिचआपधणीरो। परपुरुषप्रीतनजांणी॥ थिरता रापणआपरोसारू। जतनकरैछैप्रांणी॥ ३० रा० ॥ मैं णरेहातोपऊंतीसितावसुं। मिघसुंमातसुणाई॥ जुगबा हुतोमनमेंनजाण्यो। मारेलोधानेंभाई॥ ३१ रा० ॥ जुग बाहुनेंआयेआणीनें। हरऊपनोंराजारै ॥ मनरथराजा करयचिमांसण। छमरावछैदूणसारै॥ ३२ रा० ॥ जुग बाहुनेंरांणीकहैछै। दगोकरैलोभाई॥ साथसमानछैदूण रैसारै। ऊतोपङ्किसीमारूंजाई॥ ३३ रा० ॥ भाईमार णराजारातनेचाल्यो। चढीयोएकसपाई॥ दोढीदारचा

करपाततां । गयोधकायनेंमांहि ॥ ३४ रा० ॥ मेघरेहातो मनरोदापवी । मघरथरानाआयो ॥ रांणीकहेसावधान ह्यो । मारेलोथांनेभायो ॥ ३५ रा० ॥ मेघरेहातोवा रोह्ई । गगानेछोआयो ॥ मुगवाछतोनेहरोसूतो । मघ रथधावणवायो ॥ ३६ रा० ॥ भाईमारनेंराजापाछोवहि यो । होयघोडेअसवारो ॥ सरपपूछडीपुरसेटेयोथो । घा घोछैतिणवारो ॥ ३७ रा० ॥ मघरथराजाहेठोपडीयो । मरणैगयोततकालो ॥ घवरनहीकोईराणसभामें । करमां कोनोकछैचालो ॥ ३८ रा० ॥ मेघरेहातोकहेंघाई । दुष धरतीमनमांई ॥ मेतोथानेकह्योछोमहाराजा ॥ मारेखो थांनेभाई ॥ ३९ रा० ॥ मेघरेहातोकहेंसणीनें ॥ करोस थारोसोई ॥ ध्यारेंघरथांथानेहोइज्योनहो । फिणहोरो कोई । ४० रा० ॥ मोरामीतमजोईथानेंसोपा । वचनही यामेंधारो ॥ साहिबतोपरदेशसिधावो । कुंभातोवांघूछ् लारो ॥ ४१ रा० ॥ मोरा० थारेंदेवघरिहतछे । गुरुनि ग्रन्थयोसाधो ॥ धरमेंकेवलोमाष्योदयामें । समकितनेंश धाराधो ॥ ४२ रा० ॥ मोरा० ॥ थांनेजीवमारणरो । आ सजीवपषघाणो । सरवप्रकारेंस्पावादे ॥ घदत्तादानमें ,जायो ॥४३रा० ॥ मोरा० यानेंमैथुनसेवणरी । नवविधवा डप्रमाणो ॥ मनुष्यदेयतातिरजंचसंयन्धी । जावजिवपच षांणो ॥ ४४ रा० ॥ मोरा० थांनेंक्रोधमांनरो । मायालोभ एध्यारो ॥ मनमेंतोामबतामतिरापज्यो । -आवजीयपरि हारी ॥ ४५ रा० ॥ मोरा० थांनेरागद्वेपदोई । योजकरमां रोणायो । कलहध्रभोयगपेशुन्यचाडी ।परपरवादमधर्मा यो ।४६रा० ॥ मोरा० रतिअरतिदूसणाचोमायामोसनहीं

भलो ॥ पापअढारेविविधकोसराउ । मिथ्यादरशणशलो ४७ रा० ॥ मोरा०मरणतणोभयनांणो। धरमसाचोकरि जाणो ॥ परभवमें तोसाथेंचालसी । गाठेबांधीनांणो ॥ ४८ रा० ॥ मोरा०थेमोह्थकोसनशालो । मोमेंजोवमत घालो । करोअसोयणकारणसरेन्य् ।मतरापीकोईसालो ४९रा०॥मोरा०थेदुष्टदृष्टान्ते। मनुष्यजन्मारोदुहेलो ॥इण भवमेंजोपुन्यकरेतो । परभवसुखसुहेलो ॥ रा० ५० ॥ मोरा०करोधरमविचारो। सुपनारोसाथाजाणो ॥ डाभ अणोजलबिंदुअजांणो। मनमेंथमताआंणो ॥ रा० ५१ मोर०थेदोसकरसारोजांणो। वोजानेंदोसनदोजे॥ कटण वेरतीकोईनकाशइ । वन्धातिभगतोजे॥ रा० ५२ ॥ मो रा०किणरामातापिता। कुणकुटम्बकुणभाई ॥ धररोती साकिमनहोअस्ती। स्वारथसरवसगाई॥ रा० ५३॥ मो रा०नहोकायाआपणो ।साचोधरमसगाई ॥धकुसिमनेश रोपासांणो। अवसरजाणोठाई ॥ ५४ रा० ॥ मोरा० थारेअरदहणाशुधके । चोविहारअणसणदोयो ॥ अर णोसरूनेंएकदिनहाँ । सी ठोरापव्योहोयो॥ ५५ रा० भगवानतोसथारोअरदको । साहाव्यदोयोछेराणी।। पेलेमासैकालकरोनें । जायऊपनेविमानी ॥५६रा०॥मैण रेहाछातीकाठोकरनें। कारजधणीनोंकोयो ॥ पूगमिच तीपारउतारे। घनणीवितव्यजिणरीहोयो॥ ५७ रा० मी हमयेंहोयकांमविगाडे। मरणोमेरिनरकमेंधाले॥ स गानहोतोपूरावेरी। सुसलेतांमेपाले॥ ५८ रा० ॥ मिच होवेतीमरणसुधारे। करेंपरउपगारो ॥ देअरदहणासूम करावे। तेमिरणासंसारो ॥ ५९ रा० ॥ धनछे स सारमें

मैणरेहारांणी। मोहघणोनेंनिवारयो ॥ आपतणोभरता रमांणीनें। तिणोउपदेशदेईनेतारयो ॥ ६० रा० ॥ मैणरे हामनमांहेजांणी। रिसेंपकडैलोमीनेरायो ॥ वैसवदसनें परहीनांमू। दायीनांसधरायो ॥ ६१ रा० ॥ हेरामें सु तीवारेनिकली। गईउजाडरेजायो ॥ पूरोआपदानकों कोईसाथे। रांणीदुंकुमरजायो। ॥ ६२ रा० ॥ जिणआ माटघोटणहीता। वाटताराजमधाइ ॥ विपयवियोगमे कुमरजायो। कोइनोकरमकमाई ॥ ६३ रा ॥ चापो पाछलासुरांणीडरपे। रिसेआवैलोकोइसारो ॥ इमजां णीनेकुमरजेंणायो। पुइकारगारैसागे ॥ ६४ रा ॥ को मलकायानेंकारणपडीयो। पांचपडैनहीठायो ॥ कुमरतो रांणीनिमतीनजांण्यो। मालकलैलैमायो ॥ ६५ रा० ॥ चिरविछाइजपरसुवाण्यो। यालमिछोडो जांयरो। शीतम यारोशीसोनिमजाया। मणरेहादुखआंयरो ॥ ६६ रा कुमरमेंघरांणीणाणीपाली। अन्नविनासुनोकाया ॥ क टेसुवावडकुणमजलागामें। करजांबिनदियाया ॥ ६७ रा० मर्यादाथनेंदाणीकुंता। राजकुमारनोवायो ॥ टाढोपल दामांहेरहीतो। रांणीएमलीणायो ॥ ६८ रा जाता जाताआगेमदोआई। पांणीसेंसरूपधाल्या ॥ सिनांनक रीनेंतीरजवैठी। कठोदुखनेंआला ॥ ६९ रा० ॥ कोण वियोगपडीमोमांहे। किसेठिकाणेंआई ॥ रोहोमेंभमती एकलडो। रोवैछेंमिलणाई ॥ ७० रा० ॥ किणघरजनमो किणघरआई। राणारीरांणीमजाई ॥ साहिबमारुरीमू वोमेंलो। हरोहीमेंघाई ॥ ७१ रा० ॥ कुमरांविछोहोमा तापितारो। सुगयामसुमाई ॥ सुनमहमनेंपाछोमिल्यो

वालकछैंमनमाद्र॥ ७२ रा० ॥ मश्हिलभरीपासीमाजी
लीरी। रानवीर्यांरूसनाई ॥ ऋद्धिसाहिवीऊभीमेली।
हुंआयवैठोरणमाहे॥ ७३ रा० ॥ विषमऊजाडनेंतीर
नदीनी। सुपनहीतिलरती ॥ मैंणरेहातीदुखकरदोरी
सहटपदोछैंसती॥ ७४ रा० ॥ भूरैघणीनेंकरैअणराई।
दुखभरछातीफाटै॥ मैंणरेहानीदुखप्रभूजांणै। वैठीछैत
टमाटे॥ ७५ रा० ॥ संयोगरूपिणीरूईझंती । विमोगें
तिणवाली॥ नांथविछुणीदुखनीकरती । थांनीरणमें
रालो॥ ७६ रा० ॥ देषोसगाईइणसंसारमें। वीछडतां
नंहोवारो॥ इमजांणीनेंधदगुरूसेवो। लाहोलेजगैसारो
७७ रा० ॥ तिणअवसरदेवताइमजांणै । दुखकरैछैरां
णी॥ वैक्रियरूपकियोहाथीरो । रांमतमांडीमांणी॥
७८ रा० ॥ दुखविसारनविलंबनकीयो । सुंडसुंछालेपां
णी॥ दुषभरीनेंहाथीदीठो। रांमतदेषैरांणी ॥ ७९रा०
जिमजिमरांमतदेषैरांणी। हूवरिणरांमतभारी॥ घर्म
अकूरोपुन्यसंयोगें। आवैछैनरनारी ॥ ८० रा० ॥ देव
तछैकोईपरउपगारी। रांणीनेंसुखसुंमोलें ॥ जितरैनें
डाआयनिकलिया। लेकैमिमाणमेंमेलें॥ ८१ रा० ॥ वि
द्याधरतीराणीऊभी॥ रूपघणोइणनारी॥ तुरतविमाण
लेपाछोमलियो। सुपमिससासंसारी॥ ८२ रा० ॥ मैंण
रेहातीमनमेंमांणत्री। किणदिशएलेजावे ॥ योतोनही
दीसेंछैआछो। रुयोसुभाथीलपंखावे॥ ८३ रा०॥ विद्याध
रनेंमणरेहापूछे। जाताकिणदिशसदाई ॥ अबेतोथेपा
छामलोया। कांईदिलमाइआई॥८४रा०॥भगवंतनेंतोटर
शणजाता॥ तोसरिषामिलोनारी। इमजाणीनेंपाछोवलि

यो ॥ सुखविलसासंसारी ॥ ८५ रा० ॥ मैणरेहाकीम
बधनदायवे। भगवंतदरशणजातां ॥ मारगमैंपाखेऋष
भिणीछू ॥ नफोघणोदरशणकरतां ॥ ८६ रा० ॥ तोचक
रणोदरशणकरतां। परसनकोसीकावो ॥ विद्याधरतोपा
छोबलियो। मैणरेहारैमनभायो ॥ ८७ रा० ॥ समवसर
णसुनेंडोआयो। विमाणसुजतरीया ॥ कारनदणानेंसुवे
घांणो। कारनसगळासरीया ॥ ८८ रा० ॥ जुगबाळतो
देवताक्रयो। ऊभोछैजंमनेंघांणी ॥ सीवकतोकरजोडोच
रणितदे। जैमैकरैसुघवांणी ॥ ८९ रा० ॥ इणठामेसांमी
आयनंपनां। छुवाअमरानाथो ॥ कोचगुरुनोसेवाकीनी
दानदियोछैहाथो ॥ ९० रा० ॥ म्यांनकरीनेंदेवतादीठो
पूरबभवनेंविचारो ॥ जुगबाहुतोम्हारोनामकहंतो। मैं
णरेहाम्हारीनारी ॥ ९१ रा० ॥ मैंणरेहारैकारणमोनें
मणरथभाईमारयौ ॥ देणरणानेंसूसकरायो। मैंणरेहामो
नेंतारयौ ॥ ९२ रा० ॥ उपगारोनोंगुणजांणोनें। देवता
दरशणआयो ॥ देखूमैणरेहाकुणठिकांणे। बैठोघमोमरत
मांयो ॥ ९३ रा० ॥ परगटरूपकोनोछैदेवता। प्रभुनेंमद
चणांदोधी ॥ साधसाधवोनेंवंदणांकरिनें। मैंणरेहानें
मदणांकोधो ॥ ९४ रा० ॥ परपदादेषीनेंकसवाळागी
देवदीषेछैगेलो ॥ प्रभुनेंतोचदनांकोधो। निणरीप्रभुच
णरदेलो ॥ ९५ रा० ॥ जुगबाळइणरोनामकहंतो। मैंण
रेहाइणरोनारो ॥ घरमतणोंइणनेंसाजदीधो। उवो
सुरथयतारो ॥ ९६ रा० ॥ मैणरेहारैकारणजनें। मणरथ
भाईमारयौ ॥ देणरणानेंसूसकरायो। इणनेंमैंणरेहातारयौ
॥ ९७ रा० ॥ मैंणरेहातोमनमैंजांणो। क्योदीधो

छैमाहरो॥ दूणभ्रमघरमेंसंजमआवै। पछैविद्याधरनोनहो सारो॥ ९८ रा०॥ मरीपरपदांमेंमैणरेहाऊठी। बोलै छैकरजोडी॥ आज्ञादोतोसंजमलेऊं। टालूभवतणीपो डी॥ ९९ रा०॥ देवकहैथांनेंआज्ञामांहरी। ल्योसंज मभारी॥ जुगबाहूतोऊरपझ्यो। मैणरेहानेंतारी॥ १०० रा०॥ मनेतोविद्याधरल्यायो। मरवशवातप्रकाशी कहैविद्याधरकहौदेवता॥ गयोविद्याधरनांशी॥ १०१ रा०॥ मैणरेहातोसंजमलीधो। ध्यानमणैगुरुणीपासैं॥ मिनयकरीनेंआज्ञापालै। सुमतिगुपतिकरपासै॥ १०२ रा०॥ देवतातोमनमेंहरपजपाव्यो। पुज्याप्रभुजीनापा यो॥ साधुसाधवीसर्वमांदोनें। आयोजिणदिशजायो॥ १०३ रा०॥ देवतातोअपणेठामेंपहोतो। मैणरेहासंजम पालै॥ बालकतोमारगमेंमेल्यो। आपरापुन्यरपवालै॥ १०४ रा०॥ नातोकोईहिंसकनेडोआयो। नहोकोईपं षीपायो॥ देवोपुन्याईनेंप्रभावथी। सुखातकोनसहायो १०५ रा०॥ मिथलानगरीनोंपदमरथराजा। पढीयोधि कारजसोई॥ पापकरंतांपडेपाधरी। पूरवसुक्षतहोई॥ १०६ रा०॥ करअश्वमारीराजारणमेंफिरतो। जावजीव समकोई॥ रनमाहैतोबालकसूतो। दीठोराजासोई॥ १०७ रा०॥ बालकनेडोराजाआयो। रूपदेपननेंचमरि जपायो॥ बालककोईपुण्यवंतदीसै। राजारैमनभायो॥ १०८ रा०॥ माहरारजमेंपुत्रनहीछै॥ माहरैअहणमें आयो। तोहूणबालकनेंकरोलेऊं॥ सौंपूराणीनेंजायो॥ १०९ रा०॥ कुमरलेईनेंराजापाछोवलीयो। आयोराजदु वारो॥ पुष्पमालारांणीरायतेडावै। पुषदीयोछैकरतारो

११० रा० ॥ नवमासांतोभारमरैछै। देवतापितरमनावो आपणोपूरवपुण्यकरीनें ॥ कुमरसंहजनमेआयो ॥ १११ रा० ॥ आपणांराजमें पुत्रनहीछै। करोहूवरोप्रतिपाळो राजत्तायकयोकुमरदोसै॥ होसीराजरपाळो ॥ ११२ रा० ॥ भारभोळावणदेईरांणीनें। नमीयकुमरपोलैघाल्यो पुण्यवतराजमेंआयामछै। भोमियानेंमनभाव्यो ॥ ११३ रा० ॥ भोमीयांमाहरैमनमीठुंता। कुमरराजमें चोयो भोमीयांसवमाहरैचाकरहुवा। नमीयनांमदीरायो ॥ ११४ रा० ॥ नमीयकुमरपदमरथराजा। दिनदिनवधतो होई ॥ मातपितामनवधीसाही। तीसुखज्योसकोई ॥ ११५ रा० ॥ जुगबाहुनेंमणरथमार्यो। विषयारसरैवा यो ॥ पाछांवळतानेंसांपमणायो। गयोनारकीमांयो ॥ ११६ रा० ॥ दोनूराजारीभरथाहुवो। पवरहुईनगरीमां ही ॥ मणरेहातोनिकळनांठी। तिणरीषमरनहीकाई ११७ रा० ॥ ससारनेंतोकारजकीयो। राजजुगबाहुनें दीयो ॥ किणनेंदोसनदीजेरेप्राणी। करमेंआपराकीयो ११८ रा० ॥ जुगबाहुतोराजकरैछै। वरतैछैचोथोआ रो ॥ बापतणोमनमेंयोदोआवै। पिनूदुखवरतैमातारो ११९ रा० ॥ नमीकुमरतोमोटोहुवो। वैरपडीराजारो नमीकुमरनेराज्यमेंसांप्यो ॥ सुखविलसैसंसारो ॥ १२० रा० ॥ जुगबाहुतोदेवताहुवो। मणरेहासजमपाळे ॥ जुगबाहुनेंनमीभाई। दोनूराजरपाळै ॥ १२१ रा० आठकरमछैमहाणोरावर। जीवमेंफोडामाडै ॥ आरांने तोन्यारीकीना। फिरतथपिछदियाडै ॥ १२२ रा० । दोनू राजाराजभोगवतां। चढयोपडीकैसीमाडै। मोमआपणी

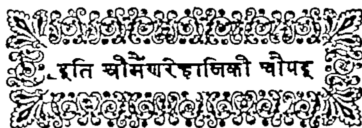
रायणसारु। करेराजवीराडो ॥ १२३ रा० ॥ जुगवलभ तीमनमेजाणे। भायलडदीयेकठारो॥ देषीनेंमाहरीय रतोलेषी। गजवीयांश्रहंकारो ॥ १२४ रा० ॥ जुगवल भतीफोजालेचढीयो। कांकरहसीमांणावे ॥नमीराजामन में कोपकरीने। मनमें मगजनमावे ॥ १२५ रा० ॥ नमी रायतीकरिनेंसभाई। वोलेछै वांकीवांणी ॥ मरममोसी वोलेमातारो। चडीयोक्हे ईमजाणी ॥ १२६रा० ॥ तिण अवसरमेंमेणरेहाणी। मनमेंदूसहीश्रांणे॥ अंगजातछे दोनूमाहरा। नहोइठेपुन्यप्राणी॥ १२७ रा० ॥ घणा जीवांनौघातजहोसी। मरसीघणाश्रजाणी॥ यांसूणीकी ईउपगारकीजे। मेंणरेहामनश्रांणी॥ १२८ रा० ॥ कर बंदणानेगुरणीनेंपूछे ॥ आपकहोतोहुंजाऊं। दोनूरा जारैराडमंडाणी। छुडाईनेंसमझाऊं ॥ १२९ रा० ॥ मांहोमाहेतीवोईनहठके। अंगजातछेम्हारा ॥ मणांणो यानीघातजहोसी। परणामएकदयारा॥ १३० रा० ॥ देषीपुण्याईराजवीयांरो। गुरणीतीनहींवरजे। सत आपरीसैठोरायनें। पछैपरोपगारकरजै॥ १३१ रा० ॥ करवंदणानेंमेणरेहाचाली। लेसतीयांनेंसाथै॥ जुगवलभ तीसै'धपिछांणी। मछिलीउणावाती॥ १३२ रा० ॥ कां कडसीमाठीढठिभाणे। फोजापढीक्टेदोई ॥ जुगवलभनें लयकरपूछी। चालीमें णरेहासोई ॥ १३३ रा० ॥ मेंणा रेहासतीचरमशरीरी। आपतिरैपरतारी ॥राजकमेंढो सुं नेंडीश्राई।निजरपड़ीराजारी ॥१३४रा०॥जुगवलभती जव्योसितामसू। विनयकरायोछैभारी ॥ सातश्राठपगसाह मोजाइनें। महासतीयांवधूपधारी॥ १३५ रा० ॥ मेंणा

११० रा० ॥ नवमासांतोभारमरै छै । देवतापितरमनाबो आपणेपूरवपुण्यकरीनें ॥ कुमरसङ्गमेंआयो ॥ १११ रा० ॥ आंपणाराजमें पुचनकीछै । करोइयरीप्रतिमांबो राजलायकयोकुमरदोगै ॥ होसीराजरेपलाखो ॥ ११२ रा० ॥ भारभोलासणदेईराणीनें । नमीयकुमरपोलेघाल्यौ पुण्यवंतराजमेंआयाप्रछै । भोमियांनेंमनघाल्यो ॥ ११३ रा० ॥ भोमीयांमाहरैमनमोऊंता । कुमरराजमें आयो भोमीयासममाहरैचाकरऊया । नमीयनामदीरायो ॥ ११४ रा० ॥ नमीअकुमरपदमरथराजा । दिनदिनवधतो होई ॥ मातपितावंछवसीसाहो । तिसुखज्योसङ्कोई ॥ ११५ रा० ॥ जुगबाऊनेंमणरथमारयो । विषयारसरेंबा यो ॥ पाछामलतानेंसांपजपाधो । गयोनारकोमांयो ॥ ११६ रा० ॥ दोनूराजारीमरणाऊवो । घवरऊईनगरीमां ही ॥ मैणरेहातोनिकलनाटी । तिणरोघवरनकोकाई ११७ रा० ॥ संसारनोंतोकारजकीयो । राजजुगमभनें दीयो ॥ किणनेंदोसनदीजेंरेप्राणी । करमेंआपराकीयो ११८ रा० ॥ जुगवलभतोराजकरै छै । घरतेछै वोबोभा रो ॥ मापतवोमनमें थोडीआवे । पिनूदुखकरतैमातारो ११९ रा० ॥ नमीकुमरतोमोटोहुवो । वैरपडोरोराजारो नमीकुमरनेंराज्यमेंसांप्यौ ॥ सुखविलसैसंसारो ॥ १२० रा० ॥ जुगबाऊतोदेवताऊवो । मैणरेहासंजमपाले ॥ जुगवलभनेंनमीभाई । दोनूराजरपनाले ॥ १२१ रा० आठकरमछैमहाजोरावर । जीवमें फोडापाडे ॥ म्हारांने तोन्यारोकीना । भिरतपपिछदिपाडै ॥ १२२ रा० । दोनूं राजाराजभोगवतां । थडयोपडोहैसीमाडे । ओमआपणो

कासूकारणपडीयोयाहरे।दूसहैअवधरमाई ॥१४८रा० किसुंकारणथारेदोनूंराजारे। भगडोपडयोमाहोमाई ॥ फोजग्रंथीथैतोमैणीकीनी । तिणैकारणऊंआई ॥ १४९ रा० ॥ बापसारग्रौनेंमानिकलभागी। गईएकणरैलारे ॥ दीपोनेएम्हारीधरतिलेषी। कहीसनसुखमातारे ॥ १५० रा० ॥ बेटातोथेराजवीयारा। बोलीबोलविचारो ॥ उर तोथाऊपरकुणआसी। भाईछैयोथारो ॥ १५१ रा० ॥ जु गवलभनेंतोमोटोमेल्यौ। पवरपडोअतुसारे ॥ नानो ॥ बालकजिमजांणोनें। बातकहीविसतारे ॥ १५२ ॥ रा० ॥ बातसुणीनेंराजालाज्यो ॥ नीचोमुखकरीजोवे ॥ मारीवचनकहियोमाताने। राजानेंनहीसोवै॥ १५३ रा० ॥ नमीराजामनमाहिजाण्यौ ॥ जुगमलमरा णामाई ॥ नेहसनेहदोनूंवेटारो। तिणसुंमाजीआई ॥ १५४ रा० ॥ नमीराजातोमिलणनेंचाल्यौ ॥ जुगवल मसाहमोजाई ॥ हरपभावसुवाहपसारी। मिलीयादो नूंभाई ॥ १५५ रा० ॥ एकणहाथीरेहौदेवैठा ॥ जुग मलभनमौभाई॥ जुगवलमराहेराकानी। आवैहरप सवाई ॥ १५६ रा० ॥ लोकलडाईरीवाताकरता। लड ताहीडाहोडो ॥ लोकांमनमैअचरिजपांम्यौ। काईकीयो कैडूणमोडो ॥ १५७रा० ॥ मैरमिटायनेंमेलकरायो। म णांलोकऊमाराणी। घणाजीवांरामांथापडता ॥ राख्या छैडूणमाणी ॥ १५८ रा० ॥ लोकराजारैकुशलजहुवी। घरघरहरपवधाई। भलोहोज्योइणसतीमैरो ॥ भसली चौणगभाई ॥ १५९ रा० ॥ राजकचैडीमेंआईवैठा। जुग मलभनमोभाई ॥ जुगवलभसुपषथिरजाणोनें। मैरा

रैइसातीकहैराजामैं। कारणपडोयोकिमभारी ॥ कोमन
धीतीथेभेजोकीनो। तिणरीकौं णविचारी॥ १३६ रा॰
चायसडमाहरीघरौतीलेघो। नौंचचंडालघरजावो॥
साथसमानहूणभेलाकीनो। तिणकारणचढ़ौधायो॥
१३७ रा॰ ॥ बैटाथेक्षैराजवोयोंरा। वीलमिचारीवीको
उरयाजपरकौ णचंढ़धायो। योथांरोभाईछैनडुमोसो॥
१३८॥ मातसुणीमेरांजाजाझ्यौ। मोचोसुखकरीओवै
भारीवचनकह्यौमातानें॥ राजानेंनहीसोवै॥ १३९ रा
जुगवछभतीकहैमातानें। थैंसोचीस णमभारी॥ मौतघा
पदाकियाबिधहूई। मातकहैमिसतारी॥ १४० रा॰॥
मणरथराजाथांरापितानेंमारयौ। कुंरातनेंमोवलीमाई
अनमनमीरोयनमें कुयो॥ कुंमेंवधाईमाई॥ १४१ रा॰
तोरगटीनेंबैठोऊती। चिमानविद्याधरनेंधायो॥ देवजं
धायमोनेसाईसेसो। ऊगहैथमोघरणमायो॥१४२ रा
पितातीथाहरोदेवताऊवो। दरशणप्रभुकैधायो॥ थाका
माजिमें तीस णमलीनो। भेटाप्रभुरेपायो॥ १४३ रा॰
देशुंराजारैमे बैरसुणीयों। खडसीमाहेमाई॥ थया
थ्यादमीमरणपामसौ। तिणकारणऊआई॥ १४४ रा॰॥
जुगवसमराजामातसुणीनें। चिन्ताफिकरमनधाई। जुग
वसमतोकहैमातानें। जायमिसूंकुभाई॥ १४५ रा॰॥
ठौकनहोरछैनमोरायनें। योछैमाहरोभाई॥ नहोचिन्ता
सराजमीथांकिरो। तियसुंमिलुपछिलीजाई॥ १४६ रा॰
जुगवसभतोदोयोसमभाई। नमोरायकनेंजायो॥ थतो
यानिजरपडीराजारौ। बिनयकरीसामोंधायो॥ १४७॥
रा॰॥ हाथजोडीनेंराजामोसौ। मकागतीयांकिमआई

रा० ॥ मैंणरेहातोदीक्षालेई । मनशुधसंजमपाले ॥ जिन मारगमेंनासदीपायो । भवदुखपणसहुटालै ॥ १७३ रा० ॥ मैणरेहातोकुलतारकहुई । लज्याआपरीरायो ॥ शियोल ह्योपिणशीलनभाज्यौ । भगवंतजेहनोंसाषो ॥ १७४रा० जुगवाहुनेंमैंणरेहाराणी । जुगवलभनमीभाई ॥ च्यारांरो तोकारजसीधो । मणरथदुरगतिमांही ॥ १७५ रा० ॥ विश्नसातमोपरनारीनें । जीवघातघरहाणी ॥ मणरथ राजानरकेंपहुंतो ॥ कुजशबांधनें प्राणी ॥ १७६ रा० ॥ एककुविश्नमणरथसेव्यौ । बहुरुलीयोसंसारो ॥ सातो कुविश्नजेसेवेप्राणी । तिणनेंदुखकषपारो ॥ १७७ रा० विषयारशतोविषसमजाणीनें । सदगुरुसेवाकीजै ॥मनरथ राजनीवातसुणीनें । परनारीसंगनकीजे ॥ १७८ रा० ॥ दांनशीलतपसंजमपालो । दूखणसगलाटालो ॥ दयाधरम रीशमतांमांणी । शुधकरोआचारो॥१७९ रा॥धरमदयाई कीत्रलीभाष्यौ । तिसाचोकरीजाणो ॥ जेसेवैप्राणीभविप्रा णी । तेपामैंनिरवांणो ॥ १८० रा० ॥ जपतपसंजमपा लोरेभाई । विषयविकारगमाई ॥ जीवजिकेतोशिवसुख पावै ॥ वीरवचनमनलाई ॥ १८१ रा० ॥



गरीमनमें चाई ॥ १६० रा० ॥ जुगवलभवकैसोनेंदो चालेवद्यो। राजकरीमहारायो॥ राजरिवनेंसर्वसंभरा मेंथानेभोलायो ॥ १६१ रा० ॥ जुगवलभतोदोचा लीधी। हरपघणोमनमाई॥ माईमिळीदोदुसरीचरचां। नमीकुमरनेंघाइ ॥ १६२ रा० ॥ नमीकुमरतोराजा राजकरैछै। रांणीएकसौआठो॥ शोभैनाटिकमेंघुरैनगा रा। दोनूराजरोपाटो॥ १६३ रा० ॥ दोयअवरनेंजोगच रीनें। लेयोसंजमभारी॥ दुक्करपरीसाकरसाचायी। उ तराध्ययनविस्तारी॥ १६४ रा० ॥ दोन्याभायांरिमेलव रायो। मेंणरेहापाछीआइ ॥ गुरणीजीरेपायेलागनें। विघसुंवातसुणाइ ॥ १६५ रा० ॥ मोटाराजारीमेलव रायो। राणीधणांरीमाणी ॥ मेंणरेहानांगुणजानीनें। गुरणीजइछैराणी॥ १६६रा० । छतीसहजारआर्य्यांमा है। गुरणीचदनबाला। तिणरैपाटेंपदवीपाइ॥ शिष्य णीरतनांरीमाला ॥ १६७ रा० ॥ चेडानीबेसातपुत्री। भगवंतआपवर्षांणी॥ बेलणाम्रगावतीतोजीप्रभावती। चौथीबाईसैराणी॥१६८रा०॥पाछसीपदमावतोछट्ठीज्य ष्टा। सुज्येष्टासातमीजांणी ॥ संकटपड्यांसतीशीलनरा ख्यो। दयदतीनसराणी॥ १६९ रा० ॥ अजणांसतीछै महेन्द्रराजारी। शिवीसघोमनमांही॥ संकटपड्यांसती शीलअराख्यो। जसकीरतिजगमाहो ॥ १७० रा० ॥ स तोद्रौपदीतोघागेहुई। जसलीधोजगमांहो ॥ मोटारा जारीविरोधमिटायो। मेंणरेहारीअधिकाई ॥ १७१ रा० सुनससेनेंसुद्यतकीज्यौ। शिसुपदमारोमतयोज्यो॥ जि नशासनमेंमेंणरेहाकोनी। तिमससघीईकोज्यो ॥ १७२

सवमरहोऊदयाल॥ हिंसापंपामाहि॥ १३॥ सुद्रछिद्र समग्राउ॥ जियऋसंखघरैजि॥ लिकसमानथरिर॥ क रैतोदोपमरैणी॥ १४॥ पवनऋाउजल्कृष्टितीनहजार वरखकी॥ पवनकरेतेगुलाम॥ कहियेंद्रनहोतिसकी॥ १५॥ वनस्पतीमतितोहि। जीवनसेंइकगंई॥ संपऽसंप ऽनंतदोइभेदइनमाही॥ १६॥ साधारणचोदेलाप॥ ट्यअत्येकमपानी॥ साधारनसेंजीवहैं॥ ऽनंतकहैंह्यानी॥ १७॥ कीमलजेफलफूलडालपचकंदनेते॥ जमहेपरवजिसडालहें॥ साधारनतेते॥ तिलसमइस तनमाहि॥ जीवकहैकहैजेते॥ तीनकालकीसिद्धकीजेंएक नतेते॥ १८॥ सासउसासइकजाहि॥ जनममरनकरेंजो साढ़ेसतरेंबारञाउनहीनघरेंजी॥२०॥ हेंपरतच्चसेंजीव संपऽसंपपरखाना॥ उत्कृष्टोयाकीञाउमर्यसहसदसना ना॥२१॥फलदायकतोरनहारदेषेकाज्ञीप्रानी॥जगजीक हाविगवारदुरगतीआगवानी॥ बवऊठोबसकायबोतीषो रोद्रीमाती। दोदोलपपरवानबेइंद्रीसंख्याती॥२२॥ ऽल सीयाछमोलटजोक॥ञाउनहीवर्पवारें॥वडुतवसेंजलमांहि तातेंछानिचसटारें॥ २३॥ चेंटीपटमखटाल॥ जूठांकी नसलाई॥ गदितेंइन्द्रीजानजीवदयाकरोभाई॥ २४॥ आठदिनाउनचासउत्कृष्टीजिनभापी। चौइन्द्रं भ्रमरपत ङ्ग॥ मच्छरमागरसैप॥ २५॥ बीछूमकोडाऽदि॥ आ उपहीछमासीणी॥ एकाटेश्रायज्ञानीतौउनबिनासें॥ २६॥ नरपसुपपीमच्छीऽदिपचेंद्रिजानो॥जोएकरे थिगार तोबीकहनाजानो॥ २७॥देवनरकउत्कृष्ट॥ञाउसागरते तीस॥ जघनसहसदसवर्प॥ भापीयोणगदोस॥ २८॥

॥ अथ श्रीछेकायानी वीनती लिख्यते ॥

छहकायारक्षाकरी ॥ भएतीर्थंकरदेव ॥ यातेंमनवच कायसों ॥ करीदयाकोटेव ॥ पृथ्वीकायमतपोद ॥जीवअस ङ्खभरेहै ॥ माटीचढ़ियेतोड़ि ॥ फासुवडुतपरेहै ॥ २ ॥ माटीअणासमजीव ॥ धारेंश्रमरसमकाया ॥ तेलपयोजन मान ॥ जंबूद्वीपनमाया ॥ ३ ॥ मरसवावीसहजार ॥ आयुवडीजुवपानी ॥ जघनमहुरतमांहि ॥ सवथावरथि सथानी ॥ ४ ॥ माटीखोदैकुमार ॥ हिंसावहुउपजावै ॥ हिंसाकीपरणाम ॥ मरिकैदुरगतिआवै ॥ ५ ॥ जलकाया नविरोध ॥ जीवअपारविराजै ॥ जोजलचढ़ियेतोहि ॥ फासूसैकरिकाजा ॥ ६ ॥ एकबिंदुकेजीव ॥ देहअणासम धारै ॥ जोइसद्वीपमांइ ॥ केवलज्ञाननिहारै ॥ ७ ॥ उ तकृष्टीजलआव ॥ सातहजारवरसकी ॥ सातसातलष जाति ॥ भूजलअगनिपवनकी ॥ ८ ॥ जलकीभरयिगुहा रि ॥ हिसकर्णेपयिहारी ॥ तनपरिकपरानांहि ॥ तेदुर गतिकीप्यारी ॥९॥ अगनिकायमतिदाह ॥ जीवअसंखभ रेहै ॥ अगनिधारमनिवार ॥ गुरवीमवनपरेहै ॥एकअग निकाजीव ॥ पोसामीजसमकाज ॥ धारैतोद्वीपनमांइ वडीतीनदिनकैआऊ ॥ ११ ॥ भोखादिकयनमांहि ॥ पा पकादाहकरदया ॥ फिरैहैनगनपगनिषे ॥ दुरगतिदुःख भरदया ॥ १२ ॥ पवनकायकेजिय ॥ वहुतमसैइकठांहि

थापी ॥ जिनशासनकीरतिछापी ॥ जगजीवनमेंजिनपर
तापी ॥ २ ॥ साधुरतनथदगुरुपार्श्वें ॥ लेइदीक्षाअनुभव
अभ्यासै ॥ मदमजताजोइन्वलगनाशै ॥सुखसंजमपालैसुवि
लाशैं ॥ ३ ॥ गच्छनायकलायकजोगसदा ॥ वशिनन्हिकरै
विषयकषायकदा ॥ सुपसोइगदेखेंसंपदा ॥ समरंताटालै
सवविपदा ॥ ४ ॥ सच्चजैरिधिमिलैसगलो ॥ पुन्ययोगेंपुन्य
दशासवलो ॥ पाशचंदसूरिदादाअतुलमलो ॥ अभि
लापाकरैसवहीसफलो ॥५॥ निशवाशरक्षुधसमंगलवेला
नितउच्छवहरपललवकेला ॥ गुरुसुपशायैंसुजशभला ॥
मिलैपुषवतीललनासुकुला ॥६। सगलादिनथइवैसफला
नितपानकपूरतणावीडला ॥ गजघोडापायकरथप्रवला ॥
घरमेंकल्याणकरैकमला ॥ ७ ॥ घुरैविजयनीशाणचमर
डारै ॥ नरपतिपडाहाणरदरवारै ॥ जयजयशवदनेंजचा
रै ॥ करजोडीगुरूसीसासारै ॥ ८ ॥ धपमपमादलनादम
णे ॥ नाटकवत्तीसैरंगसणे ॥ प्रगटैअतुलप्रतापघणै ॥ स
वदुशमणदोषीदूरभजै ॥ ९ ॥ सुपमीठाभोजनसरसमिलै
दुखरोरदुकालजरूरटलै ॥ मनवंछितआशासफलफलै ॥
गुरूसुनिजरहष्टिप्रसन्नभलै ॥ १० ॥ तनमनगमतापट
पहिरै ॥ तिहुंजगमैंविशदकीरतिपसरै ॥ इणमनशद
गुरूणेसमरै ॥ सुरधनदक्षैरिधघरमांहिभरै ॥ ११ ॥ तत
पिणउमंडधुसडआवे ॥ करिघोरघटाघनयरसावै ॥ शरि
तासरकूपकभरणावै ॥ जसदायकविरुधजगतगावै ॥ १२
गहिरालसणइरतरंगकरै ॥ भरसागरवाडणवीचडरै
कूमंतांप्रवफणगुरुसमरै ॥ तिणआपदथीततपिणउधरै
१३ । परचापूरैयूमसही ॥ विक्रमपुरमहिपुरगहगही

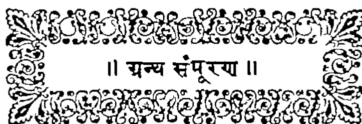
उल्क,छोपल्यतीननरपसुआउसपानी॥मञ्ञसरपदेपिथाजण पूर्वकोडिपरवानी ॥ २८ ॥ देवनरकतिरिजंचचार२लष जानी ॥ चवदेंलापमनुष्यएसवलपचोरासी ॥ ३० ॥ पञ्च इन्द्रोवलतीनआउसासोउसास ॥ ईनदशप्रानन्माँह । थावरकेचउभाषो ॥ ३१ ॥ विकलत्रयछेंसातआठ प्राणम नसीणी ॥ दसेंप्रसनीसन्नपचइंद्रीनव दशजी ॥ ३२ ॥ छपर्जायआहारहेंसरीरफुनिइंद्री ॥ सासउसासभाषाम नचारधरी इक इंद्री ॥ ३३ ॥ विकलऽसन्नोकीपांचसन्न कीछेजानो ॥ पर्जायनकेभेद गुरुसुखसुं पहिचानो ॥ ३४ पर्याप्तीछकायहोयअपर्याप्तधारी ॥ सूषमवादरभेदकघासि द्धान्तमझारी ॥३५॥ लोकआकासमझार।पूररहीछेकायाष टमाँहि ॥ जितुमजानोमनवचकाया ॥ ३६ (कलश) यह जाननिधिदिनदयापालो ॥ भविकशिवसुषदायरे ॥ भव भवतणीयहलुटचअपनो ॥ जपोमनवचकायरे॥छटकायमें जियघातकेमसरुलतणिवअपनोकियो । अवतरनतारनजोन कोणी ॥ सरनम्होजिनराजको ॥ जगमाहिभविभव ससितसमकित ॥ घरनतुजवदित ॥ निजदासलिषि यहआसपूरोचारकुलकुमेंनाथाङ ॥ ३७ ॥

॥ इति श्रीछेकायनी विनती ॥

॥ अथ श्रीसदगुरुस्वामीयस् विनती ॥

चरणकमलसदगुरुजीका ॥ नितमणमोभावधरीमोका भगतमद्धलगुणउगाहीका ॥ सवसुरियिरोमणिगिरटी का ॥ १ ॥ परचापूरणपरतापो ॥ यडतपगछ्मीमहिमा

णसाकणभुतडाछो ॥ भ०॥ सिंहचितानैसुर ॥ वेरीदृसम
णचोरढाछो ॥ भ ॥ रहैसदाईदूरछि० ॥ भ० ५ ॥ चुप
सातावरतैघणोछो ॥ भ० ॥ जेध्यावैनरनार ॥ परभवभा
ताणीवनैंछो ॥भ०॥ सरणाकीआधारछि० ॥ भ० ६ मं०
रापोसरणाकीआसताछो ॥ भ० ॥ नेछोनछीआवेरोग ॥
मरतैआणंदसुखसछोछो ॥ भ० ॥ वालातणोसंजोगछो०
भ० ७ मं०॥ निसदिनयाकुंध्यावताछो ॥ भ ॥जीवतणेउ
धार ॥ क्रुमीनछीकोईवस्तनीछो ॥ भ० ॥ याछोजगमेंसा
र छि० ॥ ८भ० ॥ मनचिंतामनोरथफलैछो ॥ भ० ॥ वर
तैकोडकल्याण ॥ सुधमनकरनैस्मरंताछो ॥ भ० ॥ निश्चै
पदनिरवाण छो० ॥ ९भ० ॥ एसरणानैध्यावताछो ॥ भ०
नामतणोआधार ॥ एसरणाकीकीरतीकछोछो ॥ भ० ॥
ध्यावोमनमभ्कार ॥ छो० ॥ मं० ॥ संवतआठारेबावनैछो
भ० ॥ पालीसेरसुपकार ॥ चोथमलइमविनवैछो ॥ भ०
सुणज्योवालगोपाल ॥ छो० ॥भ० ॥ १० म०॥ इति
मङ्गलीक सरणा ॥


॥ ग्रन्थ संपूरण ॥

हरिगतमेंदुखदोषनही ॥ वलिसुभटपुरैंअंकितलही॥१४ राणनगरवीरमगांमे ॥ पंभायतमांडलसुपठांमे । राधणपु रपाटणाघभिरामे ॥ गुरुनांमेंसुपसंपतिपांमे ॥ १५ ॥ द क्षिणउत्तरवलिहारी ॥ पूरवपच्छिमअतिसुपकारी ॥ द ष्टिदिषिजनसिभासारी ॥ गुणवंतागणधरजयकारी ॥ १६ जनपदपट्टणपुरसगरे ॥ गाईजैपाश्चंदसवनगरे ॥ मूजे जेजनछितपवरे ॥ तिश्रक्रचक्रपदसुरतवरे ॥ बावनवीर जोगणिसाधी ॥ वलिधिषपालनेंआराधी ॥ भूमंडलविच रैनिरुपाधी ॥ कीईश्रावकप्रतिबोध्यावाधी ॥ १८ ॥ सूरी श्वरश्रीपाश्चंदसाधैं ॥ सकुसेवकजनसुखियाथापै । समरं तांगुरुदरथणदाथै ॥ मुनिइन्द्रचंदमायकभाषै ॥ १९ ॥

॥ इति श्रीगदगुरु स्तवीयम् ॥

॥ अथ श्रीमांगलीक सरणा लिख्यते ॥

मउठोनैसमरीजेहो । भवीयण) मंगलीकसरणाच्यार आपदाटालैसंपदाहो ॥भ । दोलतनोदातार ॥ कीयवैरा पीजेहो ॥ भ० १ ॥ अरिहंतसोहसाधांतणोहो ॥ भ० ॥ कैवलीभाष्योधर्म ॥ एच्यारु जपतायकांहो ॥ भ० ॥ टुटे आठुंकर्महो० ॥ भ० २ ॥ एच्यारुसुखकारीयाहो ॥ भ० ॥ एच्यारुमङ्गलीक ॥ एच्यारुंउत्तमकह्याहो ॥ भ० २ ॥ पचारु तङ्गलीक ॥ हो० ॥ भ० ॥ गेलेथाटे चालताहो ॥ भ० ॥ समरुंवारंवार ॥ गावांनगरांचाल तांहो ॥ भ० ॥ यियननिवारणहार ॥ हो० ॥ भ० ॥ डाक

॥ मांगलिक स्तुति ॥

आद्यं श्री रिषभं जिनं शिवहतं कैलाश नामागिरौ।
चंपायां मस्तु पूज नंदन तथा वीरंच पावापुरी॥
उज्जंते जिन नेमनाथ शिषरे जैनेश्वराः विंशति।
एतेसर्वजिनेश्वरा प्रतिदिनं कुर्वंतुवो मंगलं॥ १ ॥

इत्थं गौतमसंस्तुतिः सुविहाता चंद्रेण पार्श्वोदिमा।
भक्त्यास्फीत सदा नवीन गवभतपादं गुरुट् चंभुना॥
ये तस्य स्मरण प्रभात समये कुर्वंतिचंगात्मका।
तेनित्यं मनसः समीहित फलं सद्योलभन्तेतराम्॥२॥

विज्ञापन।

इस ग्रन्थ के छापने में अथवा संशोधन करनेमें जो कोई लगे अक्षर छोट, कानामात्रा भुल हुवा होय अथवा और कोई तरेह ज्ञाना दिका छापनेमें आशातना हुवा होय, सो सकल श्रीसंघसमझे मन-वचन कायाकर मिच्छामि दुक्कड होय। और साधर्म्मिक श्रीसंघ से इह प्रार्थना है, कि इस पुस्तकमें जो कुछ काहिर अशुद्ध होय, तिसकुं संशोधन करके जयना से उपयोग कर पाठ करनेमें आवे इति श्रीरस्तु कल्याण मस्तु। उत्तरोत्तर मङ्गलीक॥

